राष्ट्रीय संस्करण

दैनिक जागरण

वर्ष 8 अंक 65

मूल्य ₹8 .00 नई दिल्ली, मंगलवार, 13 अगस्त, 2024

www.jagran.com

पृष्ठ 14

इजरायली रक्षा मंत्री ने कहा, ईरान कर रहा बड़े सैन्य हमले की तैयारी

>> 11

स्वतंत्रता के सारथी

ग्रामीण महिलाओं के अधिकारों को मिली आवाज

कानपुर : महिला अधिकारों की गूंज को थाईलैंड तक पहुंचाने वाली करिश्मा सामुदायिक रेडियो के जरिये शिक्षा, समता के प्रति जागरूक करने के साथ हिंसा के विरुद्ध लड़ने को कर रही हैं प्रेरित। ● पेज-7

संपादकीय

तनावपूर्ण होते पक्ष-विपक्ष के संबंध : सत्ता पक्ष और विपक्ष परस्पर शत्रु नहीं होते। सत्तापक्ष के साथ ही विपक्ष का काम भी गहन जिम्मेदारी से जुड़ा है। **हृदयनारायण दीक्षित** का दृष्टिकोण।

अब भी जारी है विभाजन की विभीषिका : बांग्लादेश में तख्तापलट के बाद वहां की घटनाएं यही बता रही हैं कि विभाजन के दंश भुलाए नहीं जा सकते। **नीरजा माधव** का आलेख। ● पेज-8

विमर्श

कठिन नहीं देश में जनसंख्या नियंत्रण : भारत विश्व में सर्वाधिक जनसंख्या वाला देश बन चुका है। हालांकि पिछले कुछ वर्षों से जनसंख्या वृद्धि दर में कमी आई है, फिर भी हमारी विशाल आबादी को नियंत्रित करना बड़ी चुनौती है। **संजय श्रीवास्तव** का आलेख।

बांग्लादेश सीमा पर तेज होता शरण का शोर : बांग्लादेश में आरक्षण के मुद्दे पर छात्र आंदोलन से शुरू हुई हिंसा तख्तापलट के बाद भी जारी है। कट्टरपंथियों के हमले से आतंकित हजारों अल्पसंख्यक बांग्लादेश छोड़ने की तैयारी में हैं। सीमा पर शरण मांगने वालों का शोर तेज होता जा रहा है। **जयकृष्ण वाजपेयी** की बंगाल डायरी। ● पेज-9

दैनिक जागरण सप्तरंग

अंतस और अध्यात्म का

मन की स्वाधीनता

निर्मल मन का प्रतीक हैं कामधेनु

● पेज-13

आइआइटी मद्रास लगातार छठे साल शीर्ष पर

एनआइएफआर रैंकिंग

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- ओवरआल कैटेगरी में बेंगलुरु का भारतीय विज्ञान संस्थान दूसरे स्थान पर रहा
- आइआइटी दिल्ली एक स्थान खिसक कर चौथे नंबर पर पहुंचा, एम्स दिल्ली सातवें व जेएनयू दसवें पायदान पर
- उच्च शिक्षण संस्थानों की ओवरआल कैटेगरी के टाप-10 में सात आइआइटी
- इंजीनियरिंग कैटेगरी में आइआइटी मद्रास व विश्वविद्यालय में आइआइएससी लगातार नौवें साल टाप पर
- एम्स दिल्ली सर्वश्रेष्ठ मेडिकल कालेज, दिल्ली का हिंदू कालेज सर्वश्रेष्ठ कालेज तो मिरांडा हाउस नंबर-2 पर

देशभर के उच्च शिक्षण संस्थानों में बेहतर प्रदर्शन करते हुए आइआइटी मद्रास ने लगातार छठे साल ओवरआल कैटेगरी में शीर्ष स्थान प्राप्त किया। भारतीय विज्ञान संस्थान (आइआइएससी) बेंगलुरु ने भी प्रदर्शन उम्दा रखते हुए इस कैटेगरी में दूसरा स्थान हासिल किया। तीसरा स्थान आइआइटी बांबे और चौथे स्थान आइआइटी दिल्ली ने पाया। आइआइटी दिल्ली इस बार एक पायदान खिसका, पिछली बार उसका रैंक तीसरा था। पांचवें नबंर पर आइआइटी कानपुर रहा। उच्च शिक्षण संस्थानों की ओवरआल कैटेगरी के टाप-10 में सात आइआइटी हैं। तीन अन्य संस्थान आइआइएसी बेंगलुरु, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान(एम्स) नई दिल्ली और जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) हैं। आइआइटी मद्रास ने इंजीनियरिंग कैटेगरी में लगातार नौवें साल शीर्ष स्थान पाया। सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालय की बात करें तो आइआइएससी बेंगलुरु लगातार नौवें साल नंबर-वन रहा।

उच्च शिक्षण संस्थानों के बीच शैक्षणिक प्रतिस्पर्धा बनाए रखने के लिए शुरू की गई नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआइआरएफ) के नौवें संस्करण को शिक्षा मंत्रालय ने सोमवार को जारी किया। देशभर के उच्च शिक्षण संस्थानों की 16 कैटेगरी में रैंकिंग जारी की गई है। इस बार तीन नई कैटेगरी भी शामिल की गई हैं, जिसमें ओपन यूनिवर्सिटी, स्किल यूनिवर्सिटी व स्टेट यूनिवर्सिटी कैटेगरी हैं। उच्च शिक्षण संस्थानों की ओवरआल कैटेगरी में छठवें स्थान पर आइआइटी खड़गपुर, सातवें स्थान पर एम्स दिल्ली, आठवें स्थान पर आइआइटी रुड़की, नौवें स्थान पर आइआइटी गुवाहाटी व दसवें स्थान पर जेएनयू दिल्ली रहे। सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालय की श्रेणी में आइआइएससी बेंगलुरू के बाद जेएनयू ने दूसरा स्थान हासिल किया। तीसरे स्थान पर दिल्ली का जामिया मिलिया इस्लामिया, चौथे पर मनिपाल हायर एजुकेशन मनीपाल, पांचवें पर बीएचयू वाराणसी, छठे पर दिल्ली विश्वविद्यालय रहे। इस बार उच्च शिक्षण संस्थानों की इंडिया रैंकिंग के लिए 6,517 संस्थानों ने दस हजार से अधिक आवेदन किए थे। वैसे देश में मौजूद समय में 58 हजार उच्च शिक्षण संस्थान हैं। यह रैंकिंग उच्च शिक्षण संस्थानों के प्रदर्शन यानी छात्रों की संख्या, शिक्षकों की संख्या, इंफ्रास्ट्रक्चर, कोर्सों का संचालन, इनोवेशन, शोध पत्रों के प्रकाशन जैसे करीब सौ मानकों के आधार पर निर्धारित की जाती है।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने रैंकिंग जारी करते हुए कहा, देश के सभी उच्च शिक्षण संस्थानों को अब रैंकिंग फ्रेमवर्क में आना ही होगा। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत संस्थानों को दुनिया के मुकाबले खड़ा होने के लिए यह जरूरी भी है। उन्होंने कहा, अमूमन यह रैंकिंग उच्च शिक्षण संस्थानों में प्रवेश शुरू होने से पहले जून में ही जारी कर दी जाती थी।

नई दिल्ली में सोमवार को उच्च शिक्षण संस्थानों की ओवरआल रैंकिंग जारी किए जाने के अवसर पर प्रमाणपत्र वितरित करते केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और शिक्षा राज्य मंत्री सुकांत मजूमदार। प्रेट्र

प्रमुख श्रेणियों के शीर्ष संस्थान

इंजीनियरिंग कैटेगरी	कालेज कैटेगरी	ला कैटेगरी
1. आइआइटी मद्रास	1. हिंदू कालेज दिल्ली	1. नेशनल ला स्कूल आफ इंडिया यूनिवर्सिटी बेंगलुरु
2. आइआइटी दिल्ली	2. मिरांडा हाउस दिल्ली	2. नेशनल ला यूनिवर्सिटी, दिल्ली
3. आइआइटी बांबे	3. सेंट स्टीफन कालेज दिल्ली	3. नालसार यूनिवर्सिटी आफ ला, हैदराबाद
4. आइआइटी कानपुर	4. राम कृष्ण मिशन कालेज कोलकाता	
5. आइआइटी खड़गपुर	5. आत्माराम सनातन धाम कालेज दिल्ली	
मैनेजमेंट कैटेगरी	**इनोवेशन कैटेगरी**	**मेडिकल कालेज**
1. आइआइएम अहमदाबाद	1. आइआइटी बांबे	1. एम्स, नई दिल्ली
2. आइआइएम बेंगलुरु	2. आइआइटी मद्रास	2. पीजीआइएमई चंडीगढ़
3. आइआइएम कोझीकोड	3. आइआइटी हैदराबाद	3. सीएमसी वेल्लोर
4. आइआइटी दिल्ली	4. आइआइएससी बेंगलुरु	
5. आइआइएम कलकत्ता	5. आइआइटी कानपुर	

हिंदुओं पर हमले के लिए बांग्लादेश सरकार ने मांगी माफी, कहा-नुकसान की भरपाई करेंगे

प्रधानमंत्री मुहम्मद यूनुस आज हिंसा पीड़ितों से मिलेंगे

ढाका, आइएएनएस : बांग्लादेश में हिंदुओं पर हुए हमलों और मंदिरों में तोड़फोड़ के लिए सरकार ने माफी मांगी है। गृह मंत्रालय के प्रमुख ब्रिगेडियर जनरल (रिटायर्ड) मुहम्मद सखावत हुसैन ने कहा,पिछले हफ्ते हुई हिंसा में बहुत से स्थानों पर हिंदुओं पर हमले हुए, उसके लिए सरकार को खेद है। इस हिंसा में जिन्हें नुकसान हुआ और जो मंदिर तोड़े या जलाए गए हैं उनकी क्षतिपूर्ति व निर्माण के लिए सरकार आर्थिक मदद देगी। अंतरिम पीएम मुहम्मद यूनुस मंगलवार को हिंसा पीड़ित समुदायों के प्रमुख लोगों से मिलेंगे। उन्होंने भी अल्पसंख्यकों को पूरी सुरक्षा का भरोसा दिया है। ज्ञात हो, यूनुस को दिए बधाई संदेश में पीएम नरेन्द्र मोदी ने हिंदुओं पर हो रहे हमलों पर चिंता जताई थी और उन्हें रोकने की अपेक्षा की थी।

बांग्लादेश में पीएम पद से शेख हसीना के इस्तीफे की मांग को लेकर चार, पांच व छह अगस्त को भारी हिंसा हुई थी। उपद्रवियों के निशाने पर सरकारी इमारतों के अतिरिक्त अवामी लीग के नेता और हिंदू थे। हिंदुओं के मकानों, प्रतिष्ठानों और मंदिरों पर बड़े पैमाने पर हमले हुए। इनमें दो लोग मारे गए और 45 घायल हुए। इन हमलों की पूरे विश्व में निंदा हुई है। सखावत हुसैन ने कहा, जन्माष्टमी, दुर्गा पूजा और अन्य पर्वों पर सरकार की ओर से सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किए जाएंगे जिससे हर्षोल्लास से सभी आयोजन किए जा सकें। सरकार अल्पसंख्यकों की सुरक्षा में कसर नहीं छोड़ेगी। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार में धार्मिक मामलों का मंत्रालय संभाल रहे एएफएम खालिद हुसैन ने कहा है कि सरकार देश में सांप्रदायिक सौहार्द की पक्षधर है। हमलावरों को दंडित किया जाएगा। इस बीच पुलिसकर्मियों ने ड्यूटी पर लौटने का एलान किया है। इसके चलते नागरिक ठिकानों पर तैनात सेना वापस बैरकों में चली गई है। सोमवार को बांग्लादेश बैंक के दो और डिप्टी गवर्नरों तथा वित्तीय खुफिया इकाई के प्रमुख ने अपने पदों से इस्तीफे दे दिए हैं। इनके अतिरिक्त बांग्लादेश बैंक के एक सलाहकार ने भी पद छोड़ने की घोषणा की है। शुक्रवार को बैंक के गवर्नर अब्दुर रऊफ तालुकदेर ने इस्तीफा दिया था।

- धार्मिक मामलों के मंत्री बोले, उपद्रवी दंडित होंगे
- हिंसा में बहुत से स्थानों पर हिंदुओं पर हमले हुए

ढाका में सोमवार को भी हिंदुओं ने अपने समुदाय पर हो रहे सांप्रदायिक अत्याचारों के विरोध में प्रदर्शन किया। इसमें महिलाएं भी सम्मिलित हुईं। एक महिला प्रदर्शनकारी 'ऊं जय श्री राम' लिखा पोस्टर लिए हुए थी। एपी

ह्यूस्टन में हिंदुओं पर हमले के विरोध में आवाज उठी

अमेरिका के ह्यूस्टन शहर में सोमवार को तीन सौ से ज्यादा हिंदुओं ने एकत्रित होकर बांग्लादेश में हिंदुओं और उनके मंदिरों पर हमलों को रोके जाने की मांग की। कहा कि मुस्लिम कट्टरपंथियों द्वारा हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्याकों को निशाना बनाया जाना गलत है। सरकार उनकी सुरक्षा की प्रभावी व्यवस्था करे। भारतीय और बांग्लादेशी मूल के इन हिंदुओं ने बाइडन प्रशासन से भी मांग की कि वह बांग्लादेश पर अपने प्रभाव का इस्तेमाल कर हिंदू अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित कराए। अमेरिका में इससे पहले हमलों के विरोध में कई जगह प्रदर्शन हो चुके हैं।

शंभू बार्डर खोलने के मामले पर सुप्रीम टिप्पणी

पार्किंग स्थल नहीं है हाईवे

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- आंशिक रूप से खोलने के लिए पंजाब और हरियाणा के डीजीपी को बैठक करने का दिया निर्देश
- पंजाब और हरियाणा ने किसानों से बातचीत के लिए समिति गठन के वास्ते दिए नाम

सुप्रीम कोर्ट ने शंभू बार्डर आंशिक रूप से खोलने के लिए पंजाब एवं हरियाणा के डीजीपी और पटियाला व अंबाला जिले के पुलिस अधीक्षक (एसपी) और पुलिस उपायुक्त को एक सप्ताह में बैठक करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने बार्डर पर किसानों के ट्रैक्टर आदि वाहन एकत्र होने पर टिप्पणी करते हुए कहा कि हाईवे पार्किंग स्थल नहीं है, पंजाब सरकार किसानों को वहां से वाहन हटाने के लिए समझाए। मामले में कोर्ट 22 अगस्त को फिर सुनवाई करेगा।

शंभू बार्डर पर किसान 13 फरवरी से प्रदर्शन कर रहे हैं। तभी से बार्डर बंद है। पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने शंभू बार्डर खोलने का आदेश दिया है जिसके विरुद्ध हरियाणा सुप्रीम कोर्ट पहुंचा है। पिछली सुनवाई पर कोर्ट ने यथास्थिति कायम रखने का आदेश देते हुए किसानों से बातचीत के लिए समिति गठित करने का सुझाव दिया था और पंजाब व हरियाणा से नाम सुझाने को कहा था।

सोमवार को हरियाणा और पंजाब ने नामों की सूची जस्टिस सूर्यकांत व उज्जल भुइयां की पीठ को सौंपी। कोर्ट ने गैर-राजनीतिक विशेषज्ञों के नाम सुझाने के लिए पंजाब एवं हरियाणा की तारीफ की। कहा कि कमेटी गठित करने पर बाद में संक्षिप्त आदेश देंगे, लेकिन इस बीच बार्डर को आंशिक रूप से खोलने के लिए दोनों राज्यों के पुलिस प्रमुख बैठक करें। यह बात तब उठी जब पंजाब सरकार की ओर से पेश एडवोकेट जनरल ने लोगों की परेशानियों का मुद्दा उठाते हुए बार्डर की एक-एक लेन आवागमन के लिए खोलने का सुझाव दिया। कोर्ट ने इससे सहमति जताते हुए कहा कि बुजुर्गों, महिलाओं, एंबुलेंस और आवश्यक चीजों की आपूर्ति वाहनों के लिए बार्डर की एक या दो लेन जैसा उचित लगे, हरियाणा-पंजाब खोलने पर विचार करें। अगर वे मिल-जुलकर हल निकाल लेते हैं तो उन्हें कोर्ट के आदेश की प्रतीक्षा करने की जरूरत नहीं है।

सरकार ने कहा, 19 तक हथियार जमा कराएं आंदोलनकारी पेज>>11

बांग्लादेश में उपद्रवियों ने शहीद स्मारक भी तोड़ा पेज>>11

सीएम के तिहाड़ से एलजी को पत्र भेजने पर जेल ने जताई आपत्ति

नई दिल्ली : तिहाड़ जेल में बंद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल द्वारा उपराज्यपाल वीके सक्सेना को पत्र भेजे जाने पर जेल प्रशासन ने सख्त आपत्ति जताई है। मुख्यमंत्री ने दिल्ली सरकार के स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम में उनकी जगह मंत्री आतिशी द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराने के संबंध में पत्र लिखा है। जेल संख्या दो के अधीक्षक ने सीएम को लिखे पत्र में कहा है कि यह विशेषाधिकारों का दुरुपयोग है। कैदी जेल नियमों के प्रविधानों द्वारा शासित होते हैं, जो उनके अधिकारों व विशेषाधिकार सीमित करते हैं। (पेज-2)

ब्राडकास्टिंग बिल का मसौदा नए सिरे से तैयार होगा

नई दिल्ली : सरकार ने सोमवार को कहा कि वह ब्राडकास्टिंग बिल का नया मसौदा तैयार करने के लिए और विचार-विमर्श करेगी। दरअसल, प्रस्तावित कानून में इंटरनेट एवं डिजिटल मीडिया पर प्रतिबंध को लेकर कुछ हलकों में चिंता व्यक्त की गई थी। (पेज-3)

जहानाबाद में मंदिर की सीढ़ियों पर भगदड़ में आठ की मौत

जहानाबाद : बिहार के जहानाबाद जिले में ऐतिहासिक वाणावर पहाड़ी पर अवस्थित सिद्धेश्वर नाथ मंदिर की सीढ़ियों पर रविवार की देर रात भगदड़ मचने से आठ श्रद्धालुओं की मौत हो गई। जबकि 30 घायल हुए हैं। इसके अलावा कुछ के लापता होने की भी सूचना है। (पेज-6)

भाजपा का पलटवार : हिंडनबर्ग में बड़े निवेशक हैं जार्ज सोरोस

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- रविशंकर प्रसाद बोले, शेयर मार्केट को धराशायी करना चाहती है कांग्रेस

रविशंकर प्रसाद। फाइल

2005 से कांग्रेस नेताओं की संपत्ति कितनी बढ़ी इस बारे में बताएं नेता : गौरव बल्लभ

सेबी प्रमुख पर हिंडनबर्ग के आरोपों की जेपीसी से जांच कराने की मांग को भाजपा ने सिरे से खारिज कर दिया है। भाजपा के अनुसार, जेपीसी जांच की आड़ में कांग्रेस भारतीय शेयर बाजार को धराशायी करना चाहती है। भाजपा के वरिष्ठ नेता रविशंकर प्रसाद ने जेपीसी की मांग को शर्मनाक बताते हुए कहा कि इसके पीछे कांग्रेस की मंशा भारतीय अर्थव्यवस्था और करोड़ों निवेशकों को बर्बाद करने की है। प्रसाद ने साफ किया कि कांग्रेस अपनी मंशा में कभी सफल नहीं होगी और भारत की आर्थिक प्रगति जारी रहेगी।

हिंडनबर्ग की रिपोर्ट और नए आरोपों को झूठ का पुलिंदा बताते हुए रविशंकर प्रसाद ने कहा कि इसके पीछे गहरी साजिश है। उन्होंने कहा कि हिंडनबर्ग में जार्ज सोरोस का बड़ा निवेश है। जार्ज सोरोस खुलेआम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को हटाने के लिए हजारों करोड़ रुपये खर्च करने का एलान कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि इसके पहले राफेल और पेगासस पर ऐसी ही बेबुनियाद आरोपों के सहारे कांग्रेस मोदी सरकार को घेरने की विफल कोशिश कर चुकी है। राफेल मामले तो उसे सुप्रीम कोर्ट से माफी तक मांगनी पड़ी थी।

राहुल गांधी ने महज पांच महीने में 46.49 लाख का मुनाफा कमाया

नई दिल्ली, आइएएनएस : मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल में भारतीय शेयर बाजारों की जबरदस्त वृद्धि पर राहुल गांधी लगातार संदेह जता रहे हैं। वहीं आंकड़ों से पता चला है कि नेता प्रतिपक्ष ने पिछले पांच महीनों में अपने शेयर निवेश से 46.49 लाख रुपये का मुनाफा कमाया है। शेयर बाजार में राहुल गांधी के पोर्टफोलियो का मूल्य लगभग 4.33 करोड़ रुपये (15 मार्च, 2024) से बढ़कर लगभग 4.80 करोड़ रुपये (12 अगस्त, 2024) हो गया है। इस मुनाफे की गणना राहुल गांधी द्वारा रायबरेली सीट से लोकसभा चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करते समय बताए गए शेयरों के आधार पर की गई है।

राहुल गांधी। फाइल

भाजपा प्रवक्ता गौरव बल्लभ ने पिछले दो दशक में कांग्रेस नेताओं की संपत्तियों में हुई वृद्धि का विवरण देते हुए कहा कि एक तरफ उनकी संपत्ति में हजारों गुना की बढ़ोतरी हो रही है, दूसरी ओर कांग्रेस शेयर मार्केट को धराशायी कर करोड़ों छोटे निवेशकों को कंगाल करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि 2014 में देश में 2.20 करोड़ डीमैट एकाउंट थे, जो बढ़कर 15 करोड़ हो गए। इसी तरह से पिछले चार सालों में कंपनियों ने आइपीओ के मार्फत 3.25 लाख करोड़ रुपये जुटाए। उन्होंने कहा कि 2004 में राहुल गांधी की संपत्ति 55 लाख रुपये थी, जो 2024 में बढ़कर 20.5 करोड़ रुपये हो गई। वहीं पी चिदंबरम की संपत्ति भी 2011 में 12 करोड़ रुपये से बढ़कर 2022 में 141 करोड़ रुपये हो गई। उन्होंने कहा कि आखिर कांग्रेस के नेता अपनी संपत्तियों में इतने गुना इजाफे का फार्मूला युवाओं को कब देंगे।

धन-बल के बूते देशों की राजनीति प्रभावित करने के लिए जाने जाते हैं सोरोस पेज>>3

सावधान

उप्र में मिलावट के सबसे ज्यादा मामले, राजस्थान दूसरे व तमिलनाडु तीसरे स्थान पर, फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड अथारिटी के तीन वर्षों के आंकड़ों में दिखी भयावह तस्वीर

मिलावटी दूध व उससे बने उत्पाद हो सकते हैं जानलेवा

राज्य ब्यूरो, जागरण ● चंडीगढ़

2023-24 में उत्तर प्रदेश में दूध और दूध से बने उत्पादों के 27,750 हजार में से 16,183 सैंपल फेल पाए गए

किडनी और लिवर पर पड़ता है मिलावट का असर

चंडीगढ़ पीजीआइ के डिपार्टमेंट आफ कम्युनिटी मेडिसिन की डा. पूनम खन्ना का कहना है कि दूध में मिलावट का शरीर पर धीरे-धीरे दुष्प्रभाव दिखता है। यूरिया से किडनी व लिवर की बीमारियां होती हैं। पेट की बीमारियों के साथ शुगर लेवल भी प्रभावित होता है। अमोनिया का भी यही प्रभाव शरीर पर होता है।

दूध में यूरिया और डिटर्जेंट के अलावा माल्टोडेक्सट्रिन व हाइड्रोजन पैराक्साइड

पहले दूध में पानी मिलाने की ही शिकायतें आती थीं परंतु पिछले कुछ वर्षों में कई ऐसे केमिकल मिलाए जा रहे हैं जो स्वास्थ्य के लिए अत्यंत हानिकारक हैं। चंडीगढ़ के निकट खरड़ स्थित झ्रग फूड एंड केमिकल टेस्टिंग लेबोरेट्री के सूत्रों के अनुसार दूध में यूरिया, डिटर्जेंट, कास्टिक सोडा, माल्टोडेक्सट्रिन आदि की मिलावट बहुत बढ़ गई है। दूध में फैट व सालिड नान फैट होता है। मिलावटखोरों का दूध में इस प्रकार की वस्तुएं मिलाने का उद्देश्य दूध की मात्रा के साथ सालिड नान फैट (एसएनएफ) और फैट बढ़ाना होता है। दूध शीघ्र खराब न हो इसके लिए उसमें हाइड्रोजन पैराक्साइड व फार्मालिन मिलाया जाता है। अमोनिया व यूरिया के कारण खराब हुए स्वाद को ठीक करने के लिए उसमें आटा व स्टार्च मिलाया जाता है।

क्या आप जानते हैं कि प्रतिदिन जो दूध पी रहे हैं या दूध से बने विभिन्न प्रकार के उत्पाद खा रहे हैं, उनमें मिलावट हो रही है। इस कारण शरीर में ऐसे तत्व पहुंच रहे हैं जो आपका स्वास्थ्य बिगाड़ सकते हैं। यह चिंताजनक जानकारी केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की राज्यमंत्री अनुप्रिया पटेल की ओर से 6 अगस्त को राज्यसभा में प्रस्तुत रिपोर्ट की छानबीन में सामने आई है। इस रिपोर्ट के अनुसार, दूध में मिलावट के सबसे अधिक मामले उत्तर प्रदेश में पकड़े गए। इसके बाद केरल व तमिलनाडु का स्थान रहा। पंजाब में भी दूध व दुग्ध उत्पादों में मिलावट की मात्रा काफी पाई गई है। खुले दूध, दूध के पैकेटों, पनीर, दही, मिठाई, बिस्कुट आदि के सैंपलों की जांच की गई।

राज्यसभा में फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड अथारिटी आफ इंडिया (एफएसएसएआइ) की ओर से तीन वर्षों में लिए गए सैंपलों के आंकड़े प्रस्तुत किए गए। उत्तर प्रदेश में वर्ष 2023-24 में दूध व दूध से बने उत्पादों के 27,750 में से 16,183 सैंपल फेल पाए गए। राजस्थान में 18264 में से 3565, तमिलनाडु में 18,146 में से 2,237 और केरल में 10,792 में से 1,297 सैंपल फेल पाए गए। पंजाब की बात की जाए तो दूध व दूध से बने उत्पादों के 6,041 में से 929 सैंपल फेल पाए गए। पड़ोसी राज्य हिमाचल में 1617 में 396 और हरियाणा 3485 में से 856 सैंपल फेल हुए।

मिलावटी दूध बेचने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने में भी उत्तर प्रदेश सबसे आगे है। उप्र ने मिलावटखोरी के 1928 मामले दर्ज कराए। तमिलनाडु ने 944, केरल ने 737, महाराष्ट्र 191, बिहार 174, हरियाणा 117, पंजाब 76, राजस्थान 83, हिमाचल ने 8 लोगों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज कराए। वहीं, 2023-24 में मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नगालैंड, ओडिशा, पुडुचेरी में दूध के सैंपल लिए गए और वे फेल भी हुए परंतु किसी के खिलाफ कोई आपराधिक मामला दर्ज नहीं कराया गया।

****

रविवार तक सभी आरोपित न पकड़े तो सीबीआइ को सौंप देंगे केस : ममता

राज्य ब्यूरो, जागरण ● कोलकाता

- बंगाल में महिला डाक्टर से दुष्कर्म और हत्या के मामले में बंगाल की मुख्यमंत्री ने दिया बयान

ममता बनर्जी। फाइल

ममता बनर्जी पीड़ित के परिवार से मिलीं और कहा-मामले की सुनवाई फास्ट ट्रैक कोर्ट में हो

बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को कहा कि अगर पुलिस आरजी कर मेडिकल कालेज एवं अस्पताल में महिला डाक्टर से दुष्कर्म और हत्या का मामला आगामी रविवार तक सुलझाने में विफल रही तो इसकी जांच सीबीआइ को सौंप दी जाएगी। वह पीड़िता के घर गईं और पीड़ित परिवार से भेंट की। इस दौरान कहा, हम चाहते हैं कि मामले की सुनवाई फास्ट ट्रैक कोर्ट में की जाए। हम मृत्युदंड की भी मांग करेंगे।

ममता ने कहा, मृतका के स्वजन को संदेह है कि इसमें कोई भीतर (आरजी कर मेडिकल कालेज एवं अस्पताल) का व्यक्ति शामिल है। उन्होंने बताया कि उनकी पुत्री हमेशा दबाव में रहती थी। कोलकाता पुलिस आयुक्त विनीत गोयल ने कहा, हमें यकीन है कि अगर और भी अपराधी होंगे तो हम उन्हें अगले चार से पांच दिनों में गिरफ्तार कर लेंगे। इस मामले में सात प्रशिक्षु डाक्टरों को मंगलवार को पूछताछ के लिए तलब किया गया है।

बंगाल सरकार को त्वरित व सख्त कार्रवाई करनी चाहिए : प्रियंका पेज>>5

अस्पतालों में रेजिडेंट डाक्टरों की हड़ताल से चरमराई चिकित्सा सेवाएं पेज>>2

3 अलग-अलग स्थानों पर विभिन्न एजेंसियों द्वारा 242 पेड़ों को काटने की अनुमति देने के आदेश पर दिल्ली हाई कोर्ट ने रोक लगाते हुए यथास्थिति बनाए रखने का आदेश दिया है। पेड़ों की कटाई पर रोक के अदालत के पूर्व आदेश के बावजूद ट्री-आफिसर द्वारा यह अनुमति दी गई थी।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
मंगलवार 13 अगस्त, 2024

आज का मौसम

सामान्यतया बादल छाए रहेंगे। गर्जन वाले बादल बनने और हल्की वर्षा होने के आसार हैं।

पूर्वानुमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली		
13 अगस्त	33.0	26.0
14 अगस्त	32.0	27.0
नोएडा		
13 अगस्त	33.0	27.0
14 अगस्त	32.0	27.0
गुरुग्राम		
13 अगस्त	33.0	27.0
14 अगस्त	31.0	27.0

डिग्री सेल्सियस में

न्यूज गैलरी

अलीगढ़ में भी होगा अयोध्या वंदे भारत का ठहराव

नई दिल्ली: आनंद विहार टर्मिनल से अयोध्या छावनी के बीच चलने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस (22425/22426) अब अलीगढ़ रेलवे स्टेशन पर भी रुकेगी। 16 अगस्त से प्रायोगिक आधार पर इस ट्रेन का ठहराव देने का निर्णय लिया गया है। आनंद विहार टर्मिनल से रवाना होने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस अलीगढ़ रेलवे स्टेशन पर सुबह साढ़े सात बजे और अयोध्या छावनी से चलने वाली यह ट्रेन रात्रि 9:33 बजे अलीगढ़ पहुंचेगी। दोनों दिशा की यात्रा में ट्रेन का इस स्टेशन पर दो-दो मिनट का ठहराव होगा। (वि)

बीएनएस में कुकर्म का प्रविधान हटाने के विरुद्ध याचिका

नई दिल्ली: भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) में अप्राकृतिक यौन संबंध और कुकर्म के अपराध के लिए सजा से संबंधित किसी भी प्रविधान को हटाने के विरुद्ध दायर याचिका पर दिल्ली हाई कोर्ट ने सुनवाई के लिए सहमति जताते हुए 13 अगस्त के लिए सूचीबद्ध कर दिया। याची ने कहा है कि भारतीय दंड संहिता (आइपीसी) की धारा 377 के समकक्ष किसी भी प्रविधान को बीएनएस में बाहर रखा गया है। इसके कारण विशेष रूप से एलजीबीटीक्यू समुदाय का व्यक्ति प्रभावित होगा। (जासं)

सिसोदिया ने ईडी-सीबीआइ दफ्तर में दर्ज कराई उपस्थिति

नई दिल्ली: पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने सुप्रीम कोर्ट द्वारा दी गई जमानत की शर्तों का पालन करते हुए सोमवार सुबह ईडी और सीबीआइ के दफ्तर जाकर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। सुप्रीम कोर्ट ने सुबह 10 से 11 बजे के बीच दोनों जांच एजेंसियां के दफ्तर जाकर अपने जांच अधिकारी के सामने अपनी मौजूदगी दर्ज कराने का आदेश दिया है। सिसोदिया ने जांच अधिकारी मुलाकात कर उपस्थिति रजिस्टर में हस्ताक्षर किए। (राबु)

सरकारी अस्पतालों में रेजिडेंट डाक्टरों की हड़ताल से चरमराई चिकित्सा सेवाएं

राज्य ब्यूरो, जागरण ● नई दिल्ली

- एम्स, सफदरजंग, आरएमएल सहित 16 बड़े अस्पतालों में रेजिडेंट डाक्टर रहे हड़ताल पर
- ओपीडी में हजारों मरीजों का इलाज प्रभावित, 1800 से ज्यादा मरीजों की टाली गई सर्जरी

नए मरीजों का इलाज हुआ ज्यादा प्रभावित

सभी अस्पतालों में नए मरीजों का इलाज अधिक प्रभावित हुआ। हड़ताल के मद्देनजर सफदरजंग अस्पताल ने ओपीडी पंजीकरण का समय एक घंटा कम कर दिया। हड़ताल जारी रहने तक सुबह साढ़े दस बजे तक ओपीडी पंजीकरण होगा।

सोमवार को जीटीबी अस्पताल में रेजिडेंट डाक्टरों की हड़ताल के दौरान इलाज के इंतजार में बुजुर्ग महिला और उनके तीमारदार। पारस कुमार

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कालेज में एक महिला जूनियर रेजिडेंट डाक्टर की हत्या की घटना के विरोध में फेडरेशन आफ रेजिडेंट डाक्टर्स एसोसिएशन (फोर्डा) इंडिया के आह्वान पर सोमवार से दिल्ली में एम्स, सफदरजंग, आरएमएल, लेडी हार्डिंग मेडिकल कालेज (एलएमएमसी), लोकनायक, जीबी पंत, जीटीबी, डीडीयू सहित 16 बड़े अस्पतालों में रेजिडेंट डाक्टरों ने अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी। इस वजह से अस्पतालों में ओपीडी, जांच सेवाएं, वार्डों में मरीजों की देखभाल और सर्जरी प्रभावित हुईं। इससे चिकित्सा सेवाएं चरमरा गईं। ओपीडी में कंसल्टेंट व फैकल्टी स्तर के डाक्टर ड्यूटी पर मौजूद रहे। फिर भी बड़े अस्पतालों में ओपीडी 30 से 38 प्रतिशत तक प्रभावित रही। इससे हजारों मरीज इलाज से वंचित रह गए। वहीं 1800 से अधिक मरीजों की सर्जरी टाल दी गई। लेकिन अस्पतालों में इमरजेंसी सेवाएं सामान्य रही। इमरजेंसी और अति आवश्यक सर्जरी भी हुई।

एम्स, सफदरजंग, आरएमएल, एलएचएमसी के कलावती सरन व सुचेता कृपलानी और ईएसआइसी बसई दारापुर अस्पताल को मिलाकर केंद्र के इन अस्पतालों की ओपीडी में प्रतिदिन करीब 40 हजार मरीज इलाज के लिए पहुंचते हैं। वहीं दिल्ली सरकार के अस्पतालों की ओपीडी में प्रतिदिन करीब 60 हजार मरीज इलाज के लिए पहुंचते हैं। केंद्र के सभी बड़े अस्पतालों के साथ-साथ दिल्ली सरकार के भी सभी बड़े अस्पतालों में रेजिडेंट डाक्टर हड़ताल पर रहे। इससे मरीजों का इलाज प्रभावित हुआ। एम्स के रेजिडेंट डाक्टर्स एसोसिएशन (आरडीए) ने एक दिन पहले हड़ताल की घोषणा नहीं की थी। सोमवार सुबह करीब नौ बजे रेजिडेंट डाक्टर एम्स सभागार के पास पहुंचे। जहां आरडीए ने अचानक सवा दस बजे हड़ताल की घोषणा की। इस वजह से रेजिडेंट डाक्टर ओपीडी, वार्ड, आपरेशन थियेटर में ड्यूटी पर नहीं पहुंचे। एम्स में सामान्य दिनों के मुकाबले ओपीडी में करीब 38 प्रतिशत ओपीडी पंजीकरण कम रहा। वहीं सर्जरी 80 प्रतिशत कम हुई। एम्स में सामान्य तौर पर करीब 14,500 मरीज इलाज के लिए पहुंचते हैं। इसके मुकाबले ओपीडी में 10,543 मरीजों का ओपीडी पंजीकरण हुआ। इसमें से भी सैकड़ों मरीज ओपीडी पंजीकरण होने के बावजूद इलाज के बगैर लौटने को मजबूर हुए। एम्स में मुख्य अस्पताल, ट्रामा सेंटर सहित सभी केंद्रों को मिलाकर प्रतिदिन करीब छोटे-बड़े कुल 970 मरीजों की सर्जरी होती है। लेकिन 194 मरीजों की सर्जरी हुई। इनमें 98 बड़ी सर्जरी और 96 छोटी सर्जरी शामिल हैं। इस तरह सामान्य दिनों के मुकाबले 776 सर्जरी और प्रोसीजर टालने पड़े। ट्रामा सेंटर में हादसा पीड़ितों की भी नियमित सर्जरी प्रभावित हुई। एम्स में 35 प्रतिशत कम मरीज भर्ती हुए। एम्स के रेजिडेंट डाक्टरों ने अरविंदो मार्ग के पास करीब आधा घंटा प्रदर्शन किया और कोलकाता की घटना की सीबीआइ जांच और अस्पतालों में डाक्टरों व महिला डाक्टरों के लिए सुरक्षित माहौल की मांग की।

सफदरजंग में सामान्य तौर पर ओपीडी में करीब दस हजार मरीज पहुंचते हैं, जबकि सोमवार को 7,400 मरीजों का पंजीकरण हुआ। आरएमएल अस्पताल की ओपीडी में 6,163 मरीजों का ओपीडी पंजीकरण हुआ, जो सामान्य से 37 प्रतिशत कम है। आरएमएल में 101 मरीज भर्ती हुए, जो करीब 40 प्रतिशत कम है। आरएमएल अस्पताल के प्रवक्ता डा. पुलिन गुप्ता ने बताया कि रेजिडेंट डाक्टरों की अनिश्चितकालीन हड़ताल के मद्देनजर फैकल्टी व कंसल्टेंट स्तर के डाक्टरों की ड्यूटी ओपीडी के अलावा वार्ड और आइसीयू में लगाई गई है। लोकनायक अस्पताल की ओपीडी में सामान्य दिनों के मुकाबले करीब 2,300 मरीज कम देखे गए। जीटीबी व इहबास में ओपीडी पूरी तरह प्रभावित होने से करीब पांच हजार मरीजों का इलाज प्रभावित हुआ।

केजरीवाल ने सीबीआइ गिरफ्तारी को सुप्रीम कोर्ट में दी चुनौती, मांगी जमानत

आबकारी घोटाला ▶ जल्द सुनवाई के अनुरोध पर कोर्ट ने कहा- ईमेल भेजें, करेंगे विचार

सीबीआइ ने 26 जून को जेल में ही किया था गिरफ्तार

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

दिल्ली आबकारी नीति घोटाले में भ्रष्टाचार व मनी लांड्रिंग के आरोपित मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने एक बार फिर राहत के लिए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। केजरीवाल ने सीबीआइ गिरफ्तारी को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है और कोर्ट से जमानत मांगी है। सोमवार को केजरीवाल की ओर से प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष मामले का जिक्र करते हुए जल्द सुनवाई का अनुरोध किया गया। कोर्ट ने केजरीवाल की पैरोकारी कर रहे वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी से कहा कि वह ईमेल भेजें, कोर्ट विचार करेगा।

केजरीवाल फिलहाल सीबीआइ द्वारा दर्ज भ्रष्टाचार के मामले में जेल में हैं। दिल्ली हाई कोर्ट ने पांच अगस्त को केजरीवाल की सीबीआइ द्वारा गिरफ्तारी रद करने की मांग खारिज कर दी थी और उन्हें जमानत के लिए निचली अदालत जाने को कहा था। केजरीवाल ने हाई कोर्ट के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। मनी लांड्रिंग (ईडी) मामले में सुप्रीम कोर्ट पहले ही केजरीवाल को अंतरिम जमानत दे चुका है, अगर सीबीआइ केस में जमानत मिल जाती है तो वह जेल से बाहर आ जाएंगे। सीबीआइ ने केजरीवाल को 26 जून को गिरफ्तार किया था, उस वक्त वह मनी लांड्रिंग मामले में जेल में थे। केजरीवाल ने दो याचिकाएं दाखिल की हैं, एक में सीबीआइ गिरफ्तारी को चुनौती दी है और दूसरी में जमानत मांगी है। सोमवार को सिंघवी ने जल्द सुनवाई का अनुरोध करते हुए कोर्ट से कहा कि अन्य सहअभियुक्तों को पीएमएलए की धारा-45 में जमानत मिली है जिसके प्रविधान ज्यादा सख्त हैं, जबकि इस मामले में ऐसा नहीं है। कोर्ट ने कहा कि वह ई-मेल भेजें, विचार किया जाएगा।

अरविंद केजरीवाल। फाइल

अवमानना मामले में केजरीवाल की याचिका पर सुनवाई टली

जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस संजय कुमार और जस्टिस आर. महादेवन की पीठ ने आपराधिक अवमानना मामले में केजरीवाल के विरुद्ध जारी समन को बरकरार रखने के दिल्ली हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली उनकी याचिका पर सुनवाई छह हफ्ते के लिए टाल दी। यह मामला यूट्यूबर ध्रुव राठी द्वारा 2018 में प्रसारित एक कथित अपमानजनक वीडियो को री-ट्वीट करने से जुड़ा है।

के. कविता की जमानत अर्जी पर सीबीआइ-ईडी को नोटिस

जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ ने बीआरएस नेता के. कविता की जमानत याचिका पर सीबीआइ और ईडी को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। मामले में कोर्ट 20 अगस्त को फिर सुनवाई करेगा। दिल्ली आबकारी नीति घोटाले में आरोपित कविता ने दिल्ली हाई कोर्ट के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। ईडी ने कविता को 15 मार्च को गिरफ्तार किया था, इसके बाद सीबीआइ ने भी उन्हें 11 अप्रैल को गिरफ्तार कर लिया था। कविता के वकील मुकुल रोहतगी ने जमानत की मांग करते हुए केजरीवाल व मनीष सिसोदिया की याचिकाओं पर शीर्ष अदालत के फैसले व आदेश का हवाला भी दिया। अदालत ने सीबीआइ व ईडी का पक्ष सुने बिना कविता को अंतरिम जमानत देने से भी इन्कार कर दिया।

विजय नायर की जमानत याचिका पर ईडी को नोटिस: जस्टिस हृषिकेश राय एवं जस्टिस एसवीएन भट्टी की पीठ ने केजरीवाल के करीबी और आम आदमी पार्टी के प्रचार प्रमुख रहे विजय नायर की जमानत याचिका पर ईडी को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

विजय नायर एक वर्ष 10 महीने से जेल में है। नायर की ओर से बहस करते हुए सिंघवी ने कहा कि उनका मामला मनीष सिसोदिया के केस में दिए गए सुप्रीम कोर्ट के फैसले से पूरी तरह कवर होता है। केस में 353 गवाह हैं, निकट भविष्य में ट्रायल पूरा होने की संभावना नहीं है, ऐसे में नायर को जमानत दे दी जाए। दलीलें सुनने के बाद कोर्ट ने नोटिस जारी कर दो हफ्ते में जवाब तलब किया है।

मुख्यमंत्री के जेल से एलजी को पत्र भेजने पर तिहाड़ जेल ने जताई आपत्ति

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

- जेल अधीक्षक ने दी विशेषाधिकारों में कटौती की चेतावनी

तिहाड़ जेल में बंद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल द्वारा उपराज्यपाल वीके सक्सेना को पत्र भेजे जाने पर जेल प्रशासन ने सख्त आपत्ति जताई है। मुख्यमंत्री ने दिल्ली सरकार के स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम में उनकी जगह मंत्री आतिशी द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराने के संबंध में पत्र लिखा है। जेल संख्या दो के अधीक्षक ने इस प्रकरण पर मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में कहा है कि यह विशेषाधिकारों का दुरुपयोग है। विचाराधीन कैदी दिल्ली जेल नियमों के कानूनी प्रविधानों द्वारा शासित होते हैं, जो उनके अधिकारों और विशेषाधिकारों को सीमित करते हैं।

जेल नियमावली में उल्लिखित नियमों के अनुसार आपका संदेश जेल के बाहर भेजे जाने वाले स्वीकार्य संचार की श्रेणी में नहीं आता है। जेल प्रशासन ने इस बात पर भी नाराजगी और आश्चर्य जताया कि छह अगस्त को मुख्यमंत्री द्वारा सौंपे गए पत्र की विषय-वस्तु बिना किसी अधिकार के बाहर लीक कर दी गई। जेल अधीक्षक ने मुख्यमंत्री को ऐसी किसी भी अनुचित गतिविधि से दूर रहने की सलाह देते हुए कहा कि विशेषाधिकारों का दुरुपयोग करने पर विशेषाधिकारों को कम करने के लिए बाध्य होना पड़ेगा। मुख्यमंत्री को भेजे गए पत्र में जेल प्रशासन ने जेल नियमावली के नियम 588 का हवाला दिया है। इसके तहत कैदियों द्वारा लिखे गए पत्रों की विषय-वस्तु निजी मामलों तक ही सीमित होनी चाहिए। इस बात पर जोर दिया गया है कि कैदियों को केवल अपने परिवार और करीबी दोस्तों को ही पत्र लिखने की अनुमति दी जा सकती है।

15 दिन में केजरीवाल व दुर्गेश पाठक पर केस चलाने की मंजूरी ले सीबीआइ: कोर्ट

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली: आबकारी नीति घोटाले से जुड़े भ्रष्टाचार के मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट ने सीबीआइ को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और आप विधायक दुर्गेश पाठक के खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए आवश्यक मंजूरी प्राप्त करने के लिए 15 दिन का समय दिया है। विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा ने यह आदेश तब दिया जब जांच एजेंसी ने सूचित किया कि अभी तक संबंधित अधिकारियों से मंजूरी नहीं मिली है। इसके साथ ही अदालत ने केजरीवाल के खिलाफ सीबीआइ के आरोपपत्र के संज्ञान पर सुनवाई 27 अगस्त तक के लिए स्थगित कर दी। विशेष लोक अभियोजक ने अदालत को सूचित किया कि सीबीआइ को आरोपपत्र में नामित कुछ आरोपितों पर मुकदमा चलाने के लिए सरकार से आवश्यक मंजूरी मिलने की उम्मीद है।

मुश्किल हालात में भी जनता के काम में जुटी है केजरीवाल सरकार : सिसोदिया

वीके शुक्ला ● जागरण

- पूर्व उपमुख्यमंत्री ने कहा, केंद्र सरकार ने की लोकतंत्र की हत्या, इसी में पिस रहे मंत्री और अधिकारी
- आबकारी घोटाले को बताया साजिश, बोले-जेल जाने से उनकी और केजरीवाल की छवि पर असर नहीं

नई दिल्ली: दिल्ली सरकार में मंत्रियों और अधिकारियों के बीच भले ही तनातनी चल रही है, लेकिन 17 माह बाद जेल से बाहर आए पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया का सोच इससे अलग है। उनका मानना है कि दिल्ली सरकार में मंत्री और अधिकारी अच्छे हैं और यह उनकी आपसी लड़ाई नहीं है। केंद्र सरकार ने कानून लाकर दिल्ली में लोकतंत्र को खत्म कर दिया है और इसी में दोनों पिस रहे हैं। लोकतंत्र की हत्या करने वाले इस कानून के छींटे मंत्रियों, अधिकारियों के साथ-साथ जनता पर भी पड़ रहे हैं। सिसोदिया ने कहा कि पार्टी ने मुश्किल दौर में एकजुटता दिखाई, इसके लिए कार्यकर्ताओं पर गर्व है। विपरीत परिस्थिति में भी यह एकमात्र सरकार है, जो जनता के काम में जुटी रही। अब कार्यकर्ता फिर से अरविंद केजरीवाल को मुख्यमंत्री बनाएंगे।

आप नेता मनीष सिसोदिया। चंद्र प्रकाश मिश्र

आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता सिसोदिया ने दैनिक जागरण से विशेष बातचीत में कहा कि अब मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल भी जल्द जेल से बाहर आएंगे। आबकारी घोटाला एक साजिश है और जेल जाने से उनकी और मुख्यमंत्री की छवि खराब नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि जनता सच्चाई जानती है और हमारे साथ है। साढ़े चार साल तक आप सरकार के काम न करने के भाजपा के आरोपों का उन्होंने खंडन किया।

सिसोदिया ने कहा कि सरकार ने तमाम बाधाएं खड़ी किए जाने के बाद भी बहुत काम किया। उनकी पार्टी आने वाला विधानसभा चुनाव भी विकास के मुद्दे पर लड़ेगी और भाजपा की जमानत जब्त कराएगी। इसके लिए पार्टी के सभी नेता चुनावी मोड में हैं और अपने-अपने काम में लगे हैं।

सिसोदिया ने कहा कि रविवार को दिल्ली विधानसभा में चुनावी रणनीति को लेकर विचार विमर्श हुआ है। वह दिल्ली में पदयात्रा करेंगे और लोगों से मिलेंगे। आप विधानसभा चुनाव में भाजपा की साजिशों के बारे में जनता को बताएगी और अपनी सरकार के कामकाज के आधार पर वोट मांगेगी।

फुल ड्रेस रिहर्सल आज, लालकिले के आसपास ट्रैफिक रहेगा प्रभावित

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : स्वतंत्रता दिवस के निमित्त लालकिले पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम के लिए मंगलवार को फुल ड्रेस रिहर्सल होगी। इसके मद्देनजर दिल्ली यातायात पुलिस ने एडवाइजरी जारी करते हुए रोड बंद किए जाने और वैकल्पिक मार्गों की जानकारी दी है। इस दौरान लालकिले के आसपास ट्रैफिक प्रभावित रहेगा। मंगलवार सुबह चार बजे से 11 बजे तक नेताजी सुभाष मार्ग, एसपी मुखर्जी मार्ग, चांदनी चौक रोड, निषाद राज मार्ग, एस्प्लेनेड रोड और उसका लिंक रोड, राजघाट से आइएसबीटी तक रिंग रोड और आइएसबीटी से आइपी फ्लाईओवर तक आउटर रिंग रोड को बंद रखा जाएगा।

उत्तरी और दक्षिणी दिल्ली के बीच यात्रा करने वालों को गंतव्य तक पहुंचने के लिए अरबिंदो मार्ग, सफदरजंग रोड, कमल अतातुर्क मार्ग, कौटिल्य मार्ग, एसपीएम मार्ग, 11 मूर्ति, मदर टेरेसा क्रिसेंट, पार्क स्ट्रीट, मंदिर मार्ग, पंचकुइयां रोड और रानी झांसी रोड के वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करना होगा।

व्यापार एवं कर विभाग में घोटाला, जीएसटी अधिकारी समेत सात आरोपित गिरफ्तार

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

- फर्जी फर्मों के मालिक के साथ ही तीन वकील और दो ट्रांसपोर्टरों को भी पकड़ा गया
- 718 करोड़ रुपये के जाली चालान किए, 54 करोड़ रुपये का जीएसटी रिफंड लिया

भ्रष्टाचार निरोधक शाखा ने दिल्ली सरकार के व्यापार एवं कर विभाग में जीएसटी घोटाले का भंडाफोड़ किया है। एसीबी ने इस मामले में एक जीएसटी अधिकारी बबीता शर्मा, फर्जी फर्मों के मालिक, तीन वकीलों और दो ट्रांसपोर्टरों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपितों ने फर्जी फर्मों के माध्यम से करीब 54 करोड़ रुपये का जीएसटी रिफंड लिया है। इतना नहीं अब तक करीब 718 करोड़ रुपये की राशि के जाली चालान भी किए हैं। जीएसटी रिफंड का दावा करने वाली करीब 500 फर्जी फर्मों का पता चला है। इन फर्जी फर्मों में केवल कागजों पर दवाओं और चिकित्सीय वस्तुओं का निर्यात दिखाया गया है।

एसीबी के संयुक्त आयुक्त मधुर कुमार वर्मा के मुताबिक जीएसटी अधिकारी बबीता शर्मा ने फर्जी जीएसटी रिफंड मंजूर किए थे। फर्जी फर्मों का मालिक मनोज गोयल है, जिसने वकील राज सिंह सैनी, नरेंद्र कुमार सैनी और मुकेश सोनी के माध्यम से जीएसटी रिफंड लिया। ट्रांसपोर्टर सुरजीत सिंह और ललित कुमार ने लाभार्थियों से भुगतान के बदले फर्जी ई-वे बिल और माल रसीदें मुहैया कराईं। इस घोटाले में कई जीएसटीओ की भूमिका संदिग्ध पाई गई है। उन्हें भी गिरफ्तार किया जाएगा।

एसीबी द्वारा गिरफ्तार जीएसटी अधिकारी बबीता शर्मा। सौजन्य : एसीबी

संयुक्त आयुक्त ने बताया कि वर्ष 2017-21 के बीच इनपुट टैक्स क्रेडिट के सत्यापन के बिना 96 फर्जी फर्मों को 54 करोड़ रुपये के रिफंड में ये सातों आरोपित शामिल हैं। सितंबर 2021 में रिफंड जारी करने में गड़बड़ी किए जाने का पता चलने पर सतर्कता विभाग ने इन फर्मों के व्यवसाय स्थल पर भौतिक सत्यापन के लिए विशेष टीम भेजी थी। ये सभी कंपनियां अस्तित्वविहीन और निष्क्रिय पाई गईं। जिसके बाद पांच अक्टूबर को अतिरिक्त आयुक्त (व्यापार और कर) विवेक अग्रवाल ने मामले में जांच करने का आदेश दिया। पूछताछ के आधार पर छह दिसंबर को विस्तृत जांच और घोटाले का भंडाफोड़ करने के लिए मामले को एसीबी को स्थानांतरित किया गया। जांच में पता चला कि इनपुट टैक्स क्रेडिट के सत्यापन के बिना जीएसटी अधिकारी की ओर से रिफंड को मंजूरी दी गई थी।

इन्फ्रास्ट्रक्चर

वित्त मंत्री आतिशी ने खर्च एवं वित्त समिति की बैठक में 427 करोड़ की इस परियोजना को दी मंजूरी, इसके अलावा कड़कड़डूमा, शास्त्री पार्क और रोहिणी अदालत परिसर के काम का हो चुका है शिलान्यास

राउज एवेन्यू में बनेगा नया जिला अदालत परिसर

राज्य ब्यूरो, जागरण ● नई दिल्ली

दिल्ली सरकार ने अदालतों के इन्फ्रास्ट्रक्चर पर अपना ध्यान केंद्रित किया है। सरकार ने एक वर्ष के अंदर चार अदालतों के परिसर की योजना पर काम शुरू कर दिया है। यह आप सरकार के कार्यकाल का इकलौता वर्ष है, जब इतने बड़े स्तर पर अदलतों के लिए काम हो रहा है। इसमें से कड़कड़डूमा, शास्त्री पार्क और रोहिणी अदालत परिसर के काम का कुछ दिन पहले ही शिलान्यास किया गया है। चौथे परिसर राउज एवेन्यू है, जहां सरकार जिला अदालत का नया परिसर बनवाएगी।

वित्त मंत्री आतिशी ने खर्च एवं वित्त समिति की बैठक में 427 करोड़ रुपये की लागत से राउज एवेन्यू के नए जिला अदालत परिसर की परियोजना को मंजूरी दे दी है। परियोजना के अंतर्गत इस परिसर में 55 कोर्ट रूम बनाए जाएंगे। यहां 11 मंजिला और 17 मंजिला दो बिल्डिंग ब्लाक का निर्माण किया जाएगा। दोनों ब्लाक को स्काईवाक से जोड़ा जाएगा। वित्त मंत्री आतिशी ने कहा कि जल्द और सुलभ न्याय हर भारतीय का मूल अधिकार है। यह तभी संभव है, जब न्यायालयों में पर्याप्त इन्फ्रास्ट्रक्चर हो। उन्होंने कहा कि वर्तमान में देशभर में न्यायाधीशों और अदालतों पर लंबित मुकदमों का बोझ है, जिससे मामलों के समाधान में अनावश्यक देरी हो रही है। ऐसे में, राजधानी में पर्याप्त न्यायिक इन्फ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध करवाना केजरीवाल सरकार की प्रतिबद्धता है।

राउज एवेन्यू परिसर में बनने वाली इमारतों का माडल।

राउज एवेन्यू में प्रस्तावित कोर्ट की विशेषताएं

- दो ब्लाक का निर्माण किया जाएगा, दोनों को स्काईवाक से जोड़ा जाएगा।
- ब्लाक-ए 3 बेसमेंट, ग्राउंड फ्लोर सहित 11 मंजिल का होगा, इसमें 55 कोर्ट रूम होंगे।
- ब्लाक-बी 3 बेसमेंट, ग्राउंड फ्लोर सहित 17 मंजिल का होगा, इसमें 815 चैंबर बनेंगे।
- लाइब्रेरी, बेसमेंट पार्किंग, कान्फ्रेंस रूम, कार्यालय सहित अन्य सुविधाएं भी होंगी।

आतिशी ने परियोजना को लेकर संबंधित विभागों को समयबद्ध और तेजी से काम करने का निर्देश दिया है। कहा कि यह परियोजना दिल्ली के न्यायिक इन्फ्रास्ट्रक्चर को बढ़ाने की दिशा में बेहद महत्वपूर्ण है और इसके पूरा होने पर मामलों को तेजी से निपटाने में मदद मिलेगी। न्यायिक परिसरों की सभी परियोजनाओं में जजों, वकीलों और नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए बेहतर सार्वजनिक सुविधाएं भी तैयार की जाएंगी।

****

बार चुनावों में होर्डिंग, पोस्टर लगाए जाने पर हाई कोर्ट ने जताई आपत्ति

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : दिल्ली हाई कोर्ट बार एसोसिएशन समेत विभिन्न बार एसोसिएशनों के चुनाव के दौरान लगाए जाने वाले पोस्टर व होर्डिंग को लेकर दिल्ली हाई कोर्ट ने सख्त आपत्ति जताई है। बार चुनाव में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत सीटें आरक्षित करने की मांग से जुड़े एक मामले पर सुनवाई करते हुए सोमवार को कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन व न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ ने टिप्पणी की कि राष्ट्रीय राजधानी में बार चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों की होर्डिंग और पोस्टर लगाने की संस्कृति बंद होनी चाहिए।

अदालत ने वकीलों के संगठनों का प्रतिनिधित्व करने वाले वरिष्ठ वकीलों से इस मुद्दे पर स्वतः संज्ञान लेने और पोस्टर और होर्डिंग लगाने वाले उम्मीदवारों के विरुद्ध कार्रवाई करने को कहा ताकि इस संस्कृति को रोका जा सके।

शिक्षा प्रणाली पर आदेश पारित करना अधिकार क्षेत्र से बाहर : हाई कोर्ट

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

- कोचिंग संस्थानों के लिए दिशानिर्देश तैयार करने संबंधी याचिका पर विचार करने से किया इन्कार

कोचिंग संस्थानों के लिए दिशानिर्देशों को फिर से तैयार करने के लिए अधिकारियों को निर्देश देने की मांग संबंधी जनहित याचिका पर विचार करने से सोमवार को दिल्ली हाई कोर्ट ने इन्कार कर दिया। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन और न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ ने कहा कि इस तरह का निर्देश पारित करना अदालत के अधिकार क्षेत्र में नहीं है। अदालत ने कहा कि अगर शिक्षा प्रणाली में कोई दोष है तो चुनी हुई सरकार को चुनाव में जाकर आलोचना का सामना करना पड़ेगा। पीठ ने कहा कि अदालत शिक्षा प्रणाली तैयार नहीं कर सकती।

अदालत के रुख को देखते हुए गैर-लाभकारी संगठन कुटुंब की तरफ से पेश हुए अधिवक्ता रुद्र विक्रम सिंह ने याचिका वापस ले ली। अदालत ने याचिकाकर्ता को उचित मंच पर प्रतिवेदन देने की स्वतंत्रता दे दी।

सुनवाई के दौरान एमसीडी के वकील मनु चतुर्वेदी ने कहा कि कोचिंग सेंटरों में छात्रों की सुरक्षा से जुड़ा मामला सुप्रीम कोर्ट के संज्ञान में है। याचिका में अधिकारियों को दिल्ली में छात्रों के लिए पेइंग गेस्ट आवास चलाने के लिए नियम और कानून बनाने का निर्देश देने की भी मांग की गई थी। याचिका में अवैध तरीके से चल रहे और मानक मानदंडों का पालन नहीं करने वाले कोचिंग संस्थानों की जांच करने और रिपोर्ट संकलित करने के लिए एक समिति के गठन की भी मांग की गई थी।

2010 में आल इंडिया प्री मेडिकल टेस्ट (एआइपीएमटी) के जरिये देशभर में मेडिकल कालेजों में नामांकन की प्रक्रिया शुरू की थी। यहीं व्यवस्था 2017 में राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) के रूप में सामने आई।

कांग्रेस ने हिंडनबर्ग के ताजा दावों पर सेबी प्रमुख की सफाई को खारिज किया

'बुच ने गिराई सेबी की साख, सुप्रीम कोर्ट सीबीआइ या एसआइटी से जांच कराए'

हितों के टकराव के मद्देनजर सेबी की जांच की निष्पक्षता से समझौते की आशंका है : जयराम

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

हिंडनबर्ग की नई रिपोर्ट पर सेबी प्रमुख माधबी पुरी बुच की सफाई को खारिज करते हुए कांग्रेस ने तत्काल उनके इस्तीफे की मांग दोहराते हुए सुप्रीम कोर्ट से अदाणी मामले की जांच एसआइटी या सीबीआइ से कराए जाने का आग्रह किया है।

पार्टी ने कहा है कि बुच के हितों के गहरे टकराव को देखते हुए सेबी की जांच की निष्पक्षता से समझौते की पूरी आशंका है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि अदाणी समूह के कुछ वित्तीय लेन-देन की जांच को लेकर सेबी ने आंकड़ों का हवाला देकर अति सक्रिय छवि पेश करने की कोशिश की है। मगर हकीकत यह है कि हिंडनबर्ग की पहली रिपोर्ट के बाद से ही जांच में सेबी ने पारदर्शिता नहीं दिखाई है। बुच पर सेबी की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाते हुए कांग्रेस महासचिव ने कहा कि अगर अंपायर खुद ही समझौता कर ले तो मैच कैसे आगे बढ़ सकता

जयराम रमेश। फाइल

है? इसलिए सुप्रीम कोर्ट को मामले की जांच सीबीआइ या एसआइटी को सौंप देनी चाहिए। जयराम ने कहा कि हैरानी होती है कि सेबी प्रमुख और उनके पति ने उन्हीं अपारदर्शी बरमूडा और मारीशस स्थित आफशोर फंड में निवेश किया, जहां विनोद अदाणी और उनके करीबी सहयोगी चांग चुंग-लिंग और नासिर अली शबन अहली ने भी निवेश किया था। इन फंडों का प्रबंधन अनिल आहूजा द्वारा किया जाता था, जो माधबी बुच के करीबी मित्र होने के साथ अदाणी एंटरप्राइजेज में एक स्वतंत्र निदेशक थे। उन्होंने दावा किया कि सेबी प्रमुख और उनके पति द्वारा अपने वित्तीय कारोबार को अलग करने के भ्रम का पर्दाफाश ताजा रिपोर्ट में उनके खाते से लेन-देन के रिकार्ड से हो जाता है।

अपनी परामर्श संस्थाओं के ग्राहकों की जानकारी साझा करें बुच : हिंडनबर्ग

मुंबई, प्रेट्र : हिंडनबर्ग रिसर्च ने दावा किया कि माधबी पुरी बुच ने अब सार्वजनिक रूप से बरमूडा/मारीशस फंड संरचना में अपने निवेश की पुष्टि की है। उन्हें अपने सभी परामर्श ग्राहकों की स्पष्ट जानकारी देनी चाहिए, जिनके साथ उनकी सिंगापुर और भारतीय परामर्श कंपनियों ने काम किया है। हिंडनबर्ग ने शनिवार देर रात जारी नई रिपोर्ट में कहा था कि बुच व उनके पति धबल बुच ने बरमूडा व मारीशस में विदेशी कोषों में अघोषित निवेश किया था। ये वही कोष हैं, जिनका कथित तौर पर विनोद अदाणी ने पैसों की हेराफेरी करने तथा समूह की कंपनियों के शेयरों की कीमतें बढ़ाने के लिए प्रयोग किया था। विनोद अदाणी समूह के चेयरपर्सन गौतम अदाणी के बड़े भाई हैं। आरोपों के जवाब में बुच दंपति ने रविवार को कहा था कि ये निवेश 2015 में किए गए थे, जो 2017 में सेबी के पूर्णकालिक सदस्य के रूप में उनकी नियुक्ति तथा मार्च 2022 में चेयरपर्सन बनने से काफी पहले था।

इंडियन रीट्स एसोसिएशन ने कहा, हिंडनबर्ग के दावे भ्रामक

नई दिल्ली, प्रेट्र : इंडियन रीट्स एसोसिएशन ने सोमवार को कहा कि हिंडनबर्ग रिसर्च का यह दावा निराधार और भ्रामक है कि सेबी का रीट्स (रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट) ढांचा कुछ चुनिंदा लोगों के हितों को पूरा करता है। एसोसिएशन ने कठोर नियामकीय वातावरण तैयार करने के लिए सेबी की तारीफ की, जिसमें अनिवार्य स्वतंत्र मूल्यांकन और सख्त संचालन मानक शामिल हैं। एसोसिएशन ने कहा, इन उपायों को पारदर्शिता बढ़ाने व निवेशकों के हितों की रक्षा के लिए तैयार किया गया है। यह बयान शनिवार को हिंडनबर्ग की उस रिपोर्ट के बाद आया है, जिसमें आरोप लगाया गया था कि सेबी रीट्स विनियम 2014 में हाल ही में किए गए संशोधन एक विशिष्ट वित्तीय समूह को लाभ पहुंचाने के लिए किए गए थे। उधर, वित्त मंत्रालय ने कहा है कि हिंडनबर्ग के आरोपों पर सेबी और उसकी चेयरपर्सन अपना स्पष्टीकरण दे चुकी हैं। सरकार को कुछ नहीं कहना है।

धन-बल के बूते देशों की राजनीति प्रभावित करने के लिए जाने जाते हैं सोरोस

नई दिल्ली, जेएनएन: 1930 में हंगरी में जन्मे जार्ज सोरोस प्रमुख अमेरिकी व्यवसायी व निवेशक हैं। उनकी कुल संपत्ति 6.7 अरब डालर है। यहूदी परिवार में जन्मे सोरोस हंगरी में नाजी कब्जे से

जार्ज सोरोस। फाइल/एएफपी

बच निकले और 1947 में ब्रिटेन चले गए। उन्होंने लंदन स्कूल आफ इकोनामिक्स से पढ़ाई की। इस दौरान उन्होंने रेलवे पोर्टर और वेटर तक का काम किया। 1956 में वे न्यूयार्क चले गए और यूरोपीय प्रतिभूतियों के एनालिस्ट के रूप में काम किया। सोरोस पर आरोप हैं कि वे देशों की राजनीति को प्रभावित करने व सत्ता परिवर्तन के लिए धन-बल और प्रभाव का प्रयोग करते हैं। सोरोस को बैंक आफ इंग्लैंड को बर्बाद करने वाले शख्स के रूप में भी जाना जा सकता है। वह भारतीय पीएम नरेन्द्र मोदी और अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कटु आलोचक रहे हैं। 2020 में दावोस में विश्व आर्थिक मंच के कार्यक्रम में कहा था कि मोदी के राज में राष्ट्रवाद आगे बढ़ रहा है। फरवरी 2023 में म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन से पहले सोरोस ने हिंडनबर्ग रिसर्च रिपोर्ट के बाद अदाणी समूह की कंपनियों के शेयर बेचने पर बात की थी। उन्होंने कहा था कि मोदी लोकतंत्रवादी नहीं हैं। अदाणी प्रकरण भारत में लोकतंत्र के पुनरुत्थान का कारण बन सकता है।

हाथियों के प्राकृतिक आवास के लिए पीएम प्रतिबद्ध

- नरेन्द्र मोदी ने कहा-वह हमारी संस्कृति और इतिहास का हिस्सा
- विश्व हाथी दिवस पर हाथियों की तादाद में बढ़ोतरी की घोषणा

नई दिल्ली, आइएएनएस : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'विश्व हाथी दिवस' पर भारत में हाथियों को हरसंभव प्राकृतिक आवास दिलाना सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्धता जताई है। उन्होंने कहा कि गज हमारी भारतीय संस्कृति और इतिहास का अहम हिस्सा हैं। इसलिए हमें सामुदायिक स्तर पर इन विशाल स्तनपायी जीवों की रक्षा के प्रयास करने चाहिए। उन्होंने पिछले कुछ सालों में हाथियों की संख्या बढ़ने पर प्रसन्नता जाहिर करते हुए कहा कि लोगों में जागरूकता बढ़ाने की जरूरत है कि एशिया और अफ्रीका में हाथियों की आबादी को नासिर्फ संरक्षित किया जाए बल्कि उन्हें बढ़ाने की दिशा में भी कदम उठाए जाएं।

प्रधानमंत्री मोदी ने सोमवार को इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखे अपने संदेश में कहा, 'भारत में हमारे लिए हाथियों का संबंध हमारी संस्कृति और इतिहास से भी है। खुशी की बात यह है कि पिछले कुछ सालों में उनकी तादाद में बढ़ोतरी हुई है।' वैश्विक स्तर पर जहां हाथियों की आबादी में कमी आई है, भारत में उनकी संख्या में इजाफा हुआ है। एशिया व अफ्रीका में हाथियों के संरक्षण के प्रति जागरूकता के लिए हर साल 12 अगस्त को विश्व हाथी दिवस

नरेन्द्र मोदी। फाइल

मनाया जाता है।

केंद्रीय पर्यावरण और वन मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि दस सालों में हाथियों के रिजर्व में बढ़ोतरी हुई है। भारत को यह कहते हुए गर्व होता है कि सभी एशियाई हाथियों में से भारत में 60 प्रतिशत हैं। उनका धार्मिक, सांस्कृतिक महत्व तो है ही, वह हमारे इकोसिस्टम में भी अहम भूमिका निभाते हैं। तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन ने कहा कि पिछले साल के मुकाबले राज्य में सौ हाथी बढ़े हैं। तमिलनाडु में हाथियों की कुल संख्या 3063 हो गई है।

ब्राडकास्टिंग बिल का मसौदा नए सिरे से तैयार होगा

- टिप्पणियां व सुझाव आमंत्रित करने की तिथि 15 अक्टूबर तक बढ़ाई
- प्रस्तावित मसौदे का हो रहा था विरोध, सरकार ने पीछे खींचे कदम

नई दिल्ली, प्रेट्र : सरकार ने सोमवार को कहा कि वह ब्राडकास्टिंग बिल का नया मसौदा तैयार करने के लिए और विचार-विमर्श करेगी। दरअसल, प्रस्तावित कानून में इंटरनेट एवं डिजिटल मीडिया पर प्रतिबंध को लेकर कुछ हलकों में चिंता व्यक्त की गई थी। सरकार की ओर से कुछ हितधारकों के बीच वितरित किए गए ब्राडकास्टिंग सर्विसेज रेगुलेशन बिल के मसौदे की डिजिपब एवं एडिटर्स गिल्ड आफ इंडिया जैसे मीडिया निकायों ने आलोचना की थी, उनका दावा है कि इस पर डिजिटल मीडिया संगठनों एवं सिविल सोसायटी एसोसिएशनों से परामर्श नहीं किया गया। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने एक्स पर पोस्ट में कहा, 'मसौदा बिल पर मंत्रालय हितधारकों से परामर्श कर रहा है। टिप्पणियां एवं सुझाव आमंत्रित करने के लिए 15 अक्टूबर, 2024 तक अतिरिक्त समय उपलब्ध कराया जा रहा है। विस्तृत परामर्श के बाद नया मसौदा प्रकाशित किया जाएगा।' मंत्रालय ने कहा, 'मसौदा विधेयक को हितधारकों और आम जनता की टिप्पणियों के लिए व्याख्या के साथ 10 नवंबर, 2023 को सार्वजनिक किया गया था।' जवाब में विभिन्न एसोसिएशनों सहित कई सिफारिशें, टिप्पणियां और सुझाव प्राप्त हुए थे। मसौदा विधेयक में आनलाइन कंटेंट क्रिएटर्स को ओटीटी और डिजिटल न्यूज ब्राडकास्टर्स के साथ रखा गया था, जिससे उन्हें मंत्रालय की सामग्री एवं विज्ञापन संहिता के दायरे में लाया जा सके। प्रविधानों में सब्सक्राइबर्स की एक निश्चित संख्या पार कर लेने के बाद आनलाइन कंटेंट क्रिएटर्स के लिए एक शिकायत निवारण अधिकारी और एक सामग्री मूल्यांकन समिति की नियुक्ति अनिवार्य की गई थी।

स्वास्थ्य देखभाल पेशों से जुड़े कानून पर अमल नहीं होने से सुप्रीम कोर्ट चिंतित

- कोर्ट ने कहा, 12 अक्टूबर तक केंद्र, राज्य और केंद्र शासित प्रदेश अनुपालन सुनिश्चित करें
- चेतावनी दी- अनुपालन नहीं होने पर कार्रवाई के लिए तैयार रहें
- कोर्ट ने सितंबर 2023 में केंद्र सरकार और सभी राज्यों को नोटिस जारी किए थे

नई दिल्ली, प्रेट्र : स्वास्थ्य देखभाल के पेशे से जुड़े नेशनल कमीशन फार अलाइड एंड हेल्थकेयर प्रोफेशंस (एनसीएएचपी) एक्ट, 2021 का क्रियान्वयन नहीं होने से चिंतित सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को केंद्र सरकार, राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों से 12 अक्टूबर तक इसका अनुपालन सुनिश्चित करने या फिर दंडात्मक कार्रवाई के लिए तैयार रहने को कहा।

ज्वाइंट फोरम आफ मेडिकल टेक्नोलाजिस्ट आफ इंडिया की जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने पिछले वर्ष सितंबर में केंद्र सरकार, सभी राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों को नोटिस जारी किए थे।

प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पार्डीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की पीठ ने आदेश दिया, 'हम केंद्र और राज्यों को दो महीने के भीतर अधिनियम लागू करने के लिए आवश्यक कदम उठाने का

निर्देश देते हैं। अधिनियम को लागू करने का रोडमैप तैयार करने के लिए स्वास्थ्य मंत्रालय दो सप्ताह के भीतर सभी राज्यों के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण सचिवों की आनलाइन बैठक बुलाएगा।'

इसके साथ ही कोर्ट ने कहा, 'सभी राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों ने बुनियादी ढांचा स्थापित कर लिया है और प्रविधानों को अक्षरशः लागू किया जाना है।'

शीर्ष अदालत ने सभी राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश दिया कि अगली सुनवाई से पहले वे केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के सचिव के समक्ष अनुपालन रिपोर्ट दाखिल करें। पीठ ने केंद्र को याचिका पर दो हफ्ते में जवाब दाखिल करने को कहा।

उल्लेखनीय है कि देश में आम लोगों तक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराने के लिए मोदी सरकार ने कई कदम उठाए हैं।

राहुल गांधी के अमेरिकी दौरे का बन रहा कार्यक्रम

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

कांग्रेस की ओवरसीज इकाई भारतवंशियों और छात्रों से सितंबर में संवाद के बना रही कार्यक्रम

लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी प्रवासी भारतीयों से संवाद करने की अपनी श्रृंखला को फिर से शुरू करने की पहल के तहत सितंबर में अमेरिका के दौरे पर जा सकते हैं। उनका अमेरिका के उन कुछ प्रमुख शहरों की यात्रा का प्रस्ताव है, जहां बड़ी संख्या में अप्रवासी भारतीय रहते हैं। लोस चुनाव में कांग्रेस के मुख्य विपक्षी दल के रूप में उभरने और नेता प्रतिपक्ष की संवैधानिक जिम्मेदारी संभालने के बाद राहुल गांधी की यह पहली विदेश यात्रा होगी।

सूत्रों ने बताया कि इंडियन ओवरसीज कांग्रेस का अमेरिका चैप्टर राहुल की प्रस्तावित यात्रा का आयोजन कर रहा है। इसके तहत वाशिंगटन, शिकागो, लांस एंजिल्स, डलास और न्यूजर्सी जैसे शहरों के दौरे का कार्यक्रम तय हो रहा है। यात्रा के दौरान अमेरिका में रहने वाले भारतवंशियों के साथ ही राहुल का छात्रों संग सीधा संवाद होगा। इस दौरान छात्रों से संवाद, इंडियन डायसपोरा से भेंट, उद्योग जगत के लोगों से भारत के संदर्भ में चर्चा का कार्यक्रम बन रहा है। उद्योग और कारोबार जगत की कुछ हस्तियों के साथ कूटनीतिक मुलाकातों की संभावनाएं भी तलाशी जा रही हैं। लोस चुनाव में विवादास्पद सियासी बयान के बाद इस्तीफा देने वाले ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कुछ दिनों पहले ही दोबारा इस पद पर नियुक्त कर दिया था। राहुल की यात्रा का कार्यक्रम व आयोजन की पहल पित्रोदा ही कर रहे हैं।

अपने ही बनाए 'नीट' के विरुद्ध खड़ी हुई कांग्रेस

नीलू रंजन ● जागरण

2010 में मनमोहन सरकार ने मेडिकल कालेजों में नामांकन के लिए शुरू की थी एआइपीएमटी

2016 में सुप्रीम कोर्ट ने राज्यों की आपत्तियां खारिज कर केंद्रीकृत परीक्षा को दी थी हरी झंडी

नई दिल्ली: प्रतिभाशाली छात्रों के लिए मेडिकल पढ़ाई का रास्ता साफ करने और गरीब छात्रों को कैपिटेशन फीस से बचाने के लिए मेडिकल कालेजों में एक केंद्रीकृत परीक्षा लागू करने वाली कांग्रेस 14 वर्ष बाद इसके विरुद्ध खड़ी हो गई है। कांग्रेस की अगुआई वाली संप्रग सरकार ने कई राज्यों के विरोध के बावजूद 2010 में आल इंडिया प्री मेडिकल टेस्ट (एआइपीएमटी) के जरिये देशभर में मेडिकल कालेजों में नामांकन की प्रक्रिया शुरू की थी, जो 2017 में राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) के रूप में सामने आई। अब वही कांग्रेस नीट खत्म कर मेडिकल कालेजों में नामांकन को फिर से राज्यों के भरोसे छोड़ने की मांग उठा रही है।

2019 में नीट की कमान सीबीएसई से लेकर एनटीए को दी गई। उसके पहले मनमोहन सरकार इसे एआइपीएमटी के रूप में लागू कर चुकी थी, जिसका उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, केरल, जम्मू-कश्मीर, कर्नाटक जैसे तमाम राज्यों ने विरोध किया। एआइपीएमटी के विरुद्ध विभिन्न अदालतों में 80 से अधिक दाखिल याचिकाओं को एक साथ लेकर सुप्रीम कोर्ट ने 2013 में इस पर सुनवाई शुरू की और फैसला आने तक परीक्षा पर रोक लगा दी। 2016 में सुप्रीम कोर्ट ने सभी आपत्तियां खारिज करते हुए कैपिटेशन फीस से छात्रों को मुक्ति दिलाने और मेडिकल पढ़ाई में प्रतिभाशाली छात्रों के साथ अन्याय रोकने का हवाला देकर एआइपीएमटी को हरी झंडी दे दी। इस बीच भारत सरकार ने मेडिकल शिक्षा में भ्रष्टाचार खत्म करने के लिए मेडिकल काउंसिल आफ इंडिया को भंगकर नेशनल मेडिकल कमीशन नाम की नई संस्था का गठन भी किया।

दरअसल, 2010 के पहले मेडिकल कालेजों में नामांकन राज्यों के अधिकार क्षेत्र में था और राज्य इसके लिए प्रवेश परीक्षा का आयोजन करते थे। तमिलनाडु व गुजरात में कोई प्रवेश परीक्षा नहीं होती थी और 12वीं के परीक्षा परिणाम के आधार पर ही मेडिकल कालेजों में नामांकन दे दिया जाता था। गरीब छात्रों को फीस की मार से बचाने के लिए मेडिकल कालेजों की फीस राज्य सरकारें निर्धारित करती थीं। यही नहीं, राज्य सरकारों ने मेडिकल कालेजों में राज्य और केंद्र सरकार की आरक्षित श्रेणी का कोटा सुनिश्चित करते हुए मैनेजमेंट कोटा निर्धारित किया था, लेकिन इसकी काट निजी मेडिकल कालेजों ने नकद के रूप में मोटी कैपिटेशन फीस के रूप में निकाल ली थी। नीट लागू होने के बाद सबसे बड़ी मार कैपिटेशन फीस पर पड़ी, जो प्रति छात्र करोड़ों रुपये में होती थी।

तमिलनाडु और कर्नाटक जैसे दक्षिणी राज्यों में नीट के विरोध की जड़ कैपिटेशन फीस को माना जा रहा है। इन दोनों राज्यों में सबसे अधिक निजी मेडिकल कालेज हैं और वे सभी विभिन्न दलों के बड़े नेताओं के हैं। विभिन्न राज्यों में जनसंख्या और मेडिकल सीटों के अनुपात में बड़ी असमानता का हवाला देते हुए मोदी सरकार दक्षिणी राज्यों में निजी कालेज खोलने और मौजूदा निजी कालेजों की सीटों में बढ़ोतरी की अनुमति नहीं दे रही है। इसकी जगह सरकारी मेडिकल कालेजों को बढ़ावा दिया जा रहा है। 2014 की तुलना में 2024 में एमबीबीएस और मेडिकल पीजी की सीटें दोगुनी से ज्यादा बढ़ीं हैं, इनमें अधिकांश बढ़ोतरी सरकारी मेडिकल कालेजों में हुई है। वैसे निजी मेडिकल कालेजों ने कैपिटेशन फीस की कमी पूरी करने के कई तरीके निकाल लिए हैं। इन कालेजों में मैनेजमेंट कोटे की सालाना फीस पांच से 10 गुना बढ़ चुकी है। इसी तरह निजी मेडिकल कालेजों में सरकारी कोटे में पढ़ने वाले छात्रों से निर्धारित फीस के अलावा किताबों व स्टेशनरी की आड़ में सालाना लाखों रुपये वसूलने की बात भी सामने आ रही है।

यूजीसी-नेट रद करने वाली याचिका पर विचार करने से कोर्ट का इन्कार

- 21 अगस्त को होने वाली परीक्षा को लेकर छात्र आश्वस्त रहें : सुप्रीम कोर्ट
- याचिका पर इस समय सुनवाई करने से अव्यवस्था पैदा होगी

नई दिल्ली, प्रेट्र : सुप्रीम कोर्ट ने यूजीसी-नेट (विश्वविद्यालय अनुदान आयोग राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा) रद करने के सरकार के फैसले को चुनौती देने वाली कुछ परीक्षार्थियों की नई याचिका पर विचार करने से इन्कार कर दिया। कहा कि इस पर इस समय सुनवाई करने से अव्यवस्था होगी।

प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और जस्टिस जेबी पार्डीवाला एवं मनोज मिश्रा की पीठ ने सोमवार को कहा, सरकार 21 अगस्त को नए सिरे से परीक्षा आयोजित कर रही है और छात्रों को इस समय आश्वस्त होना चाहिए। परीक्षा में बैठने वाले छात्रों की संख्या करीब नौ लाख है। प्रधान न्यायाधीश ने प्रवीण डबास और अन्य द्वारा दायर याचिका पर विचार करने से इन्कार करते हुए कहा, 'सुप्रीम कोर्ट के इस कदम का गंभीर प्रभाव पड़ेगा और व्यापक रूप से अव्यवस्था पैदा हो जाएगी।' परीक्षा 18 जून को आयोजित की गई थी और इसके एक दिन बाद इसे रद कर दिया गया।

डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा, 'मौजूदा चरण में याचिका पर विचार करने से केवल

अनिश्चितता बढ़ेगी और घोर अव्यवस्था पैदा होगी।' उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को 'नीट-यूजी विवाद के बाद दोगुना सतर्क रहना चाहिए और इसी कारण इसे रद कर दिया गया। अब इस प्रक्रिया को चलने दें।' ध्यान रहे कि मंत्रालय ने 19 जून को यूजीसी-नेट परीक्षा रद करने का आदेश दिया था और मामले की जांच सीबीआइ को सौंप दी थी।

इसरो 16 अगस्त को लांच करेगा ईओएस-8

बेंगलुरु, प्रेट्र : भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने सोमवार को कहा, पृथ्वी अवलोकन उपग्रह-8 (ईओएस-8) को 16 अगस्त को लांच किया जाएगा। इसे लघु उपग्रह प्रक्षेपण यान (एसएसएलवी)-डी3 की उड़ान के जरिये श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से प्रक्षेपित किया जाएगा।

इसरो ने एक्स पर पोस्ट किया, एसएसएलवी-डी3/ईओएस-08 मिशनः एसएसएलवी की उड़ान का प्रक्षेपण 16 अगस्त को होने वाला है। ईओएस-08 मिशन के उद्देश्यों में माइक्रोसेटेलाइट को डिजाइन और विकसित करना शामिल है। ईओएस-08 तीन पेलोड ले जाएगा। इनमें इलेक्ट्रो आप्टिकल इन्फ्रारेड पेलोड (ईओआइआर), ग्लोबल नेविगेशन सेटेलाइट सिस्टम-रिफ्लेक्टोमेट्री पेलोड व सीआइसी यूवी डोसीमीटर शामिल हैं। ईओआइआर पेलोड को उपग्रह आधारित निगरानी, आपदा निगरानी, पर्यावरण निगरानी के लिए तस्वीरें खींचने के लिए डिजाइन किया गया है। जीएनएसएस-आर समुद्री सतह की हवा का विश्लेषण, मिट्टी की नमी का आकलन, बाढ़ का पता लगाने का काम करेगा।

बदलाव की बयार

कश्मीर में पहली अगस्त से अब तक दो हजार से ज्यादा तिरंगा यात्राएं निकल चुकीं, आतंकियों का गढ़ रहे शोपियां और पुलवामा में भी बिना ज्यादा सुरक्षा के निकल रही रैलियां

तिरंगे की छांव में चहक रहा जम्मू-कश्मीर, मोदी ने कहा-प्रेरणादायक

नवीन नवाज ● जागरण

श्रीनगर: कश्मीर में सोमवार सुबह का नजारा पूरी तरह देशभक्ति से सराबोर दिखा। सैकड़ों की संख्या में जमा लोग हाथों में तिरंगा लिए 'विजयी विश्व तिरंगा प्यारा, झंडा ऊंचा रहे हमारा' गाते हुए श्रीनगर में डल झील के किनारे आगे बढ़ रहे थे। स्थानीय कश्मीरी तिरंगा लिए अपने पूर्वजों के वर्ष 1947 में पाकिस्तानी हमलावरों को ललकारते हुए लगाए गए नारे-खबरदार, होशियार-हम कश्मीरी हैं तैयार हैं, का स्मरण दिलाते हुए राष्ट्र निर्माण के प्रति प्रतिबद्धता को दोहरा रहे थे। दरअसल, हर घर तिरंगा अभियान अब जम्मू-कश्मीर में जनांदोलन बन चुका है। यही कारण है कि पीएम नरेन्द्र मोदी ने जब डल झील के किनारे निकली तिरंगा यात्रा की तस्वीरें देखीं तो वह भी यह कहने से नहीं रह सके कि जम्मू-कश्मीर के लोगों द्वारा निकाली गई तिरंगा यात्रा प्रेरणादायक है।

दक्षिण कश्मीर में जवाहर सुरंग से लेकर उत्तरी कश्मीर में एलओसी के साथ सटे उड़ी और टंगडार तक हर जगह तिरंगा यात्रा का आयोजन हो रहा है। स्कूली छात्रों के अलावा स्थानीय कारोबारी और ग्रामीण भी तिरंगा रैलियों का हिस्सा बन रहे हैं। सबसे बड़ी बात है कि यह तिरंगा रैलियां बिना ज्यादा सुरक्षा बंदोबस्त के आयोजित हो रही हैं। आतंकियों का गढ़ रहे शोपियां और पुलवामा में भी गली-बाजारों में राष्ट्रध्वज लहराता नजर आ रहा है। कश्मीर घाटी में पहली अगस्त से अब तक लगभग दो हजार से ज्यादा तिरंगा यात्राएं निकाली जा चुकी हैं। श्रीनगर में सोमवार को डल झील में तिरंगा शिकारा रैली भी हुई।

सोमवार सुबह डल झील के किनारे स्थित शेरे कश्मीर इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर (एसकेआसीसी) में उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने तिरंगा यात्रा और वाकथान को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने सभी नागरिकों से आह्वान किया कि राष्ट्रीय ध्वज को घर लाएं और गर्व व सम्मान से इसे फहराएं। इस अवसर पर सिन्हा ने जम्मू-कश्मीर के बलिदानियों व बहादुरों को समर्पित मोनोग्राफ जारी किया और तिरंगा हस्ताक्षर अभियान का शुभारंभ किया।

जम्मू-कश्मीर स्थित श्रीनगर की डल झील में सोमवार को नौकाओं पर निकाली गई तिरंगा यात्रा का मनोरम दृश्य। प्रेट्र

अमित शाह अहमदाबाद में आज दिखाएंगे तिरंगा यात्रा को हरी झंडी

अहमदाबाद, प्रेट्र : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मंगलवार को गुजरात के अहमदाबाद में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की मौजूदगी में तिरंगा यात्रा को हरी झंडी दिखाएंगे। स्वतंत्रता दिवस से पहले भाजपा शासित राज्य में ऐसी तिरंगा यात्राएं आयोजित की जा रही हैं। एक अधिकारी ने सोमवार को कहा कि शाह और पटेल अहमदाबाद नगर निगम के विराटनगर कार्यालय से यात्रा को हरी झंडी दिखाएंगे। इससे पहले पार्टी अध्यक्ष और स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा की मौजूदगी में राजकोट के साथ ही सूरत में भी ऐसी यात्राएं निकाली गईं। इसमें भाजपा की गुजरात इकाई के प्रमुख और केंद्रीय मंत्री सीआर पाटिल ने भाग लिया था।

कह कर रहेंगे — माधव जोशी

भाजपा ने जम्मू कश्मीर में बजा दी चुनावी रणभेरी

जागरण संवाददाता, राजौरी

- एक साथ जम्मू संभाग के 43 विस क्षेत्रों में कार्यालयों का किया शुभारंभ
- प्रदेश में 50 से अधिक सीटें जीतकर सरकार बनाने का लिया संकल्प

भाजपा ने जम्मू कश्मीर में चुनावी रणभेरी बजाते हुए एक साथ जम्मू संभाग में 43 विधानसभा क्षेत्रों में चुनाव कार्यालयों का शुभारंभ कर दिया। अगले चरण में कश्मीर के सभी 47 विधानसभा क्षेत्रों में पार्टी कार्यालय खोले जाएंगे। पार्टी प्रदेशाध्यक्ष रविंद्र रैना ने राजौरी जिला कार्यालय से वर्चुअल माध्यम से इन कार्यालयों का शुभारंभ किया। साथ ही इस अवसर पर प्रदेश में अपने दम पर 50 से अधिक सीटें जीतकर सरकार बनाने का संकल्प भी दोहराया गया।

यहां बता दें कि भाजपा जम्मू कश्मीर में तेजी से चुनावी तैयारी में जुटी है और पार्टी ने चुनाव प्रबंधन समितियों और चुनाव घोषणापत्र समितियों का भी गठन कर लिया है। पार्टी पहले ही अकेले चुनाव में जाने की घोषणा कर चुकी है। लोकसभा चुनाव में कश्मीर में कुछ स्थानीय दलों को समर्थन का दांव सफल नहीं रहा था।

कार्यालय का उद्घाटन करते भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र रैना व अन्य नेता। जागरण

इस अवसर पर कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए रैना ने विधानसभा चुनाव में जीत के लिए जुट जाने को प्रेरित किया। साथ ही दावा किया कि पार्टी विधानसभा चुनाव में 50 से अधिक सीटें जीतेगी। इस अवसर पर कांगड़ा के सांसद राजीव भारद्वाज विशेष तौर पर उपस्थित रहे। भारद्वाज को पीर पंजाल क्षेत्र के आठ विधानसभा क्षेत्रों का प्रभारी बनाया गया है। उन्होंने पार्टी सदस्यों को बूथ स्तर पर प्रयास के महत्व से अवगत कराया।

प्रदेश भाजपा ने गत दिनों चुनाव प्रबंधन समिति का गठन किया था। समिति में सांसद, पूर्व मंत्रियों, पूर्व विधायकों व वरिष्ठ नेताओं को विधानसभा चुनाव जीतने की जमीन तैयार करने की जिम्मेदारियां मिली थी। पार्टी ने सांसद जुगल किशोर शर्मा को समिति का अध्यक्ष बनाया है। पूर्व उपमुख्यमंत्री डा निर्मल सिंह को चुनाव घोषणा पत्र समिति का अध्यक्ष बनाया गया है। सोमवार को कुछ और नेताओं को समिति में शामिल कर इसका विस्तार किया गया।

20 अगस्त के बाद हो सकती है चुनाव की घोषणा

चुनाव आयोग भी प्रदेश में चुनाव की तैयारी को अंतिम रूप दे रहा है। 19 अगस्त तक मतदाता सूचियों का अंतिम प्रकाशन किया जाना है। उसके बाद शीघ्र ही चुनाव आयोग चुनाव की घोषणा कर सकता है। प्रदेश में सुप्रीम कोर्ट ने सितंबर माह तक चुनाव कराने का आदेश दे रहा है। चुनाव आयोग की टीम आठ और नौ अगस्त को जम्मू कश्मीर के दौरे पर आई थी और सभी दलों के अलावा संबंधित अधिकारियों से भी बात की थी और सभी पक्ष शीघ्र चुनाव कराने पर सहमत दिख रहे हैं। पीएम भी जल्द एलान कर चुके हैं।

'विधानसभा चुनाव का कार्यक्रम तय करने का अधिकार आयोग के पास'

राज्य ब्यूरो, जागरण ● जम्मू

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने रविवार को कहा कि केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव का कार्यक्रम तय करने का विशेष अधिकार चुनाव आयोग के पास है। हालांकि, उन्होंने उम्मीद जताई कि प्रदेश में जल्द ही विधानसभा चुनाव कराए जाएंगे।

जम्मू विश्वविद्यालय में मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र की नई इमारत के उद्घाटन के बाद उपराज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जून में योग दिवस पर अपनी श्रीनगर यात्रा के समय कहा था कि जम्मू-कश्मीर में विधानसभा के चुनाव जल्द करवाएं जाएंगे। पांच अगस्त, 2019 को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने संसद में कहा था कि जम्मू-कश्मीर में परिसीमन के बाद विधानसभा चुनाव होंगे और फिर उचित समय पर राज्य का दर्जा दिया जाएगा। सिन्हा ने कहा कि यह उसी क्रम में हो रहा है...मुझे उम्मीद है कि विधानसभा चुनाव जल्द होंगे। उपराज्यपाल ने हाल ही में चुनाव आयोग की पूरी टीम की जम्मू-कश्मीर की दो दिवसीय यात्रा और दिल्ली लौटने से पहले राजनीतिक दलों, प्रशासन के अधिकारियों और अन्य हितधारकों के साथ उनकी बैठकों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि चुनाव करवाने की तिथि क्या होगी यह भारतीय चुनाव आयोग का विशेष अधिकार है। बता चलें कि चुनाव आयोग की टीम ने आठ व नौ अगस्त को जम्मू-कश्मीर का दौरा कर चुनाव करवाने की तैयारियों का जायजा लिया है। इस दौरान मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने कहा था कि 19 अगस्त को अमरनाथ यात्रा समाप्त होने के साथ ही सुरक्षा आवश्यकताओं का आकलन किया जाएगा।

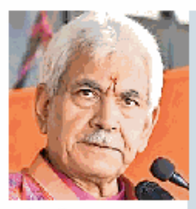

मनोज सिन्हा। फाइल

उप राज्यपाल ने कहा कि मुझे उम्मीद है विधानसभा चुनाव जल्द होंगे

सुखबीर बादल के माफीनामा पर 30 को हो सकता है फैसला

जागरण संवाददाता, अमृतसर : शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के अध्यक्ष सुखबीर बादल द्वारा 24 जुलाई को श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार ज्ञानी रघबीर सिंह को सौंपे गए माफीनामा पर निर्णय 30 अगस्त को हो सकता है। ज्ञानी रघबीर सिंह ने मसले पर विचार करने के लिए पांच तख्तों के सिंह साहिबानों की बैठक इस दिन बुलाई है।

जत्थेदार के मीडिया सलाहकार तलविंदर सिंह बुट्टर के हवाले से हालांकि बैठक के आयोजन का कारण सिख पंथ के अहम मसलों पर विचार-विमर्श करना बताया गया है, लेकिन पंथक सूत्रों के अनुसार बैठक का एकमात्र एजेंडा सुखबीर बादल के माफीनामा पर विचार करना है।

इससे पहले सिंह साहिबान की बैठक 15 जुलाई को हुई थी। इस बैठक में सुखबीर को 15 दिन में व्यक्तिगत रूप से अकाल तख्त पर पेश होकर स्पष्टीकरण देने का फरमान जारी किया गया था। सुखबीर का माफीनामा सार्वजनिक कर दिया गया।

मुख्यमंत्री पद के लिए 'तुच्छ लोगों' के आगे झुक रहे हैं उद्धव : जाधव

राज्य ब्यूरो, मुंबई: केंद्रीय मंत्री प्रतापराव जाधव ने कहा है कि शिवसेना (यूबीटी) के नेता उद्धव ठाकरे मुख्यमंत्री पद के लिए 'तुच्छ लोगों' के सामने झुक रहे हैं। उन्होंने शिवसेना की विचारधारा को त्याग दिया है। पिछले सप्ताह उद्धव ठाकरे ने दिल्ली का दौरा कर कांग्रेस के शीर्ष नेताओं से मुलाकात की थी। उनकी इन मुलाकातों के बाद यह चर्चा गर्म है कि विधानसभा चुनाव से पहले वह स्वयं को महाविकास आघाड़ी की ओर से मुख्यमंत्री के चेहरे के रूप में पेश करवाना चाहते हैं। कांग्रेस, शिवसेना (यूबीटी) और राकांपा (शरदचंद्र पवार) विपक्षी गठबंधन महाविकास आघाड़ी के मुख्य घटक हैं। रविवार को जालना में एक सम्मान समारोह में बोलते हुए शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना से जुड़े केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव ने कहा कि पार्टी के संस्थापक बालासाहेब ठाकरे के समय नेता मुंबई में उनके आवास 'मातोश्री' पर आते थे। इसके विपरीत उद्धव ठाकरे अब मुख्यमंत्री पद पाने के लिए 'तुच्छ लोगों' की मंजूरी मांग रहे हैं। जाधव ने कहा कि उद्धव ठाकरे पूरी तरह धर्मनिरपेक्ष हो गए हैं। उनमें पिता बालासाहेब ठाकरे के गुणों का एक प्रतिशत भी नहीं है। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमलों की निंदा न करने के लिए उद्धव ठाकरे की आलोचना की।

प्रताप राव जाधव।

दिल्ली में 10 विधानसभा सीटों पर कांग्रेस के पास उम्मीदवार नहीं !

कुछ सीटों पर खाता ही नहीं खुला तो कुछ के संभावित प्रत्याशी छोड़ गए

संजीव गुप्ता ● जागरण

नई दिल्ली : प्रदेश कांग्रेस अपने दम पर विधानसभा चुनाव लड़ने का दावा करते हुए चुनाव की तैयारी में जुटी है, लेकिन इस बीच यह भी सामने आ रहा है कि 70 में से 10 विधानसभा सीटों पर कांग्रेस के पास प्रत्याशी तक नहीं है। पार्टी के वरिष्ठ नेता भी इससे इंकार नहीं कर रहे हैं। हालांकि खुलकर कोई नहीं कर रहा है।

गौरतलब है कि वर्ष 1998 से 2013 तक लगातार 15 साल राजधानी की सत्ता में रहने वाली कांग्रेस इसके बाद हाशिए पर जाती रही। वर्ष 2013 के चुनाव में तो फिर भी कांग्रेस आठ सीटें जीत गई थीं, लेकिन वर्ष 2015 और 2020 के विधानसभा चुनाव में पार्टी का खाता तक नहीं खुला। इसी तरह वर्ष 2014, 2019 और 2024 के लोकसभा चुनाव में भी कांग्रेस खाली हाथ ही रही।

वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में तो कांग्रेस ने आम आदमी पार्टी के साथ मिलकर गठबंधन में प्रत्याशी उतारे, लेकिन कामयाबी तब भी नहीं मिली। फरवरी 2025 में प्रस्तावित विधानसभा चुनाव के लिए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव लोकसभा चुनाव के तुरंत बाद घोषणा कर चुके हैं कि पार्टी कोई गठबंधन नहीं करेगी। सभी 70 सीटों पर अपने दम पर चुनाव लड़ेगी, लेकिन पार्टी सूत्रों के मुताबिक कांग्रेस के लिए सत्ता की राह फिलहाल इतनी भी आसान नहीं है।

70 सीटें है दिल्ली विधानसभा क्षेत्र में, सभी सीटों पर अपने दम पर चुनाव लड़ने की घोषणा की है कांग्रेस ने

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव। फाइल

इन 10 सीटों पर नहीं कांग्रेस के पास उम्मीदवार

- रोहिणी
- तिलक नगर
- शालीमार बाग
- जनकपुरी
- नजफगढ़
- राजौरी गार्डन
- बदरपुर
- अंबेडकर नगर
- विश्वास नगर
- मंगोलपुरी

पार्टी सूत्र बताते हैं कि आज की तारीख में 10 सीटों पर कांग्रेस के पास कोई उम्मीदवार नहीं है। कुछ सीटों पर उम्मीदवार हैं, लेकिन उनकी स्थिति बहुत मजबूत नहीं है। कुछ सीटों पर पूर्व विधायक ही फिर से ताल ठोक सकते हैं, लेकिन सीट निकल पाने की स्थिति नजर नहीं आ रही है। कुछ सीटों पर अच्छे उम्मीदवार थे, मगर पार्टी छोड़ गए।

हालांकि वरिष्ठ नेताओं के मुताबिक प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभालने के बाद देवेंद्र यादव लगातार संगठन की मजबूती के लिए प्रयास कर रहे हैं। सभी ब्लाकों एवं जिलों में मासिक बैठक अनिवार्य कर दी गई है। कार्यकर्ता सम्मेलन भी किए जा रहे हैं। जल्द ही निष्क्रिय ब्लाक और जिला अध्यक्षों को हटाकर नए पदाधिकारी भी नियुक्ति हो सकती है।

पार्टी नेतृत्व के मुताबिक अबकी कांग्रेस के पूर्व विधायकों के साथ ही महिलाओं और युवा उम्मीदवारों पर भी दांव लगाएगी। हर विधानसभा क्षेत्र में सर्वे कराया जा रहा है। योग्य उम्मीदवारों को टिकट दिया जाएगा और विधानसभा चुनाव में बेहतर प्रदर्शन भी किया जाएगा।

फसलें सांझी है, संस्कृति सांझी है सरकार भी सांझा कर ले : सीएम भगवंत मान

संवाद सहयोगी जागरण रानियां (सिरसा): पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान सोमवार को रानियां की अनाजमंडी में पहुंचे। उन्होंने आम आदमी पार्टी की बदलाव रैली को संबोधित करते हुए कहा कि जब यहां का भाईचारा सांझा है, फसलें सांझी है, संस्कृति सांझी है। अब समय आ गया है सरकार भी सांझा कर लें। उन्होंने दिल्ली और पंजाब में आप की सरकार है तो हरियाणा में बदलाव लाकर यहां पर भी आम आदमी की सरकार बनाने में अपना सहयोग दें। उन्होंने कहा कि भाजपा ने हमेशा से ही लोगों को बांटने का काम किया है। रैली को संबोधित करते हुए भगवंत मान ने कहा कि आजादी के 75 साल बाद भी देश को गरीबी मिली है। इसकी जिम्मेदार कांग्रेस और भाजपा हैं। जहां अमेरिका चांद पर प्लाट काटता है, वहीं भारत में सीवरेज के ढक्कनों की लड़ाई लड़ी जा रही है।

उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि वे विधानसभा चुनाव में भाजपा को सबक सिखा दें। उन्होंने आप पार्टी की पांच गारंटी बताई और लोगों से समर्थन मांगा। सीएम भगवंत मान ने कहा कि पंजाब के अंदर सरकार पीपल के नीचे जाकर लोगों का काम कर रही है। हरियाणा में सरकार बनी तो किसी भी वर्ग को परेशान होने की जरूरत नहीं पड़ेगी। सरकार काम करने के लिए उनके द्वार आएगी।

भगवंत मान। फाइल

बिहार उप चुनाव : बेटों को विधायक बनाने के लिए लालू के पास अर्जी

सुनील राज ● जागरण

पटना : लोकसभा चुनाव के बाद बिहार में रिक्त हुईं विधानसभा की चार सीटों पर निकट भविष्य में प्रस्तावित उप चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मी बढ़ने लगी है। महागठबंधन ने उप चुनाव के लिए सीटों पर सहमति बना ली है। चार सीटों में तीन पर राष्ट्रीय जनता दल खुद मैदान में उतरेगा, जबकि एक सीट भाकपा माले को देने पर सहमति बनी है। महागठबंधन दलों में सीटों पर सहमति और राजद को तीन दावेदार उतारने की हरी झंडी मिलते ही इन सीटों के लिए राजद प्रमुख लालू प्रसाद के पास उम्मीदवारों के आवेदन पहुंचने लगे हैं। जो अर्जियां लालू तक पहुंची हैं वे दल के प्रमुख नेताओं की हैं, जो अपने पुत्र के लिए टिकट चाहते हैं।

जिन चार सीटों पर उप चुनाव होने हैं उसमें इमामगंज, तरारी, रामगढ़, बेलागंज शामिल हैं। इन चारों सीट पर पहले जो विधायक थे वे 2024 के लोकसभा चुनाव जीतकर सांसद बन चुके हैं और अब चाहते हैं यह सीट परिवार में ही रहे। रामगढ़ सीट से राजद प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद के पुत्र सुधाकर विधायक थे। सांसद बनने के बाद वे चाहते हैं कि उनके भाई अजीत सिंह रामगढ़ से चुनाव लड़ें और विधायक बनें। उन्होंने भाई के नाम पर विचार करने का आग्रह लालू और तेजस्वी से किया है।

प्रो. सुरेंद्र यादव बेलागंज से विधायक थे। अब जहानाबाद के सांसद बन चुके हैं। प्रो. यादव अपने पुत्र विश्वनाथ के लिए बेलागंज से दावेदारी चाहते हैं। सूत्र बताते हैं कि उन्होंने अपनी मंशा से पार्टी प्रमुख लालू प्रसाद को अवगत भी कर दिया है। हालांकि इस सीट के लिए पार्टी में अन्य नामों पर भी विचार जारी है। इमामगंज से विधायक रहे जीतन राम मांझी गया के सांसद बन चुके हैं। इमामगंज सीट के लिए राजद में तीन-तीन दावेदार हैं। पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व विधानसभा अध्यक्ष उदय नारायण चौधरी के साथ ही रोशन मांझी भी इस सीट पर अपनी दावेदारी चाहते हैं।

रोशन मांझी 2005 में भी इमामगंज से विधायक पद के उम्मीदवार थे। जबकि एक अन्य नाम जिस पर विचार हो रहा है वह है समता देवी का। समता देवी पूर्व में बाराचट्टी से राजद विधायक थीं और पार्टी की पूर्व सांसद और पूर्व विधायक भगवती देवी की पुत्री हैं। सूत्र बताते हैं कि पार्टी के वैसे नेता जो सांसद बन चुके हैं उनकी पैरवी को लेकर राजद प्रमुख अब तक किसी निर्णय पर नहीं पहुंचे हैं।

- विधानसभा की चार सीटों के उप चुनाव में तीन पर लड़ेगा राजद, एक पर भाकपा माले

लालू यादव। फाइल

नामों पर लालू और तेजस्वी की सहमति बनती है या कोई अन्य नाम सामने आते हैं

बढ़ेंगी पांडियन की मुश्किलें, मोहन सरकार कराएगी हेलीकाप्टर दौरे की जांच

जागरण संवाददाता ● भुवनेश्वर

ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक की सरकार में नंबर दो की हैसियत रखने वाले पूर्व आइएएस अधिकारी वीके पांडियन की मुश्किलें बढ़ने वाली हैं। वर्तमान मोहन चरण माझी की सरकार ने एक राजनेता की तरह पूरे राज्य में पांडियन द्वारा हेलीकाप्टर से किए गए दौरे एवं इसके लिए बनाए गए हेलीपैड पर हुए खर्च की जांच कराने का निर्णय लिया है। पहले राज्य के परिवहन मंत्री विभूति भूषण जेना पांडियन के इन क्रियाकलापों को लेकर मुखर थे, अब कानून मंत्री पृथ्वीराज हरिचन्दन भी इस मसले पर खुलकर सामने आ गए हैं।

कानून मंत्री पृथ्वीराज हरिचन्दन के अनुसार तत्कालीन फाइव टी (टीमवर्क, टाइम, ट्रांसपेरेंसी, टेक्नोलाजी और ट्रांसफार्मेशन) सचिव पांडियन ने हेलीकाप्टर से लगभग 400 से अधिक जगहों का दौरा किया है। सचिव स्तर के अधिकारी के लिए इस हदतक तक हेलीकाप्टर से दौरे का प्रविधान नहीं है।

वीके पांडियन।

ओडिशा के कानून मंत्री ने कहा, प्रदेश में 400 से अधिक दौरे किए हैं पांडियन ने

तत्कालीन सरकार ने उन्हें इसकी अनुमति कैसे दी, इस पर आई लागत किस मद से व्यय की गई, राजकोष पर इसका कितना बोझ बढ़ा, जांच कराई जाएगी। जांच में जिस स्तर का दोष पाया जाएगा, उसी के अनुरूप कार्रवाई होगी। उल्लेखनीय है कि विधानसभा चुनाव में बीजद की हार के लिए पार्टी के कार्यकर्ता वीके पांडियन को ही जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। यह चर्चा भी जोरों पर थी नवीन पटनायक के बाद पांडियन को पार्टी की कमान थमाई जाएगी। विरोध के चलते हार की समीक्षा के लिए एक कमेटी गठित की थी। कमेटी ने भी यह सुझाव दिया है कि किसी अन्य को जिम्मेदारी देने के बजाय पटनायक खुद यह संभाले।

कांग्रेस सांसद संजना जाटव ने पुलिसकर्मी पति को बनाया पीएसओ

जासं, जयपुर: राजस्थान में भरतपुर लोकसभा सीट से कांग्रेस की सांसद संजना जाटव की सुरक्षा अब उनके पति पुलिस कांस्टेबल कप्तान सिंह करेंगे। अलवर के पुलिस अधीक्षक आनंद शर्मा ने कप्तान सिंह को सांसद का पीएसओ नियुक्त करने का आदेश जारी किया है। संजना जाटव की शादी वर्ष 2016 में अलवर जिले के समूची गांव निवासी कप्तान सिंह से हुई थी। कप्तान सिंह बतौर कांस्टेबल अलवर के थानागाजी पुलिस थाने में तैनात थे। सांसद ने कहा कि पति मेरे लिए सबसे बड़ा सहारा हैं। मेरी ताकत हैं। अब पीएसओ के रूप में वह मेरी सुरक्षा करेंगे। कप्तान सिंह ने कहा, मेरे साथ रहने से सांसद पत्नी का मनोबल ऊंचा रहेगा और हिम्मत बढ़ेगी। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2021 में अलवर जिले के वार्ड नंबर 29 से संजना चुनाव जीत गई थीं। इसके बाद 2023 में कठूमर विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस के टिकट पर 409 वोटों से चुनाव हार गईं। 2024 के लोसभा चुनाव में वह भरतपुर से टिकट दिया और वह चुनाव जीत गईं।

झारखंड में गठबंधन को झटका देने की तैयारी में भाजपा, कुछ प्रमुख नेताओं पर है नजर

प्रदीप सिंह ● जागरण

रांची : हर चुनाव के पहले भाजपा अपने प्रतिद्वंद्वी को झटका देने के लिए उस खेमे के कुछ प्रमुख नेताओं को अपनी तरफ लाती है। 2019 में झारखंड विधानसभा चुनाव के पहले भी ऐसा ही हुआ था। सुखदेव भगत कांग्रेस और कुणाल षाडंगी एवं जेपी पटेल झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) छोड़कर भाजपा में शामिल हुए थे। एक संयोग यह भी है कि तीनों नेता अभी भाजपा में नहीं हैं। सुखदेव भगत कांग्रेस में वापस लौट आए। वे हालिया लोकसभा चुनाव में लोहरदगा संसदीय सीट से विजयी हुए। कुणाल षाडंगी और जेपी पटेल ने भी भाजपा छोड़ दी है। जेपी पटेल लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस में शामिल हो गए थे। वे चुनाव जीतने में असफल रहे। कुणाल षाडंगी ने दल में अपनी उपेक्षा का आरोप लगाते हुए त्यागपत्र दे दिया। वे झामुमो में वापसी कर सकते हैं। भाजपा ने इसी प्रयोग को हालिया लोकसभा चुनाव में भी आजमाया। प्रदेश कांग्रेस की कार्यकारी अध्यक्ष रहीं सिंहभूम की तत्कालीन सांसद गीता कोड़ा और झारखंड मुक्ति मोर्चा के अध्यक्ष शिबू सोरेन की बड़ी बहू और जामा की तत्कालीन विधायक सीता सोरेन को पार्टी अपने पाले में लाने में सफल रही। यह अलग है कि दोनों चुनाव में परास्त हुए। आसन्न विधानसभा चुनाव के लिए भी कुछ ऐसी ही तैयारी है। इसी रणनीति के तहत झारखंड मुक्ति मोर्चा और कांग्रेस को फिर झटका दिया जा सकता है। भाजपा के रणनीतिकारों का कहना है कि चुनाव पर भले ही इसका कुछ खास प्रभाव नहीं पड़े, लेकिन प्रतिद्वंद्वी पर मनोवैज्ञानिक बढ़त के लिए यह कवायद आवश्यक है।

2019 में विधानसभा चुनाव से पहले भी कई नेता हुए थे भाजपा में शामिल

- लोस चुनाव से पहले भी सीता सोरेन और गीता कोड़ा ने थामा था दामन

चम्पाई सोरेन पर खास नजर

पूर्व मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन पर भाजपा की खास नजर है। यही वजह है कि भाजपा के नेता उनकी तारीफों के पुल बांध रहे हैं। इसे पार्टी की रणनीति का हिस्सा बताया जा रहा है। चम्पाई सोरेन शिबू सोरेन परिवार के विश्वस्त हैं। मुख्यमंत्री पद से हटने के बाद वे हेमंत सोरेन कैबिनेट में मंत्री के पद पर हैं। भाजपा नेताओं को उनमें उम्मीद नजर आ रही है। इस मुहिम में कुछ नेताओं को लगाया गया है। हालांकि, चम्पाई सोरेन का प्रभाव क्षेत्र सीमित है। भाजपा नेताओं की प्रशंसा के बावजूद अभी तक उन्होंने ऐसे कोई संकेत नहीं दिए हैं, जिससे यह लगे कि वे नाराज चल रहे हैं।

चम्पाई सोरेन।

अखिलेश ने केंद्र से यूपी में एक्सप्रेसवे के निर्माण में तेजी लाने के लिए लिखा पत्र

लखनऊ, एएनआइ: सपा नेता अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश में कई एक्सप्रेसवे और राजमार्गों के निर्माण के संबंध में केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को पत्र लिखा है। एक आधिकारिक पत्र के मुताबिक, अखिलेश यादव ने (उत्तर प्रदेश) इटावा और (राजस्थान) कोटा के बीच 408.77 किलोमीटर लंबे चंबल एक्सप्रेसवे को पूरा करने की मांग उठाई है।

पत्र में (मध्य प्रदेश) ग्वालियर से लिपुलेख तक छह-लेन राजमार्ग को पूरा करने की भी मांग की गई है। इसके अलावा, सपा नेता के पत्र में बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे को सतना से जोड़ने और (उत्तर प्रदेश) इटावा से (उत्तराखंड) हरिद्वार तक एक्सप्रेसवे को जोड़ने की मांग की गई है। एक्सप्रेसवे को बिहार के बक्सर-भागलपुर तक 25 किलोमीटर तक विस्तारित करने की भी मांग की गई है। अपने आधिकारिक अकाउंट से बांग्लादेश में चल रही अशांति पर बात की और कहा कि किसी भी समुदाय को हिंसा का शिकार नहीं बनना चाहिए।

दुविधा

हरियाणा कांग्रेस कमेटी के पास 90 विधानसभा क्षेत्रों के लिए आए ढाई हजार आवेदन, पार्टी प्रभारी ने तीन ई-मेल आइडी जारी कर अलग से मंगवाए थे टिकटार्थियों के आवेदन

प्रभारी अपनी ई-मेल पर आए आवेदकों के ले रहे इंटरव्यू

राज्य ब्यूरो, जागरण ● चंडीगढ़

हरियाणा कांग्रेस कमेटी के कार्यालय में राज्य के करीब ढाई हजार पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं ने टिकट के लिए आवेदन किये हैं। आवेदन करने वालों की यह सूची अभी तक कांग्रेस हाईकमान के पास पहुंची भी नहीं कि कांग्रेस प्रभारी दीपक बाबरिया पिछले कई दिनों से टिकटार्थियों के इंटरव्यू कर रहे हैं। इंटरव्यू में टिकट के दावेदारों से पूछा जा रहा है कि कांग्रेस पार्टी उन्हें टिकट क्यों दे। अगर उन्हें टिकट नहीं मिलता तो उनके स्थान पर टिकट का दावेदार दूसरा व्यक्ति कौन हो सकता है। इंटरव्यू के दौरान टिकटार्थियों की पुराने राजनीतिक इतिहास, दल बदल और कांग्रेस के प्रति निष्ठा का भी आकलन किया जा रहा है।

हरियाणा कांग्रेस के प्रभारी दीपक बाबरिया के कार्यालय से राज्य के हर जिले के आवेदकों को इंटरव्यू के लिए फोन जा रहे हैं। करीब एक दर्जन जिलों के आवेदकों के इंटरव्यू हो चुके हैं तो कुछ के चल रहे हैं।

दीपक बाबरिया। फाइल

नई दिल्ली में पार्टी प्रभारी की उपलब्धता के हिसाब से टिकटार्थियों को इंटरव्यू का समय दिया जा रहा है। सूत्रों के अनुसार करीब एक हजार आवेदकों ने पार्टी प्रभारी द्वारा जारी तीन ई-मेल आइडी पर टिकट के लिए आवेदन भेजे हैं। हरियाणा कांग्रेस कमेटी के पास टिकट के लिए आवेदन करने की अंतिम तारीख 10 अगस्त थी। इसके बाद आवेदन की कोई तारीख नहीं बढ़ी है। अगले दो दिनों के भीतर विधानसभावार पूरी रिपोर्ट तैयार कर प्रदेश अध्यक्ष चौधरी उदयभान के माध्यम से टिकट के दावेदारों की पूरी सूची प्रदेश प्रभारी को भेज दी जाएगी। कांग्रेस प्रभारी ने भी तीन अलग-अलग ई-मेल जारी कर टिकट चाहने वालों से आवेदन मांगे थे। उन्होंने यह आवेदन हरियाणा कांग्रेस कमेटी के कार्यालय में किए जाने वाले आवेदनों से अलग मांगे थे। सैकड़ों टिकटार्थी ऐसे हैं, जिन्होंने हरियाणा कांग्रेस कमेटी के पास भी टिकट के लिए आवेदन किए और पार्टी प्रभारी दीपक बाबरिया द्वारा जारी ई-मेल पर भी अपने आवेदन भेजे हैं। हरियाणा कांग्रेस कमेटी के पास जो आवेदन किये गये हैं, उनकी फीस पांच से 20 हजार रुपये निर्धारित थी, जबकि पार्टी प्रभारी के पास किए जाने वाले आवेदनों की कोई फीस निर्धारित नहीं थी।

तीन जोन में बांटकर तीन अलग-अलग ई-मेल आइडी जारी की गई

कांग्रेस महासचिव एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा के भी काफी समर्थकों ने हरियाणा कांग्रेस कमेटी के साथ-साथ सीधे सैलजा को भी अपने आवेदन पत्र सौंपे हैं। एक साथ तीन मोर्चों पर लिए गये आवेदनों के बाद पार्टी के गंभीर टिकटार्थी असमंजस में पड़ गये। पार्टी प्रभारी ने अपनी ई-मेल पर आये आवेदनों की पड़ताल के बाद उन्हें दिल्ली बुलाना आरंभ कर दिया है। आवेदकों के इंटरव्यू का यह सिलसिला कई दिनों से चल रहा है। पार्टी प्रभारी की ओर से हरियाणा को तीन जोन में बांटकर प्रत्येक जोन के लिए अलग-अलग तीन ई-मेल आइडी जारी की गई थी। ऐसे में सवाल खड़ा हो रहा है कि टिकट हरियाणा कांग्रेस कमेटी के पास आवेदन करने वालों को मिलेंगे या पार्टी प्रभारी की ई-मेल पर आवेदन भेजने वालों के नाम पर विचार किया जाएगा।

****

बुद्धदेव भट्टाचार्य की स्मृति सभा में ममता को बुलाने पर माकपा में मतभेद

राज्य ब्यूरो, जागरण ● कोलकाता

बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य के निधन के बाद उनकी याद में आयोजित होनेवाली स्मरण सभा में मुख्यमंत्री व तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी को आमंत्रित करने को लेकर माकपा में असमंजस की स्थिति है। माकपा के राज्य सचिव मोहम्मद सलीम ममता को बुलाने के पक्ष में नहीं हैं, जबकि पार्टी का एक तबका चाहता है कि भट्टाचार्य के निधन के बाद जिस तरह से मुख्यमंत्री तत्पर रहीं, उसे देखते हुए उन्हें स्मरण सभा में बुलाया जाना चाहिए। पार्टी सूत्रों के अनुसार, इस बाबत बुधवार को माकपा राज्य कमेटी की बैठक में अंतिम फैसला लिया जाएगा। माकपा पूर्व मुख्यमंत्री की याद में स्मरण सभा कोलकाता के नेताजी इंडोर स्टेडियम या नजरुल मंच जैसे किसी बड़ी जगह पर करना चाहती है। स्मरण सभा 22 अगस्त को आयोजित होगी। प्रदेश सचिव मोहम्मद सलीम का साफ कहना है कि रिवाज के मुताबिक विभिन्न पार्टियों के पास स्मरण सभा का आमंत्रण भेजा जाएगा, इसलिए तृणमूल कांग्रेस को जो आमंत्रण दिया जाएगा, उसके आधार पर अगर ममता बनर्जी आना चाहें, तो आ सकती हैं।

- माकपा के राज्य सचिव मोहम्मद सलीम ममता को बुलाने के पक्ष में नहीं
- पार्टी का एक तबका मुख्यमंत्री को बुलाने के पक्ष में, 22 को है स्मृति सभा

मोहम्मद सलीम।

ममता बनर्जी।

15 अगस्त 1947 को फोर्ट सेंट जार्ज पर फहराया गया तिरंगा झंडा आज भी सुरक्षित है। यह तिरंगा चेन्नई के सदियों पुराने फोर्ट सेंट जार्ज क्षेत्र में स्थित एक संग्रहालय में रखा गया है। संस्कृति मंत्रालय के अनुसार, फोर्ट संग्रहालय में रखा गया झंडा शुद्ध रेशम से बना है।

मध्य प्रदेश में बनेंगे 10 गो-अभयारण्य, प्रत्येक पर 18 करोड़ रुपये खर्च की योजना

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया ● भोपाल

- प्रदेश में लगभग 10 लाख निराश्रित गोवंश हैं, जिन्हें सहारे की जरूरत
- इनमें से लगभग तीन लाख गोशालाओं में हैं और बाकी खुले में ही घूम रहे हैं

मध्य प्रदेश के छुट्टा गोवंश की बेहतर देखभाल के लिए संभागीय मुख्यालय वाले जिलों में गो-अभयारण्य बनाए जाएंगे। प्रत्येक अभयारण्य के निर्माण में 18 करोड़ रुपये का खर्च आएगा। प्रदेश सरकार की 10 संभागीय मुख्यालयों पर गो-अभयारण्य बनाने की योजना है। इसका संचालन किसी गैर सरकारी संगठन को दिया जाएगा। वह अपनी आय बढ़ाने के लिए यहां कुछ दुधारू गाय भी रख सकेगा। अभयारण्य निर्माण की योजना की मंजूरी के लिए शीघ्र ही कैबिनेट में प्रस्ताव लाया जाएगा। अभयारण्य ऐसी जगह बनाए जाएंगे, जहां गायों को दिन में चरने के लिए छोड़ा जा सके। उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार इस वर्ष को गोरक्षा वर्ष बना रही है। इसी कड़ी में यह निर्णय लिया गया है। पशुपालन विभाग के प्रमुख सचिव गुलशन बामरा के अनुसार प्रदेश में लगभग 10 लाख निराश्रित गोवंश हैं, जिसमें तीन लाख गोशालाओं में और बाकी खुले में है। इन अभयारण्यों में पांच हजार से 25 हजार तक गोवंश को रखा जा सकेगा।

गोवर से निर्मित दीपक और गोमाता की मूर्ति।

प्रदेश के इन स्थानों पर अभयारण्य बनाने का प्रस्ताव

टीकमगढ़ में चरपुंवा, मंदसौर में मोरखेड़ा, पन्ना में शिकारपुरा, अशोकनगर में नडेर, रायसेन में चिखलोद कला, खरगोन में ओखला, सतना में पड़मनिया जागीर, जबलपुर में देहरीकलां या देहरीखुर्द और सागर में देवल।

शाजापुर के सालरिया में बना था एशिया का पहला गो अभयारण्य

मोहित व्यास, नईदुनिया

शाजापुर: ऐसी खबरें तो अक्सर आती हैं कि कई जगह गायों का जीवन नर्क हो गया है, किंतु यदि गायों के लिए किसी फलते-फूलते स्वर्ग का दृश्य देखना हो तो मध्य प्रदेश के आगर-मालवा जिले के ग्राम सालरिया चले आइए। यहां गायों को सुरक्षा-संरक्षा और उत्तम स्वास्थ्य देने के लिए एशिया का पहला गो-अभयारण्य बनाया गया है। यह प्रोजेक्ट सफल रहा और गायें यहां ठीक उसी तरह अभय होकर विचरण करती हैं, जैसे नेशनल पार्कों में वन्य जीव अभय होकर विचरण करते हैं। यह अभयारण्य वर्ष 2017 में तब बनाया गया था। मप्र के तत्कालीन सीएम शिवराज सिंह चौहान ने इसकी घोषणा की थी। यह गो-अभयारण्य इन दिनों इसलिए चर्चा में है क्योंकि हाल ही में मप्र के नौ संभागों में गो-अभयारण्य बनाने की घोषणा के बाद यह फिर चर्चा में हैं।

सालरिया गो अभयारण्य में गोमाता। नईदुनिया

सफल रहा त्रिस्तरीय संचालक मंडल का फार्मूला

प्रबंधन के लिए त्रिस्तरीय संचालक मंडल बनाया गया है। प्रमुख सचिव, मध्य प्रदेश शासन की अध्यक्षता में एक राज्य स्तरीय, दूसरा जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला स्तरीय और तीसरा संस्थान के निर्देश में संस्थान स्तरीय संचालक मंडल बनाए गए हैं। तीनों संचालक मंडल मानिटरिंग करते हैं।

इस तरह होती है देखभाल

श्री गोधाम महातीर्थ द्वारा यहां गायों का वर्गीकरण किया गया है। आयु व स्वास्थ्य की स्थिति के अनुसार गायों को अलग-अलग वर्ग में बांटकर उनकी देखरेख की जा रही है। भोजन में सोयाबीन के स्थान पर मसूर का चारा खिलाया जाता है। देखरेख के लिए प्रतिदिन 71 रुपये खर्च दिया जाता है, जबकि संस्था के अनुसार एक गाय पर प्रतिदिन 85 रुपये खर्च हो रहे हैं। इस अंतर को पाटने के लिए गो आधारित उत्पाद बेचे जा रहे हैं।

एक वर्षीय गोकथा का आयोजन

आम जनता को अभयारण्य की गायों से जोड़ने के लिए यहां एक वर्षीय गोकथा का आयोजन भी आरंभ किया गया। इस वर्ष नौ अप्रैल से यहां एक वर्षीय वेदलक्षणा गो आराधना महामहोत्सव चल रहा है। गो पर्यावरण एवं अध्यात्म चेतना पदयात्रा के प्रणेता स्वामी गोपालानंद सरस्वती महाराज कथा कह रहे हैं। श्रद्धालुओं को गोमाता के गव्यों से निर्मित महाप्रसादी का भोजन भंडारा करवाया जाता है।

एक नजर में गो अभयारण्य

472 हेक्टेयर चारागाह भूमि में स्थापित एशिया का पहला गो अभयारण्य

24 दिसंबर 2012 को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत व तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने किया भूमिपूजन

2017 में मप्र गो संवर्धन बोर्ड के मार्गदर्शन में पशुपालन एवं डेयरी विभाग आगर मालवा के माध्यम से शुरू हुआ संचालन

1 जनवरी 2023 से गो सेवा संस्थान श्रीगोधाम महातीर्थ पथमेड़ा, राजस्थान द्वारा किया जा रहा संचालन

24 गोष्ठ (आवास) बने हैं, जिनमें 4500 गोवंश रखे जा सकते हैं

5000 से अधिक गोवंश वर्तमान में रह रहे हैं

1000 नए गोवंश और रखने के लिए अस्थायी आवास व्यवस्था तैयार किए जा रहे हैं।

200 गर्भवती हैं वर्तमान में

● वर्मी कंपोस्ट खाद, प्रोम खाद, गो काष्ट एवं कंडे का निर्माण व विक्रय हो रहा है।

गोमाता की देखभाल यहां गाय की तरह नहीं बल्कि मातृत्व भाव से की जाती है। इस कारण यहां गायों के लिए स्वर्ग जैसा माहौल है। फिलहाल करीब पांच हजार गोमाता यहां हैं। एक हजार और गोमाता को रखने के लिए व्यवस्था की जा रही है। यहां गाय के आहार और बेहतर स्वास्थ्य को लेकर विशेष ध्यान दिया जाता है। - शिवराज शर्मा, प्रबंधक, गो अभयारण्य, आगर-मालवा, मध्य प्रदेश

श्री कामधेनु गो-अभयारण्य का संचालन संतोषजनक ढंग से हो रहा है। यहां 5000 गाय रखने की क्षमता है और लगभग इतनी ही गाय यहां पर हैं। अब अभयारण्य की क्षमता 10 हजार गाय रखने जितनी करने की प्रक्रिया चल रही है। क्षमता बढ़ने के बाद शासन से अनुमति प्राप्त कर आसपास की ग्राम पंचायत क्षेत्र की निराश्रित गायों को यहां रखा जाएगा।

- राघवेंद्रसिंह, कलेक्टर, आगर-मालवा, मप्र

सभी राज्यों में वक्फ संपत्तियों की हो सीबीआइ जांच : शम्स

केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरण रिजिजू के समक्ष रखी मांग

उत्तराखंड वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष ने कहा कार्रवाई का मिला आश्वासन

राज्य ब्यूरो, जागरण ● देहरादून

उत्तराखंड वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष शादाब शम्स ने उत्तराखंड समेत देश के सभी राज्यों में वक्फ संपत्तियों की सीबीआइ जांच कराने पर जोर दिया है। उन्होंने दिल्ली में केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरण रिजिजू से मुलाकात में यह मांग प्रमुखता से रखी। शम्स के अनुसार, केंद्रीय मंत्री ने इस संबंध में सकारात्मक कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

शम्स के अनुसार, उन्होंने केंद्रीय मंत्री रिजिजू को अवगत कराया कि उत्तराखंड समेत देश के विभिन्न राज्यों में वक्फ की ज्यादातर संपत्तियों पर अवैध कब्जा है। स्वतंत्रता के बाद से अब तक वक्फ संपत्तियों में जो लूट हुई है, उनमें जिन लोगों का हाथ है, वही वक्फ अधिनियम में संशोधन का विरोध कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जो संपत्ति गरीबों के उत्थान के लिए थी, वह आज कुछ लोगों की एशगाह का सामान बन चुकी है।

उन्होंने यह भी अवगत कराया कि उत्तराखंड वक्फ बोर्ड के पास करीब 5300 संपत्तियां हैं। इनमें से अधिकतर पर कब्जा है। तमाम संपत्तियों पर अवैध

शादाब शम्स। फाइल

किराएदार बैठे हैं। इस क्रम में उन्होंने पिरान कलियर की संपत्तियों का उल्लेख भी किया। उन्होंने कहा कि यदि उत्तराखंड समेत देश के सभी राज्यों में स्थित वक्फ संपत्तियों की सीबीआइ जांच कराई जाती है तो यह देश का सबसे बड़ा घोटाला निकलकर सामने आएगा। शम्स के अनुसार, केंद्रीय मंत्री ने इस संबंध में आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा चलाएगा अभियान: वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष शम्स के अनुसार, उन्होंने दिल्ली में भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव एवं अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय प्रभारी दुष्यंत कुमार गौतम और अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दिकी से भी मुलाकात कर वक्फ में हो रहे भ्रष्टाचार के खेल से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि मोर्चा के राष्ट्रीय प्रभारी व राष्ट्रीय अध्यक्ष ने इस मुद्दे पर मिशन मोड में अभियान चलाने की बात कही।

वक्फ की संपत्तियों को कब्जे से मुक्त कराए सरकार, भ्रांतियां न फैलाए

पटना सिटी: जमाअते इस्लामी हिंद के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मलिक मोतसिम खान ने कहा कि मुसलमान अपनी बहुमूल्य संपत्ति समाज की जरूरतों को पूरा करने के लिए दान करते हैं। वक्फ की मूल भावना देने की है, न कि लेने की। वक्फ को लेकर फैलायी जा रही भ्रांतियों को दूर करने की आवश्यकता है। सोमवार को जमाअत की बिहार इकाई द्वारा 'वक्फ का महत्व और हमारा दायित्व' विषय पर बिहार उर्दू अकादमी सभागार में आयोजित सेमिनार को संबोधित कर रहे थे। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ने आरोप लगाया कि सरकार तरह तरह के बहाने बनाकर वक्फ की संपति पर कब्जा करना चाहती है। इसी उद्देश्य के तहत वक्फ संशोधन विधेयक को कानून बनाने की तैयारी की जा रही है। कार्यक्रम में इमारत ए शरिया के कार्यकारी सचिव मौलाना शिबली अलकासमी ने कहा कि वक्फ की संपतियों पर कई स्तर से कब्जा है। इसे कब्जा मुक्त कराने के लिए सरकार को कदम उठाना चाहिए।

बिहार में अनुसूचित जाति सूची से तांती (ततवा) बाहर, नौकरियों पर असर नहीं

राज्य ब्यूरो, जागरण ● पटना: सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद सोमवार को बिहार सरकार ने तांती (ततवा) को अनुसूचित जाति की सूची से बाहर कर दिया है। पूर्व की तरह यह जाति अत्यंत पिछड़ों की सूची में शामिल हो गई है। इसे अत्यंत पिछड़ी जातियों की सूची (अनुसूची-1) में 33 वें नंबर पर रखा गया है। सामान्य प्रशासन विभाग की ओर से जारी गजट के साथ ही यह बदलाव तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। सामान्य प्रशासन विभाग की दो जुलाई 2015 की उस अधिसूचना को भी निरस्त कर दिया है, तांती (ततवा) को अनुसूचित जाति में शामिल किया गया था।

सूची में परिवर्तन के आधार पर तांती (ततवा) जाति के जिन लोगों को सरकारी नौकरी मिली है, वह कायम रहेगी। इसे अनुसूचित जाति से अत्यंत पिछड़ी जाति के कोटे में स्थानांतरित कर दिया जाएगा। इसके लिए संबंधित विभागों में पद सृजन किया जाएगा। यह जवाबदेही संबंधित नियुक्त प्राधिकार को दी जा रही है। इस बदलाव के कारण अनुसूचित जाति के कोटे में जो रिक्तियां होंगी, उन्हें भरने के लिए विशेष भर्ती अभियान चलाया जाएगा। इसे बैकलाग की श्रेणी में रखा जाएगा।

अनुसूचित जाति के नाते कर्मियों को प्रोन्नति को कायम रखने के लिए अतिरिक्त पद सृजन की कार्रवाई की जाएगी।

'बंगाल सरकार को त्वरित कार्रवाई करनी चाहिए'

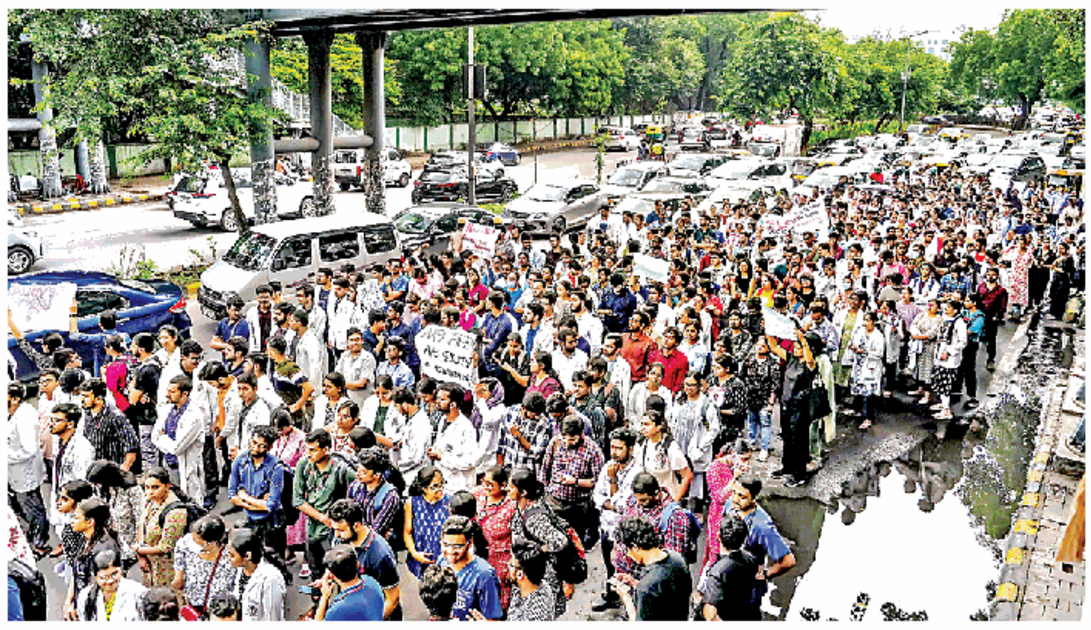

बंगाल में महिला चिकित्सक से दुष्कर्म और हत्या के विरोध में नई दिल्ली में सोमवार को प्रदर्शन करते चिकित्सक। प्रेट्र

प्रथम पृष्ठ से आगे

दूसरी ओर, भाजपा के वरिष्ठ नेता रविशंकर प्रसाद ने मामले की सीबीआइ जांच की मांग की है। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने सोमवार को कहा कि इस मामले में बंगाल सरकार को त्वरित और सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। बता दें कि आरजी कर मेडिकल कालेज और अस्पताल के अंदर कथित रूप से दुष्कर्म तथा हत्या की शिकार हुई महिला चिकित्सक का शव शुक्रवार सुबह संगोष्ठी कक्ष में मिला था। इस मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है, जो कोलकाता पुलिस का नागरिक स्वयंसेवक है।

जनहित याचिकाओं पर सुनवाई करेगा हाई कोर्ट: कलकत्ता हाई कोर्ट इस मामले की सीबीआइ से जांच का अनुरोध करने वाली कम से कम तीन जनहित याचिकाओं पर मंगलवार को सुनवाई करेगा। दूसरी ओर, मामले में राष्ट्रीय महिला आयोग की दो सदस्यीय टीम सोमवार को कोलकाता पहुंची। डेलिना खोंगडुप के नेतृत्व में टीम के सदस्यों ने मामले की जांच कर रहे पुलिस अधिकारियों से बात की।

अस्पताल के प्रधानाचार्य ने दिया त्याग-पत्र

इस मामले को लेकर आलोचनाओं का सामना कर रहे आरजी कर मेडिकल कालेज और अस्पताल के प्रधानाचार्य संदीप घोष ने अपने पद से सोमवार सुबह त्याग-पत्र दे दिया। जूनियर डाक्टरों ने अस्पताल कर्मियों को सुरक्षा मुहैया कराने में नाकामी के लिए उनके त्याग-पत्र की मांग की थी। संदीप घोष को नेशनल मेडिकल कालेज एवं हास्पिटल का प्रधानाचार्य बनाया गया है।

बंगाल में चौथे दिन भी अस्पतालों में हड़ताल जारी

इस मामले के विरोध व मजिस्ट्रेट जांच की मांग को लेकर जूनियर डाक्टरों, प्रशिक्षु और परास्नातक प्रशिक्षु चिकित्सकों की हड़ताल सोमवार को लगातार चौथे दिन भी जारी रही, जिससे राज्य के अस्पतालों में सेवाएं बाधित रहीं। पिछले तीन दिन से जूनियर डाक्टर इमरजेंसी ड्यूटी कर रहे थे, लेकिन सोमवार सुबह से उन्होंने इसे भी रोक दिया। इससे मरीजों को काफी परेशानियां हो रही हैं।

रानी कमलापति-सहरसा स्पेशल ट्रेन के दो एसी कोच नर्मदापुरम में बेपटरी

नईदुनिया प्रतिनिधि, नर्मदापुरम

मध्य प्रदेश में नर्मदापुरम जिले के इटारसी रेलवे स्टेशन पर सोमवार शाम साढ़े छह बजे प्लेटफार्म संख्या- दो पर प्रवेश कर रही रानी कमलापति-सहरसा स्पेशल ट्रेन की दो बोगियां बेपटरी हो गईं। हादसे के समय ट्रेन की गति करीब 30 किमी प्रति घंटा थी। गनीमत रही कि बेपटरी होने के बाद ट्रेन वहीं खड़ी हो गई। यदि गति तेज होती तो बड़ा हादसा हो सकता था। अभी कोच बेपटरी होने की वजह साफ नहीं हो सकी है।

मध्य प्रदेश के इटारसी रेलवे स्टेशन पर सोमवार को बेपटरी होने के बाद खड़ी रानी कमलापति-सहरसा स्पेशल ट्रेन। नईदुनिया

रेलवे तकनीकी खामी मानते हुए जांच करा रहा है। घटना के बाद सायरन बजते ही स्टेशन प्रबंधक व आरपीएफ समेत अन्य विभागों की टीम मौके पर पहुंची। हादसे में किसी भी रेलयात्री को नुकसान नहीं हुआ, पर कोच और ट्रैक क्षतिग्रस्त हो गया था। क्षतिग्रस्त कोच के यात्रियों को दूसरे कोच में शिफ्ट किया गया। बेपटरी हुई बोगियों को पटरी पर लाने में करीब एक घंटा लगा। उसके बाद ट्रेन को गंतव्य के लिए रवाना किया गया। इस हादसे के बाद इस रूट पर आने वाली समता एक्सप्रेस, जनशताब्दी समेत अन्य ट्रेनों को छोटे स्टेशन व आउटर पर रोका गया था। जांच के लिए पांच सदस्यीय टीम बनाई जाएगी।

महिला के खिलाफ भी चलाया जा सकता है पाक्सो एक्ट के तहत मुकदमा : हाई कोर्ट

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

- कहा- पाक्सो एक्ट के तहत यौन उत्पीड़न का अपराध सिर्फ पुरुषों तक नहीं है सीमित

यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पाक्सो) अधिनियम को लेकर दिल्ली हाई कोर्ट ने फैसला दिया है कि पाक्सो अधिनियम के तहत यौन उत्पीड़न का मुकदमा महिला के विरुद्ध भी चलाया जा सकता है। न्यायमूर्ति अनूप जयराम भंभानी की पीठ ने कहा कि पाक्सो अधिनियम की धारा-3 (यौन उत्पीड़न) को सिर्फ पुरुषों तक सीमित नहीं किया गया है। पाक्सो अधिनियम बच्चों को यौन अपराधों से बचाने के लिए बनाया गया था, भले ही बच्चे के साथ अपराध किसी पुरुष ने किया हो या महिला ने।

पीठ ने कहा कि ऐसा कोई कारण नहीं है कि धारा-3 में इस्तेमाल शब्द 'व्यक्ति' को केवल पुरुष के संदर्भ में पढ़ा जाए। अदालत ने यह निर्णय एक

महिला आरोपित की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया। महिला ने कहा था कि यौन उत्पीड़न के मामले में उसे आरोपित नहीं बनाया जा सकता है। आरोपित ने तर्क दिया था कि प्रविधान को पढ़ने से पता चलता है कि इसमें सर्वनाम 'वह' (अंग्रेजी में ही) का उपयोग किया गया है। ऐसे में इसका अर्थ है कि विधायिका का इरादा केवल पुरुष को अपराध के लिए उत्तरदायी बनाना था। हालांकि, पीठ ने महिला के तर्कों को ठुकराते हुए कहा कि ऐसा कोई कारण नहीं है कि पाक्सो अधिनियम की धारा-3 में इस्तेमाल 'व्यक्ति' शब्द को केवल पुरुष के संदर्भ में पढ़ा जाए। अदालत ने स्पष्ट किया कि भारतीय दंड संहिता (आइपीसी) के तहत सर्वनाम 'वह' का उपयोग किसी भी व्यक्ति के लिए किया जाता है, चाहे वह पुरुष हो या महिला। अदालत ने कहा कि पाक्सो प्रविधान की व्याख्या इस तरह से नहीं की जानी चाहिए जो अपराध को केवल पुरुष तक सीमित कर दे। पेश किए गए रिकार्ड के तहत याचिकाकर्ता के खिलाफ यौन उत्पीड़न का अपराध बनता है, भले ही वह एक महिला है। याचिका खारिज करते हुए अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता पर लगाए गए अपराधों के लिए मुकदमा चलाने की आवश्यकता है।

'अंतरिक्ष से वापसी के वक्त लग रहा था, लगा अब बच नहीं पाऊंगा'

नई दिल्ली, प्रेट्र : भारत के पहले अंतरिक्ष यात्री राकेश शर्मा ने अपनी अंतरिक्ष यात्रा का अनुभव सोमवार को साझा किया। उन्होंने कहा कि सोयुज अंतरिक्ष यान से धरती पर वापसी उनकी अंतरिक्ष यात्रा का सबसे रोमांचकारी अनुभव था। एक पल के लिए उन्हें लगा कि वह सुरक्षित वापस नहीं आ पाएंगे।

राकेश शर्मा ने 'ऊर्जा, पर्यावरण एवं जल परिषद' तथा संयुक्त राष्ट्र फाउंडेशन द्वारा आयोजित 'यूथ सभा 2047: शेपिंग इंडियाज फ्यूचर ' कार्यक्रम में अंतरिक्ष यात्री के तौर पर अपने अनुभव साझा किए। शर्मा ने पिक्सल स्पेस के सह-संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी अवैस अहमद के साथ बातचीत में कहा कि वह अपनी अंतरिक्ष यात्रा की लांचिंग को लेकर चिंतित नहीं थे, क्योंकि सब कुछ कंप्यूटर द्वारा नियंत्रित था। धरती पर वापसी की यात्रा के अनुभव को याद करते हुए कहा, धरती पर लौटना ज्यादा रोमांचक था, क्योंकि मुझे लगा कि मैं सफल नहीं हो पाऊंगा।

कहा- अंतरिक्ष यात्रा में धरती पर लौटना सबसे रोमांचकारी

राकेश शर्मा को जनवरी 1982 में सोवियत इंटरकोस्मोस मिशन के लिए चुना गया था। उन्होंने तीन अप्रैल 1984 को बैकोनूर कास्मोड्रोम से सोयुज टी-11 अंतरिक्ष यान पर उड़ान भरी। उन्होंने अंतरिक्ष में सात दिन, 21 घंटे और 40 मिनट बिताए और 11 अप्रैल को धरती पर लौट आए।

विसंगति

हरियाणा सरकार ने रोकी 3500 रुपये मासिक आय वाले माता-पिता के चिकित्सा बिलों की प्रतिपूर्ति, हरियाणा स्कूल लेक्चरर एसोसिएशन ने मुख्य सचिव को पत्र लिखकर नियम बदलने की मांग की

मिल रही है पेंशन तो सरकारी खर्च पर इलाज नहीं

राज्य ब्यूरो, जागरण ● चंडीगढ़

हरियाणा में अगर किसी कर्मचारी के माता-पिता बुजुर्ग सम्मान भत्ता या कोई अन्य पेंशन ले रहे हैं तो वे सरकारी खर्च पर इलाज नहीं करा सकते। कारण हैं 17 साल पुराना नियम, जिसके अनुसार अगर कर्मचारियों के अभिभावकों की मासिक आय 3500 रुपये या इससे अधिक है तो चिकित्सा बिलों की प्रतिपूर्ति नहीं की जाएगी। एक तरफ प्रदेश में 15 हजार रुपये मासिक कमाई वाले परिवारों को बीपीएल (गरीबी रेखा से नीचे) का दर्जा देकर मुफ्त इलाज सहित कई सुविधाएं दी जा रही हैं, जबकि कर्मचारियों के बुजुर्ग मां-बाप को अधिकारों से वंचित किया जा रहा है।

हरियाणा स्कूल लेक्चरर एसोसिएशन (हसला) के राज्य प्रधान सतपाल सिंधु ने

15 हजार रुपये मासिक कमाई वाले परिवारों को मिलती बीपीएल की सभी सुविधाएं, हसला ने स्वास्थ्य सचिव और वित्त सचिव को पत्र लिख उठाया भेदभाव का मुद्दा

स्वास्थ्य विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव और वित्त सचिव को पत्र लिखकर वर्ष 2007 से चले आ रहे नियमों में बदलाव की मांग की है।

उन्होंने कहा कि सरकार ने कर्मचारियों के आश्रितों के चिकित्सा पर किए गए भुगतान की प्रतिपूर्ति के लिए पालिसी बना रखी है। कर्मचारी हरियाणा सरकार के पैनल में शामिल निजी अस्पतालों में अपने आश्रितों की चिकित्सा पर किए गए खर्च को अपने संबंधित विभाग से प्रतिपूर्ति करवा सकता है। अब सरकारी कर्मचारियों को अपने माता-पिता के चिकित्सा पर किए गए भुगतान की प्रतिपूर्ति करवाने में परेशानी आ रही है क्योंकि स्वास्थ्य विभाग के निर्देशानुसार केवल उन्हीं आश्रित माता-पिता के चिकित्सा बिलों की प्रतिपूर्ति की जाएगी, जिनकी मासिक आय 3500 प्रति माह से ज्यादा न हो। सतपाल सिंधु ने बताया कि चिकित्सा प्रतिपूर्ति पालिसी में आश्रित माता-पिता के चिकित्सा बिलों की प्रतिपूर्ति के लिए उनकी आय का नियम सन 2007 में 750 रुपये प्रति माह से बढ़ाकर 3500 रुपये प्रति माह किया गया था। इसके बाद नियमों में कोई बदलाव नहीं हुआ। नतीजतन वर्तमान में कर्मचारियों को अपने आश्रित माता-पिता का इलाज कराने में समस्या आ रही है। सरकार को आश्रित माता-पिता की आय 3500 रुपये प्रति माह की बजाय 20000 प्रति माह करके कर्मचारियों को राहत देनी चाहिए।

परिवार पहचान पत्र से बढ़ी समस्या: हसला के राज्य महासचिव अमित मनहर ने बताया कि परिवार पहचान पत्र में आश्रित माता-पिता को मिलने वाली बुढ़ापा पेंशन को आय का स्रोत मान लिया गया है। उनकी आय की गणना माता व पिता दोनों की आय को मिलाकर की जाती है जिसके कारण उनकी मासिक आय 3500 प्रति माह से ज्यादा होने पर उनके चिकित्सा बिलों की प्रतिपूर्ति नहीं की जाती।

****

अध्ययन अवकाश चाहिए तो बताना होगा कि हिमाचल सरकार को इससे क्या होगा लाभ

प्रकाश भारद्वाज ● जागरण

शिमला: हिमाचल में वित्त विभाग कर्मचारियों को अध्ययन अवकाश की स्वीकृति प्रदान करने से पहले देखेगा कि इससे सरकार को क्या और किस तरह का लाभ होगा। इस संबंध में अध्ययन अवकाश के लिए आवेदन करने वाले कर्मचारी व अधिकारी से व्यक्तिगत तौर पर पूछा जाएगा। पहली बार की जा रही ऐसी व्यवस्था से सरकार को तकनीकी और प्रशासनिक तौर पर लाभ प्राप्त होने की संभावना है। विभागाध्यक्षों के माध्यम से ही अब अध्ययन अवकाश की फाइलें सचिवालय में पहुंचेंगी।

सरकारी विभाग अब तक कर्मचारी के अध्ययन का किसी तरह का आकलन नहीं करते थे। हाल ही में सरकार ने अध्ययन अवकाश की शक्तियों को खत्म करके वित्त विभाग को जिम्मेदारी सौंपी है।

- विभागाध्यक्षों के माध्यम से सचिवालय पहुंचेंगी अध्ययन अवकाश की फाइलें

1986 से पहले वित्त विभाग अध्ययन अवकाश की स्वीकृति प्रदान करता था

अध्ययन अवकाश के दौरान कर्मचारियों को 40 प्रतिशत वेतन देने का निर्णय लिया जा चुका है। सात अगस्त को अध्ययन अवकाश के संदर्भ में विभागों की शक्तियां छीनकर वित्त विभाग ने अपने पास ली हैं। एक सप्ताह बीत जाने के बाद भी अध्ययन अवकाश का कोई मामला विभाग में नहीं आया है। अध्ययन अवकाश के मामलों की स्वीकृतियां वर्ष 1986 से पहले की स्थिति में आ गई हैं। वर्ष 1986 से पहले वित्त विभाग अध्ययन अवकाश की स्वीकृति प्रदान करता था। वर्ष 1986 के बाद विभागों को अध्ययन अवकाश की शक्तियां मिलने पर इनका दुरुपयोग बढ़ा था। विभागों की ओर से अध्ययन अवकाश के मामलों को गंभीरता से नहीं लिया गया। इस संबंध में सरकार ने तैयार करवाई रिपोर्ट में पाया कि विभागाध्यक्ष अध्ययन अवकाश को किसी कर्मचारी को तोहफा देने का अधिकार समझ रहे थे।

विभाग प्रमुख पूछेंगे कर्मचारी से औपचारिक प्रश्न: अध्ययन अवकाश के मामले पहले की तरह किसी भी विभाग से ही तैयार होकर आएंगे। लेकिन इस बार विभागाध्यक्ष लापरवाहीपूर्ण रवैया रखकर किसी भी कर्मचारी के अध्ययन अवकाश की फाइल को आगे नहीं भेज सकेंगे। वित्त विभाग तक फाइल पहुंचने से पहले विभाग प्रमुख को कर्मचारी से सभी तरह के औपचारिक प्रश्न पूछने होंगे। उसके बाद ही वित्त विभाग से अवकाश की स्वीकृति प्राप्त होगी।

1.62 लाख बूथ कमेटियां उत्तर प्रदेश में भाजपा के लिए घर-घर संपर्क करेंगी। प्रदेशवासियों के मन में राष्ट्र प्रेम की भावना जगाने के लिए भाजपा हर घर तिरंगा अभियान आयोजित कर रही है।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
मंगलवार 13 अगस्त, 2024

जहानाबाद में मंदिर की सीढ़ियों पर भगदड़ में आठ की मौत, 30 घायल

फूल विक्रेता व कांवड़िये के बीच झगड़े के बाद मची भगदड़, सुरक्षा का नहीं था पुख्ता प्रबंध

जहानाबाद के सिद्धेश्वर नाथ मंदिर में सावन के चौथे सोमवार को जलाभिषेक के लिए उमड़ी थी भीड़

जागरण संवाददाता, जहानाबाद

बिहार के जहानाबाद जिले में ऐतिहासिक बाणावर पहाड़ी पर अवस्थित सिद्धेश्वर नाथ मंदिर की सीढ़ियों पर रविवार की देर रात भगदड़ मचने से आठ श्रद्धालुओं की मौत हो गई। जबकि 30 घायल हुए हैं। इसके अलावा कुछ के लापता होने की भी सूचना है। मृतकों में सात महिलाएं व एक पुरुष है। घटना पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शोक संवेदना व्यक्त करते हुए मृतकों के आश्रितों को चार-चार लाख रुपये मुआवजा और घायलों को 50-50 हजार रुपये की सहायता राशि देने की घोषणा की है।

सावन के चौथे सोमवार की सुबह महादेव को जलाभिषेक के लिए रविवार रात से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी थी। इसी क्रम में फूल की खरीदारी को लेकर दुकानदार से एक कांवड़िये की नोकझोंक हो गई। विवाद बढ़ने पर दुकानदार कांवड़िये पर लाठी लेकर टूट पड़ा, इससे भगदड़ मच गई। फिसलन युक्त सीढ़ी पर एक के बाद एक श्रद्धालु गिरने लगे। इससे 30 से ज्यादा श्रद्धालु जख्मी हो गए। आधे घंटे बाद पहुंची पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित किया और घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया, जहां चिकित्सकों ने आठ को मृत घोषित कर दिया। जबकि 16 घायलों को जहानाबाद सदर अस्पताल रेफर किया गया। लापता श्रद्धालुओं के स्वजन ने सदर अस्पताल के समीप शहर के मुख्य मार्ग को जाम कर विरोध प्रदर्शन किया। पुलिस ने लापता श्रद्धालुओं को ढूंढने का आश्वासन देकर जाम हटवाया। अभी लापता श्रद्धालुओं की संख्या स्पष्ट नहीं है। वहीं, डीएम अलंकृता पांडे ने आठ की मौत और 16 लोगों के घायल होने की जानकारी दी है। उन्होंने पूरी घटना की जांच के लिए टीम गठित की है।

बिहार के जहानाबाद जिले में स्थित सिद्धेश्वर नाथ मंदिर की सीढ़ियों पर भगदड़ मचने के बाद सोमवार को पीड़ितों के विलखते स्वजन। प्रेट्र

मात्र तीन पुलिसकर्मी व एनसीसी के जिम्मे थी सुरक्षा : घटनास्थल पर मौजूद लोगों ने बताया कि यहां सुरक्षा में बड़ी चूक हुई है। सुरक्षा के नाम पर मात्र तीन पुलिसकर्मी और एनसीसी कैडेट्स थे। इस कारण भीड़ तुरंत नियंत्रित नहीं हो पाई। प्रत्यक्षदर्शी सेवन गांव निवासी मनोज सिंह ने बताया कि भगदड़ में मेरे परिवार का भी एक सदस्य लापता है। किसी तरह मेरी जान बच गई। सुरक्षा का कोई इंतजाम नहीं था। आधे घंटे बाद पुलिस के जवान पहुंचे तब तक भगदड़ में दर्जनों श्रद्धालु कुचले जा चुके थे।

धार्मिक स्वतंत्रता का अर्थ यह नहीं कि सामूहिक मतांतरण हो : हाई कोर्ट

जागरण संवाददाता, प्रयागराज

- कहा, उप्र का 'धर्मांतरण विरोधी' कानून धर्मनिरपेक्षता की भावना को बनाए रखने का प्रयास
- यौन शोषण व जबरन इस्लाम कुबूल कराने के आरोपित की जमानत याचिका खारिज

संविधान प्रत्येक व्यक्ति को अपना धर्म मानने, उसका पालन करने और उसका प्रचार करने का अधिकार देता है, लेकिन यह व्यक्तिगत अधिकार धर्म परिवर्तन कराने के सामूहिक अधिकार में तब्दील नहीं होता।

– हाई कोर्ट की टिप्पणी

यौन शोषण व जबरन इस्लाम कुबूल कराने के आरोपित की जमानत खारिज करते हुए इलाहाबाद हाई कोर्ट ने कहा है कि संविधान अपना धर्म मानने और उसका प्रचार करने का अधिकार देता है, लेकिन यह धर्म परिवर्तन कराने के सामूहिक अधिकार में तब्दील नहीं होता। एकल पीठ ने टिप्पणी की कि उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म परिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम, 2021 का उद्देश्य सभी व्यक्तियों को धार्मिक स्वतंत्रता की गारंटी देना है, यह भारत की सामाजिक सद्भावना को दर्शाता है। धार्मिक स्वतंत्रता धर्म परिवर्तन करने वाले और धर्मांतरित होने वाले व्यक्ति, दोनों को समान रूप से प्राप्त होती है।

याची अजीम के विरुद्ध लड़की को जबरन इस्लाम कुबूल कराने और उसका यौन शोषण करने के आरोप में धारा 323/504/506 आइपीसी और धारा 3/5(1) उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म परिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम, 2021 के तहत मामला दर्ज है। आरोपित (याची) का कहना है कि उसे झूठा फंसाया गया है। पीड़िता उसके साथ रिश्ते में थी, स्वेच्छा से अपना घर छोड़ा था। उसने पहले ही संबंधित मामले में धारा 161 और 164 सीआरपीसी के तहत दर्ज बयानों में अपनी शादी की पुष्टि की है।

सरकारी वकील ने जमानत का विरोध करते हुए धारा 164 सीआरपीसी के तहत सूचना देने वाले के बयान का हवाला दिया। तथ्यों की पृष्ठभूमि में न्यायालय ने उल्लेख किया है कि सूचना देने वाले ने धारा 164 सीआरपीसी के तहत दर्ज अपने बयान में स्पष्ट रूप से कहा था कि याची और उसके परिवार के सदस्य उसे इस्लाम स्वीकार करने के लिए मजबूर कर रहे थे। उसे बकरीद के दिन पशु बलि देखने और मांसाहारी भोजन पकाने एवं खाने के लिए भी मजबूर किया गया था। आवेदक ने उसे कथित तौर पर बंदी बनाकर रखा था और उसके परिवार के सदस्यों ने उसे कुछ इस्लामी अनुष्ठान करने के लिए मजबूर किया था, जो उसे स्वीकार्य नहीं था। कोर्ट ने यह भी माना कि याची यह प्रदर्शित करने के लिए कोई भी सामग्री रिकार्ड पर नहीं ला सका कि विवाह/निकाह से पहले सूचना (लड़की को इस्लाम में परिवर्तित करने के लिए 2021 के अधिनियम की धारा 8 के तहत एक आवेदन) दी गई थी। कोर्ट तथ्यों व परिस्थितियों को देखने के बाद जमानत अर्जी यह कहते हुए खारिज कर दी कि 2021 के अधिनियम की धारा 3 और 8 का यह प्रथमदृष्टया उल्लंघन है, जो 2021 के अधिनियम की धारा 5 के तहत दंडनीय है।

दार्जिलिंग में स्कार्पियो ने कांवड़ियों को रौंदा, छह की मौत

जागरण संवाददाता, सिलीगुड़ी : बंगाल में दार्जिलिंग जिले में सोमवार सुबह स्कार्पियो ने कांवड़ियों को रौंद दिया, जिसमें छह की मौत हो गई। हादसे में गंभीर रूप से घायल सात अन्य लोगों को इलाज के लिए उत्तर बंगाल मेडिकल कालेज व अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सिलीगुड़ी पुलिस ने बताया कि सिक्किम नंबर की एक स्कार्पियो सिलीगुड़ी की तरफ आ रही थी। काफी तेज रफ्तार की वजह से बागडोगरा थाना क्षेत्र के मुनी चाय बागान इलाके में एशियन हाइवे पर अनियंत्रित होकर वह पहले डिवाइडर से टकराई और फिर सड़क किनारे चल रहे कांवड़ियों के जत्थे को रौंदते हुए गड्ढे में जा गिरी।

स्कार्पियो में चालक समेत पांच लोग सवार थे। यह लोग भी घायल हुए हैं। इस दुर्घटना में पैदल चल रहे छह कांवड़ियों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, दो और कांवड़िये गंभीर रूप से घायल हुए हैं। घटना के बाद आक्रोशित स्थानीय लोगों ने चक्काजाम कर दिया। इससे आवागमन बाधित हुआ।

सेवानिवृत्ति के बाद नहीं बदल सकते जन्मतिथि : हाई कोर्ट

- इस संबंध में सुप्रीम कोर्ट के फैसले का भी दिया हवाला
- एक व्यक्ति ने की थी सेवानिवृत्ति के दो वर्ष बाद बदलाव की मांग

बेंगलुरु, प्रेट्र : कर्नाटक हाई कोर्ट ने कहा है कि कोई कर्मचारी सेवानिवृत्ति के बाद अपनी दर्ज जन्मतिथि में बदलाव नहीं कर सकता। इसके लिए हाई कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का भी हवाला दिया जिसमें सेवानिवृत्ति के बाद जन्मतिथि में बदलाव की मनाही है।

यह मामला एक ऐसे व्यक्ति का है जिसने 1983 से एक पल्प ड्राइंग प्रोसेसर मैन्युफैक्चरिंग यूनिट में काम किया और 2006 में सेवानिवृत्त हो गया। भर्ती के समय उसने मौखिक रूप से अपनी जन्मतिथि 30 मार्च, 1952 बताई थी, लेकिन कोई प्रमाण नहीं दिया था। लेकिन नियोक्ता ने उसके भविष्य निधि विवरण एवं स्कूल प्रमाणपत्र के आधार पर उसकी जन्मतिथि 10 मार्च, 1948 दर्ज की थी। इस कारण 58 की आयु में वह 2006 में सेवानिवृत्त हो गया। इसके बाद उसने जन्म प्रमाणपत्र हासिल किया जिसमें जन्मतिथि 30 मार्च, 1952 थी। इसके बाद उसने नौकरी पर बहाल करने या यह कहते हुए 2010 तक के लाभ की मांग की कि वह चार वर्ष बाद सेवानिवृत्त होता। नियोक्ता द्वारा अनुरोध ठुकराने पर

कर्नाटक हाई कोर्ट। फाइल

वह श्रम अदालत गया जिसने याचिका खारिज कर दी। इसके बाद उसने हाई कोर्ट में अपील की। मामले की सुनवाई करने वाले जस्टिस एमजीएस कमल ने कहा कि उसने सेवानिवृत्ति के दो वर्ष बाद अपनी जन्मतिथि पर सवाल उठाया जो संदेह पैदा करता है। चूंकि सेवानिवृत्ति के समय उसने जन्मतिथि पर कोई सवाल नहीं उठाया था, लिहाजा उसका दावा अनुचित लाभ उठाने का प्रयास है।

कन्नौज में किशोरी से दुष्कर्म के प्रयास में पूर्व ब्लाक प्रमुख गिरफ्तार

जागरण संवाददाता, कन्नौज

- सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का करीबी रहा है आरोपित

आरोपित नवाब सिंह यादव को कोर्ट ले जाती पुलिस। जागरण

किशोरी से दुष्कर्म का प्रयास करने के आरोप में पुलिस ने रविवार देर रात कन्नौज सदर के पूर्व ब्लाक प्रमुख नवाब सिंह यादव को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर पाक्सो एक्ट के तहत दुष्कर्म के प्रयास की रिपोर्ट दर्ज की है। सोमवार सुबह गिरफ्तारी की जानकारी मिलने पर आरोपित के समर्थकों की भीड़ कोतवाली पहुंच गई। विरोध में नारेबाजी की। आरोपित सपा शासनकाल में पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का करीबी था। सपा जिलाध्यक्ष कलीम खान ने बताया कि करीब पांच वर्ष पूर्व उसको पार्टी विरोधी गतिविधियों के कारण निष्कासित कर दिया गया था। पार्टी से उनका कोई लेना-देना नहीं है। नवाब ने पुलिस कार्रवाई को राजनीति से प्रेरित करार दिया है।

तिर्वा कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी किशोरी ने रविवार देर रात करीब डेढ़ बजे यूपी 112 पर सूचना दी कि चौधरी चंदन सिंह महाविद्यालय में वह अपनी बुआ के साथ है। वहां कालेज का प्रबंधक व पूर्व ब्लाक प्रमुख नवाब सिंह दुष्कर्म का प्रयास कर रहा है। कुछ ही देर में पुलिस मौके पर पहुंची। मातहतों से जानकारी मिलते ही एसपी अमित कुमार आनंद भी पुलिस बल के साथ पहुंच गए। महाविद्यालय के एक कमरे से आरोपित को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस किशोरी और उसकी बुआ को कोतवाली ले आई। सोमवार सुबह पूर्व ब्लाक प्रमुख की गिरफ्तारी की जानकारी मिलते ही उसके समर्थक कोतवाली पहुंच गए। पुलिस ने समर्थकों को खदेड़ दिया। पुलिस ने आरोपित को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया। यहां भी समर्थकों ने पुलिस के साथ धक्कामुक्की की।

पीड़िता की बुआ हाल में सपा छोड़कर भाजपा में शामिल हुई है। रात को उसने फोन कर कहा था कि तिर्वा के लिए वाहन नहीं मिल रहा है। मैंने उन्हें झिग्री कालेज में सुबह तक ठहरने को कहा और वह चाबी देने गया था। अंदर पहुंचने के बाद पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। राजनीतिक भविष्य खराब करने के लिए षड्यंत्र रचा गया है।

– नवाब सिंह यादव, आरोपित

पीड़िता अपनी बुआ के साथ कालेज के एक कमरे में थी। बुआ जब शौच के लिए कमरे से बाहर निकली तो आरोपित ने पीड़िता के कपड़े उतार दिए। पुलिस के पहुंचने पर वह कमरे में आपत्तिजनक स्थिति में मिला।

– अमित कुमार आनंद, एसपी, कन्नौज

मणिपुर के राज्यपाल बोले- कुकी समुदाय की चिंताओं का करेंगे समाधान

चूड़चंदपुर, प्रेट्र : मणिपुर के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने सोमवार को चूड़चंदपुर शहर का दौरा किया। राज्यपाल ने नेताओं को आश्वासन दिया कि कुकी समुदाय की चिंताओं का समाधान किया जाएगा। राज्यपाल ने चूड़चंदपुर के उपायुक्त कार्यालय पहुंचने के बाद हर घर तिरंगा बाइक रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने कुकी क्रिश्चियन चर्च राहत केंद्र का भी दौरा किया और विस्थापितों को शांति लौटने का आश्वासन दिया। जोमी काउंसिल, जोमी छात्र संघ, कुकी इंपी और हमार इंपुई के नेताओं से भी मुलाकात की।

'जिलों को जातीय आधार पर देखना दुर्भाग्यपूर्ण'

इंफाल : मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने सोमवार को विधानसभा में कहा कि जिलों को जातीय आधार पर देखना दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने स्वीकार किया कि कुछ गांवों को गलत तरीके से नए जिलों में शामिल किया गया। उन्होंने इन मामलों को सुलझाने के लिए ग्राम्य अधिकारियों, समुदाय के नेताओं और विधायकों को शामिल कर सर्वेक्षण का आह्वान किया।

जल्द ही मध्य प्रदेश के कूनो के खुले जंगल में दौड़ेंगे चीते

वरुण शर्मा ● नईदुनिया

- चीतों को जंगल में छोड़ने के मामले में इसी सप्ताह लिया जाएगा निर्णय
- चीतों को सितंबर 2023 से रखा गया है बड़े बाड़े में

ग्वालियर : दक्षिण अफ्रीका से लाकर मध्य प्रदेश के कूनो नेशनल पार्क में बसाये गए सभी चीतों को जल्द ही खुले जंगल में छोड़ा जाएगा। अगले सप्ताह चीता स्टीयरिंग कमेटी की बैठक प्रस्तावित है, जिसमें इस बारे में निर्णय लिया जाएगा। पिछले वर्ष वर्षाकाल में चीतों के गले में कालर आइडी से हुए संक्रमण और कुछ चीतों की मौत की घटना के बाद सितंबर 2023 से चीतों को बाड़े में रखा गया है। वर्तमान में महज एक चीता खुले जंगल में है। कूनो में 13 वयस्क चीता व 12 शावक हैं।

कूनो पार्क प्रशासन ने वर्षाकाल में चीतों को किसी भी प्रकार के संक्रमण से बचाने के लिए खासा प्रयास किया। चीतों को वैक्सन लगाए गए। अब चीतों को खुले जंगल में छोड़ा जाना है। इसके लिए कार्ययोजना तैयार की जा रही है, जिसमें चीतों के शिकार से लेकर सुरक्षा संबंधी सभी बिंदुओं को शामिल किया जा रहा है। चीता स्टीयरिंग कमेटी के अध्यक्ष डा राजेश गोपाल के अनुसार कुछ चीतों का

प्रतीकात्मक।

चेकअप भी किया है, जिसमें यह देखा गया कि उनके गले पर इंफेक्शन नहीं है। जांच में चीते स्वास्थ्य के दृष्टिगत सुरक्षित पाए गए हैं। अब चीता स्टीयरिंग कमेटी के सभी सदस्यों की सहमति के बाद चीतों को जंगल में छोड़ने पर निर्णय लिया जाएगा। चीतों को छोड़ा जाना आवश्यक है। अन्यथा बाड़ों में रहकर वह अपना प्राकृतिक व्यवहार और शिकार के लिए मेहनत करना भूल सकते हैं या आलसी हो सकते हैं।

बीएसएफ जवानों की जवाबी कार्रवाई में एक बांग्लादेशी तस्कर ढेर

राज्य ब्यूरो, जागरण, कोलकाता : पड़ोसी देश बांग्लादेश में जारी अशांति के मद्देनजर सीमा पर जारी हाई अलर्ट के बीच बंगाल के मालदा जिले में भारत-बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास रविवार मध्यरात्रि में हुई मुठभेड़ में बीएसएफ ने जवाबी कार्रवाई में एक बांग्लादेशी तस्कर को ढेर कर दिया।

बीएसएफ ने सोमवार को एक बयान में बताया कि बांग्लादेशी तस्करों के दल ने ड्यूटी पर तैनात जवानों पर तेजधार वाले हथियारों से हमला कर बलपूर्वक तस्करी की कोशिश की। हालांकि, जवानों ने तस्करों के मंसूबों को विफल कर दिया।

बयान में बताया गया कि बीएसएफ जवान द्वारा आत्मरक्षा में की गई जवाबी फायरिंग के बाद सभी तस्कर भाग खड़े हुए। इस दौरान गोली लगने से एक बांग्लादेशी तस्कर की मौत हो गई। मौके से तेजधार वाले एक हथियार (लोहे का दाह) भी बरामद हुआ है। मुठभेड़ बीएसएफ के दक्षिण बंगाल फ्रंटियर अंतर्गत 115वीं बटालियन की सीमा चौकी चांदनीचक इलाके में हुई।

मुंबई एयरपोर्ट से फर्जी पासपोर्ट पर जा रहा बांग्लादेशी गिरफ्तार

- पुलिस के मुताबिक पहले भी दो बार सऊदी अरब जा चुका है फर्जी पासपोर्ट पर
- भारत में वर्ष 2012 अवैध रूप से से रह रहा है मोहम्मद उस्मान करामत अली

मुंबई, प्रेट्र : फर्जी भारतीय पासपोर्ट पर 25 वर्षीय एक बांग्लादेशी सऊदी अरब जाने की कोशिश के दौरान मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पकड़ा गया है। पुलिस के मुताबिक वह इसी फर्जी पासपोर्ट पर पहले भी दो बार सऊदी अरब जा चुका है।

मोहम्मद उस्मान करामत अली बिस्वास के तौर पर पहचाना गया बांग्लादेशी भारत में अवैध रूप से वर्ष 2012 से रह रहा है। इस दौरान वह फर्जी पासपोर्ट पर दो बार 2016 और 2023 में सऊदी अरब जा चुका है। पुलिस का दावा है कि बिस्वास ने 2023 में अपनी पिछली यात्रा के दौरान कोई तिकड़म लगाकर सऊदी अरब में भारतीय दूतावास से अपने फर्जी पासपोर्ट को रिन्यू करा लिया था। बिस्वास इसी फर्जी पासपोर्ट के जरिये 11 अगस्त को मुंबई एयरपोर्ट से सऊदी अरब उड़ान भरने की कोशिश में था। उसने इसके लिए अपना फर्जी पहचान पत्र उस्मान किरामत सिद्दिकी के नाम से दिया था।

अधिकारियों ने बताया कि पूछताछ किए जाने पर बिस्वास ने वर्ष 2012 में अवैध रूप से बांग्लादेश से भारत आने की बात कुबूल की थी। तब उसके पास प्रमुख दस्तावेज जैसे वोटर आइडी कार्ड, आधार कार्ड और पैन कार्ड उसी नाम पर थे। बिस्वास का भेद मुंबई एयरपोर्ट पर तब खुल गया जब उसके पासपोर्ट पर दिए गए उसके आधिकारिक निवास पुणे के वाकड़ क्षेत्र का होने के बावजूद वह मराठी नहीं बोल पाया। उसके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता और पासपोर्ट एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है।

मामले तब सामने आया जब हवाई अड्डे पर एक आव्रजन अधिकारी को उसके प्रमाण-पत्रों पर संदेह हुआ कि वह पुणे का निवासी है। यह उसके पासपोर्ट में दर्ज आवासीय पता है, क्योंकि वह मराठी में बात नहीं कर सकता था। उसके पास मतदाता पहचान पत्र, आधार और पैन कार्ड जैसे महत्वपूर्ण दस्तावेज थे।

प्रधानाध्यापक ने दिव्यांग हिंदू छात्र को जबरन खिलाया मांस, गिरफ्तार

जागरण संवाददाता, मेरठ

- मेरठ जिले का मामला, आरोपित प्रधानाध्यापक है मुस्लिम
- बीएसए ने आरोपित प्रधानाध्यापक किया निलंबित, जांच शुरू

नहीं मंगाया बाजार से मांस

आरोपित शिक्षक ने कहा- मैं शिक्षक हूं, मेरा हिंदू और मुस्लिम बच्चों से कोई परहेज नहीं है। मैंने मांस नहीं मंगाया गया बल्कि बच्चे मांस लेकर आए थे। उन्हीं के साथ बैठकर दिव्यांग बच्चे ने भी उसका सेवन किया। मेरी तरफ से बच्चों को सोयाबीन की सब्जी परोसी गई थी।

मेरठ जिले में एक गांव के प्राथमिक विद्यालय में मध्याह्न भोजन में दो हिंदू छात्रों को मांस परोसा गया। प्रधानाध्यापक ने धमकाकर एक दिव्यांग हिंदू छात्र को मांस खाने पर मजबूर किया। छुट्टी के बाद दोनों हिंदू बच्चों ने घर पहुंकर अभिभावकों को जानकारी दी। स्वजन ने विद्यालय पहुंचकर हंगामा किया। अभिभावकों की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपित प्रधानाध्यापक को गिरफ्तार कर लिया। बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) आशा चौधरी ने आरोपित प्रधानाध्यापक को निलंबित कर दिया है।

जिले के वैदवाड़ा के प्राथमिक विद्यालय में मोहम्मद इकबाल खान प्रधानाध्यापक है। 20 पंजीकृत छात्रों में से सोमवार को छह विद्यालय आए थे। इनमें दो हिंदू और चार मुस्लिम थे। विद्यालय में एनजीओ ने मध्याह्न भोजन में आलू-सोयाबीन की सब्जी भेजी थी। आरोप है कि प्रधानाध्यापक ने नए पंजीकरण को आए तीन बच्चों को पैसे देकर बाजार से मांस मंगाकर उपस्थित छह छात्रों को परोसा। अभिभावकों का आरोप है कि प्रधानाध्यापक ने दोनों छात्रों पर मांस खाने का दबाव बनाया। इस पर एक दिव्यांग छात्र ने मांस खा लिया। प्रधानाध्यापक ने छात्रों के नाम काटने की धमकी देकर चुप रहने को कहा था। एसएसपी डा. विपिन ताडा का कहना है कि विद्यालय में हिंदू छात्रों को मांस खिलाने की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। प्रधानाध्यापक को गिरफ्तार कर लिया है।

नया रिश्ता

फैमिली एडाप्शन प्रोग्राम के तहत परिवारों को गोद ले रहे मेडिकल छात्र, बीमारियों से बचाव की सलाह के साथ कराएंगे उपचार, रखेंगे रिकार्ड

एमबीबीएस की पढ़ाई में रोगी परिवार से जुड़ेगा रिश्ता

अजय दुबे, आगरा

इस तरह होगा परिवार का चयन

एमबीबीएस प्रथम वर्ष में प्रवेश लेने वाले छात्रों को सोशल प्रिवेंटिव मेडिसिन (एसपीएम) विभाग द्वारा परिवार गोद लेने के लिए क्षेत्र आवंटित किए जाएंगे। उस क्षेत्र में मेडिकल छात्र जाएंगे और खुद ही परिवार का चयन करेंगे। उस परिवार का ब्योरा जुटाने के साथ उनका फोन नंबर लेंगे और अपना नंबर उन्हें देंगे।

प्रतीकात्मक

एमबीबीएस की पहले वर्ष की पढ़ाई के साथ मरीज, बीमारी और उपचार का रिश्ता बनेगा। एमबीबीएस प्रथम वर्ष में प्रवेश लेने के साथ प्रत्येक छात्र पांच परिवार गोद लेगा। ये परिवार स्थानीय होंगे। बीमार होने पर परिवार छात्र से संपर्क करेंगे। वे उन्हें उपचार दिलाने के साथ रोग का लेखा-जोखा तैयार करेंगे। राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) द्वारा एमबीबीएस छात्रों के लिए दो वर्ष पूर्व लागू फैमिली एडाप्शन प्रोग्राम (एफएपी) की सफलता के बाद आगरा के एसएन मेडिकल कालेज ने इस शैक्षणिक वर्ष से इसे पूरी तरह लागू किए जाने की तैयारी शुरू कर दी है।

मेडिकल की पढ़ाई के मानक और मान्यता देने वाली संस्था एनएमसी ने 2022 में एमबीबीएस प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए एफएपी लागू किया था। इसके तहत प्रथम वर्ष के छात्र पढ़ाई शुरू करने के साथ पांच परिवारों को गोद लेंगे। डिग्री मिलने तक छात्र परिवारों के साथ सतत संपर्क में रहेंगे। इनका हाल-चाल लेना और उनका बीमारी में इलाज करना और कराने की जिम्मेदारी भी उठाएंगे। इससे यह पता चल सकेगा कि किस तरह की समस्याएं और बीमारी अलग-अलग परिवेश में रहने वाले लोगों को हो रही हैं। उन्हें अस्पताल पहुंचने, जांच और इलाज कराने में क्या-क्या समस्याएं आती हैं। सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी समस्याओं का भी पता चल सकेगा। किस तरह से इन लोगों को बीमारियों से बचाया जा सकता है। एसएन मेडिकल कालेज की फैमिली एडाप्शन प्रोग्राम की नोडल अधिकारी डा. रेनू अग्रवाल ने बताया कि सत्र 2022-23 में 128 छात्रों ने 200 परिवारों को गोद लिया था। सत्र 2023- 24 में 128 छात्रों द्वारा 300 परिवार गोद लिए गए हैं। इससे डाक्टर व मरीज के बीच रिश्ता मजबूत हो रहा है। जिन क्षेत्रों से परिवार गोद लिए हैं, वहां चिकित्सा शिविर लगाए जा रहे हैं। नए शैक्षणिक सत्र में इसे पूर्णरूप से लागू किए जाने की तैयारी है।

योजना दो वर्ष पूर्व लागू की गई थी। अब तक यह प्रायोगिक तौर पर थी। इसबार इसे पूर्णरूप से लागू कराया जाएगा। यह डाक्टर और मरीज के रिश्तों को मजबूती देगा। गोद लिए जाने वाले परिवार शहरी और ग्रामीण क्षेत्र के हो सकते हैं।

– डा. प्रशांत गुप्ता, आचार्य, एसएन मेडिकल कालेज

आंतरिक मूल्यांकन में मिलेंगे अंक : नोडल अधिकारी डा. रेनू अग्रवाल ने बताया कि मेडिकल छात्रों द्वारा एफएपी के तहत किए गए कार्य के आधार पर आंतरिक मूल्यांकन के प्रति वर्ष अंक भी मिलेंगे। डिग्री पूरी होने पर कार्यों का आकलन किया जाएगा। योजना में गोद लिए गए परिवारों का स्वास्थ्य रिकार्ड मेडिकल कालेज में रखा जाएगा।

****

थप्पड़ मारने पर गई छात्र की आंख की रोशनी, शिक्षक-प्रिंसिपल पर केस

जागरण संवाददाता, मेरठ

- पिछले वर्ष मेरठ के आर्मी स्कूल में शिक्षक ने कक्षा आठ के छात्र को मारा था थप्पड़

मेरठ में आर्मी पब्लिक स्कूल में योग शिक्षक ने आठवीं कक्षा के छात्र को थप्पड़ मार दिया, जिससे उसकी आखों की रोशनी चली गई। छात्र की मां ने शिक्षक और प्रिंसिपल के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

इंदू देवी ने बताया कि उनका बेटा सिद्धार्थ रेटिनोपैथी आफ प्रीमेच्योरिटी (आरओपी) से पीड़ित है। इसलिए उसकी देखने की क्षमता कम है। उसे दिखाई नहीं देता और वह दृष्टिबाधित स्कूल में पढ़ती है। 17 नवंबर, 2023 को योग शिक्षक दक्ष ने सिद्धार्थ को थप्पड़ मार दिया। इससे उसकी दाहिनी आंख के रेटिना को काफी नुकसान पहुंचा। बच्चे की दो लेजर सर्जरी और तीन रेटिनल सर्जरी हो चुकी हैं। बच्चे का रेटिना अलग होने की वजह से आंख की रोशनी चली गई है। मां का आरोप है कि शिकायत के बाद भी प्रिंसिपल व स्कूल प्रबंधन ने कोई कार्रवाई नहीं की। पुलिस ने भी उनकी शिकायत पर ध्यान नहीं दिया। इसके बाद कोर्ट की शरण ली। कोर्ट के आदेश पर गत बुधवार को शिक्षक दक्ष व प्रिंसिपल रीता गुप्ता पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

घटना संज्ञान में आने के बाद आरोपित शिक्षक को नौकरी से निकाल दिया गया है। सभी शिक्षकों को हिदायत दी गई है कि वह किसी भी छात्र को न तो डांटें और न ही पिटाई करें।

– रीता गुप्ता, प्रिंसिपल

130 लोग अब भी लापता हैं केरल के वायनाड में 30 जुलाई को हुए भूस्खलन के बाद। लापता लोगों की तलाश में 190 सदस्यों की टीम जुटी है। बता दें, इस हादसे में 231 की मौत हुई है।

राजस्थान के बाढ़ के हालात, दो दिन में 22 की मौत

भारी बारिश ▶ जयपुर समेत सात जिलों में बंद रहे स्कूल, कई जगह रेलवे ट्रैक पर आया पानी

जयपुर हवाई अड्डा परिसर व सवाई मानसिंह अस्पताल परिसर में पानी भरा

जागरण टीम, नई दिल्ली

राजस्थान में तीन दिन से हो रही भारी बारिश कई जिलों में बाढ़ के हालात बन गए हैं। सवाईमाधोपुर जिले में बांध टूटने से आसपास के गांवों में पानी भर गया। राज्य में वर्षाजनित हादसों में दो दिन में 22 लोगों की मौत हुई है। बारिश के कारण देश के कई अन्य हिस्सों में जनजीवन बुरी तरह बाधित रहा। भारी वर्षा के कारण राजधानी दिल्ली के कई हिस्सों में जलभराव और ट्रैफिक जाम हो गया। इससे सटे गुरुग्राम में भी जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ।

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को भारी बारिश से प्रभावित इलाकों का जायजा लिया और राहत पहुंचाने के लिए आवश्यक निर्देश दिए हैं। भारी बारिश के कारण सोमवार को जयपुर समेत प्रदेश के सात जिलों के स्कूलों में अवकाश रहा। मंगलवार को भी दौसा, करौली व सवाईमाधोपुर जिलों में अवकाश रहेगा। जयपुर-कोटा राष्ट्रीय राजमार्ग पर टोंक में दो फीट तक पानी भरने से यातायात संचालन में व्यवधान उत्पन्न हुआ है। करौली जिले के कई इलाकों में बाढ़ के हालात उत्पन्न हो गए है। सपोटरा में तहसील कार्यालय व पुलिस क्वार्टर में पानी भर गया। हिंडौन सिटी में बाढ़ के हालात उत्पन्न होने पर लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। यहां घरों में पानी भर गया। पानी के तेज बहाव के कारण सवाईमाधोपुर जिले के हिंदूपुरा बांध की पाल सोमवार को टूट गई, जिससे आसपास के गांवों में पानी भर गया। डेढ़ दर्जन गांवों का संपर्क जिला मुख्यालय से कट गया है। दौसा जिले के लालसोट में बाढ़ के हालात हैं। दौसा-गंगापुर रेलवे लाइन परियोजना में छिड़वाना गांव के पास मिट्टी ढहकर रेलवे ट्रैक पर आ गई, जिससे रेल यातायात प्रभावित हुआ है। जयपुर के गलता कुंड में नहाने गए दो युवकों की डूबने से मौत हो गई। जयपुर जिले की बांडी नदी उफान पर है। शहर के गांधी नगर रेलवे स्टेशन पर रेलवे ट्रैक पानी में डूब गया है। जयपुर हवाई अड्डा परिसर व सवाई मानसिंह अस्पताल परिसर में पानी भर गया।

वाराणसी में गंगा का जलस्तर बीते 26 घंटे में लगभग आधा मीटर पानी कम हो गया है, लेकिन बलिया में जलस्तर खतरे के निशान से करीब एक मीटर ऊपर है। वाराणसी में मणिकर्णिका की छत पर ही शवों का दाह संस्कार हो पा रहा है तो हरिश्चंद्र घाट पर गली के मुहाने पर एक या दो चिताएं ही एक साथ लग पा रही हैं। इससे लोगों को शवदाह के लिए घंटों प्रतीक्षा करनी पड़ रही है।

बेंगलुरु में भी सड़कें जलमग्न : वर्षा के कारण बेंगलुरु में कई इलाकों में ट्रैफिक जाम और सड़कें जलमग्न होने से दफ्तर जाने वालों और स्कूली बच्चों को खासी परेशानी हुई। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने वर्षा प्रभावित इलाकों का दौरा किया। वह बेंगलुरु के प्रभारी भी हैं।

जयपुर में सोमवार को भारी वर्षा से सड़क पर जलभराव के बीच आवागमन में कष्टप्रद स्थिति रही। प्रेट्र

गुरुग्राम में आइटी सेक्टर में 50 प्रतिशत तक काम प्रभावित

दिल्ली से सटे हरियाणा के गुरुग्राम में जलभराव का आइटी एवं टेलीकाम सेक्टर पर व्यापक असर दिख रहा है। सोमवार को भारी वर्षा की आशंका से 50 प्रतिशत कम कर्मचारी पहुंचे। रविवार को केवल 25 प्रतिशत ही कर्मचारी पहुंचे थे। शहर में जगह-जगह जलभराव है। कई औद्योगिक प्लांटों के भीतर भी पानी भर गया है। साइबर सिटी में आइटी, आइटी इनेबल्ड एवं टेलीकाम सेक्टर की पांच हजार से अधिक कंपनियां हैं। लगातार वर्षा के कारण इनका स्टाफ भी नहीं पहुंचा।

खराब मौसम के कारण पीएम का हिमाचल दौरा रद

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सोमवार को हिमाचल प्रदेश में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करने वाले थे। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने बताया कि खराब मौसम के कारण उनका दौरा रद हो गया है। वर्षा से प्रदेश में अब तक 1004.60 करोड़ का नुकसान हो चुका है। दो दिनों से वर्षा के कारण 39 घरों व 15 गोशालाओं को नुकसान पहुंचा है। दो राष्ट्रीय राजमार्ग सहित 199 सड़कें बंद हैं। 143 पेयजल योजनाएं प्रभावित हैं। चंबा जिले में सुबह स्कूल जा रहे बच्चे व उसकी चाची की पहाड़ी से गिरे पत्थरों की चपेट में आने से मौत हो गई।

पूजा खेडकर की गिरफ्तारी पर हाई कोर्ट की 21 तक रोक

- पुलिस व यूपीएससी से मांगा जवाब, पूजा को जांच में सहयोग करने का निर्देश
- ट्रायल कोर्ट ने खारिज कर दी थी पूर्व प्रशिक्षु आइएएस की जमानत याचिका

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

धोखाधड़ी और गलत तरीके से ओबीसी और दिव्यांगता कोटे का लाभ हासिल करने के मामले में दिल्ली हाई कोर्ट ने पूर्व प्रशिक्षु आइएएस अधिकारी पूजा खेडकर की गिरफ्तारी पर 21 अगस्त तक रोक लगा दी है। इससे पहले ट्रायल कोर्ट ने पूजा को अग्रिम जमानत देने से इन्कार कर दिया था।

न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद की पीठ ने पूजा की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिल्ली पुलिस व संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। पीठ ने मामले की सुनवाई 21 अगस्त तक के लिए स्थगित करते हुए पूजा को जांच में सहयोग करने का भी निर्देश दिया। पीठ ने पुलिस से पूछा कि जब पूजा ने पूरे अपराध को अकेले अंजाम दिया और इसमें कोई अन्य शामिल नहीं है तो फिर उनकी हिरासत की आवश्यकता क्यों है?

यूपीएससी की तरफ से पेश हुए वरिष्ठ वकील नरेश कौशिक ने पूजा को मास्टरमाइंड बताते हुए कहा कि जिस तरह से वह व्यवस्था का हिस्सा बनीं, उससे पता चलता है कि वह कितनी प्रभावशाली हैं। पीठ ने कहा कि पूजा को अग्रिम जमानत देने से इन्कार करने वाले ट्रायल कोर्ट के आदेश में एक पैराग्राफ को छोड़कर कोई जिक्र नहीं है कि हिरासत की आवश्यकता क्यों है। पीठ ने टिप्पणी की कि समस्या यह है कि कभी-कभी हम गुण-दोष के आधार पर बहस में इतना उलझ जाते हैं कि जिस संबंध में आवेदन दायर किया जाता है, उसके तथ्य को ही भूल जाते हैं।

पूर्व प्रशिक्षु आइएएस अधिकारी पूजा खेडकर पर आरोप है कि आरक्षण का लाभ प्राप्त करने के लिए यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा-2022 के लिए अपने आवेदन में जानकारी को गलत तरीके से प्रस्तुत किया था। यूपीएससी ने 31 जुलाई को पूजा की उम्मीदवारी को रद करते हुए भविष्य में उनके प्रतियोगी परीक्षाओं में शामिल होने पर रोक लगा दी है। यूपीएससी की शिकायत पर दिल्ली पुलिस ने पूजा के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बीते एक अगस्त को ट्रायल कोर्ट ने पूजा की अग्रिम जमानत याचिका खारिज दी थी।

न्यूज गैलरी

अंतरराज्यीय ड्रग रैकेट का भंडाफोड़, दो गिरफ्तार

रचकोंडा: तेलंगाना पुलिस ने सोमवार को एक अंतर राज्यीय ड्रग रैकेट का भंडाफोड़ किया। रचकोंडा पुलिस कमिश्नरेट ने बताया कि तेलंगाना के पेद्दा अंबरपेट में हशीश पहुंचाने में संलिप्त दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। विशेष टीम ने हयात नगर पुलिस के साथ एलबी नगर से दो अंतर राज्यीय ड्रग तस्कर को पकड़ लिया। पुलिस ने उनके पास 13.5 किलो हशीश बरामद किया। (एएनआइ)

असम में ट्रक की चपेट में आने से छह की मौत

कोकराझार: असम के कोकराझार में एक ट्रक की चपेट में आने से मंदिर जा रहे पांच श्रद्धालुओं और एक कार सवार की मौत हो गई। राष्ट्रीय राजमार्ग 27 पर महामाया मंदिर जा रहे श्रद्धालुओं को रौंदते हुए ट्रक एक कार से टकरा गया। पांच श्रद्धालुओं की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि एक घायल हो गया। कार से टक्कर में दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनमें से एक की बाद में मौत हो गई। (प्रेट्र)

मनसे कार्यकर्ताओं ने नागपुर टोल बूथ में तोड़फोड़ की

नागपुर: महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) कार्यकर्ताओं ने नागपुर में सोमवार दोपहर एक टोल बूथ में तोड़फोड़ की। एमएनएस कार्यकर्ताओं ने वाहनों से गैरकानूनी वसूली का आरोप लगाया। यह घटना हिंगना और वाडी टी-प्वाइंट को जोड़ने वाले सेंट्रल एमआइडीसी रोड पर हुई। एमआइडीसी थाने के अधिकारी ने बताया कि एमएनएस के चार कार्यकर्ताओं को हिरासत में लेकर उनके विरुद्ध मामला पंजीकृत किया गया है। (प्रेट्र)

सास ने बहू को रील देखने से रोका तो कर ली आत्महत्या

बेतिया (पश्चिम चंपारण): बिहार में सास ने काम के दौरान बहू को मोबाइल फोन पर रील देखने से मना किया तो उसने पंखे से लटककर जान दे दी। यह घटना पश्चिम चंपारण जिले में हुई। मृत महिला का स्वजन ने पोस्टमार्टम कराने से इन्कार कर दिया। आउटपोस्ट प्रभारी राम कुमार पासवान ने बताया कि निशा के मायके वालों को सूचित कर दिया गया है। उनके आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। ससुराल वालों ने बताया कि 19 नवंबर, 2023 को निशा की शादी हुई थी। पति चुहड़ी मिशन स्कूल में शिक्षक हैं। निशा आदतन मोबाइल फोन पर काफी समय व्यतीत करती थी। (जासं)

वायनाड में चलियार नदी व उसके तट पर जारी है लोगों की तलाश

- वायनाड में भूस्खलन से अब तक 231 लोगों की मौत

वायनाड, प्रेट्र : केरल के वायनाड जिले में विनाशकारी भूस्खलन में लापता हो गए लोगों की तलाश जारी है। तलाशी अभियान अभी चलियार नदी, उसके किनारों और समीप के पहाड़ी क्षेत्रों में केंद्रित है।

राज्य सरकार में राजस्व मंत्री के राजन ने बताया कि 30 जुलाई को हुए भूस्खलन में मरने वालों की संख्या बढ़कर 231 हो गई है और अब तक शवों के कुल 205 अंग भी बरामद किए गए हैं, जबकि 130 से अधिक अभी तक लापता हैं। भूस्खलन से वायनाड जिले के मुंडक्कई और चूरमाला क्षेत्र लगभग पूरी तरह से तबाह हो गया है।

राज्य के एडीजीपी एमआर अजीत कुमार ने कहा कि तलाशी अभियान में एनडीआरएफ, पुलिसकर्मी, अग्निशमन, वन विभाग के कर्मी एवं अन्य समेत 190 सदस्यों की टीम जुटी है। अभी तक मिले कुल शवों में से 51 की पहचान की जानी है।

एडीजीपी ने कहा कि तलाशी जारी रहेगी और पूरे क्षेत्र की फिर से जांच की जाएगी। अधिकारियों के अनुसार डीएनए जांच का पहला सेट आने की आशा है। डीएनए परिणाम आने के बाद जीवित लोग अपने दिवंगत हो गए स्वजन की पहचान कर सकेंगे।

केरल बैंक ने भूस्खलन से प्रभावितों का ऋण माफ किया

केरल बैंक बोर्ड ने सोमवार को उन लोगों के पूरे ऋण माफ करने का फैसला किया, जिन्होंने भूस्खलन में अपनी जान गंवा दी। साथ ही उन लोगों के भी ऋण माफ करने का फैसला किया है, जिनके गिरवी रखे घर और संपत्तियां आपदा में नष्ट हो गईं। बैंक के निदेशक मंडल ने अपनी चूरलमाला शाखा में प्रभावित परिवारों को राहत प्रदान करने के लिए यह निर्णय लिया। इससे पहले 30 जुलाई को केरल बैंक ने बचाव कार्य के समर्थन में मुख्यमंत्री आपदा राहत कोष में 50 लाख रुपये दान किए थे।

दाढ़ी रखने पर निलंबित मुस्लिम पुलिसकर्मी की याचिका पर सुनवाई आज

नई दिल्ली, प्रेट्र : सुप्रीम कोर्ट उस याचिका पर सुनवाई के लिए तैयार हो गया है जिसमें यह मुद्दा उठाया गया है कि क्या दाढ़ी रखने के लिए मुस्लिम व्यक्ति का पुलिस से निलंबन संविधान प्रदत्त धर्म पालन के मौलिक अधिकार का उल्लंघन है। संविधान का अनुच्छेद-25 अंतःकरण की स्वतंत्रता तथा धर्म का पालन व प्रचार करने के अधिकार से संबंधित है। प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की पीठ ने मुद्दे पर विचार करने पर सहमति व्यक्त की। यह याचिका महाराष्ट्र स्टेट रिजर्व पुलिस फोर्स के मुस्लिम कांस्टेबल जहीरोद्दीन एस. बेडाडे की थी। उन्हें बांबे पुलिस मैनुअल, 1951 का उल्लंघन कर दाढ़ी रखने के लिए निलंबित किया गया था। जब यह बताया गया कि यह मामला लोक अदालत के समक्ष था और अनसुलझा रहा तो प्रधान न्यायाधीश ने कहा, 'यह संविधान का महत्वपूर्ण मुद्दा है।' बेडाडे ने 2015 में भी शीर्ष अदालत का द्वार खटखटाया था। पूर्व में पीठ ने दाढ़ी साफ करने की शर्त पर उनका निलंबन खत्म करने का प्रस्ताव किया था, लेकिन उन्होंने यह शर्त स्वीकार नहीं की थी।

आतंकी मददगारों का बड़ा नेटवर्क ध्वस्त, सरगना समेत नौ गिरफ्तार

- घुसपैठ से लेकर शरण देने तक करते थे बंदोबस्त, पाकिस्तान में हैंडलरों से लगातार संपर्क में थे
- आतंकी हमलों की जांच के दौरान 50 को हिरासत में लिया, पृष्ठभूमि की हो रही पड़ताल
- आतंकी मददगारों को पूरी जानकारी होती थी कि कब और कहां से होने वाली है घुसपैठ
- आतंकियों को सुरक्षाबलों की नजर से बचाकर जम्मू संभाग के पहाड़ों तक पहुंचाते थे

जागरण संवाददाता, कठुआ

सीमा पार पाकिस्तान से जम्मू संभाग में घुसपैठ करने वाले आतंकियों के लिए सुरक्षित ठिकाने मुहैया करवाने से लेकर खाने तक सभी बंदोबस्त करने वाले आतंकियों के एक बड़े नेटवर्क को पुलिस व सुरक्षा एजेंसियों ने ध्वस्त कर दिया है। इस नेटवर्क के मुख्य सरगना मोहम्मद लतीफ सहित नौ आतंकी मददगारों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। ये सभी सीमावर्ती कठुआ जिला के रहने वाले हैं। ये आतंकी मददगार कठुआ, ऊधमपुर और डोडा में सक्रिय थे और पाकिस्तान में अपने हैंडलरों के भी लगातार संपर्क में थे। इन मददगारों को पूरी जानकारी होती थी कि कब व कहां से घुसपैठ होने वाली है। भारतीय क्षेत्र में दाखिल होने के बाद आतंकियों को सुरक्षाबलों की नजरों से बचाकर पहाड़ों पर बनाए गए ठिकानों तक ले जाने की जिम्मेदारी इन्हीं की होती थी। ये आतंकियों को सुरक्षाबलों के बारे में भी जानकारी उपलब्ध करवाते थे। ये सभी कई वर्षों से यह काम कर रहे थे।

पिछले करीब दो महीने में आतंकियों ने जम्मू संभाग को निशाना बनाते हुए एक के बाद एक कई बड़े हमले किए। इसी बीच, डोडा जिले में एक मुठभेड़ में तीन पाकिस्तानी आतंकी मारे गए। इससे साफ था कि आतंकी कठुआ या सांबा सीमा से घुसपैठ कर ऊधमपुर होते हुए डोडा जिला के पहाड़ों तक पहुंचे हैं। ऐसे में बिना स्थानीय मदद के आतंकियों का डोडा पहुंचना संभव नहीं था। इसके बाद सुरक्षा एजेंसियों ने सबसे पहले आतंकियों के मददगारों की तलाश शुरू की। करीब 50 ऐसे लोगों को हिरासत में लिया गया, जिन्होंने पैसे लेकर आतंकियों को खाना मुहैया करवाने से लेकर उनके ठहरने तक का बंदोबस्त किया था। इन सभी से पूछताछ के आधार पर सुरक्षा एजेंसियां और पुलिस आतंकियों के मुख्य नेटवर्क तक पहुंचीं और एक-एक कर दर्जिश देकर नौ मददगारों को गिरफ्तार किया।

प्रतीकात्मक।

कर्ज में डूबे सर्राफ कारोबारी ने पत्नी संग हरिद्वार में गंगा में लगाई छलांग

- स्वजन को भेजा सुसाइड नोट, लिखा कर्ज में डूबे हैं, ब्याज दे-देकर हो चुके हैं परेशान
- सर्राफ कारोबारी का शव गंगनहर से बरामद, पत्नी की तलाश में जुटे जल पुलिस के जवान

जागरण संवाददाता, हरिद्वार

कर्ज में डूबे सहारनपुर (उत्तर प्रदेश) के एक सर्राफ कारोबारी ने पत्नी संग हरिद्वार में गंगा में छलांग लगा दी। सोमवार को कारोबारी का शव गंगनहर से बरामद हो गया, जबकि पत्नी का अभी तक पता नहीं चला है। जल पुलिस के जवान महिला की तलाश में जुटे हैं।

दस अगस्त को गंगा में कूदने से पहले सर्राफ कारोबारी ने अपने स्वजन से बातचीत की थी और उन्हें वाट्सएप के जरिये सुसाइड नोट व घटनास्थल की लोकेशन भी भेजी थी।

स्वजन को भेजे गए सुसाइड नोट में सर्राफ कारोबारी ने कर्ज में डूबे होने और ब्याज की रकम दे-देकर परेशान होने की बात लिखी थी। इसके अलावा उन्होंने लिखा कि 'हमारी किशनपुर वाली प्रापर्टी हमारे दोनों बच्चों के लिए है। हमारे दोनों बच्चे नाना-नानी के घर रहेंगे, हमें अन्य किसी पर भी भरोसा नहीं है। हम जिस जगह सुसाइड करेंगे, उस जगह की फोटो हम वाट्सएप पर शेयर कर देंगे।'' लोकेशन मिलने के बाद दोनों के स्वजन हरिद्वार पहुंचे थे और कोतवाली पुलिस से संपर्क भी किया था। मगर काफी तलाश के बाद भी तब दंपती का पता नहीं चल पाया था।

सोमवार सुबह रानीपुर पुलिस को सूचना मिली कि ग्राम जमालपुर खुर्द के निकट गंगनहर के किनारे दलदल में एक व्यक्ति का शव अटका है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने गोताखोरों की मदद से शव को बाहर निकाला। मृतक की पेंट की जेब से एक मोबाइल फोन और पर्स बरामद हुआ है। इसके बाद पुलिस जांच में मृतक की पहचान सौरभ बब्बर (35) निवासी किशनपुरा, सहारनपुर, उत्तर प्रदेश के रूप में हुई है।

जांच में पता चला कि दस अगस्त को पेशे से सर्राफ कारोबारी सौरभ बब्बर अपनी पत्नी मोना बब्बर के साथ हरकी पैड़ी पहुंचे और हाथी पुल से गंगा में छलांग लगा दी। कोतवाली प्रभारी विजय सिंह ने बताया कि मृतक सौरभ बब्बर की सांई ज्वेलर्स के नाम से सहारनपुर में दुकान है और वह कमेटी के कारोबार से भी जुड़े थे। इसी के चलते सौरभ के ऊपर काफी कर्ज हो गया था।

हरिद्वार में हाथी पुल से छलांग लगाने से पहले सर्राफ कारोबारी सौरभ बब्बर और पत्नी मोना बब्बर ने यह सेल्फी ली थी। साभार इंटरनेट मीडिया

रांची के अस्पताल में सिपाही की हत्या कर कैदी फरार

जासं, हजारीबाग : सामूहिक दुष्कर्म व हत्या मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहा एक अपराधी रविवार देर रात रांची स्थित मेडिकल कालेज अस्पताल में सुरक्षा में तैनात पुलिस हवलदार की हत्या कर फरार हो गया। फरार अपराधी शाहिद अंसारी धनबाद के सुदामडीह का रहने वाला है। वर्ष 2017 उसने धनबाद के सुदामडीह में दो नाबालिग लड़कों के साथ मिलकर एक छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म मामले में 2019 में धनबाद कोर्ट ने उसे 20 वर्ष कैद की सजा सुनाई थी। वहीं हत्या के एक अन्य मामले में उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी। एक पखवारे पहले ही उसे पैर की नस में लकवा जैसी बीमारी की शिकायत पर मेडिकल कालेज अस्पताल के कैदी वार्ड में भर्ती कराया गया था। घटना के वक्त पूरे कैदी वार्ड में अकेला शाहिद अंसारी ही इलाजरत था। वहीं, उसकी सुरक्षा में तैनात हवलदार चोहन हेंब्रम घटना के वक्त शाहिद के बगल वाले बिस्तर पर सो रहा था। रात लगभग 11.30 बजे कैदी ने गहरी नींद में सोये हवलदार का स्लाइन चढ़ाने वाली प्लास्टिक की पाइप से गला घोंट दिया। बाद में राड से सिर पर प्रहार कर उसे खून से लथपथ कर दिया।

चार दशक बाद अनुपम ने दी महेश भट्ट को गुरु दक्षिणा

- अनुपम ने कहा, कभी-कभी गुरु दक्षिणा देना एक जन्म में संभव नहीं होता
- बाद में तीन सौ रुपये गुरु दक्षिणा के रूप में महेश के पाकेट में डाले

एंटरटेनमेंट ब्यूरो, मुंबई

लगभग 42 साल पहले अभिनेता अनुपम खेर जब मुंबई में काम पाने के लिए भटक रहे थे, फिल्मकार महेश भट्ट ने फिल्म सारांश में उन्हें पहला मौका दिया था। साल 1984 में प्रदर्शित उस फिल्म के बाद अनुपम ने अपनी एक से बढ़कर एक फिल्मों से हिंदी सिनेमा को लगातार समृद्ध किया। इसके बाद से ही अनुपम महेश को अपना गुरु मानने लगे। हालांकि महेश को गुरु दक्षिणा उन्होंने सारांश प्रदर्शित होने के लगभग 40 वर्ष बाद सोमवार को दी। मौका था मुंबई में इंदिरा आइवीएफ के संस्थापक अजय मुर्डिया की प्रोडक्शन कंपनी इंदिरा एंटरटेनमेंट और विक्रम भट्ट के प्रोडक्शन में बनने वाली पहली चार फिल्मों की घोषणा का। ये फिल्में विराट, रण, तुमको मेरी कसम और तू मेरी पूरी कहानी हैं। इनमें से तुमको मेरी कसम में अनुपम खेर अहम भूमिका में हैं। इस मौके पर जब अनुपम से पूछा गया कि उन्होंने महेश को गुरु दक्षिणा में क्या दिया है। तो अनुपम ने कहा, 'कभी-कभी गुरु दक्षिणा देना एक जन्म में संभव नहीं होता। मैं जिस पृष्ठभूमि से आता हूं, वहां जिसने आपको बहुत प्यार किया हो, उस प्यार को लौटाना मुश्किल होता है।' इसके बाद अनुपम उठे और जेब से तीन सौ रुपये निकालकर महेश को गुरु दक्षिणा के तौर पर दिया। इसके बाद जब महेश से पूछा गया कि उन्होंने अपने शिष्य को पुरस्कार के तौर पर क्या दिया तो उन्होंने कहा कि इतनी बड़ी फिल्म सारांश दे दी और क्या दूं। हालांकि, समारोह के समापन के दौरान जब सभी मंच छोड़कर जाने लगे तो गुरु दक्षिणा में मिले पैसे महेश की जेब से गिरने लगे। इस पर अनुपम ने टोका तो महेश ने वो पैसे उन्हीं पर न्यौछावर करते हुए वापस बख्शीश के तौर पर अनुपम को दे दिया।

स्वतंत्रता के सारथी

ग्रामीण महिलाओं के अधिकारों को मिली आवाज, थाइलैंड तक पहुंची गूंज

सामुदायिक रेडियो के जरिये महिलाओं को शिक्षा और समता के प्रति कर रहीं जागरूक

अनुराग मिश्र ● जागरण

कानपुर: 'पर लगा लिए हमने, अब पिंजरों में कौन बैठेगा...' 'शिक्षा हो या काम की बारी, नहीं रहेगी पीछे नारी'.... यह फलसफा है रेडियो जाकी करिश्मा चतुर्वेदी का। यूं तो रेडियो जाकी तो कोई भी बन सकता है, लेकिन करिश्मा का संघर्ष थोड़ा ज्यादा इसलिए है कि क्योंकि इन्होंने कानपुर देहात से सफर शुरू कर थाइलैंड तक महिला अधिकारों की गूंज को पहुंचाया। आज वह सामुदायिक रेडियो 'वक्त की आवाज' के जरिये महिलाओं को शिक्षा, समता के प्रति जागरूक करने के साथ हिंसा के विरुद्ध लड़ने के लिए प्रेरित कर रही हैं।

करिश्मा के मन में कुछ अलग करने की चाहत थी तो पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित किया। स्नातक की पढ़ाई के दौरान गांव में महिलाओं के साथ घरेलू हिंसा और मारपीट होते देखी तो आगे बढ़कर उन्हें जागरूक करने के साथ अधिकारों के लिए लड़ना सिखाया। उन्होंने महिलाओं को सिर्फ इतना ही सिखाया कि चुप्पी तोड़ो। इस कारण इस समूह से आसपास के गांव की महिलाएं भी जुड़ रही हैं।

रेडियो से जुड़ीं तो बदली जिंदगी: करिश्मा बताती हैं कि पढ़ाई के समय से ही महिला उत्थान के लिए कुछ करने का मन था। वर्ष 2015 में सामुदायिक रेडियो 'वक्त की आवाज' की प्रमुख राधा शुक्ला से संपर्क हुआ तो उस समय करिश्मा स्नातक की पढ़ाई कर रहीं थीं। उन्होंने रेडियो जाकी बनकर आवाज गांव-गांव पहुंचाने को कहा। इसके बाद तो जिंदगी ही बदल गई। अब तो वह रोज एक विषय चुनती हैं और उस पर महिलाओं के लिए कार्यक्रम प्रस्तुत करती हैं। इसमें कभी महिला शिक्षा विषय होता है तो कभी शोषण के विरुद्ध आवाज उठाना। बता दें कि सामुदायिक रेडियो को उत्तर प्रदेश संचार विभाग और श्रमिक भारती समेत कई स्वयंसेवी संगठन वित्तीय मदद उपलब्ध कराते हैं।

ऐसे आता है बदलाव

कानपुर देहात के सुजानपुर गांव निवासी महिला परास्नातक हैं। वह आत्मनिर्भर बनना चाहती थीं, लेकिन परिवार का सहयोग नहीं था। अक्सर परिवार में कलह का वातावरण रहता था। महिला को रेडियो से ही महिलाओं के समूह की जानकारी हुई तो उन्होंने बैठक में हिस्सा लिया, वहां करिश्मा से मुलाकात हुई। करिश्मा ने टीम के साथ जाकर परिवार से बात की और समझाया। अब महिला एक संस्था के लिए किताब लेखन का कार्य कर रही हैं और जीविकोपार्जन के लिए आय भी कर रही हैं।

महिलाओं के बीच जाकर घरेलु हिंसा के विरुद्ध जागरूक करतीं करिश्मा ● स्वयं

सामुदायिक रेडियो पर कार्यक्रम प्रस्तुत करतीं करिश्मा ● स्वयं

आवाज उठाने के लिए करती हैं प्रेरित

अब तो कई बार महिलाएं फोन पर संपर्क करती हैं। उनकी समस्या के अनुरूप उन्हें थाने की महिला डेस्क, वन स्टाप सेंटर या 181 नंबर पर डायल कर समस्या बताने को कहा जाता है। इसके बाद भी करिश्मा समस्या का निदान होने तक उनके संपर्क में रहती हैं। इससे महिलाओं का आत्मविश्वास भी बढ़ता है।

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में मिली सराहना: करिश्मा बताती हैं कि उनके प्रयास को बीते वर्ष ही सितंबर में थाइलैंड के स्वयंसेवी संगठन अमार्क ने सराहा और महिला अधिकारों को लेकर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में आमंत्रित किया। वहां उन्होंने भारतीय महिलाओं की बदलती स्थिति पर विचार रखे और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। वहां मिली महिलाओं से भी बहुत कुछ सीखने का मौका मिला। वहां मिले अनुभव को भी महिलाओं के बीच साझा किया तो काफी महिलाएं स्वरोजगार के प्रति आगे बढ़ रही हैं।

अतिरिक्त सामग्री पढ़ने के लिए स्कैन करें।

बंगाल राशन घोटाला: 60 से अधिक छोटे राशन डीलरों की भूमिका का पता लगा

राज्य ब्यूरो, जागरण, कोलकाता : बंगाल के राशन वितरण घोटाले की जांच कर रही ईडी ने कम से कम 60 छोटे डीलरों के एक नेटवर्क का पता लगाया है, जो इस भ्रष्टाचार में सीधे तौर पर शामिल थे। डीलरों का कथित तौर पर पूर्व खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री ज्योतिप्रिय मल्लिक से संपर्क था, जो इस मामले के सिलसिले में फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं।

पहले इन राशन डीलरों ने किसानों से न्यूनतम समर्थन मूल्य से कम कीमत पर आधिकारिक खरीद मार्ग को दरकिनार कर अनाज खरीदा और फिर उन्हीं उत्पादों को सार्वजनिक वितरण प्रणाली के माध्यम से बेचने के बजाय खुले बाजार में प्रीमियम कीमतों पर बेचा। सूत्रों ने कहा कि ईडी मल्लिक और उनके कुछ करीबी सहयोगियों से जुड़े कुछ बैंक खाता नंबरों का भी पता लगाया है, जहां इन छोटे राशन डीलरों के खातों से नियमित रूप से पैसा जमा किया जाता था।

****

दैनिक जागरण

आत्मविश्लेषण ही उत्कृष्टता का मार्ग प्रशस्त करता है

बांग्लादेश की माफी

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के गृह मामलों के सलाहकार अर्थात गृहमंत्री सेवानिवृत्त ब्रिगेडियर जनरल सखावत हुसैन ने जिस तरह यह कहा कि वह हिंदुओं की सुरक्षा में नाकाम रहे और उनसे माफी मांगते हैं, उससे यह स्पष्ट है कि शेख हसीना को हटाने के लिए छिड़े आंदोलन के दौरान और उसके बाद हिंदुओं पर बड़े पैमाने पर हमले हुए। इसकी पुष्टि बांग्लादेशी हिंदुओं की ओर से अपने उत्पीड़न के खिलाफ ढाका, चटगांव आदि शहरों में विरोध प्रदर्शन करने से भी होती है और बंगाल में प्रवेश करने के प्रयासों से भी। कम से कम अब तो इस शरारती विमर्श पर लगाम लगनी चाहिए कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले की घटनाओं को बढ़ा-चढ़ा कर बताया जा रहा है और वे वहां पूरी तरह सुरक्षित हैं। यदि ऐसा होता तो न तो सखावत हुसैन को माफी मांगनी पड़ती और न ही हिंदुओं को अपनी जान बचाने की गुहार लगानी पड़ती। बांग्लादेश में बड़े पैमाने पर हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों पर हमले के कारण ही उन्हें बचाने के लिए भारत समेत दुनिया के अनेक देशों में प्रदर्शन किए गए। इसकी भी अनदेखी नहीं की जानी चाहिए कि बांग्लादेश में अंतरिम सरकार की कमान संभालने के बाद उसके प्रमुख मुहम्मद यूनुस ने भी हिंदुओं पर हमले रोकने की अपील की थी। वह हिंदू समाज के नेताओं से मिलने वाले हैं। देखना है कि वह हिंदू समुदाय की सुरक्षा संबंधी मांगों को पूरा कर पाने में समर्थ हो पाते हैं या नहीं?

मुहम्मद यूनुस इससे अनभिज्ञ नहीं हो सकते कि उनके देश में हिंदुओं के साथ उनके घरों, दुकानों और मंदिरों को कोई पहली बार निशाना नहीं बनाया गया। बांग्लादेश में इस तरह की घटनाएं एक लंबे समय से होती चली आ रही हैं। इसी कारण वहां हिंदुओं की संख्या तेजी से घट रही है। जब बांग्लादेश पूर्वी पाकिस्तान के रूप में था, तब वहां 22 प्रतिशत हिंदू थे। जब भारत की मदद से पूर्वी पाकिस्तान का बांग्लादेश के रूप में उदय हुआ, तब वहां हिंदू 15 प्रतिशत से अधिक थे। आज उनकी संख्या 8 प्रतिशत से भी कम रह गई है। यदि बांग्लादेशी हिंदुओं को अनुमति मिले तो वे बड़ी संख्या में भारत आना चाहेंगे, क्योंकि वहां उनका जीना दूभर है। यह ठीक है कि भारत सरकार ने भी एक समिति गठित कर दी है, ताकि वह बांग्लादेशी हिंदुओं के हितों की चिंता कर सके, लेकिन चिंता करने से शायद ही कोई बात बने। भारत को अपने प्रभाव का इस्तेमाल कर बांग्लादेश सरकार को इसके लिए तैयार करना होगा कि वह हिंदुओं की सुरक्षा के लिए आवश्यक उपाय करे। यह आसान नहीं, क्योंकि अंतरिम सरकार के बाद चुनी जाने वाली सरकार में कट्टरपंथी तत्वों का बोलबाला हो सकता है। इस अंतरिम सरकार में भी कुछ ऐसे चेहरे हैं, जो कट्टरपंथी हैं। स्पष्ट है कि भारत इससे संतुष्ट नहीं हो सकता कि बांग्लादेश के गृहमंत्री ने माफी मांग ली।

जानलेवा लापरवाही

जल्दबाजी के परिणाम सुखद होने की संभावना बहुत कम रहती है। सड़कों पर यात्रियों की सुरक्षा के लिए एक नारा लिखा होता है कि कभी न पहुंचने से देर भली। इसे जानते तो सभी हैं, लेकिन मानने वालों की संख्या बहुत कम है। यही कारण है कि दुर्घटनाएं बढ़ रही हैं और लोगों को असमय जान गंवानी पड़ रही है। जल्दबाजी के चक्कर में लोग यह भी नहीं समझते कि इससे उनका या दूसरों का नुकसान हो सकता है। हिमाचल प्रदेश में औसतन तीन लोगों की जान प्रतिदिन सड़क हादसों में जाती है। हादसों का बड़ा कारण मानवीय लापरवाही को ही माना गया है। आगे निकलने की होड़ में नियमों की अवहेलना की जाती है, जिसके कारण दुर्घटना की आशंका बढ़ जाती है। रविवार को हिमाचल सीमा के साथ लगती पंजाब की जेजों खड्ड में ऊना के लोगों को नवांशहर ले जा रही इनोवा गाड़ी बह गई। बताया जा रहा है कि चालक को लोगों एवं पुलिस ने उफनती खड्ड में से गाड़ी न ले जाने के लिए कहा था, लेकिन उसने नहीं सुना। परिणामस्वरूप 12 सवारियों को ले जा रही गाड़ी तेज उफान में गाड़ी बह गई। नौ लोगों के शव बरामद कर लिए गए हैं जबकि दो अभी लापता हैं। एक व्यक्ति ने किसी तरह गाड़ी से निकलकर जान बचाई। अगर चालक ने लोगों की बात सुन ली होती तो संभवतः इस बड़ी दुर्घटना को टाला जा सकता था और शादी की खुशियां मातम में न बदलतीं। लोगों को समझना होगा कि यातायात नियम उनकी सुरक्षा के लिए बनाए गए हैं, इन्हें बंधन न समझें। अपनी एवं अपनों की सुरक्षा के लिए ऐसा करनी ही सही है। अगर कहीं खतरा है और लोग या पुलिस आगे बढ़ने से रोकते हैं तो उसकी अनदेखी कतई नहीं करनी चाहिए।

वाहन चलाते समय कभी न पहुंचने से देर भली के नारे की सार्थकता समझनी होगी

तनावपूर्ण होते पक्ष-विपक्ष के संबंध

हृदयनारायण दीक्षित

सत्ता पक्ष और विपक्ष परस्पर शत्रु नहीं होते। सत्तापक्ष के साथ ही विपक्ष का काम भी गहन जिम्मेदारी से जुड़ा है

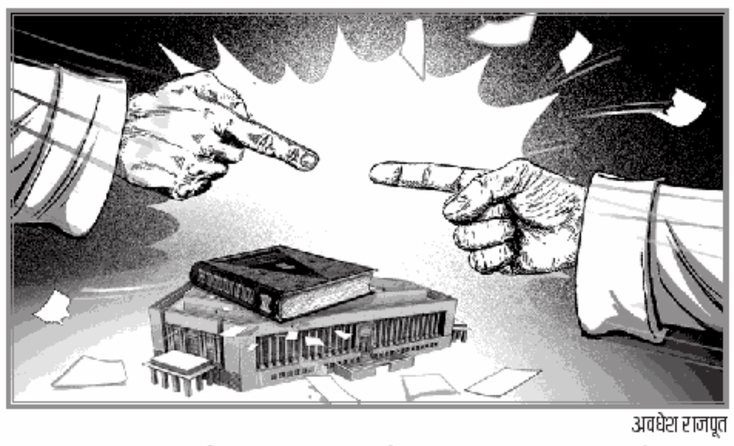

अवधेश राजपूत

संसद का सत्रावसान हो गया है। इस सत्र में राष्ट्रपति का अभिभाषण हुआ। 174 सदस्यों ने धन्यवाद प्रस्ताव में हिस्सा लिया। बजट चर्चा में भी 119 सदस्यों ने हिस्सा लिया। सदन में 11 विधेयक रखे गए। एक पारित हुआ। दो संयुक्त संसदीय समिति को भेजे गए। दोनों सदनों का कार्य संतोषजनक है, लेकिन भिन्न-भिन्न दलों के मध्य असंसदीय टकराव के साथ ही आत्मीयता का अभाव भी दिखा। पीठासीन अधिकारियों को तनाव और अपमान झेलने पड़े। एक वरिष्ठ पदधारक सदस्य के आपत्तिजनक वक्तव्य को लोकसभा कार्यवाही से निकालना पड़ा। राज्यसभा के सभापति के समक्ष विषम परिस्थितियां रही हैं। सत्र का बड़ा भाग शोर और हंगामों में बीता। देश के कोने-कोने में संदेश गया है कि हमारे जनप्रतिनिधियों का व्यवहार उचित नहीं है। वस्तुतः भारत के दल समूहों में परस्पर मैत्री भाव नहीं है। सत्ता पक्ष और विपक्ष परस्पर शत्रु नहीं होते। सत्तापक्ष के साथ ही विपक्ष का काम भी गहन जिम्मेदारी से जुड़ा है। जनादेश को पूरे मन से स्वीकार करना राष्ट्रीय कर्तव्य है। सदस्यों के बीच वैचारिक भिन्नता स्वाभाविक है, लेकिन यहां कटुता दिखाई पड़ती है। कटुता से आत्मीयता घटती है। परस्पर अलगावबाद बढ़ता है। सामूहिकता घटती है। इसका प्रभाव संसदीय कामकाज पर भी पड़ता है। इस तरह विधायी कार्य के साथ बजट आदि विषयों पर वाद-विवाद की गुणवत्ता बढ़ती है।

चूंकि संसदीय कार्य गहरी निष्ठा मांगता है, इसीलिए संविधान निर्माताओं ने संसद को विशेषाधिकारों से शक्तिशाली बनाया है। विशेषाधिकार उसी अनुपात में जिम्मेदारी भी बढ़ाते हैं। ब्रिटिश हाउस आफ कामंस की एक समिति ने विशेषाधिकारों पर टिप्पणी की थी कि 'विशेषाधिकारों के कारण सदस्यगण समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों से मुक्त नहीं हो जाते, बल्कि संसद के सदस्य होने से अन्य नागरिकों की तुलना में उनकी जिम्मेदारियां और बढ़ जाती हैं।' परस्पर कटुता के कारण संसद में व्यवधान होते हैं। व्यवधान संसद की गरिमा घटाता है। संविधान निर्माताओं ने कार्यपालिका को विधायिका के समक्ष जवाबदेह बनाया। उत्कृष्ट संसदीय कार्यवाही से ही सरकार की जवाबदेही सुनिश्चित होती है।

भारतीय संसदीय प्रणाली ब्रिटिश संसदीय परंपरा से प्रेरित है। ब्रिटेन में संसद संप्रभु है। भारत में संविधान संप्रभु और सर्वोपरि है। ब्रिटिश संसद की शक्ति के विषय में डायसी ने लिखा था कि 'वह एक छोटे बच्चे को प्रौढ़ कर सकती है और गैरकानूनी को कानूनी ठहरा सकती है। हालांकि ब्रिटिश संसद में भारतीय संसद जैसे हंगामे नहीं होते। अमेरिकी संसद-कांग्रेस में भी प्रतिनिधि सभा एवं सीनेट नाम के दो सदन हैं। अमेरिकी कांग्रेस के पास राष्ट्रपति के विरुद्ध महाभियोग के अधिकार हैं। स्विट्जरलैंड में दो विधायी सदन हैं। यहां विधायिका द्वारा पारित कानून की समीक्षा न्यायालय नहीं कर सकते। यहां भी भारत जैसी संसदीय अव्यवस्था नहीं है। जापानी संसद डायट राज्य की शक्ति का सर्वोच्च सदन है।

पश्चिमी देशों की विधायिका में भारत जैसे अप्रिय आचरण नहीं होते। इन देशों में संसदीय व्यवस्था का इतिहास बहुत पुराना नहीं है। जबकि भारत वैदिक काल से ही जनतांत्रिक व्यवस्था को पोषित करता आ रहा है। सभा और समितियां वैदिक काल में भी थीं। तब से लेकर महाकाव्यकाल तक संसदीय व्यवस्था के सूत्र मिलते हैं। ब्रिटेन में 1228 में कुलीनों की समिति बनाने की मांग की गई थी। 1295 में एडवर्ड प्रथम ने इसे परामर्शदात्री संस्था की मान्यता दी। एडवर्ड तृतीय (1327) के समय व्यवस्था द्विसदनीय हुई। इंग्लैंड में संसदीय परंपरा का जन्म और विकास धीरे-धीरे हुआ। भारत में लगभग 5,000 साल पहले भी सभा समितियां थीं, लेकिन ब्रिटिश संसदीय परंपरा अल्पकाल में ही प्रख्यात हो गई। स्मरण रहे कि राष्ट्र का मूलाधार संस्कृति है। संस्कृति का मूलाधार सामूहिक रीति-प्रीति है।

संप्रति, संसदीय कार्यवाही की गुणवत्ता घटी है। वाद-विवाद में शालीनता भी घटी है। जनसभा में बोलना अलग बात है और संसद या विधानसभा में बात रखना अलग। संसदीय कार्यवाही का उद्देश्य राष्ट्र का लोकमंगल है। इसलिए शालीन विमर्श के प्रति निष्ठा होनी चाहिए। देश को झकझोरने वाले मुद्दे बहुधा सिर उठाते हैं। संस्कृति का क्षरण, अलगाववाद, चिकित्सा, शिक्षा, कृषि, बेरोजगारी और अर्थनीति सहित सभी मुद्दों पर राष्ट्रीय विमर्श की आवश्यकता है, लेकिन पवित्र सदनों में अव्यवस्था है। सदनों की बैठकों की संख्या लगातार घट रही है। अल्पकालीन सत्रों में विधायकों-सांसदों को अपनी बात कहने का अवसर नहीं मिलता। हंगामों का एक कारण यह भी है। विधायी सदनों की बैठकों की संख्या और समय बढ़ाना होगा। बैठकों एवं सत्रों की संख्या को संविधान का भाग बनाया जाना चाहिए। विपक्ष के प्रस्तावों, निजी विधेयकों और संकल्पों का समय भी बढ़ाना चाहिए। इसके लिए प्रतिपक्षी भागीदारी से युक्त दोनों सदनों की एक संयुक्त समिति बन सकती है। संसदीय प्रणाली में सुधारों की फौरी आवश्यकता है। ऐसे सुधार अविलंबनीय लोक महत्व के हैं।

प्रसिद्ध इतिहासकार ग्रोट ने कहा है, 'सरकार संचालन में वैधानिक नैतिकता का प्रसार जरूरी है। केवल बहुसंख्यक लोगों में ही नहीं, बल्कि सभी नागरिकों में। कोई भी शक्तिशाली हठी और दुसाध्य अल्पमत स्वतंत्र शासन का कार्य संचालन दुरूह या कठिन बना सकता है।' हालांकि कार्यपालिका के संबंध में यहां आलोचना की सुविधा है। दल संघर्ष की कटुता के बावजूद संविधान के प्रति आदर है। संसदीय कार्यवाही में भारत के हर्ष-विषाद, आशा-अभिलाषा की छाप होनी चाहिए। राष्ट्र निर्माण की कार्ययोजना के संकल्प में प्रश्न-प्रतिप्रश्न और उत्तरदायित्वपूर्णता जरूरी है, लेकिन ऐसा प्रायः नहीं होता। संसदीय कार्यवाही का सजीव प्रसारण होता है। अपने जनप्रतिनिधियों को शालीन और भद्र न देखकर आमजन निराश होते हैं। राष्ट्रजीवन में आशा, उत्साह और उमंग जरूरी है। संसदीय संस्थाओं में अनुशासन एवं मर्यादा का परिवेश निर्मित करना हम सबके लिए अनिवार्य है। सत्तापक्ष और विपक्ष पूरे देश को संदेश दें कि वे वैचारिक मतभेद के बावजूद राष्ट्र सर्वोपरिता के महामंत्र से जुड़े हुए हैं।

(लेखक उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष हैं)

response@jagran.com

अब भी जारी है विभाजन की विभीषिका

नीरजा माधव

बांग्लादेश में तख्तापलट के बाद वहां की घटनाएं यही बता रही हैं कि विभाजन के दंश भुलाए नहीं जा सकते

ढाका में खुद को बचाने की गुहार लगाते हिंदू। एएफपी

भारत के त्रासद विभाजन का स्मरण करने के लिए 14 अगस्त को जब विभाजन विभीषिका दिवस मनाने की पहल हुई थी तो कुछ लोगों की ओर से उसका यह कहकर विरोध किया गया था कि बंटवारे के इतने वर्षों बाद इसका कोई औचित्य नहीं और उस त्रासदी को भूलकर आगे बढ़ने का वक्त है, लेकिन बांग्लादेश की घटनाएं यह बता रही हैं कि विभाजन के दंश भुलाए नहीं जा सकते। एक ओर बांग्लादेश के हिंदू दयनीय दशा में हैं और दूसरी ओर पाकिस्तान पोषित आतंकवाद भारत को क्षति पहुंचा रहा है। यह सच है कि हमें अंग्रेजों की गुलामी से मुक्ति 15 अगस्त, 1947 को मिली, परंतु 14 अगस्त, 1947 को भारत विभाजन का दंश एक कभी न भरने वाला घाव दे गया। आज तक उस घाव की टीस हर भारतवासी महसूस कर रहा है। 15 अगस्त भारत के लिए एक सुंदर ऐतिहासिक घटना थी तो 14 अगस्त को भारत विभाजन एक अफसोसनाक दुर्घटना।

विश्व इतिहास में शायद पहली बार ऐसा हुआ था, जब किसी देश का विभाजन हुआ हो और फिर बड़ी संख्या में उसकी प्रजा की अदला-बदली हुई हो। इससे पहले किसी राष्ट्र पर आक्रमण होता था, वहां सत्ता बदलती थी, शासक भी बदलता था। यह सब होता था, परंतु राष्ट्र का विभाजन हुआ हो और फिर प्रजा की अदला-बदली हुई हो, यह पहली बार भारत विभाजन के समय हुआ। इसके लिए भारत ने अपनी भूमि का बंटवारा भी किया और अपने ही लोगों पर अत्याचार होते हुए भी देखा। हमारे तत्कालीन नेताओं ने उदारता का परिचय देते हुए यह छूट दी कि हिंदुस्तान छोड़कर नए-नए बने पाकिस्तान में जो जाना चाहे, वह जाए और जो नहीं जाना चाहता, वह भारत में भी सुरक्षित रह सकता है। इसके विपरीत भारत भूमि का ही एक टुकड़ा लेकर पाकिस्तान नामक इस्लामिक राष्ट्र घोषित करने वाले कट्टरपंथी नेताओं ने उस भूखंड पर बहुत समय पहले से ही रहते चले आए भारतीयों विशेषकर हिंदुओं-सिखों के साथ मार-काट शुरू कर दी।

सांप्रदायिक मानसिकता और हिंदुओं के प्रति नफरत के चलते ही पाकिस्तान में त्रासदपूर्ण हालात पैदा हो गए। वहां हर वह काम किया गया, जिससे मानवता शर्मसार होती हो। हिंसा का ऐसा नंगा नाच किया गया कि उसकी कल्पना भर करने से सिहरन पैदा होती है। पाकिस्तान में हिंदुओं-सिखों के कत्लेआम के समाचार जब भारत आए तो प्रतिक्रियास्वरूप यहां भी हिंसक घटनाएं हुईं। पाकिस्तान में रह रहे हिंदुओं और सिखों को मारा गया, उनकी स्त्रियों-बच्चियों के साथ दर्दनाक पापाचार हुए। पुरुषों, स्त्रियों और मासूम बच्चों की हत्या करके उनके शव ट्रेनों में भरकर भारत की ओर रवाना कर दिए गए। इस हिंसक कार्रवाई में जो बचे, उनमें से अनेक भागकर कश्मीर की घाटियों में शरण लिए हुए थे, लेकिन उन्हें भी कबाइली वेश में निशाना बनाते हुए आतंकित किया गया। ऐसे अत्याचारों की एक अंतहीन सूची थी।

इस प्रकार भारत विभाजन के दौरान लाखों भारतीयों का कत्लेआम हुआ। लड़कियों और स्त्रियों की मर्यादा का हनन हुआ। दस्तावेज बताते हैं कि अकेले राजौरी में ही शरण लिए हजारों हिंदुओं को मौत के घाट उतार दिया गया। न तो उनकी ठीक से पहचान हो पाई और न ही उन्हें चिता मिल पाई। उनकी अस्थियों को ट्रकों में भर-भर कर नदियों में विसर्जित कर दिया गया। इस मारकाट में जो बचे रहे, वे शरणार्थी बन भारत भर में अपने रिश्तेदारों या परिचितों के यहां आश्रय लेने को विवश हुए, परंतु उनकी जिजीविषा नहीं हारी। उन्होंने हालात का डटकर सामना किया। भारत में आकर उन्होंने अपने को फिर से शिखर तक पहुंचाने का पूरा प्रयास किया। इसमें वे सफल भी रहे। आज वे लोग समाज, कला, शिक्षा, राजनीति, आर्थिकी, ज्ञान-विज्ञान और कृषि आदि लगभग सभी क्षेत्रों में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं। भारत के विकास में महती योगदान दे रहे हैं, परंतु अपनी मातृभूमि छोड़ने का दंश आज तक उनके परिवारों में देखने को मिलता है। जब-तब छलक आई आंखों में अपने स्वजनों के मारे जाने की पीड़ा झलकती है।

विभाजन के समय जो हिंदू पाकिस्तान में रहने को अभिशप्त हुए, वहां शोषण और दमन के कारण आज उनकी संख्या लुप्त होने के कगार पर है। पाकिस्तान से अलग हुए बांग्लादेश में भी हिंदुओं की यही स्थिति है। दुख की बात है कि इन दोनों ही इस्लामिक देशों में हिंदुओं की इस घटती संख्या पर वैसी चिंता नहीं की जा रही, जैसी की जानी चाहिए। पाकिस्तान और बांग्लादेश में हिंदुओं की संख्या तेजी से घट रही है। भारत में मुसलमानों की बढ़ती संख्या यह बताती है कि वे यहां पाकिस्तान या बांग्लादेश से अधिक सुरक्षित हैं। आज यह कहने में कोई अतिशयोक्ति नहीं कि भारत के विभाजन ने मानवता की ही नहीं, बल्कि भारत के विचारों की भी हत्या की थी। किसी दुर्घटना का मानवीय चेतना की अंतिम गहराई पर चले जाना मानव मन की गंभीर विकृति का प्रतीक है। यह भारत का महत्वपूर्ण पक्ष है कि हम उस घटना को भूले नहीं हैं। सच में नहीं भूलेंगे, तभी हम सांप्रदायिक मानसिकता, उन्माद और आतंकवाद को समझ सकेंगे और जब समझेंगे, तभी उनका समाधान भी ढूंढ़ सकेंगे। 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के रूप में मनाने, जानने और सुनने के पीछे एक उद्देश्य यह भी है कि आगे आने वाली पीढ़ियां समझें कि किस तरह आदमी से आदमी के रिश्ते को सांप्रदायिक उन्माद तब से लेकर आज तक रौंदता आ रहा है। जब नई पीढ़ियां उन्माद और उससे उपजे आतंकवाद को समझेंगी, तभी उनके उन्मूलन का स्थायी मार्ग मिलेगा, तभी विभाजन का सच और विभाजन की व्यर्थता का पता चलेगा और तभी आक्रांताओं के साथ संबंध का ऐतिहासिक झूठ पता चलेगा।

(लेखिका साहित्यकार हैं)

response@jagran.com

ऊर्जा

समय

अक्सर लोग शिकायत करते हैं कि मेरे पास समय नहीं है, अन्यथा मैं बहुत कुछ कर सकता हूं। सुंदर कविताएं और कहानियां लिख सकता हूं, अच्छे-अच्छे चित्रों और मूर्तियों का निर्माण कर सकता हूं, समाज एवं राष्ट्र का मार्गदर्शन करने वाले सत्साहित्य का सृजन कर सकता हूं, जिसे पढ़कर लोगों में फैला अंधविश्वास, भ्रष्टाचार, निराशा एवं अकर्मण्यता स्वयं ही दूर होने लगें।

ऐसे संकल्पों का दावा करने वाले व्यक्तियों से प्रश्न किया जा सकता है कि अपने कार्य संपन्न करने वाले दूसरे व्यक्तियों को भी दिन में चौबीस घंटे ही मिलते हैं। ठीक उतना ही समय आपके पास भी होता है, फिर भी आप समय के अभाव की बात करते हैं। काम शुरू करने से पहले सोच-विचार अच्छी बात है, पर सोचते ही रह जाना सही नहीं है। क्या, कहां, कौन, कब और कैसे, इन सवालों में ही उलझकर कदम ही न बढ़ाना कहीं नहीं ले जाता। यह जानने की कोशिश बेकार है कि कौन-सी राह कहां ले जाएगी। बस पहले कदम के बारे में सोचें। बाकी अपने आप हो जाएगा।

भौतिक साधनों का अपना महत्व है, किंतु साबुन तथा पानी की व्यवस्था होने पर क्या मैले कपड़े बिना परिश्रम के धोए जा सकते हैं? अगर आपको समझ नहीं आता कि करें तो क्या करें। अगर आप उदास, कमजोर, निराश, संदेह या संकोच से घिरा महसूस कर रहे हैं तो खुद के पास लौटें। देखें कि वर्तमान में आप कहां हैं, क्या हैं और क्यों हैं? फिर आप खुद को बिल्कुल कमल के फूल की तरह पा जाएंगे, जो कीचड़ में भी पूरी खूबसूरती के साथ खिल उठता है। वैसे भी सब इस लायक होते ही नहीं कि अपने मन की कर ही लें। बाहर का खोल जितना भी मजबूत हो, भीतर को साधे बिना बात नहीं बनती। भीतर की गांठें देर-सबेर उलझा ही देती हैं। इसके लिए हमें अपने भीतर काम करना होता है। भीतर आत्म-ज्ञान होना बेहतर है। यही हमारा संकल्प है।

ललित गर्ग

हमेशा युवा दिखने की चाह

देवेंद्रराज सुथार

बुढ़ापे की निशानी चेहरे पर झुर्रियों को हटाने का दावा करने वाली एंटी एजिंग क्रीम की भारत में बिक्री में इन दिनों आश्चर्यजनक वृद्धि देखी गई है। पिछले दो वर्षों में इसकी बिक्री 27 प्रतिशत से बढ़कर 35 प्रतिशत तक पहुंच गई है। एंटी एजिंग क्रीम की बिक्री में हुई वृद्धि इस प्रवृत्ति का संकेत है कि हमेशा युवा दिखने की चाह आधुनिक समाज का एक प्रमुख लक्षण बन गया है।

हालांकि युवा दिखने की यह चाहत नई नहीं है। इतिहास गवाह है कि मनुष्य ने हमेशा से ही अमरत्व की खोज करनी चाही है। इस प्रवृत्ति के मूल में मानव मन की जटिलताएं छिपी हैं। युवा रहने की इच्छा मनुष्य की एक स्वाभाविक प्रवृत्ति है, परंतु आधुनिक समाज में यह इच्छा एक ऐसी मानसिकता में परिवर्तित हो गई है, जो युवा दिखने को सफलता, आकर्षण और खुशी का पर्याय मानती है। यह मानसिकता विभिन्न सामाजिक और सांस्कृतिक कारकों से प्रभावित होती है। विज्ञापन उद्योग इस मानसिकता को लगातार पुष्ट करता है। वह लोगों को अपनी उम्र छिपाने और युवा दिखने के लिए प्रेरित करता है। यह विशेष रूप से उन क्षेत्रों में प्रचलित है जहां दिखावा महत्वपूर्ण माना जाता है। समाज में बुढ़ापे को अक्सर कमजोरी और अक्षमता से जोड़ा जाता है। इस धारणा के कारण लोग बुढ़ापे के लक्षणों को छिपाने की कोशिश करते हैं, जिससे एंटी एजिंग उत्पादों की मांग बढ़ती है। बाजार ने इस मनोवैज्ञानिक प्रवृत्ति को एक बड़े व्यावसायिक अवसर में बदल दिया है। सौंदर्य उद्योग ने इस मनोवैज्ञानिक असुरक्षा को भुनाया है। ये उत्पाद युवा रहने का सपना बेचते हैं।

हम अपने हर रूप, उम्र को प्रेम के साथ अपनाएं, क्योंकि जीवन की सच्ची खूबसूरती इसकी विविधता में ही छिपी है

सच्चा सौंदर्य केवल बाहरी नहीं, बल्कि आंतरिक भी होता है। जो व्यक्ति अपने अनुभवों से सीखता है, जो दूसरों के प्रति करुणा और प्रेम रखता है, जो जीवन के हर पल का आनंद लेता है-वह व्यक्ति सच्चे अर्थों में सुंदर होता है। हमें यह समझना होगा कि जीवन एक यात्रा है। हर उम्र अपने साथ नए अनुभव, नई समझ लाती है। बचपन की मासूमियत, युवावस्था का जोश और बुढ़ापे की परिपक्वता-ये सभी जीवन के पड़ाव हैं। इन्हें स्वीकार करना और इनका आनंद लेना ही सच्ची जीवन कला है। यह सही है कि समाज में युवा दिखने का दबाव बहुत अधिक है। विज्ञापनों में जो सौंदर्य परोसा जाता है, वह केवल एक भ्रम ही है। असली जीवन इससे कहीं अधिक विविध और सुंदर है। यह हमारा चुनाव है कि हम अपने जीवन को कैसे जीना चाहते हैं। क्या हम समय की धारा के साथ बहना चाहते हैं या उसे रोकने की व्यर्थ चेष्टा में अपनी ऊर्जा खर्च करना चाहते हैं? हम अपने हर रूप, उम्र को प्रेम के साथ अपनाएं, क्योंकि जीवन की सच्ची खूबसूरती इसकी विविधता में ही छिपी है।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)

मेलबाक्स

फसल चक्र अपनाएं किसान

'भारतीय कृषि का अमृतकाल' शीर्षक से लिखे आलेख के तहत शिवराज सिंह चौहान ने लिखा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा विभिन्न फसलों की सौ से अधिक उन्नत किस्म के बीजों को जारी किया जाना कृषि क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। ये बीज जलवायु परिवर्तन के दौर में किसानों को अधिक उपज और जैविक कृषि को बढ़ावा देने वाले हैं। कृषि विशेषज्ञों ने धान के ऐसे बीज विकसित किए हैं, जो लगभग 30 प्रतिशत कम पानी में तैयार होंगे। पंजाब सहित देश के विभिन्न हिस्सों में भूजल स्तर गिरने का एक कारण धान की परंपरागत खेती को भी बताया जाता है। हमारा देश कृषि प्रधान है। यहां की धरती बहुत उपजाऊ है, लेकिन मौसम चक्र के बिगड़ने और कुदरत के कहर के कारण फसल बर्बाद होने के कारण किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ता है। ऐसे में अगर फसल चक्र के प्रति किसानों को जागरूक करने के लिए सरकार विशेष अभियान चलाए तो कुछ हद तक किसान कुदरत के कहर से होने वाले नुकसान से बच सकेंगे। फसल चक्र के प्रति किसानों में जागरूकता लाने के लिए हर गांव में कैंप लगाने चाहिए। प्रधानों और सरपंचों को इस मुहिम में शामिल किया जाना चाहिए, ताकि वे अपने आसपास के किसानों को फसल चक्र के महत्व के बारे में समझा सकें। शिक्षा के पाठ्यक्रम में भी इस विषय को शामिल किया जाना चाहिए। फसल चक्र अपनाने से किसान अपनी फसल की पैदावार को बढ़ा सकते हैं, क्योंकि इससे धरती की उपजाऊ ताकत बनी रहती है। इससे फसल रोग और कीटों से सुरक्षित रहती है। सरकार को चाहिए कि वह कृषि विशेषज्ञों के साथ मिलकर ऐसी तकनीक विकसित करे कि देश के हर राज्य में मौसम की बेरुखी से होने वाले फसलों के नुकसान से किसानों को बचाया जा सके।

raju09023693142@gmail.com

सही कदम

भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ कहे जाने वाले कृषि को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जो 109 उच्च उपज वाली फसलों की किस्में जारी की है, उसमें तिलहन, दलहन, गन्ना, कपास, फाइबर समेत विभिन्न अनाजों के उन्नत बीज हैं। बागवानी में आम, अनार, अमरूद, बेल जैसे फलों के साथ सब्जियों में टमाटर, लौकी आदि के साथ कंद, मसालों, फूलों एवं औषधीय पौधों की विभिन्न किस्में जारी की गईं। ये सभी जलवायु अनुकूल एवं जैव-सुदृढ़ किस्में हैं। इन किस्मों को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ने विकसित किया है। इस पहल का उद्देश्य कृषि उत्पादकता और किसानों की आय को बढ़ाना है। पीएम मोदी वर्ष 2014 से ही किसानों की आय बढ़ाने के लिए टिकाऊ खेती के तरीकों और जलवायु अनुकूल तरीकों की वकालत करते रहे हैं। उन्होंने लगातार 'जैव-सुदृढ़' किस्मों को बढ़ावा देने पर जोर दिया है। ये नई किस्में किसानों के लिए बहुत लाभदायक होंगी, क्योंकि वे उनके खर्च को कम करेंगी और पर्यावरण पर भी सकारात्मक प्रभाव डालेंगी।

युगल किशोर राही, ग्रेटर नोएडा

पेरिस ओलिंपिक में निराशा

हमें अपने एथलीटों से आशा थी कि पेरिस ओलिंपिक में कम से कम दोहरे अंकों में पदक जरूर जीतेंगे, क्योंकि जिस तरह के खिलाड़ी पेरिस गए थे उनके पिछले कुछ समय के प्रदर्शन से ऐसी आशा बन गयी थी, लेकिन केवल छह पदक ही हम जीत पाए। क्या 140 करोड़ की जनता के बीच सिर्फ छह पदक न्याय करते हैं? हाकी के लगातार दो पदक इस बात की और इशारा करते हैं कि भारतीय हाकी का स्वर्णिम पन्ना दोबारा खुला गया है। हम ओलिंपिक का आयोजन करने का सपना देख रहे हैं। आज खेलों और खिलाड़ियों को बढ़ावा देने के लिए सरकार की ओर से वित्तीय मदद की कोई कमी नहीं है। जैसा कि प्रकाश पादुकोण ने कहा कि खिलाड़ियों को भी जिम्मेदारी लेनी पड़ेगी अपने निराशाजनक प्रदर्शन के लिए। और हमें भी क्रिकेट से कुछ ध्यान अन्य खेलों पर ईमानदारी से लगाना पड़ेगा और बच्चों को अन्य खेल के लिए प्रेरित करना पड़ेगा। वरना अधिक पदकों की आशा बेमानी रहेगी। बाल गोविंद, नोएडा

इस स्तंभ में किसी भी विषय पर राय व्यक्त करने अथवा दैनिक जागरण के राष्ट्रीय संस्करण पर प्रतिक्रिया व्यक्त करने के लिए पाठकगण सादर आमंत्रित हैं। आप हमें पत्र भेजने के साथ ई-मेल भी कर सकते हैं।

अपने पत्र इस पते पर भेजें:

दैनिक जागरण, राष्ट्रीय संस्करण,
डी-210-211, सेक्टर-63, नोएडा
ई-मेल: mailbox@jagran.com

संस्थापक-स्व. पूर्णचन्द्र गुप्त. पूर्व प्रधान संपादक-स्व.नरेन्द्र मोहन. नॉन एग्जीक्यूटिव चेयरमैन-महेन्द्र मोहन गुप्त. प्रधान संपादक-संजय गुप्त, जागरण प्रकाशन लि. के लिए; नीतेन्द्र श्रीवास्तव द्वारा 501, आई.एन.एस. बिल्डिंग,रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित और उन्हीं के द्वारा डी-210, 211, सेक्टर-63 नोएडा से मुद्रित, संपादक (राष्ट्रीय संस्करण) -विष्णु प्रकाश त्रिपाठी*
दूरभाष : नई दिल्ली कार्यालय : 011-43166300, नोएडा कार्यालय : 0120-4615800, E-mail: delhi@nda.jagran.com, R.N.I. No. DELHIN/2017/74721 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगे। हवाई/रेल शुल्क ₹-2 अतिरिक्त।

****

4100 कि.मी. लंबी है भारत-बांग्लादेश के बीच अंतरराष्ट्रीय सीमा, जिसमें सबसे अधिक हिस्सा बंगाल से जुड़ा हुआ है, जिसकी लंबाई लगभग 2200 किमी है। इसके बाद 850 किमी सीमा त्रिपुरा से जुड़ी है।

आजकल

कठिन नहीं देश में जनसंख्या नियंत्रण

भारत विश्व में सर्वाधिक जनसंख्या वाला देश बन चुका है। हालांकि पिछले कुछ वर्षों से जनसंख्या वृद्धि दर में कमी आई है, फिर भी हमारी विशाल आबादी को नियंत्रित करना बड़ी चुनौती है। ऐसे में केंद्र सरकार ने तय किया है कि जनसंख्या नियंत्रण के लिए कड़े कानून बनाने के बजाय कुछ विशेष जिलों पर फोकस कर मिशन मोड में अभियान चलाया जाए। यह जनसंख्या नियंत्रण नीति कई दृष्टिकोण से बहुत तार्किक है। वैसे इसके दूरगामी परिणामों पर भी निगाह रखनी होगी

संजय श्रीवास्तव
वरिष्ठ पत्रकार

अधिक जनसंख्या वृद्धि दर वाले जिलों में इसके नियंत्रण के प्रभावी उपाय अपने उद्देश्य में सफल होते प्रतीत हो रहे हैं। फाइल

सरकार के एजेंडे में जनसंख्या नियंत्रण का महत्वपूर्ण स्थान है। यह आम मान्यता है कि जनसंख्या वृद्धि देश के विकास का दुश्मन है, सो जनसंख्या नियंत्रण के सरकारी उपायों को हर वर्ग का समर्थन है। केंद्र सरकार ने आठ साल पहले 146 जिलों में जनसंख्या नियंत्रण अभियान चलाया था। सरकार अब इस प्रोजेक्ट को 340 अन्य जिलों में भी लागू करने जा रही है। हालांकि सरकार ने पहले कुछ कठोर कानूनों का मन बनाया था, जिसकी झलक उत्तर प्रदेश के जनसंख्या नियंत्रण कानून प्रस्ताव में दिखी थी, परंतु अलोकप्रिय होने की आशंका के मद्देनजर उसने कानून का सहारा लेने के बजाय प्रभावी परिवार नियोजन का रास्ता निकाला है। अब सरकार एक रोडमैप बनाकर अधिक प्रजनन दर वाले जिलों में एक आक्रामक अभियान चलाएगी, क्योंकि देश के कुछ ही राज्य और उनके भी कुछ खास जिले ही हैं, जहां प्रजनन दर देश की औसत से ज्यादा है। यदि यहां प्रजनन दर को काबू किया जाए तो समूचे राज्य का आंकड़ा सुधर जाएगा।

जनसंख्या नियंत्रण पर सरकार की इस योजना का इरादा साइंटिफिक और तार्किक है। यदि जनसंख्या नियंत्रण की सामान्य सरकारी नीति को समूचे देश पर लागू करने का प्रयास किया जाए तो इसके प्रति विभिन्न राज्यों की सक्रियता भिन्न होगी। इस मामले में उनकी आवश्यकता और स्तर भी अलग होगा, फिर कानून बनाने के बाद उसे लागू कराना और भी पेचीदा काम है। ऐसे में सरकार द्वारा सीधे लक्ष्य पहचान कर उस पर निशान लगाना अधिक श्रेयस्कर है। इससे अपेक्षित परिणाम शीघ्र मिल सकते हैं। आज देश के 29 राज्यों में प्रजनन दर दो या दो से कम है। अर्थात एक स्त्री के दो बच्चे। लड़का लड़की के उचित अनुपात के लिए भी इतना तो जरूरी है। यह प्रजनन दर के स्थिरीकरण की स्थिति है। वैसे प्रजनन दर का इससे बहुत नीचे जाना भी ठीक नहीं।

इस मामले में बिहार चिंता का विषय है, जहां प्रजनन दर तीन के आसपास है। उत्तर प्रदेश की प्रजनन दर 2.4 भले ही मेघालय जैसे छोटे राज्य की 2.9 से कम होने पर भी यह उससे ज्यादा चिंतनीय इसलिए है, क्योंकि मेघालय उसके मुकाबले बहुत छोटा राज्य है। 20 करोड़ से ज्यादा आबादी वाले उत्तर प्रदेश में 27 जिले ऐसे हैं जिनकी प्रजनन दर राष्ट्रीय औसत से अधिक है। इनमें से सात जिलों में तीन से अधिक और सात जिलों में 2.5 से अधिक प्रजनन दर है, जबकि शेष 13 जिले दो या दो से अधिक प्रजनन दर वाले। अब सरकार यदि श्रावस्ती, बहराइच, बलरामपुर जैसे 3.5 से अधिक की प्रजनन दर वाले जिलों में परिवार नियोजन के सघन अभियान चलाकर 2.5 से नीचे ले आए तो यह पूरे प्रदेश के आंकड़े को सुधार देगा, क्योंकि जो जिले 2.5 से ऊपर हैं, वे इस प्रक्रिया में 2.2 के आसपास अवश्य पहुंच जाएंगे। ऐसे में जनसंख्या नियंत्रण के लिए चयनित क्षेत्रों का प्रयास स्वागत योग्य है।

यदि पूरे प्रदेश पर जनसंख्या नियंत्रण अभियान थोपा जाए तो जिन जिलों की प्रजनन दर दो या उससे नीचे है, उसके और नीचे चले जाने की आशंका रहेगी और यह प्रदेश के भविष्य के लिए खतरनाक होगा। उत्तर प्रदेश में वर्ष 1991 से 2011 के बीच जनसंख्या वृद्धि में पांच प्रतिशत की कमी हुई है। यह भी स्मरण योग्य है कि उत्तर प्रदेश की आबादी में 10 से 19 वर्ष के किशोर-किशोरियों और 15 से 24 साल के युवाओं का प्रतिशत सर्वाधिक है और यह प्रदेश के लिए अच्छी बात है, इस स्थिति को बनाए रखना होगा। दूसरी तरफ प्रदेश में 15 से 19 साल की चार प्रतिशत लड़कियां मां बन जाती हैं और 30 प्रतिशत लड़कों की शादी 21 बरस के पहले हो जाती है। जनसंख्या नियंत्रण के जिला केंद्रित अभियान में इन आंकड़ों पर भी नजर रखनी होगी। बेशक सरकार इन्हीं कारकों को दूर करने जा रही है जिनमें परिवार नियोजन के लिए लोगों को मजबूर नहीं, बल्कि राजी किया जाएगा। जनसंख्या नियंत्रण के प्रयास जरूरी हैं, खास तौर पर कुछ राज्यों में, पर जब कुछ को छोड़कर देश के तमाम राज्यों की प्रजनन दर घटाव पर हो, लोग लंबी उम्र तक जीते हुए कम बच्चे पैदा कर रहे हों, जिससे बीते दो दशकों से जनसंख्या वृद्धि दर का ग्राफ लगातर नीचे जा रहा हो, उसकी रफ्तार घट गई हो, प्रजनन दर गिरती जा रही हो, ऐसी आशंका व्यक्त की जा रही हो कि चार दशक बाद देश की जनसंख्या बुरी तरह घट जाएगी जिसमें 60 बरस से ऊपर के अनुत्पादक बुजुर्गों और अश्रित महिलाओं की संख्या लगभग 35 करोड़ होगी जिनकी सामाजिक सुरक्षा पर व्यय एक बड़ी सरकारी समस्या बन सकती है।

पापुलेशन फाउंडेशन आफ इंडिया के अनुसार, राज्य में जनसंख्या विस्फोट की स्थिति तब आती है, जब लगातार तेजी से जनसंख्या बढ़ रही हो और प्रजनन दर भी चार से ऊपर हो। दो दशक पहले यूपी में प्रजनन दर चार के करीब थी, यह घटती हुई 2.4 पहुंच चुकी है जिसके अगले साल 2.1 पर पहुंचने की उम्मीद लगाई जा रही है। इसी तरह के उम्मीद दर्जन भर दूसरे राज्यों के बारे में भी है। सो यूपी या ऐसे बहुत से राज्यों में जनसंख्या विस्फोट की स्थिति नहीं है। यह प्रजनन दर उस रिप्लेसमेंट अनुपात के करीब है, जो वंश चलाए रखने के लिये जरूरी है। नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे के आंकड़ों के अनुसार, सभी धार्मिक समूहों में प्रजनन दर कम हो रही है। हिंदुओं में यह दर 1.9 है। यह ठीक है कि मृत्यु दर में कमी आई है, पर जन्म दर में भी गिरावट दर्ज की गई है। यह गिरती जनसंख्या का बड़ा कारक है। सरकार की जनसंख्या नियंत्रण नीति उचित है, पर उसे दूरगामी परिणामों को भी ध्यान में रखना होगा। ऐसा न हो कि चार दशक बाद आबादी बढ़ाने के लिए अभियान चलाना पड़े और तब तक बहुत देर हो चुकी होगी। (ईआरसी)

बांग्लादेशी घुसपैठियों से देश की सुरक्षा को खतरा

मुनीष त्रिपाठी
सामाजिक चिंतक

बीते सप्ताह बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार का तख्तापलट होने के बाद से भारत-बांग्लादेश सीमा अत्यंत संवेदनशील हो गई है। बांग्लादेश में कायम अराजकता का लाभ उठाकर वहां मौजूद म्यांमार के लाखों रोहिंग्या शरणार्थी भारत में प्रवेश कर सकते हैं। इस सीमा पर बड़ी संख्या में घुसपैठिये भारत में प्रवेश की ताक में हैं। वैसे इस समय झारखंड में बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों का मुद्दा चर्चा में है। हाल ही में झारखंड हाई कोर्ट ने भी बांग्लादेशी घुसपैठियों पर गंभीर चिंता जताई है। हाई कोर्ट ने इस मामले पर सख्त टिप्पणी करते हुए राज्य और केंद्र सरकार को इस संबंध में कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। न्यायालय ने यह भी पूछा है कि सरकार ने अब तक कितने घुसपैठियों की पहचान की है और उन्हें वापस भेजा है।

हालांकि भारतीय सुरक्षा एजेंसियों ने अवैध बांग्लादेशी और रोहिंग्याओं को पकड़ने के लिए अभियान चला रखा है, जिस कारण उत्तर प्रदेश में कई रोहिंग्या पकड़े भी गए हैं। यूपी पुलिस के मुताबिक इस समय प्रदेश के अनेक इलाकों में रोहिंग्या अवैध रूप से रह रहे हैं, लेकिन इनकी पहचान कर पाना इस कारण से मुश्किल होता है, क्योंकि इनके पास फर्जी आधार कार्ड, वोटर कार्ड और राशन कार्ड आदि हैं। चौंकाने वाली बात यह है कि इन घुसपैठियों और रोहिंग्याओं को भारत में बसाने के लिए कई गैंग संगठित रूप से काम कर रहे हैं। ये गैंग लंबे समय से कमीशन लेकर बंगाल और म्यांमार से रोहिंग्याओं को भारत लाकर बसा रहे हैं। ये गैंग बहुत ही संगठित तरीके से काम करते हैं। तीन चरणों में ये लोग रोहिंग्याओं को भारत के निवासी होने का दर्जा प्रदान करवाने का प्रयास करते हैं।

भारत-बांग्लादेश सीमा के तहत मेघालय में लगभग 20 प्रतिशत हिस्से में सही से बाड़बंदी नहीं हो सकी है। मेघालय की एक गैर सरकारी संस्था जो अवैध घुसपैठ के खिलाफ सक्रिय है, उसने वहां की सरकार से शिकायत की थी कि 10 से 20 हजार रुपये लेकर दलाल घुसपैठियों को भारत में प्रवेश कराते हैं। इस संगठन का दावा है कि पहला गैंग बांग्लादेश व म्यांमार की सीमा से सटे भारत-बांग्लादेश सीमा के जरिये रोहिंग्याओं का प्रवेश कराते हैं। यही गैंग सीमा पर रोहिंग्याओं और बांग्लादेशी नागरिकों को भारत में रह रहे दूसरे गैंग के एजेंटों को सुपुर्द कर देते हैं। फिर इन्हें भारत के विभिन्न प्रदेशों में पहुंचाया जाता है। दूसरा गैंग इन लोगों को स्थानीय स्तर पर तीसरे गैंग को तभी सुपुर्द करता है, जब उसे आवश्यक फर्जी दस्तावेज जैसे राशनकार्ड आदि के बनने की गारंटी मिलती है।

इस पूरे घटनाक्रम की खास बात यह है कि ज्यादातर ऐसे अवैध घुसपैठ की भनक भारत की सुरक्षा एजेंसियों को नहीं लग पाती है। यह अवैध आव्रजन बहुत ही सुनियोजित तरीके से होता है। अवैध आव्रजन कराने वाले एजेंटों को दोनों तरफ से मोटा धन मिलता है। साथ ही, भारत की प्रतिबंधित जेहादी संस्थाओं के स्लीपर सेल इन एजेंटों को आव्रजन कराने के बदले खूब धन उपलब्ध कराते हैं। चूंकि इन संस्थाओं की मंशा भारतवर्ष का इस्लामीकरण करना है, इसलिए इस्लामिक जेहादी वाले लोग ज्यादा से ज्यादा भारत में बसें, यह इन संस्थाओं से संबंधित लोगों का प्रयास रहता है। चूंकि भारत में बसने वाले इन अवैध नागरिकों के पास रोजगार का कोई सुनिश्चित साधन नहीं होता है, लिहाजा ये बड़े अपराधों को अंजाम देने में जुट जाते हैं। इसके अलावा, ये इस्लामिक जेहादी और आतंकी गतिविधियों का टूल भी शीघ्रता से बन जाते हैं। म्यांमार, बांग्लादेश और भारत में रोहिंग्याओं के आतंकवाद, अपराध और हिंसा में संलिप्तता के काफी प्रमाण मिलते रहे हैं। इसलिए भारत को बांग्लादेश और म्यांमार सरकार से समन्वय बनाकर सजगता से कार्रवाई करनी चाहिए।

खरी-खरी

लालदेव की राष्ट्र सेवा

पूरन सरमा

भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में मैंने और लालदेव जी ने साथ कार्य किया था। हमारे क्रांतिकारी भाषणों की उन दिनों बड़ी धूम थी। हमारे मन में निस्वार्थ रूप से देश के लिए बहुत कुछ करने की भावनाएं थीं और हमने बहुत कुछ किया भी, परंतु देश आजाद होने के बाद हमारे पास कोई काम नहीं रहा। लालदेव जी राजनीति में आ गए और सांसद बन गए। मैं गांव का सरपंच बन गया।

आजादी की 40वीं वर्षगांठ पर एक जलसे में लालदेव जी मिले तो मैंने उन्हें पहचानने की कोशिश की। मैंने उन्हें नमस्कार किया तो बोले, 'अरे, भाई साहब क्या हाल हैं?'

मैंने कहा, 'लालदेव जी, आप अच्छे रहे कि आजादी से पहले भी देश सेवा कर रहे थे और वही व्रत आज तक निबाह रहे हो। पर इस बीच देश के हालात बदल गए हैं।'

उन्होंने बीच में टोका, 'गोली मारो हालात को, अपनी चिंता करो।'

मैंने कहा, 'हां, सब ठीक है। बच्चे भी अपनी अपनी जगह पर सेट हैं।'

लालदेव अपना हाल सुनाने लगे, 'जनसेवा का लाभ मिल रहा है। चार फैक्टियां कानपुर में चल रही हैं, तीन जमशेदपुर में।'

मैंने कहा, 'लालदेव, गांव में बड़ी बुरी दशा है गरीबों की। गांव के पढ़े-लिखे नौजवानों को काम-धंधा नहीं मिलता है। बेरोजगारों को काम मिले, इसके लिए कुछ करो। तुम तो स्वतंत्रता सेनानी रहे हो, गरीबी क्या होती है, इसे तुमने अच्छी तरह जीया है। कुछ कर सकते हो तो करो।'

लालदेव ने बत्तीसी निकाल दी और कहा, 'भाई साहब, आप अभी तक 1947 से पहले के ही बने हुए हो। इतने क्षुब्ध मत रहो, गरीबी-अत्याचार-अन्याय इस देश की नियति है। जनता को लेकर दुखी होना तो आजकल बेवकूफी है। इनके हल के लिए सोचने लगूं तो तुम्हारी तरह पागल हो जाऊंगा।'

'तुम तो बिल्कुल बदल गए हो लालदेव। आजादी से पहले जिस बलिदान, त्याग व आदर्शों की बातें किया करते थे, वह तो हवा हो गई। खैर खूब फलो-फूलो, तुम्हें यह पूरा देश चारागाह लगता है तो मैं और क्या कहूं?' मैंने कहा।

लालदेव जी ने हाथ जोड़े और चमचमाती कार में जा घुसे। मैं लालदेव स्वतंत्रता सेनानी की राष्ट्र सेवा पर नतमस्तक हो गया।

पोस्ट

जो लोग भारत में बांग्लादेश ढूंढ़ते हैं, ओलिंपिक में विनेश फोगाट के 100 ग्राम ज्यादा वजन से अयोग्य घोषित होने पर साजिश की बेतुकी अफवाहें फैलाते हैं, शेयर बाजार के लुढ़कने पर ताली ठोकते हैं, उनको यह चेक करना चाहिए कि उनके भीतर कितनी घृणा भरी हुई है।

अंजना ओम कश्यप@anjanaomkashyap

भारी गिरावट की आशंका के बीच सोमवार को अधिकांश समय सेंसेक्स असल में चढ़ा नहीं, बल्कि चिढ़ा रहा था। मामूली गिरावट के साथ बंद हुए बाजार का संदेश यही था कि समझदार निवेशकों ने हिंडनबर्ग को सही आईना दिखाया।

रुबिका लियाकत@RubikaLiyaquat

शेयर बाजार के लिहाज से यह जरूरी है कि विदेशी निवेशक इसे लेकर आश्वस्त हों कि भारतीय बाजार सही ढंग से संचालित किए जा रहे हैं। यह अपने आप में एक महत्वपूर्ण तथ्य है। उनके लिए इंटरनेट मीडिया पर ऊटपटांग बातों से ज्यादा भारत की वृद्धि और आर्थिक संभावनाएं कहीं अधिक मायने रखती हैं।

चेतन भगत@chetan_bhagat

बांग्लादेश सीमा पर तेज होता शरण का शोर

जयकृष्ण वाजपेयी
राज्य ब्यूरो प्रमुख, बंगाल

बंगाल डायरी

बांग्लादेश में आरक्षण के मुद्दे पर छात्र आंदोलन से शुरू हुई हिंसा तख्तापलट के बाद भी जारी है। इस हिंसा की आग की तपिश बंगाल तक तेजी से पहुंची है। सीमा पार जिस तरह से विशेष रूप से अल्पसंख्यक हिंदुओं को निशाना बनाया जा रहा है, उससे वे बांग्लादेश छोड़कर भारत आने को हर दिन सीमा का रुख कर रहे हैं। वे सभी भारत में शरण लेना चाहते हैं। बांग्लादेश से सटी बंगाल की लंबी सीमा पर हर जगह की तस्वीर एक जैसी है। तख्तापलट के बाद शेख हसीना के देश छोड़ते ही हिंदुओं पर हमले होने लगे, जिसके प्रति भारत समेत कई देशों ने चिंता जताई है। इस बीच कट्टरपंथियों के हमले से आतंकित कई जिलों के हजारों अल्पसंख्यक बांग्लादेश छोड़ने की तैयारी में हैं। इसे लेकर सीमा पर शरण मांगने वालों का शोर तेज होता जा रहा है।

भारत में शरण मिलने की उम्मीद लिए सीमा पर पहुंचने वाले उत्पीड़ित व भयभीत लोगों को सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) रोकने में जुटी है। अभी तीन दिन पहले ही कूचबिहार जिले के सीमावर्ती क्षेत्र शीतलकूची में सैकड़ों डरे-घबराए हुए बांग्लादेशी नागरिक भारत में शरण लेने की कोशिश में फेंसिंग की दूसरी ओर जीरो प्वाइंट में बहने वाली खरब नदी के तट पर एकत्र हो गए थे। कुछ तो पानी में उतर गए थे। बीएसएफ ने जब उन्हें रोक दिया तो कुछ लोग वहीं बैठकर अवामी लीग, शेख हसीना तो कुछ 'जय श्रीराम', 'भारत माता की जय' के नारे भी लगाने लगे। इन नारों से वे स्वयं को हिंदू या फिर शेख हसीना की पार्टी से जुड़े होने का प्रमाण देने की कोशिश कर रहे थे, ताकि उनके प्रति सहानुभूति पैदा हो और उन्हें पनाह मिल सके। बाद में बीएसएफ ने बार्डर गार्ड्स बांग्लादेश (बीजीबी) से संपर्क कर उन्हें वहां से हटा दिया।

बांग्लादेश के कई हिस्सों में हिंसा, तोड़फोड़ और लूटपाट की खबरें अब भी आ रही हैं। आंदोलन के नाम पर अराजकता फैलाने वाले कट्टरपंथी गुरेज नहीं कर रहे हैं। अंतरिम सरकार के मुखिया मुहम्मद यूनुस की अपील को भी कट्टरपंथी नहीं मान रहे हैं। ऐसे में बांग्लादेश में रहने वाले हिंदू अपना घर छोड़ने और भारत का रुख करने को मजबूर हो रहे हैं। बीते बुधवार को भारत-बांग्लादेश सीमा पर जलपाईगुड़ी के बेरुबाड़ी में दर्जनों लोग जमा हो गए थे। सभी प्रवेश की अनुमति चाहते थे, हालांकि बीएसएफ ने उन्हें वापस भेज दिया। इसके बाद गत शुक्रवार को बांग्लादेश के लालमनिरहाट जिले के गाइबंदा, पश्चिम व पूर्वी गोतामारी और डाकातारी इलाकों से बंगाल में प्रवेश के लिए शीतलकूची के पथनटुली में एक हजार से अधिक लोग पहुंचे थे। बांग्लादेश के ठाकुरगांव जिले के रानीशांगकोइल उपजिला के काशीपुर क्षेत्र के टेमकविटा गांव के भी लगभग सभी लोग घर छोड़ अपने जरूरी सामान के साथ उत्तर दिनाजपुर से लगती भारत-बांग्लादेश सीमा पर पहुंच गए थे।

कूचविहार में बांग्लादेश की सीमा पर भारत में प्रवेश के लिए पहुंचे बांग्लादेशी नागरिक। फाइल

वस्तुतः बंगाल से लगभग 2,200 किलोमीटर बांग्लादेश की सीमा लगती है। इनमें से बीएसएफ के दक्षिण बंगाल फ्रंटियर के अधिकार क्षेत्र में 913 किमी सीमा है। इनमें से 415 किमी सीमा ऐसी है, जहां फेंसिंग नहीं है। इस क्षेत्र में नदी व जंगल भी हैं। इसकी भौगोलिक स्थिति भी ऐसी है कि जहां फेंसिंग करना संभव नहीं हो पा रहा है। ऐसे में इन सीमा क्षेत्रों में वर्तमान स्थिति में निगरानी रखना बड़ी चुनौती है। बांग्लादेशी उस क्षेत्र को घुसपैठ के लिए चुनने की कोशिश कर सकते हैं, इसलिए बीएसएफ के जवान व अधिकारी भी चिंतित रहते हैं। हालांकि, दक्षिण बंगाल फ्रंटियर के डीआइजी व प्रवक्ता अमरीश कुमार आर्य ने बताया कि उनकी निगरानी वाले क्षेत्र में उत्तर बंगाल की तरह घुसपैठ के प्रयास नहीं हुए हैं, लेकिन पूरी सतर्कता और निगरानी बरती जा रही है।

दूसरी ओर अब हिंसा के खिलाफ बांग्लादेश में भी अल्पसंख्यक हिंदू आवाज उठा रहे हैं। वहां भी मीडिया रिपोर्ट में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा के बढ़ते मामलों को उजागर किया जा रहा है। अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा के लिए आवाज उठाने वाले एक प्रमुख संगठन बांग्लादेश हिंदू, बौद्ध, ईसाई ओइक्या परिषद ने अंतरिम सरकार के मुखिया मुहम्मद यूनुस को खुला पत्र लिखा है, जिसमें शेख हसीना सरकार के पतन के बाद से 52 जिलों में उत्पीड़न की 205 घटनाओं का विवरण दिया गया है। प्रदर्शनकारियों ने आठ सूत्री मांग पत्र सामने रखा है। इसमें अल्पसंख्यकों पर अत्याचार करने वालों पर मुकदमों में तेजी लाने के लिए विशेष न्यायाधिकरणों की स्थापना, पीड़ितों को मुआवजा तथा अल्पसंख्यक संरक्षण कानून को लागू करना शामिल है। जो भी हो, सीमा पार जो हालात हैं, उसमें वहां हिंदुओं के लिए मुश्किल कम नहीं होने वाली है और वे बंगाल आने की कोशिश करते रहेंगे। इसकी स्थायी समाधान तलाशना होगा।

जागरण जनमत — कल का परिणाम

क्या आप मानते हैं कि ओलिंपिक स्तर पर दमदार प्रदर्शन के लिए भारत को नए खेल कार्यक्रम की जरूरत है?

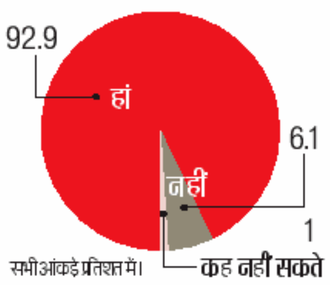

सभी आंकड़े प्रतिशत में।

आज का सवाल

क्या शेयर बाजार में निवेशकों का रुख हिंडनबर्ग की रिपोर्ट की विश्वसनीयता को कठघरे में खड़ा करता है?

परिणाम जागरण इंटरनेट संस्करण के पाठकों का मत है।

जनपथ

अफवाहें फैलाइए कहता है इक वर्ग,
पालन बस आदेश का करता हिंडनबर्ग।
करता हिंडनबर्ग झूठ का पेश पुलिंदा,
करते रहिए आप बाद में उसकी निंदा।
हम भारत के लोग भले चाहें ना चाहें,
फैलाएंगे लोग मगर झूठी अफवाहें!

- ओमप्रकाश तिवारी

मंथन

सांस्कृतिक आधारों की पुनर्स्थापना

वैश्विक फलक पर बड़ी संख्या में लोग आज भारतीय धर्म, दर्शन, साहित्य एवं संस्कृति को जान-समझ रहे हैं। परंतु यह विडंबना है कि हमारे देश का एक बड़ा हिस्सा भारतवर्ष के सांस्कृतिक आधारों से अपरिचित है

डा. वेदप्रकाश
असिस्टेंट प्रोफेसर, किरोड़ीमल कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय

संस्कृति एक ऐसी जीवंत और व्यापक संकल्पना है जिससे राष्ट्र जीवन ऊर्जावान बनता है। यह व्यक्ति, समाज और राष्ट्र के विकास का आधार है। यही वह तत्व भी है जो राष्ट्र मानस का निर्माण- परिष्कार करती है और उसे सही दिशा देती है। वेद, उपनिषद, रामायण और महाभारत भारतीय ज्ञान परंपरा के आदि ग्रंथ हैं, इनमें चिंतन का विराट रूप है। यह ऐसे आदिम स्रोत हैं जिनमें भारतीय संस्कृति का आध्यात्मिक और मनोवैज्ञानिक बीज विद्यमान है। इन ग्रंथों में ज्ञान एवं अनुभव के सत्य की अभिव्यक्ति है। यही वह सत्य है जो भारतीय चिंतन और संस्कृति का मूल है। व्यक्ति को जीवन दृष्टि और जीवन पद्धति सांस्कृतिक आधारों से मिलती है, जिसकी निर्मिति वेद और उपनिषदों के सूत्रों अथवा मंत्रों से होती है। हमारी ज्ञान परंपरा, हमारे पूर्वज, हमारी संत परंपरा, वीरता की परंपरा, हमारी विद्या-बुद्धि, हमारा साहित्य, धर्म, दर्शन, नीति, भक्ति, कला, कौशल, देशानुराग, अतिथि सत्कार, खानपान, वेशभूषा, रहन-सहन, स्व भाषा आदि अनेक ऐसे महत्वपूर्ण विषय एवं क्षेत्र हैं जो सांस्कृतिक आधारों के रूप में जाने जाते हैं।

देशानुराग : सर्वविदित है कि लंबे समय तक विदेशी दासता के कारण देश ने अनेक कष्ट सहे, किंतु देशानुराग और स्व की स्मृति बनी रही। मातृभूमि के लिए बलिदानों की परंपरा अनवृत चलती रही। क्या आज इस भाव में कमी नहीं आ रही है? आज आधुनिक बनने के मोह में एवं विदेशी को ही श्रेष्ठ मानने की मानसिकता के कारण हम रहन-सहन, खान-पान, स्वभाषा, देशानुराग आदि अनेक बातों में अपने सांस्कृतिक आधारों से अलग होते जा रहे हैं। क्या ऐसे में सांस्कृतिक आधारों की पुनर्स्थापना के बिना व्यक्ति एवं राष्ट्र का उत्थान संभव है? ध्यान रहे श्रेष्ठ व्यक्तित्व, चरित्रवान पीढ़ी और विकसित राष्ट्र के संकल्प हेतु उच्च आदर्शों का निर्माण व अनुसरण आवश्यक है। भारतवर्ष की सनातन परंपरा में राम- कृष्ण जहां एक ओर उच्च आदर्श हैं, वहीं दूसरी ओर सांस्कृतिक आधार भी हैं। आज राष्ट्रोत्थान के लिए जनमानस में इनकी पुनर्स्थापना की आवश्यकता है।

भारतीय संस्कृति जड़-चेतन सभी में ईश्वर का वास मानकर सभी के सम्मान का भाव रखती है। यदि यहां सबके सुख की कामना के मंत्र हैं, तो इसका व्यावहारिक रूप भी विद्यमान है। जाति, मत, संप्रदाय एवं उनके रीति-रिवाज भारतीय संस्कृति के आधार हैं। लेकिन अनेक अवसरों पर भ्रम, भय फैलाकर और झूठ के सहारे आपसी सद्भाव को बिगाड़ने के प्रयास किए जाते हैं। क्या ऐसे में यह समझना आवश्यक नहीं है कि भारतीय संस्कृति विवाद की नहीं, संवाद की संस्कृति है। समाज एवं राष्ट्र की एकता और अखंडता के लिए सांस्कृतिक आधार नितांत आवश्यक हैं। गांधी जी ने लिखा है, पहले हम अपनी संस्कृति का सम्मान करना सीखें और उसे आत्मसात करें, हमारी संस्कृति में जैसी मूल्यवान निधियां हैं, वैसी किसी दूसरी संस्कृति में नहीं है। क्या समाज और राजनीति के शीर्ष पर बैठे विभिन्न लोगों को आज गांधी जी के विचारों को नहीं समझना चाहिए? आजकल कई बार धर्म और दर्शन पर भी अनर्गल टीका-टिप्पणी की जाती है। जबकि धर्म और दर्शन भारतीय संस्कृति की आत्मा हैं, दोनों एक दूसरे के पूरक हैं। दोनों का ध्येय आत्म तत्व को अध्यात्म तत्व से जोड़ना है।

भारतीय धर्म एवं दर्शन का विस्तार : आज राष्ट्रीय और वैश्विक फलक पर अनेक लोग भारतीय धर्म, दर्शन, साहित्य एवं संस्कृति को जान-समझ रहे हैं। विश्व के कई विश्वविद्यालयों में यह पाठ्यक्रम का हिस्सा हैं। लेकिन यह विडंबना ही है कि हमारे देश का एक बड़ा हिस्सा हमारे ही सांस्कृतिक आधारों से अंजान है। इसलिए आज यह आवश्यक है कि संस्कृति के पाठ विभिन्न स्तरों पर पाठ्यक्रम का हिस्सा बनें। सराहनीय है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भारतीय संस्कृति के ज्ञान एवं समुचित समझ के प्रविधान किए गए हैं। प्रधानमंत्री द्वारा विरासत पर गर्व का आह्वान भी सांस्कृतिक आधारों की पुनर्स्थापना का ही प्रयास है। पूरे देश में सांस्कृतिक महत्व के मठ-मंदिरों एवं स्थानों का जीर्णोद्धार और पुनर्स्थापना की जा रही है। एक भारत-श्रेष्ठ भारत जैसे अभियानों के माध्यम से युवाओं का देश की संस्कृति और विविधता से परिचय हो रहा है।

प्रतीकात्मक

आज विश्व के कई देश युद्ध एवं आंतरिक कलह के शिकार हैं। कई जगह विस्तारवाद एवं स्वयं को श्रेष्ठ मानने की भावना भी मुखर हो रही है। ऐसे में अनेक अवसरों पर भारत से समाधान की आशा की जाती है। तब यह आवश्यक है कि भारतवर्ष का जन-जन अपनी ज्ञान परंपरा एवं संस्कृति से समुचित रूप में परिचित हो। ध्यान रहे व्यक्ति, समाज और राष्ट्र के उत्थान और पतन का मूल संस्कृति है। सांस्कृतिक आधारों की ओर प्रवृत्ति का मार्ग ही देश को शिखर पर ले जाएगा।

****

पीएनबी ने दृष्टिबाधितों के लिए लांच किया डेबिट कार्ड

नई दिल्ली : सार्वजनिक क्षेत्र के पंजाब नेशनल बैंक ने दृष्टिबाधितों के लिए नया ब्रेल डेबिट कार्ड लांच किया है। बैंक ने बताया कि यह नया डेबिट कार्ड रूपे नेटवर्क पर उपलब्ध है। बैंक ने कहा कि नए ब्रेल डेबिट कार्ड की शुरुआत वित्तीय सुलभता को लेकर प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इसका उद्देश्य दृष्टिबाधितों के लिए वित्तीय स्वतंत्रता और सुविधा को बढ़ाना है। (प्रेट्र)

देश में पुरानी कारों का बाजार नई कारों की बिक्री के मुकाबले तेजी से बढ़ रहा है। अगले 10 वर्षों में इसका आकार 100 अरब डालर से ज्यादा हो जाएगा।

— गजेंद्र जांगिड, सह-संस्थापक, कार्स24

सेंसेक्स	79,648.92	56.99
निफ्टी	24,347	20.50
सोना प्रति दस ग्राम	₹72,350	₹200
चांदी प्रति किलोग्राम	₹83,500	₹1,000
डालर	₹83.97	₹0.02
क्रूड (ब्रेंट) प्रति बैरल	$80.32	

एक नजर में

शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह में 22 प्रतिशत की बढ़ोतरी

नई दिल्ली : चालू वित्त वर्ष में शुद्ध प्रत्यक्ष संग्रह में 22.48 प्रतिशत की वृद्धि रही है। सरकारी डाटा के अनुसार, 11 अगस्त तक शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 6.93 लाख करोड़ रुपये रहा है। इसमें 4.47 लाख करोड़ रुपये व्यक्तिगत कर और 2.22 लाख करोड़ रुपये का कारपोरेट कर शामिल है। शेयरों की खरीद-बिक्री से 21,599 रुपये का कर मिला है। अब तक 1.20 लाख करोड़ रुपये का रिफंड दिया जा चुका है। (प्रेट्र)

वोडाफोन का घाटा कम होकर 6,432 करोड़ हुआ

नई दिल्ली : दूरसंचार कंपनी वोडाफोन आइडिया ने सोमवार को बताया कि चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही के दौरान उसका घाटा कम होकर 6,432.1 करोड़ रुपये रह गया है। कंपनी का कहना है कि 4जी सब्सक्राइबर्स की संख्या में वृद्धि से घाटे में कमी आई है। इसी वर्ष जनवरी-मार्च तिमाही में कंपनी का घाटा 7,674.6 करोड़ रुपये था। बीती तिमाही में कंपनी का प्रति ग्राहक औसत राजस्व 145 रुपये रहा है। (प्रेट्र)

जीवन बीमा कंपनियों का नया प्रीमियम 14% बढ़ा

नई दिल्ली : जुलाई में जीवन बीमा कंपनियों का नए कारोबार से मिलने वाला प्रीमियम 14 प्रतिशत बढ़कर 31,823 करोड़ रुपये रहा है। लाइफ इंश्योरेंस काउंसिल के अनुसार, चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-जुलाई के दौरान सभी कंपनियों का नया प्रीमियम 26 प्रतिशत बढ़कर 75,872 करोड़ रुपये रहा है। (प्रेट्र)

फर्जी जीएसटी पंजीकरण के खिलाफ 16 से अभियान

नई दिल्ली : केंद्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआइसी) ने सोमवार को बताया कि केंद्र और राज्यों के जीएसटी अधिकारी 16 अगस्त से फर्जी जीएसटी पंजीकरण के खिलाफ अभियान चलाएंगे। यह देशव्यापी अभियान दो महीने तक चलाया जाएगा। धोखाधड़ी से इनपुट टैक्स क्रेडिट प्राप्त करने और जीएसटी भुगतान से बचने के लिए फर्जी पंजीकरण का इस्तेमाल किया जाता है। (प्रेट्र)

पांच साल के निचले स्तर पर आई खुदरा महंगाई

खाद्य वस्तुओं के मूल्य में कमी से जुलाई में 3.54 प्रतिशत रही मुद्रास्फीति, जून में 5.08 प्रतिशत थी

- इससे पहले सितंबर, 2019 में चार प्रतिशत से कम दर्ज की गई थी खुदरा महंगाई दर
- खाद्य वस्तुओं की खुदरा महंगाई घटकर 5.42 प्रतिशत रही जो जून में 9.36 प्रतिशत थी

2.98 प्रतिशत रही खुदरा महंगाई दर शहरी इलाकों में

4.10 प्रतिशत रही खुदरा महंगाई दर ग्रामीण इलाकों में पिछले महीने

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : खाद्य वस्तुओं की कीमतों में गिरावट के चलते जुलाई महीने की खुदरा महंगाई दर में जबरदस्त गिरावट दर्ज की गई और यह 59 माह (लगभग पांच साल) के निचले स्तर 3.54 प्रतिशत पर आ गई। इस साल जून में खुदरा महंगाई दर 5.08 प्रतिशत दर्ज की गई थी। इससे पहले सितंबर, 2019 में चार प्रतिशत से कम खुदरा महंगाई दर रही थी। इस साल जून में खाद्य वस्तुओं की खुदरा महंगाई दर 9.36 प्रतिशत थी, जो जुलाई में सिर्फ 5.42 प्रतिशत रही। पिछले आठ महीनों से खाद्य वस्तुओं की खुदरा महंगाई दर सात प्रतिशत से अधिक चल रही थी।

विशेषज्ञों का कहना है कि अगर जुलाई की तरह ही आगे भी खुदरा महंगाई दर रहती है तो निश्चित रूप से दिसंबर तक आरबीआइ रेपो रेट में कटौती कर सकता है। दास ने गत आठ अगस्त को मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक के बाद कहा था कि आरबीआइ खुदरा महंगाई दर को चार प्रतिशत तक लाना चाहता है। खुदरा महंगाई दर में 47 प्रतिशत हिस्सेदारी खाद्य वस्तुओं की होती है। रेटिंग इक्रा की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर का मानना है कि खाद्य वस्तुओं की कीमतों में नरमी से आने वाले महीनों में कुल महंगाई दर में थोड़ी और कमी आ सकती है। सरकार ने आरबीआइ को दो प्रतिशत की घट-बढ़ के साथ खुदरा महंगाई को चार प्रतिशत पर बरकरार रखने को कहा है। आरबीआइ गवर्नर शक्तिकांत दास ने चार दिन पहले ही खुदरा महंगाई दर खासकर खाद्य वस्तुओं की बढ़ती महंगाई दर को लेकर चिंता जाहिर की थी। साथ ही दरों में बदलाव का जोखिम नहीं लेने की बात कही थी।

पिछले महीने सब्जियों के मूल्य में नरमी रही है ● फाइल फोटो

दाल और दलहन की कीमतों में 14.77 प्रतिशत की वृद्धि रही

आंकड़ों के मुताबिक इस साल जुलाई में खाद्य तेल और वनस्पति की खुदरा कीमतों में पिछले साल जुलाई के मुकाबले 1.17 प्रतिशत, मसाले के दाम में 1.43 प्रतिशत तो फ्यूल व लाइट में 5.48 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। पिछले साल जुलाई की तुलना में इस साल जुलाई में सबसे अधिक दाल और दलहन की कीमतों में 14.77 प्रतिशत की बढ़ोतरी रही। वहीं जुलाई में सब्जी के दाम में 6.83 प्रतिशत, अनाज में 8.14 प्रतिशत, फल में 3.84 प्रतिशत, अंडे में 6.76 प्रतिशत, मांस-मछली में 5.97 प्रतिशत की बढ़ोतरी रही। जबकि इस साल जून में पिछले साल जून की तुलना में सब्जी के दाम में 29 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई थी। गैर खाद्य वस्तुओं की श्रेणी में जुलाई में कपड़े व फुटवियर की खुदरा कीमतों में पिछले साल जुलाई के मुकाबले 2.67 प्रतिशत, ट्रांसपोर्ट व संचार में 2.48 प्रतिशत, स्वास्थ्य में 4.06 प्रतिशत तो मनोरंजन में 2.20 प्रतिशत का इजाफा रहा।

जून में औद्योगिक उत्पादन 4.2% बढ़ा, पांच माह का निचला स्तर

- मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर के खराब प्रदर्शन के चलते आई गिरावट
- बिजली और खनन क्षेत्र का अच्छा प्रदर्शन जारी रही

नई दिल्ली, प्रेट्र : मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर के खराब प्रदर्शन के चलते जून में देश का औद्योगिक उत्पादन (आइआइपी) पांच माह के निचले स्तर 4.2 प्रतिशत पर आ गया। हालांकि, बिजली और खनन क्षेत्र का अच्छा प्रदर्शन जारी है। औद्योगिक गतिविधियों को मापने वाला औद्योगिक उत्पादन सूचकांक इस साल जून में 4.2 प्रतिशत की दर से बढ़ा जबकि एक साल पहले की समान अवधि में यह चार प्रतिशत रहा था। हालांकि, मासिक आधार पर आइआइपी का प्रदर्शन पिछले पांच महीनों में सबसे कम रहा है। इस साल मई में यह 6.2 प्रतिशत, अप्रैल में पांच प्रतिशत, मार्च में 5.5 प्रतिशत और फरवरी में 5.6 प्रतिशत बढ़ा था। इसके साथ ही चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून अवधि में आइआइपी वृद्धि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के 4.7 प्रतिशत के मुकाबले 5.2 प्रतिशत रही।

सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि खनन उत्पादन की वृद्धि जून में बढ़कर 10.3 प्रतिशत हो गई, जबकि एक साल पहले इसी महीने में इसमें 7.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। हालांकि, औद्योगिक उत्पादन में अहम स्थान रखने वाले मैन्यूफैक्चरिंग क्षेत्र की वृद्धि दर जून में घटकर 2.6 प्रतिशत रह गई, जबकि एक साल पहले इसी महीने में इसमें 3.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। बिजली उत्पादन में 8.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि पिछले साल इसी महीने में इस क्षेत्र की वृद्धि 4.2 प्रतिशत रही थी। टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुओं का उत्पादन 8.6 प्रतिशत बढ़ा जबकि जून, 2023 में इसमें 6.8 प्रतिशत की गिरावट आई थी।

ब्रिटिश टेलीकाम का 24.5% हिस्सा खरीदेगा भारती समूह

- पैट्रिक ड्राही की अल्टाइस से 9.99% हिस्सा तुरंत खरीदा जाएगा
- बाकी हिस्सेदारी आवश्यक मंजूरी मिलने के बाद हासिल की जाएगी

नई दिल्ली, प्रेट्र : दूरसंचार क्षेत्र के दिग्गज सुनील भारती मित्तल का भारती समूह ब्रिटेन की सबसे बड़ी ब्राडबैंड तथा मोबाइल कंपनी ब्रिटिश टेलीकाम (बीटी) समूह में करीब चार अरब डालर में 24.5 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदेगा। कंपनी के अनुसार, भारती एंटरप्राइजेज की अंतरराष्ट्रीय निवेश इकाई भारती ग्लोबल, पैट्रिक ड्राही की अल्टाइस से बीटी समूह में 9.99 प्रतिशत हिस्सेदारी तुरंत खरीदेगी और शेष हिस्सेदारी आवश्यक नियामकीय मंजूरी मिलने के बाद हासिल करेगी। हालांकि, भारती समूह ने सौदे की राशि की जानकारी नहीं दी है।

भारती एयरटेल देश की दूसरी सबसे बड़ी दूरसंचार कंपनी है, जिसके करीब 40 करोड़ ग्राहक हैं। भारती एंटरप्राइजेज के चेयरमैन सुनील भारती मित्तल ने कहा कि भारती समूह और बीटी के बीच दो दशक से भी अधिक पुराना संबंध है। बीटी के 1997-2001 तक भारती एयरटेल लिमिटेड के निदेशक मंडल में दो सदस्य थे और उसके पास 21 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। भारती समूह के इतिहास में आज यह एक महत्वपूर्ण क्षण है क्योंकि हम बीटी में निवेश कर रहे हैं, जो प्रतिष्ठित ब्रिटिश कंपनी है।

मित्तल ने इसे एक अच्छा और लंबी अवधि का निवेश बताया है। इस अधिग्रहण के साथ भारती समूह ब्रिटिश टेलीकाम का सबसे बड़ा शेयरधारक भी बन जाएगा। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने एक्स पोस्ट में कहा कि चक्र पूरा हो गया है। 1997 में बीटी ने भारती एयरटेल में 21 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी थी। अब भारती एंटरप्राइजेज ने बीटी समूह में 24.5 प्रतिशत हिस्सेदारी के लिए बाध्यकारी समझौता किया है।

एनबीएफसी से तीन माह में पूरा पैसा निकाल सकते हैं जमाकर्ता

मुंबई, प्रेट्र : आरबीआइ ने गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) के लिए नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इसके तहत कोई भी जमाकर्ता आपात स्थिति में तीन महीने के भीतर एनबीएफसी से अपना पूरा पैसा निकाल सकता है। इस जमा पर एनबीएफसी को कोई भी ब्याज नहीं देना होगा। यह नए नियम एक जनवरी 2025 से लागू होंगे।

आरबीआइ ने एक बयान में कहा कि इंश्योरेंस रेगुलेटर इरडा की ओर से निर्धारित गंभीर बीमारी की परिभाषा के तहत ऐसे आवेदनों पर विचार किया जाएगा। यदि कोई व्यक्ति बिना आपात स्थिति और परिपक्वता से पहले निकासी की मांग करता है तो एनबीएफसी जमा का पचास प्रतिशत बिना ब्याज भुगतान कर सकती हैं। हालांकि, ऐसी राशि पांच लाख रुपये से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। एनबीएफसी को जमाकर्ताओं को परिपक्वता अवधि के बारे में 14 दिन पहले सूचित करना होगा। वर्तमान में यह अवधि दो महीने है।

बाजार पर नहीं दिखा हिंडनबर्ग की रिपोर्ट का असर

- सेंसेक्स 57 तो निफ्टी मात्र 20 अंक गिरकर बंद हुआ
- आने वाले दिनों में बाजार में रह सकता है तेजी का रुख

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : महज डेढ़ साल पहले भारतीय शेयर बाजार और खासकर अदाणी समूह को औंधे मुंह गिराने वाली हिंडनबर्ग रिपोर्ट को इस बार निवेशकों ने नकार दिया। सोमवार को 350 अंक से ज्यादा की गिरावट के साथ शुरुआत करने वाला बीएसई का प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स दिनभर के कारोबार के दौरान 300 अंक तक चढ़ा। हालांकि, अंत में यह 56.98 अंक की गिरावट के साथ 79,648 के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह, एनएसई का निफ्टी करीब 30 अंकों की गिरावट के साथ खुला। कारोबार के दौरान यह 24,212.10 के निचले और 24,471 अंक के उच्च स्तर तक पहुंचा। अंत में यह 20.50 अंक टूटकर 24,347 पर बंद हुआ।

अमेरिका की शार्ट-सेलर फर्म हिंडनबर्ग रिसर्च ने एक रिपोर्ट में मार्केट रेग्युलेटर सेबी की चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच और उनके पति धवल बुच पर अदाणी से जुड़े विदेशी फंड में हिस्सेदारी रखने का आरोप लगाया गया था। पिछले साल जब हिंडनबर्ग ने अदाणी समूह पर शेयरों की हेराफेरी का आरोप लगाया था तो अदाणी समूह के बाजार पूंजीकरण में तीन लाख करोड़ से अधिक गिरावट दर्ज की गई थी। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के रिसर्च हेड विनोद नायर ने बताया कि बाजार ने हिंडनबर्ग मामले पर खास ध्यान नहीं दिया और वैश्विक बाजार में होने वाली बढ़ोतरी से सकारात्मक रहने की कोशिश में रहा।

बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि खुदरा महंगाई दर में नरमी और मानसून सामान्य रहने से आने वाले दिनों में भारतीय बाजार में तेजी का रुख रह सकता है। गत रविवार को भी कई बाजार विशेषज्ञों ने हिंडनबर्ग की रिपोर्ट की वजह से बाजार में किसी गिरावट की आशंका से इन्कार किया था। उल्टा हिंडनबर्ग की मंशा पर सवालिया निशान लगाते हुए कहा था कि यह शार्ट सेलिंग कंपनी है, जो अपने फायदे के लिए इस प्रकार की रिपोर्ट जारी करती है। सेबी ने भी एक बयान में कहा था कि निवेशक सोच समझ कर बाजार को लेकर अपनी प्रतिक्रिया जाहिर करें। सेबी ने कहा था कि उनकी तरफ से बनाए गए नियम वैश्विक स्तर के हैं, जो निवेशकों के निवेश की रक्षा करने में पूरी तरह से सक्षम हैं। बीएसई के स्मालकैप में 0.51 प्रतिशत और मिडकैप में 0.04 प्रतिशत की तेजी रही। सूचकांकों की बात करें तो यूटीलिटीज, एफएमसीजी, पावर और सर्विसेज में एक प्रतिशत तक की तेजी रही।

शुरुआती गिरावट से उबरे अदाणी समूह के शेयर

मुंबई, प्रेट्र : हिंडनबर्ग रिसर्च की ओर से सेबी प्रमुख पर लगाए गए आरोपों के बाद सोमवार को शुरुआती कारोबार में अदाणी समूह की सभी कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ खुले। इस दौरान समूह की कंपनी अदाणी एनर्जी साल्यूशंस के शेयरों में 17 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई। हालांकि, प्रमुख सूचकांकों में तेजी के साथ समूह की अधिकांश कंपनियों के शेयर उबर गए। बीएसई में अदाणी विल्मर के शेयरों में सबसे ज्यादा 4.14 प्रतिशत और अदाणी पावर में 0.65 प्रतिशत की सबसे कम गिरावट रही। अदाणी एंटरप्राइजेज 1.09, अदाणी पोर्ट्स 2.02, अदाणी एनर्जी साल्यूशंस 3.70, अदाणी टोटल गैस 4.03, एससीसी लिमिटेड 1.55 प्रतिशत और एनडीटीवी के शेयर 3.08 प्रतिशत गिरकर बंद हुए। अदाणी ग्रीन एनर्जी 1.12 प्रतिशत और अंबुजी सीमेंट 0.55 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ बंद हुए।

राष्ट्रीय फलक

आपदाओं, हादसों के दृश्यों पर तिथि व समय दर्शाएं समाचार चैनल : केंद्र

- सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने निजी समाचार चैनलों को इस संबंध में जारी किया परामर्श

नई दिल्ली, प्रेट्र : केंद्र सरकार ने सोमवार को निजी समाचार चैनलों को परामर्श जारी कर कहा कि वे प्राकृतिक आपदाओं और बड़ी दुर्घटनाओं के दृश्य दिखाते समय उन पर तारीख और समय दर्शाएं। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के परामर्श में कहा गया है कि टेलीविजन चैनल आपदाओं व बड़ी दुर्घटनाओं का कई दिनों तक निरंतर कवरेज करते हैं, लेकिन घटना वाले दिन के फुटेज ही प्रसारित करते रहते हैं।

मंत्रालय ने तर्क दिया कि दुर्घटना या आपदा के कई दिनों बाद टेलीविजन चैनलों द्वारा दिखाए जाने वाले फुटेज वास्तविक समय की जमीनी स्थिति को प्रतिबिंबित नहीं करते हैं, जिनसे दर्शकों में अनावश्यक भ्रम और घबराहट पैदा होती है। यह परामर्श हाल में केरल के वायनाड और हिमाचल प्रदेश में हुए भूस्खलन की व्यापक कवरेज के मद्देनजर जारी किया गया है, जिनमें कई लोगों की जान चली गई थी। परामर्श में कहा गया है-दर्शकों के बीच किसी भी गलतफहमी से बचने के लिए सभी निजी टीवी चैनलों को यह सुनिश्चित करने की सलाह दी जाती है कि प्राकृतिक आपदाओं या बड़ी दुर्घटनाओं के दृश्यों में फुटेज के शीर्ष पर तारीख और समय प्रमुखता से प्रदर्शित किए जाने चाहिए। समाचार चैनलों को ऐसी घटनाओं का प्रसारण करते समय कार्यक्रम संहिता का भी पालन सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया है।

खरीफ मौसम में अब तक धान का रकबा 4.28 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली, प्रेट्र : चालू खरीफ (ग्रीष्म-बोआई) फसल सत्र 2024-25 में धान की खेती का रकबा 4.28 प्रतिशत बढ़कर 3.31 करोड़ हेक्टेयर हो गया, जो पिछले साल इसी अवधि में 3.18 करोड़ हेक्टेयर था। धान के रकबे में यह बढ़ोतरी भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा कई क्षेत्रों में व्यापक वर्षा के पूर्वानुमान के बीच हुई है। चालू खरीफ सत्र में दलहन का रकबा मामूली रूप से बढ़कर एक करोड़ 17.4 लाख हेक्टेयर हो गया, जो एक साल पहले की इसी अवधि में एक करोड़ 10.1 लाख हेक्टेयर था।

तिलहन का रकबा पिछले साल के एक करोड़ 82.2 लाख हेक्टेयर के मुकाबले एक करोड़ 83.7 लाख हेक्टेयर पर स्थिर रहा। कपास बोआई 12 अगस्त तक घटकर एक करोड़ 10.5 लाख हेक्टेयर रह गई, जबकि पिछले सत्र की समान अवधि में यह एक करोड़ 21.2 लाख हेक्टेयर थी।

लिंगानुपात में वृद्धि, 2036 तक हजार पुरुषों के पीछे होंगी 952 महिलाएं

- सांख्यिकी और कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय ने जारी की रिपोर्ट

2036 तक देश की जनसंख्या 152.2 करोड़ तक पहुंचने की उम्मीद

15 वर्ष से कम आयु वर्ग का अनुपात घटेगा, वृद्धों के अनुपात में होगा इजाफा

नई दिल्ली, प्रेट्र : लिंगानुपात को लेकर अच्छी खबर है। देश में 2036 तक प्रति 1,000 पुरुषों पर 952 महिलाएं होने की उम्मीद है, जबकि 2011 की जनगणना के मुताबिक देश में लिंगानुपात 943 था। यानी इसमें नौ अंकों के सुधार की आस है।

सांख्यिकी और कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय ने सोमवार को 'भारत में महिलाएं और पुरुष 2023' रिपोर्ट जारी की। इसके मुताबिक 2036 तक भारत की जनसंख्या 152.2 करोड़ तक पहुंचने की उम्मीद है, जिसमें महिलाओं का प्रतिशत 2011 के 48.5 प्रतिशत की तुलना में थोड़ा बढ़कर 48.8 प्रतिशत हो जाएगा। इसमें कहा गया कि 15 वर्ष से कम आयु वर्ग का अनुपात 2011 के मुकाबले वर्ष 2036 तक घटने का अनुमान है, इसकी वजह संभवतः प्रजनन दर में कमी आना है। इसके विपरीत, इस अवधि के दौरान 60 वर्ष और उससे अधिक आयु की जनसंख्या के अनुपात में वृद्धि का पूर्वानुमान लगाया गया है।

2016 से 2020 के बीच 20-24 और 25-29 आयु वर्ग में आयु विशिष्ट प्रजनन दर (एएसएफआर) क्रमशः 135.4 और 166 से घटकर 113.6 और 139.6 रह गई है। इस अवधि के दौरान 35-39 वर्ष की आयु के लिए एएसएफआर 32.7 से बढ़कर 35.6 हो गया है, जोकि दर्शाता है कि जीवन में व्यवस्थित होने के बाद महिलाएं परिवार बढ़ाने के बारे में सोच रही हैं। रिपोर्ट के मुताबिक साल 2020 में किशोर प्रजनन दर निरक्षर आबादी में 33.9 थी जबकि साक्षर आबादी में यह 11.0 थी। यह दर उन महिलाओं के लिए भी काफी कम है जो साक्षर हैं। शिशु मृत्यु दर (आइएमआर) की बात करें तो कुछ सालों से इसमें गिरावट देखने को मिली है। वर्ष 2020 से पहले महिला आइएमआर हमेशा पुरुष की तुलना में अधिक रहती थी। वर्ष 2020 में प्रति 1000 शिशुओं में से 28 शिशुओं के स्तर पर पुरुष और महिला बराबर थे। पांच साल से कम उम्र की मृत्यु दर के आंकड़ों पर नजर डालें तो यह यह दर वर्ष 2015 में 43 थी और 2020 में घटकर 32 हो गई है। यह सुधार लड़कों और लड़कियों दोनों के लिए देखा गया है और लड़कों और लड़कियों के बीच का अंतर भी कम हुआ है।

किसी खास इरादे से गोरखपुर आ रहे थे चीनी

सतीश पांडेय ● जागरण

- भारत-नेपाल सीमा पर पकड़े गए संदिग्धों से जुड़ी जांच रिपोर्ट पुलिस ने लखनऊ भेजी

गोरखपुर : भारत-नेपाल की सोनौली सीमा पर एक अगस्त को पकड़े गए दो चीनी नागरिक खास इरादे से गोरखपुर आ रहे थे। इसका अंदेशा दोनों से पूछताछ के बाद एसपी इंटेलीजेंस मुख्यालय (लखनऊ) को भेजी रिपोर्ट में जताया गया है। रिपोर्ट के अनुसार काठमांडू (नेपाल) में रहने वाला फौजी का बेटा लबसंग शेरिंग 33 हजार रुपये लेकर दोनों चीनी नागरिकों को गोरखपुर छोड़ने आ रहा था। लबसंग खुद एसएफएफ में प्रशिक्षण ले चुका है।

स्थानीय खुफिया शाखा और महराजगंज पुलिस की पूछताछ में पता चला है कि तिब्बत में पैदा हुए लबसंग शेरिंग के पिता 1959 में तिब्बत से आकर हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला में बस गए थे। लबसंग ने बताया कि उत्तराखंड के चकराता में उसने छह माह तक प्रशिक्षण लेने के बाद एसएफएफ छोड़ दिया था। 2002 में काठमांडू की सोनम लिमछिम से शादी की, जिससे अब तलाक हो चुका है। वह 20 वर्षीय बेटे के साथ काठमांडू में रहता है। मणिपुर और शिलांग में भी वह ड्राइवरी और टैटू बनाने का काम कर चुका है। पकड़े गए चीनी नागरिक जू वाकयांग व यंग मेंगमेंग उसे काठमांडू में मिले थे। इनका फर्जी आधार कार्ड बनवाने के बाद 33 हजार रुपये देकर गोरखपुर पहुंचाने को कहा गया था। वहां से इन्हें आगे कहां और कौन ले जाता, इसकी जानकारी नहीं है। चीनी नागरिकों से भी गूगल ट्रांसलेट के जरिये पुलिस और स्थानीय खुफिया एजेंसी ने पूछताछ की, लेकिन सवालों का सही जवाब नहीं मिले। उनका कहना था कि वह दवा कंपनी में काम करते हैं, जड़ी बूटी की तलाश में आए हैं। पुलिस को उनकी कहानी पर यकीन नहीं है। एसपी इंटेलीजेंस मुख्यालय को भेजी गई रिपोर्ट में इनकी गतिविधि संदिग्ध बताते हुए उच्चस्तरीय छानबीन कराने का आग्रह किया गया है।

नेटवर्क की हो रही छानबीन : काठमांडू में लबसंग शेरिंग को 33 हजार रुपये किसने दिए। गोरखपुर पहुंचने के बाद चीनी नागरिक किसके साथ और कहां जाते, इन सवालों के जवाब ढूंढे जा रहे हैं। चर्चा है कि वे हिमाचल जाने वाले थे, लेकिन इसका कोई प्रमाण नहीं मिला है। चीनी भाषा के विशेषज्ञ संग दोनों से गहन पूछताछ होने पर ही यह जानकारी सामने आने की बात कही जा रही है।

चीन से निपटने को तैयार बनी थी एसएफएफ : एसएफएफ (स्पेशल फ्रंटियर फोर्स) को टूटू फोर्स भी कहा जाता है। वर्ष 2020 में पूर्वी लद्दाख में पैंगोंग झील के किनारे की रणनीतिक चोटी ब्लैक टाप पर टूटू फोर्स और भारतीय सेना ने चीनी सेना को खदेड़ा था। वर्ष 1962 में चीन युद्ध के बाद टूटू फोर्स अस्तित्व में आई थी। देहरादून से करीब 100 किमी दूर बसा चकराता एक छावनी क्षेत्र है, जो सामरिक दृष्टि से संवेदनशील है। यहां टूटू फोर्स का कैंप स्थित है। इसी कारण केंद्रीय गृह मंत्रालय की अनुमति के बिना यहां विदेशियों का जाना प्रतिबंधित है।

पंजाब के उद्योगपति ने तिरुपति मंदिर न्यास को 21 करोड़ रु. दान किया

तिरुपति, प्रेट्र : पंजाब के एक उद्योगपति ने तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के एसवी प्राणदान न्यास को 21 करोड़ रुपये का दान दिया है। यह न्यास निर्धनों को मुफ्त चिकित्सा उपचार प्रदान करता है। एसवी प्राणदान न्यास का उद्देश्य गंभीर बीमारियों से ग्रस्त निर्धन रोगियों को मुफ्त जीवनदायी चिकित्सा सुविधा प्रदान करना है। न्यास ने कहा है कि पंजाब के उद्योगपति राजिंदर गुप्ता ने टीटीडी के एसवी प्राणद न्यास को 21 करोड़ रुपये का दान दिया है। उन्होंने दान का चेक टीटीडी के अतिरिक्त कार्यकारी अधिकारी वेंकैया चौधरी को सौंपा। टीटीडी की ओर से संचालित अस्पतालों व प्रसूति अस्पताल में एसवी प्राणदान न्यास योजना उपलब्ध है।

जबरन वसूली से एकत्र की गई राशि राकांपा के कोष में गया : परमबीर सिंह

- कहा, अनिल देशमुख ने उनके अधिकारियों को 100 करोड़ रुपये एकत्र करने को कहा था
- एमवीए सरकार के दौरान देवेंद्र फडणवीस सहित अन्य विपक्षी नेताओं को निशाना भी बनाना चाहते थे

मुंबई, प्रेट्र : मुंबई के पूर्व पुलिस आयुक्त परमबीर सिंह ने दावा किया है कि महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख ने उन्हें दो से तीन बार यह बताया था कि जबरन वसूली से एकत्र की गई राशि राकांपा (अविभाजित) की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष जयंत पाटिल के पास जाती थी। अब इसका नेतृत्व शरद पवार कर रहे हैं। जयंत पाटिल उस समय राकांपा का कोष संभालते थे।

परमबीर सिंह ने बताया कि अनिल देशमुख ने उनके अधिकारियों को महानगर से 100 करोड़ रुपये एकत्र करने को कहा था। उन्होंने महाविकास आघाड़ी (एमवीए) सरकार के कार्यकाल के दौरान भाजपा के देवेंद्र फडणवीस सहित प्रमुख विपक्षी नेताओं को निशाना बनाने की योजना के बारे में भी बात की थी।

अनिल देशमुख 2019 से 2021 तक राज्य के गृह मंत्री थे। उनके बेटे सलिल ने परमबीर सिंह पर पलटवार करते हुए कहा कि मुंबई के पूर्व पुलिस अधिकारी सत्तारूढ़ भाजपा और उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के इशारे पर कार्य कर रहे हैं। सलिल ने कहा कि परमबीर सिंह इतने दिन आप कहां थे। उन्होंने कहा कि परमबीर आप भाजपा और देवेंद्र फडणवीस की दी हुई पटकथा पढ़ते रहिये। इससे कोई खास असर नहीं पड़ेगा, क्योंकि आप भाजपा को कितना भी खुश कर लो राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआइए) आपको जरूर गिरफ्तार करेगी। सिंह ने दावा किया है कि उनके अधिकारियों को देशमुख द्वारा होटलों और रेस्तरां से 100 करोड़ रुपये की जबरन वसूली करने को कहा गया था।

देशमुख अब राज्यसभा सदस्य शरद पवार के नेतृत्व वाले राकांपा में हैं। सिंह ने दावा किया है कि सलिल देशमुख अधिकारियों को बुलाकर उनके तबादले के लिए पैसे एकत्र करते थे।

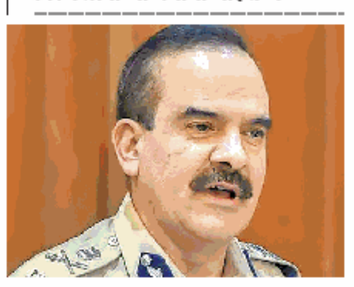

पूर्व पुलिस आयुक्त परमबीर सिंह ●

****

32 टैंक यूक्रेन ने खो दिए रूस से युद्ध के दौरान। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने सोमवार को कहा कि उन्होंने कहा कि यूक्रेन ने सोचा था कि हमले से वह घरेलू स्थिति को अस्थिर कर पाएगा, लेकिन असफल रहा।

रहेंगी या जाएंगी, फैसला खुद करेंगी हसीना

अंतरिम सरकार से भारत ने संपर्क बढ़ाया, बांग्लादेश का हित सर्वोपरि

हसीना की वजह से भारत के साथ द्विपक्षीय रिश्तों पर नहीं पड़ेगा कोई असर : हुसैन

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

बांग्लादेश में बने नए हालात को लेकर भारत की नीति धीरे-धीरे आकार लेने लगी है। इसके तहत मुहम्मद यूनुस की अगुआई में गठित अंतरिम सरकार के साथ संपर्क तेज किया गया है और यह बता दिया गया है कि बांग्लादेश के साथ रिश्तों को भारत किसी व्यक्ति विशेष के साथ जोड़ कर नहीं देखता। भारत के लिए बांग्लादेश व वहां की जनता का हित ही सर्वोपरि है। पिछले दो दिनों के दौरान अंतरिम सरकार की तरफ से भी भारत को सकारात्मक संकेत दिया गया है कि भारत व बांग्लादेश के द्विपक्षीय रिश्ते को लेकर वह किसी पूर्वाग्रह से काम नहीं करेंगे। भारत को उम्मीद है कि पड़ोसी देश के हालात सामान्य होने पर वहां की अंतरिम सरकार के साथ आधिकारिक तौर पर बातचीत की शुरुआत जल्द हो सकती है। इस बीच, भारत ने पूर्व पीएम शेख हसीना को लेकर फैसला करने की जिम्मेदारी उन पर व उनके परिजनों पर ही छोड़ दी है। भारत ने अपनी तरफ से

शेख हसीना। फाइल

शेख हसीना पर इस बात का कोई दबाव नहीं बनाया है कि उन्हें यहां रहना है या कहीं और। हसीना को यह बताया गया है कि वह जब तक चाहें भारत में रह सकती हैं।

भारतीय विदेश मंत्रालय व खुफिया एजेंसियों के अधिकारी हसीना और उनके परिवार के कुछ सदस्यों के साथ लगातार संपर्क में हैं। इस बीच सूचना है कि हसीना के परिजनों ने भारतीय एजेंसियों को बताया है कि उनकी तरफ से बहुत जल्द ही आगे का फैसला हो सकता है। हसीना के परिजनों की पहली पसंद लंदन ही है। इस बारे में भारत व ब्रिटेन के विदेश मंत्रालयों के बीच संपर्क बना हुआ है। आधिकारिक तौर पर भारतीय विदेश मंत्रालय का कहना है कि हसीना के भावी कार्यक्रम को लेकर उनके पास कोई जानकारी नहीं है। क्या हसीना को भारत में आश्रय देने से बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के साथ भारत के रिश्ते प्रभावित हो सकते है? इसके बारे में अधिकारियों ने कहा-' अभी सब कुछ बदलाव वाले चरण में है। यूनुस की सरकार को भी इस बारे में फैसला करना है कि उन्हें किस तरह का चुनाव और कब करवाना है? अवामी लीग अभी भी वहां की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी है, जिसके प्रतिनिधि तकरीबन हर घर में है। हमारी नजर इस पर भी है कि क्या आवामी लीग के बगैर बांग्लादेश में चुनाव हो सकते हैं? भारत का फैसला भविष्य में वहां की अंतरिम सरकार के कदमों को देखते हुए होगा।'

भारत ने अपनी मंशा पहले ही जता दी है कि वह शेख हसीना के कार्यकाल के बाद वाले बांग्लादेश के साथ काम करने को तैयार है। अधिकारी पड़ोसी देश मालदीव और नेपाल का उदाहरण देते हैं जहां सरकार बदलने पर भारत को लेकर कुछ बयानबाजी होती है लेकिन फिर संबंध सामान्य तौर पर आगे बढ़ने लगते हैं। यूनूस की अंतरिम सरकार में विदेश मामलों के सलाहकार तौहीद हुसैन से जब यह पूछा गया कि क्या शेख हसीना के भारत में रहने से दोनों देशों के रिश्तों पर असर होगा तो उनका जवाब था कि दो देशों के रिश्ते किसी एक व्यक्ति के किसी देश में रहने से प्रभावित नहीं हो सकते।

भारत ने बांग्लादेश से अवैध घुसपैठ को रोकने के लिए बढ़ाई चौकसी

नई दिल्ली, एएनआइ : बांग्लादेश में अराजकता के मद्देनजर घुसपैठ रोकने के लिए भारत ने सीमा पर चौकसी बढ़ा दी है। भारतीय तटरक्षक बल के उप महानिदेशक अनुपम राय ने सोमवार को बताया कि तटरक्षक बल ने अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा पर गश्त बढ़ाई है। शत्रुतापूर्ण कार्रवाई, घुसपैठ रोकने के लिए जहाज तैनात किए हैं। सुंदरबन क्रीक क्षेत्रों में जहाजों और नौकाओं से गश्त की जा रही है। हल्दिया, पारादीप और गोपालपुर में तटरक्षक बल के तटीय निगरानी रडार चौबीसों घंटे स्कैनिंग कर रहे। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने भी भारत-बांग्लादेश सीमा पर सुरक्षा कड़ी कर दी है। गृह मंत्रालय ने भारत-बांग्लादेश सीमा पर स्थिति की निगरानी के लिए समिति गठित की है।

त्रिपुरा में घुसपैठ की कोशिश नाकाम : अगरतला, प्रेट्र: त्रिपुरा के खोवाई जिले के अग्रिम इलाके में बांग्लादेशियों की घुसपैठ की कोशिश को बीएसएफ ने सोमवार को नाकाम कर दिया।

बीएसएफ प्रवक्ता ने बताया कि 12-15 बांग्लादेशी खराब मौसम और क्षेत्र में खराब दृश्यता का फायदा उठाकर जिले के पहरमुरा सीमा चौकी क्षेत्र से सीमा पार करने की कोशिश कर रहे थे। बीएसएफ द्वारा रोके जाने पर उन्होंने जबरन सीमा पार करने की कोशिश की। बीएसएफ ने घुसपैठ रोकने के लिए पंप एक्शन गन से एक राउंड फायर किया, जिसके बाद बांग्लादेशियों का समूह बांग्लादेशी भाग गया।

चार रोहिंग्याओं को बांग्लादेश से असम में घुसने से रोका : हिमंत

गुवाहाटी : असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने सोमवार को कहा कि पुलिस ने चार रोहिंग्याओं को बांग्लादेश के जरिये असम में घुसने से रोक दिया। सरमा ने यह भी कहा कि घुसपैठ की इस कोशिश का बांग्लादेश के राजनीतिक संकट से संबंध नहीं है। सरमा ने एक्स पर पोस्ट किया, मोतीउर शेख, मुशियार मुल्ला, तानिया मुल्ला और रीता मुल्ला के रूप में पहचाने गए बांग्लादेशियों ने भारत-बांग्लादेश सीमा के करीमगंज सेक्टर के माध्यम से भारत में घुसने की कोशिश की।

बांग्लादेश में उपद्रवियों ने शहीद स्मारक भी तोड़ा

- जनरल अरोड़ा के समक्ष आत्मसमर्पण करते पाकिस्तानी जनरल की थी प्रतिमा
- कांग्रेस नेता थरूर ने कहा, भारतविरोधी तत्वों पर कार्रवाई करे अंतरिम सरकार

बांग्लादेश के मुजीबनगर स्थित शहीद स्मारक स्थल में उपद्रवियों द्वारा कई मूर्तियों को हथौड़े से तोड़ दिया गया है। सौ. कालेर कंठ दैनिक समाचार

जेएनएन, नई दिल्ली

बीते हफ्ते बांग्लादेश में हुए हिंसक आंदोलन का उद्देश्य केवल शेख हसीना की सरकार को हटाना ही नहीं था बल्कि भारत विरोधी भावना भी उपद्रवियों के सिर चढ़कर बोल रही थी। इसका सुबूत मेहरपुर के मुजीबनगर में तोड़ा गया शहीद स्मारक परिसर है। इस काम्प्लेक्स में लेफ्टिनेंट जनरल जगजीत सिंह अरोड़ा के समक्ष पाकिस्तानी जनरल नियाजी की आत्मसमर्पण के मसौदे पर दस्तखत करते हुए की भव्य प्रतिमा और 1971 के युद्ध में बलिदान देने वाले भारतीय सैनिकों की कई प्रतिमाएं थीं। इन प्रतिमाओं को उपद्रवियों ने तोड़ दिया है। इसी दौरान ढाका में स्थित इंदिरा गांधी सांस्कृतिक केंद्र में भारी तोड़फोड़ और आगजनी की गई थी।

1971 में हुए युद्ध के परिणामस्वरूप ही पाकिस्तान से अलग होकर पूर्वी बंगाल बांग्लादेश बना था। लेकिन हिंसक आंदोलनकारियों ने बांग्लादेश बनने के चिह्नों और प्रतीकों पर प्रहार किया है। उपद्रव के दौरान भारत से जुड़े प्रतीकों पर हमला किया गया, साथ ही राष्ट्रपिता बंगबंधु शेख मुजीबुर्रहमान की प्रतिमाओं और ढाका के उस आवास को भी नहीं छोड़ा गया जिसमें उनकी हत्या हुई थी।

हिंदुओं पर हमलों से चिंतित लेखकों, शिक्षाविदों ने लिखा पत्र

- बांग्लादेश में सांप्रदायिक हिंसा के खिलाफ संसद से सर्वसम्मत निंदा प्रस्ताव पारित करने का आग्रह
- हिंदुओं की सुरक्षा के लिए ठोस कदम और अपराधियों पर कार्रवाई के लिए बांग्लादेशी अधिकारियों पर दबाव

नई दिल्ली, एएनआइ : बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमलों को लेकर लेखकों, शिक्षाविदों, नामचीन हस्तियों ने पत्र लिखकर चिंता जताई है। इन लोगों ने बांग्लादेश में सांप्रदायिक हिंसा के खिलाफ संसद से सर्वसम्मति से निंदा प्रस्ताव पारित करने का आग्रह किया है। इस पत्र पर हस्ताक्षर करने वालों में लेखक अमीश त्रिपाठी, अश्विन सांघी, अभिषेक बनर्जी, राजीव मंत्री, स्मिता बरूआ और सुप्रीम कोर्ट के वकील जे. साई दीपक शामिल हैं। पत्र में कहा गया है, हाल में हमने बेहद परेशान करने वाली घटनाएं देखी हैं। मेहरपुर में इसकान केंद्र जलाया गया, पूरे बांग्लादेश में कई मंदिरों में तोड़फोड़ की गई। दंगाइयों द्वारा हिंदुओं की हत्या का जश्न मनाने का वीडियो प्रसारित हो रहा है।

बांग्लादेश में हिंदू आबादी ने बार-बार उत्पीड़न का सामना किया है, जो राजनीतिक अस्थिरता के समय अक्सर और बढ़ जाता है। 1971 में जब बांग्लादेश के गठन से पहले पाकिस्तानी शासन में 25 लाख हिंदुओं की हत्या कर दी गई थी। तब से हिंदुओं के खिलाफ नरसंहार चल रहा है। रिपोर्ट के अनुसार 2013 से बांग्लादेश में हिंदुओं पर 3,600 से अधिक हमले हुए हैं। बांग्लादेश में वर्तमान घटनाक्रम के कारण अल्पसंख्यकों पर हमले बढ़ गए हैं।

पत्र में कहा गया, हम संसद से आग्रह करते हैं कि वह बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले व सांप्रदायिक हिंसा की निंदा करते हुए सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित करे। अंतरराष्ट्रीय संगठनों के साथ मिलकर बांग्लादेशी अधिकारियों पर दबाव डालें कि वे अपने हिंदू अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाएं। अपराधियों पर कार्रवाई करें। अत्याचारों को रोकने तथा बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के मौलिक मानवाधिकारों को बनाए रखने के लिए कार्रवाई जरूरी है।

बांग्लादेश के चटग्राम में सोमवार को भी हिंदू समुदाय ने हिंदुओं पर हो रहे हमले के विरोध में विशाल प्रदर्शन किया। आइएएनएस

19 तक हथियार जमा कराएं आंदोलनकारी

प्रथम पृष्ठ से आगे

बांग्लादेश सरकार ने आंदोलनकारियों से अपने हथियार पुलिस थानों में जमा करने के लिए कहा है। अंतरिम सरकार में गृह मंत्रालय के प्रभारी सलाहकार ब्रिगेडियर जनरल (रिटायर्ड) एम सखावत हुसैन ने आंदोलन के दौरान इस्तेमाल में लाए गए और लूटे गए सभी हथियारों को 19 अगस्त तक जमा करने के लिए कहा है। इनमें बहुत से हथियार थानों के शस्त्रागार और पुलिसकर्मियों से लूटे गए हैं। हुसैन ने कहा है कि 19 अगस्त तक नजदीकी थाने में हथियार जमा न कराने पर सरकार तलाशी अभियान चलाएगी और जिसके पास हथियार पाए जाएंगे उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई होगी।

इजरायल के रक्षा मंत्री योव गैलेंट ने कहा, ईरान कर रहा बड़े सैन्य हमले की तैयारी

- मदद को अमेरिका ने गाइडेड मिसाइल पनडुब्बी तैनाती के दिए आदेश
- योव गैलेंट ने अमेरिकी रक्षा मंत्री लायड आस्टिन से फोन पर की बात

वाशिंगटन, रायटर : इजरायली रक्षा मंत्री योव गैलेंट ने रविवार को अमेरिकी रक्षा मंत्री लायड आस्टिन से फोन कर कहा कि इजरायल पर बड़े सैन्य हमले की ईरान तैयारी कर रहा है। हालात को देखते हुए आस्टिन ने पश्चिम एशिया में एक गाइडेड मिसाइल पनडुब्बी की तैनाती का आदेश दिया और यूएसएस अब्राहम लिंकन विमान वाहक समूह को क्षेत्र में और अधिक तेजी से जाने के लिए कहा गया है। लिंकन के इस महीने के अंत तक क्षेत्र में पहुंचने की उम्मीद थी। अमेरिकी सेना ने पहले ही कहा था कि वह इजरायली सुरक्षा को मजबूत करने के लिए इस क्षेत्र में अतिरिक्त लड़ाकू जेट और युद्धपोत तैनात करेगी।

स्थानीय समाचार एजेंसियों ने ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड्स के डिप्टी कमांडर के हवाले से कहा है कि ईरान 31 जुलाई को तेहरान में हमास नेता की हत्या पर इजरायल पर हमले को तैयार था। ईरान और हिजबुल्ला के संभावित हमलों को देखते हुए इजरायली वायु सेना ने अपने

योव गैलेंट। फाइल

कर्मियों की विदेश यात्रा निलंबित कर दी है। वहीं, वेटिकन ने ईरान से पश्चिम एशिया में संघर्ष को बढ़ावा देने से हर तरह से दूर रहने का आह्वान किया है।

इस बीच, इजरायली सेना ने सोमवार को दक्षिणी गाजा के खान यूनिस पर हमला तेज कर दिया। इसमें 18 लोग मारे गए और कई अन्य घायल हुए। गाजा के जिटौन में पांच और रफा में दो लोग मारे गए। इजरायली चेतावनी के बाद खान यूनिस से लोगों का पलायन जारी है। वहीं, लड़ाई जारी रहने के कारण हमास गुरुवार को होने वाली मिस्र और कतर की मध्यस्थता वार्ता के नवीनतम दौर को लेकर आश्वस्त नहीं दिख रहा है। उसने कहा है कि इजरायल की ओर से आगे बढ़ने के कोई संकेत नहीं दिख रहे। हमास ने कहा कि बातचीत के आगे के दौर या नए प्रस्तावों की जगह मध्यस्थों को इजरायल को अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के विचारों पर आधारित युद्धविराम प्रस्ताव स्वीकार करने के लिए मजबूर करना चाहिए, जिसे हमास ने स्वीकार कर लिया है।

नेतन्याहू और गैलेंट के बीच तीखी नोकझोंक : इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की रक्षा मंत्री के साथ युद्ध के लक्ष्य को लेकर तीखी नोकझोंक सामने आई है। गैलेंट ने गाजा में हमास के खिलाफ पूर्ण जीत के नेतन्याहू के लक्ष्य को बकवास कहकर खारिज कर दिया।

न्यूज गैलरी

राजदूत का प्रभार संभालने वाशिंगटन पहुंचे क्वात्रा

वाशिंगटन : अमेरिका में भारत के नवनियुक्त राजदूत विनय मोहन क्वात्रा सोमवार को कार्यभार संभालने अमेरिकी राजधानी वाशिंगटन पहुंच गए। 61 वर्षीय क्वात्रा इससे पहले भारत के विदेश सचिव थे। वह तरनजीत सिंह संधू का स्थान लेंगे। 2020 से 2024 तक अमेरिका में भारत के शीर्ष राजनयिक की भूमिका निभाने वाले संधू इस वर्ष के शुरू में विदेश सेवा से सेवानिवृत्त हो गए। (प्रेट्र)

चीन की स्कूली छात्रा ने भरतनाट्यम से मन मोहा

बीजिंग : चीन में 13 वर्षीया स्कूली छात्रा लेई मुजी ने भरतनाट्यम प्रस्तुत कर उपस्थित दर्शकों का मन मोह लिया। लेई ने रविवार को बीजिंग में प्रसिद्ध भारतनट्यम नृत्यांगना लीला सैमसन, भारतीय राजनयिकों और चीनी प्रशंसकों के समक्ष अपना एकल नृत्य प्रस्तुत किया। भारतीय शास्त्रीय नृत्य शैली भरतनाट्यम के कलाकारों के लिए दर्शकों के अलावा शिक्षकों और विशेषज्ञों के समक्ष मंच पर पहले प्रदर्शन को तमिल में अरंगेत्रम कहा जाता है। (प्रेट्र)

बुशरा को हिंसा से संबंधित 12 मामलों में जमानत नहीं

इस्लामाबाद : पाकिस्तान में आतंकवाद विरोधी कोर्ट ने सोमवार को जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पत्नी बुशरा बीबी को पिछले वर्ष नौ मई को हुई हिंसा से संबंधित 12 मामलों में जमानत नहीं दी। न्यायाधीश मलिक एजाज आसफ ने बुशरा की अर्जी पर सुनवाई के बाद कहा कि उनके मामलों में जांच की आवश्यकता है। मलिक ने बुशरा के मामलों में सात दिन में जांच पूरी करने का आदेश दिया है। (प्रेट्र)

लंदन में लड़की व महिला को घायल करने वाला गिरफ्तार

लंदन : पिछले हफ्ते हुई हिंसा के बाद तनाव में घिरे ब्रिटेन की राजधानी लंदन के मध्य में सोमवार को 11 वर्षीया एक लड़की और 34 वर्षीया महिला को चाकू मार कर घायल करने वाले हमलावर को घटनास्थल पर ही गिरफ्तार कर लिया गया। एक दुकान के सुरक्षा गार्ड ने बताया कि चिल्लाने की आवाज सुनने के बाद उन्होंने हमलावर को दबोच लिया। कुछ और लोग दौड़े और हमलावर को पुलिस के आने तक दबोचे रखा। (एपी)

आइएसआइ के पूर्व प्रमुख फैज हमीद को सेना ने किया गिरफ्तार

- हाउसिंग स्कीम घोटाले के तहत कोर्ट मार्शल की प्रक्रिया शुरू
- 2019-2021 में पाक खुफिया एजेंसी के सबसे सशक्त व्यक्ति

इस्लामाबाद, प्रेट्र : पाकिस्तान के पूर्व आइएसआइ प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) फैज हमीद को सेना ने गिरफ्तार कर लिया है। आइएसपीआर ने कहा कि फैज हमीद के रिटायर होने के बाद हाउसिंग स्कीम घोटाले के तहत उनके खिलाफ कोर्ट मार्शल की प्रक्रिया शुरू हो गई है।

इंटर सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आइएसपीआर) के अनुसार पाकिस्तान के पूर्व खुफिया प्रमुख फैज हमीद को सैन्य हिरासत में ले लिया गया है। आइएसपीआर ने कहा कि फैज हमीद के रिटायर होने के बाद पाकिस्तानी सेना अधिनियम के उल्लंघन के कई मामले भी सामने आए हैं। रिटायर लेफ्टिनेंट जनरल फैज हमीद के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू की गई है। ऐसा पहली बार हुआ है जब पाकिस्तान के किसी पूर्व खुफिया प्रमुख के खिलाफ कोर्ट मार्शल की कार्यवाही शुरू की गई है। पाकिस्तान की सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का पालन करते हुए पूर्व लेफ्टिनेंट जनरल फैज हमीद के खिलाफ टाप सिटी हाउसिंग स्कीम केस में की गई शिकायतों का पता लगाने के लिए पाकिस्तानी सेना की एक टीम ने जांच की थी, जिसमें उनके खिलाफ कई मामले सामने आए हैं।

बीते साल 14 नवंबर 2023 को जारी लिखित आदेश में पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल फैज हमीद के खिलाफ 'अत्यंत गंभीर प्रकृति' के आरोप हैं। आरोप सही साबित हुए तो वो देश के सशस्त्र बलों, आइएसआइ और पाकिस्तान रेंजर्स की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाएंगे। पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी में फैज हमीद 2019-2021 के बीच सबसे अधिक शक्तिशाली व्यक्ति थे। हमीद ने समय से चार महीने पहले सेवानिवृत्ति ले ली थी। वह तबके सेना प्रमुख जनरल कमर बाजवा के करीबी थे।

भारत के खिलाफ आतंकवाद के लिए अपनी जमीन का इस्तेमाल नहीं होने देगा नेपाल

- विदेश सचिव विक्रम मिस्री को नेपाली गृह मंत्री लेखक ने दिया आश्वासन
- सुरक्षा, बुनियादी ढांचे, ऊर्जा, जल क्षेत्र में भारत को प्रमुख साझीदार माना

काठमांडू, प्रेट्र : भारत और नेपाल के द्विपक्षीय संबंधों ने भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिस्री के दो दिवसीय नेपाल दौरे के दौरान द्विपक्षीय संबंधों पर नया कलेवर चढ़ाया गया है। पिछले ही महीने प्रधानमंत्री केपी ओली शर्मा के सत्ता संभालने के बाद नेपाल सरकार ने अब भारत को यह आश्वासन दिया है कि वह अपनी जमीन को पड़ोसी देश के खिलाफ आतंकवाद के लिए इस्तेमाल नहीं होने देंगे।

कैंद्रीय गृह मंत्रालय ने बयान जारी करके सोमवार को बताया कि विदेश सचिव विक्रम मिस्री से मुलाकात के दौरान नेपाली गृह मंत्री रमेश लेखक ने आश्वस्त किया कि उनके देश में भारत के खिलाफ कोई विरोधी गतिविधि नहीं होने दी जाएगी। बयान में कहा गया है कि नेपाली नेताओं ने सुरक्षा, बुनियादी ढांचे, ऊर्जा, जल संसाधन के क्षेत्रों में भारत को नेपाल का प्रमुख साझीदार माना है। नेपाल की सुरक्षा और बुनियादी ढांचे के विकास कार्यों के लिए लेखक ने भारत के प्रति आभार जताया है। इस अवसर पर नेपाली गृह मंत्री लेखक ने वादा किया कि नेपाली क्षेत्र में पड़ोसी देशों के खिलाफ किसी भी गतिविधि को समर्थन नहीं दिया जाएगा। लेखक ने नेपाल में भारतीयों को पूरी सुरक्षा दिए जाने के साथ ही नशीले पदार्थों की तस्करी समेत सीमा पार के अन्य अपराधों पर भी लगाम लगाने के लिए सहयोग बढ़ाने और दोनों देशों की साझेदारी में काम करने की बात कही। मिस्री अपनी दो दिवसीय यात्रा में सोमवार को अपने नेपाली प्रतिपक्षी सेवा लमसल से भी मिले और द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने पर चर्चा की। मिस्री ने नेपाल के उप प्रधानमंत्री व वित्त मंत्री बिश्नू प्रसाद पौडेल से भी मुलाकात की है।

भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने सोमवार को नेपाल की विदेश सचिव सेवा लमसाल से भी मुलाकात की। एएनआइ

पाक में साल में 14वीं बार बढ़ी बिजली बिल दरें

इस्लामाबाद, एएनआइ : पाकिस्तान में एक साल में बिजली की दरें 14वीं बार बढ़ाई गई हैं। जुलाई 2023 से अगस्त 2024 तक 14 समायोजन किए गए। इसके कारण उपभोक्ताओं पर 455 अरब रुपये से अधिक का अतिरिक्त बोझ पड़ा है। मार्च 2024 में 7.06 रुपये प्रति यूनिट की उच्चतम वृद्धि हुई थी। बिजली की कीमतों में लगातार बदलाव से लोगों को खर्चों का प्रबंधन करना चुनौतीपूर्ण बनता जा रहा है। पिछले हफ्ते, नेशनल इलेक्ट्रिक पावर रेगुलेटरी अथारिटी ने पाकिस्तान में बिजली दर में 2.56 रुपये प्रति यूनिट की बढ़ोतरी की घोषणा की है। इस महीने की शुरुआत में के-इलेक्ट्रिक ने घोषणा की थी कि कराची में बिजली उपभोक्ताओं को अगस्त में बढ़ा हुआ बिल मिलने वाला है। कुछ समय पहले बिजली दरों में लगातार बढ़ोतरी के बाद गुजरांवाला में बिजली बिल को लेकर हुए विवाद में एक शख्स ने अपने भाई की हत्या कर दी थी। दोनों भाई बुजुर्ग मां के साथ रहते थे और उनके बीच बिजली बिल के भुगतान को लेकर विवाद हुआ था। यह बिल 30,000 रुपये से अधिक आया था।

यूक्रेनी सेना के हमलों को देखते हुए एक और इलाके से लोगों को हटा रहा रूस

- अकेले बेलगोरोद के क्रास्नाया यारुगा से 11,000 लोगों को निकाला गया है
- पुतिन बोले, डोनबास पर कार्रवाई रोकने के लिए यूक्रेन ने कुर्स्क पर बोला हमला

मास्को, रायटर : रूसी सीमा पर बढ़ते यूक्रेनी हमले को देखते हुए रूस ने एक और इलाके बेलगोरोद से लोगों को हटाना शुरू कर दिया है। क्षेत्रीय गवर्नर व्याचेस्लाव ग्लैडकोव ने कहा कि सीमा पर दुश्मन की गतिविधि के कारण अकेले क्रास्नाया यारुगा से 11,000 लोगों को निकाला गया है।

इस बीच, रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसके सैनिकों ने कुर्स्क क्षेत्र में कम से कम आठ अलग-अलग स्थानों पर यूक्रेनी सेना के कई हमलों को नाकाम कर दिया है। मंत्रालय ने यूक्रेन की 22वीं, 61वीं और 115वीं ब्रिगेड के खिलाफ तीव्र लड़ाई की सूचना दी है। इसमें कहा गया है कि यूक्रेन ने क्षेत्र में 32 टैंक खो दिए हैं। इस बीच, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने सोमवार को कहा कि कुर्स्क क्षेत्र में यूक्रेनी सेना की घुसपैठ मास्को को डोनबास क्षेत्र में हमले से रोकने और भविष्य में बातचीत के दौरान बेहतर स्थिति हासिल करने के लिए किया गया है।

रूस के कुर्स्क में अपने देश का ध्वज लगाता यूक्रेन का सैनिक। रायटर

'यूक्रेन ने हमले में रासायनिक हथियारों का किया प्रयोग'

रूसी मीडिया ने कुर्स्क क्षेत्र के गवर्नर एलेक्सी स्मिरनोव के हवाले से कहा है कि कुर्स्क क्षेत्र में यूक्रेनी सेना की ओर से हमले के दौरान रासायनिक हथियार वाले गोलों का इस्तेमाल किया गया। हालांकि, यह साबित नहीं हो पाया है कि उन्होंने इसे लेकर कोई सुबूत पेश किया हो।

रूस का दावा, जापोरीजिया परमाणु ऊर्जा संयंत्र पर यूक्रेन ने बोला हमला

मास्को, आइएएनएस : यूक्रेन की ओर से किए गए हमले में जापोरीजिया परमाणु ऊर्जा संयंत्र के एक कूलिंग टावर के पास आग लग गई है। यह दावा सोमवार को रूस की ओर से किया गया है। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी ने कहा है कि संयंत्र के उसके विशेषज्ञों ने शाम को कई विस्फोटें सुनीं और संयंत्र के उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र से गहरा काला धुआं निकलते देखा।

एक्स पर डोनाल्ड ट्रंप का साक्षात्कार लेंगे एलन मस्क

वाशिंगटन, रायटर : एक्स के मालिक एलन मस्क अपने इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म पर रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप का साक्षात्कार लेने वाले हैं, जो अमेरिकी राष्ट्रपति के चुनाव को व्यापक रूप से प्रभावित कर सकता है। यह साक्षात्कार पूर्व राष्ट्रपति को ऐसे समय में सुर्खियां बटोरने का अवसर प्रदान कर सकता है, जब उनके अभियान को कमजोर माना जा रहा है। पांच नवंबर को होने वाले चुनाव के लिए डेमोक्रेटिक प्रतिद्वंद्वी कमला हैरिस ने जनमत सर्वेक्षणों में ट्रंप की बढ़त को खत्म कर दिया है और अपनी कई रैलियों के माध्यम से डेमोक्रेटिक मतदाताओं को उत्साहित किया है। एक्स पर साक्षात्कार से ट्रंप को उन परंपरागत समर्थकों के अलावा एक अलग दर्शक वर्ग तक पहुंचने का मौका मिल सकता है, जो उनकी रैलियों में भाग लेते हैं और फाक्स न्यूज पर उनके साक्षात्कार देखते हैं। ट्रंप के एक्स अकाउंट का उपयोग करके इस साक्षात्कार का सीधा प्रसारण किया जाएगा।

कमला की जीत के लिए विदेश में रहने वाले अमेरिकियों पर नजर

- मतदाता पंजीकरण अभियान से जोड़ने और जागरूकता फैलाने पर एक लाख डालर खर्च करेगी डीएमसी

वाशिंगटन, रायटर : नवंबर में होने वाले अमेरिकी चुनाव में कमला हैरिस की जीत सुनिश्चित करने के लिए विदेशों में रहने वाले अमेरिकियों पर डेमोक्रेटिक पार्टी की नजर है। डेमोक्रेटिक नेशनल कमेटी (डीएमसी) वह उन्हें खुद से जोड़ने के लिए एक लाख डालर खर्च करेगी। इसका प्रयोग विदेश में रहने वाले 90 लाख अमेरिकियों को मतदाता पंजीकरण अभियान से जोड़ने और विदेश से कैसे मतदान में हिस्सा लें इसे लेकर जागरूकता फैलाने पर खर्च किया जाएगा।

डीएमसी अधिकारी ने कहा कि चुनाव में एरिजोना, जार्जिया, मिशिगन, नेवेदा, नार्थ कैरोलिना, पेंसिल्वेनिया और विस्कान्सिन जैसे महत्वपूर्ण राज्यों के 16 लाख लोग विदेश में रह रहे हैं। चुनाव जीतने के लिए कमला हैरिस और डोनाल्ड ट्रंप के लिए ये राज्य बेहद महत्व रखते हैं। राष्ट्रपति जो बाइडन ने एरिजोना, जार्जिया और विस्कान्सिन में केवल 44,000 वोट जीतकर ट्रंप को हराकर 2020 का राष्ट्रपति पद जीता था।

कमला हैरिस।

कमला हैरिस को अमेरिका की अगली राष्ट्रपति बनाने के लिए डीएमसी कोई कसर नहीं छोड़ेगी। वर्ष 2020 में हुए चुनाव के दौरान देश से बाहर रहने वाले सिर्फ आठ प्रतिशत अमेरिकी मतदान के लिए पंजीकृत थे। अधिकारी ने कहा कि यह चुनाव काफी टक्कर का होने वाला है। इसलिए हर एक वोट महत्व रखता है। इसलिए देश से बाहर रहने वालों का एक-एक मत जरूरी है।

****

राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
स्पोर्ट्स
मंगलवार 13 अगस्त, 2024
www.jagran.com

रोहित अभी आसानी से दो साल खेल सकते हैं। आप विराट की फिटनेस को लेकर नहीं कह सकते, वह अभी पांच साल तक खेल सकता है। वह टीम में सबसे फिट खिलाड़ी हैं।
— हरभजन सिंह, पूर्व भारतीय क्रिकेटर

निशानेबाजों को अपने प्रदर्शन पर गर्व होना चाहिए : बिंद्रा

मुंबई, प्रेट्र : ओलिंपिक स्वर्ण पदक विजेता निशानेबाज अभिनव बिंद्रा का मानना है कि पेरिस में अधिक निशानेबाजों के पास अपने 'प्रदर्शन को पदक' में बदलने का मौका था लेकिन यह एक ऐसा अभियान था जिस पर उन्हें गर्व होना चाहिए। बिंद्रा ने कहा, अच्छा परिणाम जरूरी है लेकिन उससे अधिक महत्वपूर्ण यह देखने के बारे में है कि आपने एक देश के तौर पर प्रदर्शन के मामले में कितना सुधार किया है।

एक नजर में

श्रीजा अकुला यूटीटी से हटीं

चेन्नई : भारतीय टेबल टेनिस स्टार श्रीजा अकुला स्ट्रेस फ्रैक्चर की वजह से अल्टीमेट टेबल टेनिस टूर्नामेंट (यूटीटी) से हट गई हैं। यूटीटी 22 अगस्त से सात सितंबर तक खेला जाएगा। चोट के बारे में बताते हुए 26 वर्षीय श्रीजा ने कहा कि, उन्हें स्ट्रेस फ्रैक्चर का पता चला है और सात सप्ताह तक आराम करने की आवश्यकता होगी, जिसका मतलब है कि वह यूटीटी में भाग नहीं ले सकेंगी। दो बार की राष्ट्रीय चैंपियन श्रीजा अकुला यूटीटी के वर्तमान संस्करण के लिए जयपुर पैट्रियट्स का प्रतिनिधित्व करने वाली थी। (प्रेट्र)

प्रगनानंद को मिला जुला ड्रा

सेंट लुईस : आर प्रगनानंद को सेंट लुई रेपिड एवं ब्लिट्ज टूर्नामेंट में मिला-जुला ड्रा मिला है। भारतीय ग्रैंडमास्टर प्रगनानंद अपने अभियान की शुरुआत काले मोहरों से अमेरिका के लेवोन अरोनियन के विरुद्ध करेंगे। प्रज्ञानानंद को मैक्सिम वाचियेर-लाग्रेव और अलीरेजा फिरोजा की फ्रांसीसी जोड़ी, ग्रैंड शतरंज टूर में शीर्ष पर चल रहे अमेरिका के फाबियानो कारुआना और उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसोतोरोव विरुद्ध सफेद मोहरों से खेलना है जिससे उनके पास टूर पर रैंकिंग सुधारने का अच्छा अवसर है। कुल इनामी राशि एक लाख 75 हजार डालर है और मौजूदा फार्म को देखते हुए कारुआना खिताब के सबसे बड़े दावेदार माने जा रहे हैं। (प्रेट्र)

श्रीलंका के विरुद्ध सीरीज से पहले स्टोक्स चोटिल

मैनचेस्टर : इंग्लैंड की टेस्ट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स घरेलू क्रिकेट प्रतियोगिता द हंड्रेड में खेलते समय चोटिल हो गए जिससे उनके श्रीलंका के विरुद्ध आगामी टेस्ट सीरीज में खेलने पर सवालिया निशान लग गया है। अभी तक उनकी चोट की गंभीरता का पता नहीं लगा है और उनके सामने जल्द ही पूरी तरह से फिट होने की चुनौती होगी। स्टोक्स की चोट का सोमवार को स्कैन किया जाएगा, जिसके बाद सही स्थिति पता चलेगी। (एपी)

दक्षिण अफ्रीका और विंडीज के बीच पहला टेस्ट ड्रा

त्रिनिदाद : वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका के बीच वर्षा से प्रभावित पहला टेस्ट मैच ड्रा पर समाप्त हुआ। सोमवार को क्वींस पार्क ओवल में पांचवे दिन मेहमान टीम ने वेस्टइंडीज को 298 रनों का लक्ष्य दिया था, जिसका पीछा करते हुए वेस्टइंडीज 56.2 ओवर में पांच विकेट गंवाकर सिर्फ 201 रन ही बना पाई। अथानाजे ने सर्वाधिक 92 रन बनाए। (एपी)

लीजेंड्स खिलाड़ियों की अपनी लीग शुरू कर सकता है बीसीसीआइ

भारत के पूर्व क्रिकेटरों ने बीसीसीआइ सचिव जय शाह से किया लीग का आग्रह

अभिषेक त्रिपाठी ● नई दिल्ली

नई दिल्ली: दुनियाभर में टी-20 की बढ़ती लोकप्रियता को भुनाने के लिए शुरू की गईं विभिन्न लीजेंड्स लीग में अनियमितताओं और विभिन्न समस्याओं को देखते हुए भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआइ) भी आइपीएल की तर्ज पर लीजेंड्स खिलाड़ियों की अपनी लीग शुरू कर सकता है। इस समय दुनिया भर में कई लीजेंड्स खिलाड़ियों की लीग खेली जा रही हैं, जिनमें वर्ल्ड चैंपियनशिप आफ लीजेंड्स, ग्लोबल लीजेंड्स लीग, लीजेंड्स लीग क्रिकेट प्रमुख हैं। इन लीग में भारत के सचिन तेंदुलकर, युवराज सिंह, सुरेश रैना, हरभजन, अंबाती रायुडू समेत कई खिलाड़ी खेलते हैं। इन लीगों में मुथैया मुरलीधरन, सनथ जयसूर्या, क्रिस गेल, पोलार्ड, एबी डिविलियर्स जैसे कई पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर भी खेलते हैं।

बीसीसीआइ अभी आइपीएल और महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) आयोजित करता है। सूत्रों के अनुसार, हाल ही में भारत के कुछ पूर्व खिलाड़ियों ने बीसीसीआइ सचिव जय शाह से मुलाकात की और उनसे लीजेंड्स लीग कराने का आग्रह किया। पूर्व क्रिकेटर चाहते हैं कि लीजेंड्स लीग का आयोजन आइपीएल की तरह किया जाएगा। शहरों पर आधारित फ्रेंचाइजी टीमें हों और दुनियाभर के खिलाड़ियों के लिए बोली लगाई जाएं। बीसीसीआइ की ओर से इस प्रस्ताव पर संभावनाएं तलाशने का आश्वासन दिया है और अगर सब कुछ सही रहता है तो भारत में भी दर्शकों को पूर्व दिग्गज खिलाड़ियों के बीच लीजेंड्स लीग का आनंद लेने को मिल सकता है। बीसीसीआइ के एक अधिकारी ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि हमें इस संदर्भ में पूर्व क्रिकेटरों की ओर से प्रस्ताव मिला है, जिस पर विचार किया जा रहा है। हालांकि यह अभी प्रस्ताव के स्तर पर ही है। जब उनसे पूछा गया कि क्या यह लीग इस साल हो सकती है तो उन्होंने कहा कि नहीं इतनी जल्दी यह संभव नहीं है। अगले साल जरूर इस बारे में सोचा जा सकता है। इसमें वे खिलाड़ी खेलेंगे जो अपने देश से संन्यास ले चुके हैं और आइपीएल में भी नहीं खेलते हैं।

बीसीसीआइ से जुड़े एक सूत्र ने कहा कि अगर भारत में इस तरह की लीग शुरू होती है तो इसका सीधा असर अन्य लीगों पर पड़ेगा। अभी फिलहाल जितनी भी लीग हो रही हैं, वह कुछ निजी कंपनियों द्वारा विभिन्न क्रिकेट बोर्ड के समर्थन से आयोजित की जा रही है। कोई भी क्रिकेट बोर्ड लीजेंड्स लीग जैसे प्रतियोगिता का आयोजन सीधे तौर पर नहीं कर रहा है। इस साल जून में बर्मिंघम में हुई वर्ल्ड चैंपियनशिप आफ लीजेंड्स को इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) की सहायता से आयोजित किया गया था। अगर बीसीसीआइ जैसा सबसे धनी क्रिकेट बोर्ड खुद की लीजेंड्स लीग शुरू करता है तो यह विश्व क्रिकेट में बड़ा कदम होगा। दुनियाभर के पूर्व क्रिकेटर अब भी भारत में खेलना चाहते हैं।

इस तरह की लीग में खेलने वाले एक क्रिकेटर ने दैनिक जागरण से कहा कि अगर ऐसा होता है तो ये एक बेहतर कदम होगा और आइपीएल की अधिकतर फ्रेंचाइजी भी इसमें टीम लेंगी जिससे उन खिलाड़ियों को फिर से बेहतर मंच मिलेगा जो भारत सहित अपने बोर्डों के साथ आइपीएल में खेल चुके हैं।

दलीप ट्राफी में खेलेंगे शुभमन, यशस्वी समेत ज्यादातर खिलाड़ी

नई दिल्ली, जेएनएन : बांग्लादेश के विरुद्ध टेस्ट सीरीज से पहले बीसीसीआइ ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने वाले केएल राहुल, शुभमन गिल, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, श्रेयस अय्यर और यशस्वी जायसवाल समेत सभी शीर्ष खिलाड़ियों को दलीप ट्राफी में खेलने को कहा है। चयनकर्ता रिषभ पंत को भी दलीप ट्राफी में खेलते देखना चाहते हैं। रोहित शर्मा और विराट कोहली को विकल्प दिया गया है कि उन्हें इसमें खेलना है या नहीं। वहीं, जसप्रीत बुमराह और रविचंद्रन अश्विन को छूट दी जाएगी, जबकि सर्जरी से उबर रहे मोहम्मद शमी के भाग लेने की संभावना नहीं है। हार्दिक पांड्या एकमात्र ऐसे खिलाड़ी है, जो दलीप ट्राफी में नहीं खेलेंगे क्योंकि उन्होंने लाल गेंद वाले क्रिकेट से दूरी बना ली है।

बीसीसीआइ ने घरेलू क्रिकेट को प्राथमिकता देने और सभी खिलाड़ियों को इसमें हिस्सा लेने के लिए कई ठोस कदम उठाए हैं। लगातार नजरअंदाज किए जाने के बावजूद चयनकर्ताओं द्वारा इशान किशन को चार टीमों में से किसी एक में शामिल किया जा सकता है। यह निर्णय बीसीसीआइ और चयनकर्ताओं द्वारा सामूहिक रूप से लिया गया, जिसमें नए कोच गौतम गंभीर की भी राय शामिल थी। रोहित और विराट को छूट दिए जाने के बारे में एक सूत्र ने बताया, जिन्होंने कहा कि दोनों स्टार खिलाड़ी बहुत अधिक काम कर रहे हैं। रोहित ने अंतिम बार 2021 में घरेलू मैच खेला था, जबकि कोहली ने 2015 के बाद से राष्ट्रीय स्तर का मैच नहीं खेले हैं।

विनेश की अयोग्यता के लिए कोच व स्टाफ जिम्मेदार : ऊषा

पेरिस, आइएएनएस: भारतीय ओलिंपिक संघ (आइओए) की अध्यक्ष पीटी ऊषा ने कहा है कि विनेश फोगाट को अयोग्य ठहराए जाने के लिए आइओए द्वारा नियुक्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. दिनशा पारदीवाला को जिम्मेदार नहीं ठहराया जाना चाहिए और यह पहलवान के कोच और सहयोगी स्टाफ हैं जिन्हें जिम्मेदारी लेनी चाहिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कुश्ती, भारोत्तोलन, मुक्केबाजी और जूडो जैसे खेलों में वजन प्रबंधन की जिम्मेदारी पूरी तरह से प्रत्येक एथलीट और उनकी व्यक्तिगत कोचिंग टीम की है।

ऊषा ने कहा कि संघ द्वारा नियुक्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. दिनशा पारदीवाला और उनकी टीम को खेलों से कुछ महीने पहले बोर्ड में लाया गया था। उनकी प्राथमिक भूमिका प्रतियोगिताओं के दौरान और बाद में एथलीटों की रिकवरी और चोट प्रबंधन में सहायता करना थी। इसके अतिरिक्त, आइओए मेडिकल टीम को उन एथलीटों का समर्थन करने के लिए डिज़ाइन किया गया था जिनके पास पोषण विशेषज्ञों और फिजियोथेरेपिस्टों की अपनी टीम तक पहुंच नहीं थी। आइओए ने कुछ महीने पहले एक मेडिकल टीम नियुक्त की थी, मुख्य रूप से एक टीम जो प्रतिस्पर्धा के दौरान और बाद में एथलीटों की रिकवरी और चोट प्रबंधन में सहायता करेगी। इस टीम को उन एथलीटों का समर्थन करने के लिए भी डिजाइन किया गया था जिनके पास पोषण विशेषज्ञ और फिजियोथेरेपिस्ट की अपनी टीम नहीं थी। आइओए मेडिकल टीम, विशेष रूप से डा. पारदीवाला को जिम्मेदार ठहराना अस्वीकार्य है और निंदा के योग्य है। ऊषा ने आशा जताई कि आइओए मेडिकल टीम का मूल्यांकन करने की जल्दबाजी करने वाले किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले सभी तथ्यों पर विचार करेंगे।

आइओए की अध्यक्ष ने कहा, अयोग्यता के लिए पारदीवाल को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता

पीटी ऊषा ● फाइल फोटो, आइएएनएस

विनेश की अपील पर आज आएगा निर्णय

विनेश की अयोग्यता पर खेल पंचाट न्यायालय (कैस) मंगलवार को निर्णय सुनाएगा। विनेश ने 100 ग्राम वजन अधिक पाए जाने पर अयोग्य घोषित किए जाने के विरुद्ध कैस में अपील की थी, जिस पर पहले शनिवार को निर्णय आना था। लेकिन बाद में खेल पंचाट ने मंगलवार का दिन तय किया था। आइओए ने कहा था कि सीएएस के तदर्थ प्रभाग ने विनेश बनाम यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग और अंतरराष्ट्रीय ओलिंपिक समिति में एकमात्र मध्यस्थ डा. अनाबेल बेनेट को निर्णय जारी करने के लिए 13 अगस्त तक का समय दिया है।

न्यूजीलैंड की कमान संभालेंगे टिम साउथी

क्रिकेट डायरी

जासं, ग्रेटर नोएडा: शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कांप्लेक्स में न्यूजीलैंड और अफगानिस्तान के बीच नौ से 13 सितंबर तक होने वाले टेस्ट मैच के लिए न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने टीम का ऐलान कर दिया है। अफगानिस्तान के साथ एकमात्र टेस्ट के साथ-साथ श्रीलंका के साथ दो टेस्ट मैचों के लिए भी टीम चुनी गई है। पिच को ध्यान में रखकर न्यूजीलैंड टीम ने पांच स्पिनरों को शामिल किया है। इसमें मिशेल सेंटनर और व एजाज पटेल मुख्य रूप से शामिल हैं। उनका साथ माइकल ब्रेसवेल देंगे। जो गेंदबाजी के साथ बल्लेबाजी भी करते हैं। भारतीय मूल के खिलाड़ी रचिन रवींद्र को भी टीम में चुना गया है। अफगानिस्तान के पास राशिद खान के साथ मुजीब उर रहमान जैसे गेंदबाज है। अफगानिस्तान बोर्ड भी आगे इसी हफ्ते टीम का ऐलान करने वाला है।

न्यूजीलैंड टीम: साउथी (कप्तान), टाम ब्लंडेल, माइकल ब्रेसवेल, डेवोन कानवे, मैट हेनरी, टाम लैथम, डेरिल मिशेल, विल ओ'रुरके, एजाज पटेल, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, मिशेल सेंटनर, बेन सियर्स, केन विलियमसन, विल यंग।

थोर्प ने अवसाद के कारण ली थी जान

लंदन, प्रेट्र : इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर ग्राहम थोर्प पिछले दो वर्षों में अपने खराब स्वास्थ्य के कारण अवसाद और चिंता से जूझ रहे थे जिसके कारण उन्होंने अपनी जान दी। थोर्प की पत्नी अमांडा ने यह रहस्योद्घाटन किया है। थोर्प का पांच अगस्त को 55 साल की उम्र में निधन हो गया था। 'द टाइम्स' ने थोर्प की पत्नी के हवाले से कहा, पत्नी और दो बेटियां होने के बावजूद, जिनसे वह बहुत प्यार करते थे और जो उन्हें दिल से चाहते थे, वह स्वस्थ नहीं हो पाए। वह हाल के दिनों में काफी अस्वस्थ थे और वास्तव में उन्हें लगता था कि उनके बिना हम बेहतर जिंदगी व्यतीत करेंगे लेकिन उन्होंने अपनी जान गंवा दी और हम बर्बाद हो गए। ग्राहम पिछले कुछ वर्षों से अवसाद और चिंता से पीड़ित थे।

ग्रोइन की चोट से परेशान नीरज चोपड़ा जर्मनी रवाना

नई दिल्ली, प्रेट्र : स्टार भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा पेरिस ओलिंपिक में रजत पदक जीतने के बाद सर्जरी के बारे में चिकित्सा सलाह और आगामी डायमंड लीग प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने के बारे में निर्णय लेने के लिए जर्मनी रवाना हो गए हैं। एक पारिवारिक सूत्र ने बताया कि वह जर्मनी के लिए रवाना हो गए हैं और कम से कम एक महीने तक उनके भारत लौटने की संभावना नहीं है। पेरिस में भारतीय ओलंपिक संघ (आइओए) के सूत्रों ने भी पुष्टि की कि नीरज जर्मनी के लिए रवाना हो गए हैं।

पेरिस ओलिंपिक में 89.45 मीटर के सत्र के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ रजत पदक जीतने के बाद नीरज चोपड़ा ने संकेत दिया था कि उन्हें अपनी ग्रोइन की चोट की सर्जरी करानी होगी जो पिछले कुछ वर्षों से उन्हें परेशान कर रही है। नीरज ने कहा था कि जब वह भाला फेंक रहे थे तो उनका 60-70 प्रतिशत ध्यान अपनी चोट पर था। उन्होंने कहा कि उनके चिकित्सक ने उन्हें पिछले साल विश्व चैंपियनशिप से पहले सर्जरी कराने के लिए कहा था लेकिन उन्होंने पेरिस ओलंपिक को देखते हुए ऐसा नहीं किया।

जून में फिनलैंड में पावो नुरमी खेलों में जीत के बाद नीरज ने कहा था कि वह अपनी चोट के संबंध में पेरिस ओलिंपिक के बाद चिकित्सकों से परामर्श लेंगे। उन्होंने ग्रोइन की चोट के साथ 2023 में विश्व चैंपियनशिप जीती थी।

इस साल पेरिस ओलिंपिक से पहले उन्होंने एडक्टर मांसपेशियों की समस्या के कारण एक महीने से अधिक का ब्रेक लिया था। 26 वर्षीय नीरज ने अपनी चोट के लिए पहले भी जर्मनी में एक चिकित्सक से सलाह ली थी। ओलिंपिक से पहले पिछले महीने उन्होंने जर्मनी के सारब्रुकेन में कुछ समय के लिए ट्रेनिंग भी की थी। पेरिस ओलंपिक के दौरान नीरज ने 14 सितंबर को बेल्जियम के ब्रुसेल्स में होने वाले डायमंड लीग फाइनल में खेलने की इच्छा जताई थी।

करीब डेढ़ माह बाद लौटेंगे भारत डायमंड लीग खेलने पर भी संशय

नीरज चोपड़ा ● फाइल फोटो, प्रेट्र

सिटी छोड़ एटलेटिको से जुड़े अल्वारेज

864 करोड़ रुपये में जूलियन ने स्पेनिश क्लब से छह वर्ष का किया करार

लंदन, एपी: अर्जेंटीना के स्टार स्ट्राइकर जूलियन अल्वारेज मैनचेस्टर सिटी में दो साल बिताने के बाद सोमवार को स्पेनिश क्लब एटलेटिको मैड्रिड में शामिल हो गए। 24 वर्षीय अल्वारेज ने एटलेटिको के साथ 103 मिलियन डालर (लगभग 864 करोड़ रुपये) में छह वर्ष का करार किया है। सिटी के मैनेजर पेप गार्डियोला पिछले हफ्ते ही बताया था कि अल्वारेज अब दूसरे क्लब के साथ जुड़ना चाहते हैं। अल्वारेज ने 2022 में अर्जेंटीनी क्लब रिवर प्लेट को छोड़कर सिटी से 17 मिलियन डालर का करार किया था। अपने सत्र के दौरान अल्वारेज ने सिटी को इंग्लिश प्रीमियर लीग खिताब के साथ चैंपियंस लीग, एफएप कप और क्लब विश्व कप जिताने में अहम भूमिका निभाई थी। सिटी के लिए सभी प्रतियोगिताओं में 103 से ज्यादा मैचों में अल्वारेज ने 36 गोल किए हैं।

टाम क्रूज ने मिशन इंपासिबल स्टाइल में सौंपा ओलिंपिक ध्वज

पेरिस, रायटर : पेरिस के स्टेड डि फ्रांस स्टेडियम में रविवार रात जब हालीवुड के दिग्गज अभिनेता टाम क्रूज अपनी ब्लाकबस्टर फिल्म 'मिशन इंपासिबल' के थीम गीत के साथ मैदान पर उतरे तो वहां मौजूद दर्शकों के उत्साह की सीमा नहीं रही। क्रूज ने अमेरिका की स्टार जिमनास्ट सिमोन जाइल्स से ओलिंपिक ध्वज लिया और उसे सुपर बाइक पर पेरिस की सड़कों से होते हुए लास एंजिलिस के लिए उड़ान भरने के लिए तैयार मालवाहक विमान तक ले गए। इसके बाद क्रूज ध्वज को चार बार के ओलिंपिक स्वर्ण पदक विजेता माइकल जानसन को दिया गया।

इसके बाद वेनिस बीच पर ध्वज स्केटबोर्डिंग लीजेंड जैगर ईटन को सौंपा गया। इसके साथ ही लास एंजिलिस को आधिकारिक रूप से 2028 में होने वाले ओलिंपिक की मेजबानी सौंप दी गई और पेरिस में खेलों के महाकुंभ का पटाक्षेप हो गया। सीन नदी पर लगभग चार घंटे तक चले उद्घाटन समारोह में जहां इस पेरिस के वास्तुशिल्प और देश की समृद्ध विरासत का प्रदर्शन किया गया था वहीं समापन समारोह भी उसी तरह से मंत्रमुग्ध कर देने वाला था। आइओसी अध्यक्ष थामस बाक ने कहा, यह ओलिंपिक खेल शुरू से लेकर आखिर तक रोमांच से भरपूर रहे। इन खेलों ने हमें दिखाया कि मनुष्य कितने बड़े आयोजन करने में सक्षम है। आपने एक दूसरे को गले लगाया, एक दूसरे को पूरा सम्मान दिया। भले ही आपके देश अलग-अलग हों, भले ही उनमें संघर्ष चल रहा हूं लेकिन आपने दिखाया कि इससे भी बेहतर दुनिया है।

ओलिंपिक ध्वज के साथ हालीवुड अभिनेता टाम क्रूज ● आइएएनएस

ध्वनि-रोशनी का संगम

थामस जाली द्वारा तैयार किए गए दो घंटे के कार्यक्रम की शुरुआत एक संगीतमय गीत के साथ हुई जिसमें फ्रांसीसी गायक जाहो डी सागजन ने मशहूर 'सिएल डे पेरिस' गीत गाया। ध्वनि और रोशनी के अद्भुत मिश्रण ने समारोह में चार चांद लगाए। यह अलौकिक एहसास पैदा करने वाला दृश्य था। समापन समारोह में ग्रैमी अवार्ड विजेता बिली एलिश, रैपर स्नूप डाग और रेडहाट चिली पेपर ने भी रंगारंग प्रस्तुति दी।

पेरिस में रंगारंग समारोह के साथ ओलिंपिक खेलों का समापन

2028 में 'कार मुक्त' ओलिंपिक खेलों का आयोजन बड़ी चुनौती

न्यूयॉर्क टाइम्स से

लास एंजिलिस: 2028 ओलिंपिक की मेजबानी मिलने के समय लास एंजिलिस के नेताओं ने वचन दिया था कि ये इतिहास का सबसे स्वच्छ व हरा भरा ओलिंपिक होगा। इसके लिए आयोजकों ने इसे 'कार मुक्त' बनाने की योजना बनाई है, लेकिन क्या ये इतना आसान होगा।

आयोजकों को अपने लक्ष्य तक पहुंचने के लिए पूरी परिवहन प्रणाली में अत्यंत आवश्यक अपग्रेड पूरे करने होंगे। इसमें रेल लाइनों का विस्तार, बड़ी संख्या में बसों को सार्वजनिक परिवहन से जोड़ना इत्यादि शामिल है ताकि लाखों लोग 4000 वर्ग मील में फैले शहर में आसानी से आवागमन कर सकें। लास एंजिलिस के सार्वजनिक परिवहन में 109 मील रेल लाइन और करीब 120 बस रूट शामिल हैं। कोरोना महामारी के दौरान सार्वजनिक सेवा प्रभावित हुई थी जो अब तक पूरी तरह से ठीक नहीं हो पाई है। हालांकि स्थानीय लोगों का मानना है कि 2028 तक परिवहन व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए कम हैं। मेट्रो के पूर्व मुख्य नवाचार अधिकारी जोशुआ शैंक ने कहा, मुझे लगता है कि बड़ी चुनौती यह है कि 2028 तक ट्रांजिट सिस्टम का उतना हिस्सा पूरा होने की संभावना नहीं है, जितनी उम्मीद की जा सकती है।

राष्ट्रीय फलक

'मोर करी' का वीडियो बनाने वाले यूट्यूबर पर केस

हैदराबाद, प्रेट्र: तेलंगाना के सिरसिल्ला क्षेत्र के तंगल्लापल्ली गांव निवासी कोडम प्रणय कुमार ने अपने यूट्यूब चैनल श्री टीवी में 'पारंपरिक तरीके से मोर की करी कैसे पकाएं ' शीर्षक से वीडियो अपलोड किया। वीडियो में वो 'मोर करी' बनाने का तरीका बता रहा है। वीडियो की जानकारी मिलने पर पुलिस ने यूट्यूबर के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे हिरासत में ले लिया है।

एक वन अधिकारी ने कहा, यूट्यूबर ने जाहिर तौर पर चैनल के लिए अधिक व्यूज हासिल करने के लिए इस तरह का वीडियो बनाया है। वन अधिकारियों की एक टीम तंगल्लापल्ली गांव पहुंची और उस व्यक्ति के घर से चिकन करी बरामद की। करी के नमूने को फोरेंसिक जांच के लिए भेज दिया गया है। पशु अधिकार कार्यकर्ताओं द्वारा मुद्दा उठाए जाने के बाद वीडियो को भी हटा दिया गया।

लखनऊ यात्रा का फर्जी टिकट लेकर पुणे हवाई अड्डे में घुसा युवक गिरफ्तार

- आरोपित ने अपने मित्र से एक निजी एयरलाइंस का टिकट प्राप्त किया था
- पुलिस आरोपित सलीम खान से पूछताछ कर रही है

पुणे, प्रेट्र: पुणे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक 27 वर्षीय युवक को फर्जी टिकट से लखनऊ की उड़ान में सवार होने का प्रयास करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। आरोपित सलीम गोले खान ने उत्तर प्रदेश स्थित अपने मित्र नसरुद्दीन खान से एक निजी एयरलाइंस का टिकट प्राप्त किया था।

पुलिस ने सलीम खान और नसरुद्दीन खान के खिलाफ मामला दर्ज किया है। यह घटना रविवार सुबह की है। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि चेक-इन काउंटर पर सीआइएसएफ अधिकारियों ने सलीम खान द्वारा दिखाए गए टिकट पर फर्जी पीएनआर नंबर का पता लगाया। पूछताछ के दौरान खान ने दावा किया कि वह अपने पिता को छोड़ने हवाई अड्डे आया था, जो इंडिगो की उड़ान से लखनऊ जा रहे थे। उसके पिता के टिकट पर पीएनआर असली था। अधिकारी के अनुसार, सलीम ने बताया कि उसने अपने मित्र नसरुद्दीन खान को 6,500 रुपये देकर फर्जी पीएनआर के साथ टिकट हासिल किया था। पुलिस सलीम खान से पूछताछ कर रही है। अधिकारी ने कहा कि सलीम खान का दावा है कि वह अपने पिता को छोड़ने हवाई अड्डे आया था, लेकिन उसके पास लखनऊ के लिए फर्जी पीएनआर वाला टिकट था।

सुप्रीम कोर्ट ने झारखंड में अवैध खनन मामले में दो लोगों को दी जमानत

नई दिल्ली, एएनआइ: सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को झारखंड में अवैध खनन से जुड़े मनी लांड्रिंग मामले में दो लोगों को जमानत दे दी। जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस आगस्टीन जार्ज मसीह की पीठ ने मामले में आरोपित भगवान भगत और सुनील यादव को जमानत दी है।

सुप्रीम कोर्ट में दोनों आरोपियों की ओर से कहा गया कि इस मामले में उनके खिलाफ ईडी के पास कोई साक्ष्य नहीं है, जबरन उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। वरिष्ठ अधिवक्ता प्रमोद कुमार दुबे, एडवोकेट आन रिकार्ड सोनम गुप्ता और अधिवक्ता कौशिक मोइत्रा ने मामले में आरोपित भगवान भगत की ओर से उपस्थित हुए और कहा कि बिना किसी अपराध के आरोपित को हिरासत में नहीं छोड़ा जा सकता है।

****

काफी शाप के महिला वाशरूम में गुप्त कैमरा लगाया, आरोपित गिरफ्तार

- काफी शाप ने आरोपित कर्मी को नौकरी से निकाल दिया
- आरोपित के फोन को फोरेंसिक जांच के लिए भेजा गया

बेंगलुरु, एएनआइ: बेंगलुरु के बीईएल रोड पर स्थित थर्ड वेव काफी शाप के वाशरूम में एक महिला को रिकार्डिंग मोड में एक मोबाइल फोन मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर लिया, जो कैफे में काम करने वाला एक कर्मचारी है। वहीं, काफी शाप 'थर्ड वेव काफी' ने इस घटना पर खेद व्यक्त किया है। काफी चेन ने कहा, आरोपित को नौकरी से निकाल दिया गया है।

पुलिस ने बताया कि आरोपित ने काफी शाप में वाशरूम का प्रयोग कर रही महिला का वीडियो रिकार्ड करने के लिए फोन टायलेट के डस्टबिन में छिपाया था। महिला को फोन मिला और उसने मैनेजर को जानकारी दी। पुलिस ने आरोपित के फोन को फोरेंसिक जांच के लिए भेजा है। दावा किया गया कि उस स्थान पर मौजूद एक अन्य महिला ने 'गैंग्स आफ सिनेपुर' नाम के अपने इंटरनेट मीडिया अकाउंट पर इस घटना को पोस्ट किया। उन्होंने लिखा, ''एक महिला को वाशरूम में डस्टबिन में टायलेट सीट की ओर मुंह करके करीब दो घंटे की रिकार्डिंग के साथ छिपा हुआ फोन मिला। यह फ्लाइट मोड पर था ताकि आवाज न हो और इसे सावधानी से छिपाया गया था।'' डस्टबिन बैग में एक छेद किया गया था ताकि केवल कैमरा दिखाई दे।

रिश्वत मामले में पूर्व रेलवे अधिकारी को सजा

अहमदाबाद, प्रेट्र: गुजरात की राजधानी गांधीनगर की एक विशेष सीबीआइ अदालत ने सोमवार को पश्चिम रेलवे के एक पूर्व वरिष्ठ अधिकारी को 2008 में 20 हजार रुपये की रिश्वत लेने के मामले में तीन साल कठोर कारावास की सजा सुनाई और 75 हजार रुपये का जुर्माना लगाया। पूर्व अधिकारी के विरुद्ध बिलों को मंजूरी देने के लिए रिश्वत लेने का आरोप था।

रेलवे के अहमदाबाद डिवीजन में वरिष्ठ सहायक वित्तीय सलाहकार के रूप में तैनात विद्या सागर आचार्य के खिलाफ सीबीआइ ने 19 मार्च 2008 को मामला दर्ज किया था। सीबीआइ ने सोमवार को कहा कि आचार्य को 20 मार्च 2008 को गिरफ्तार किया गया था। कहा गया है कि रिश्वत लेने के मामले में उनके खिलाफ आरोपपत्र दायर किया गया था।

दैनिक जागरण
सप्तरंग
अंतस और अध्यात्म का
मंगलवार, 13 अगस्त, 2024

सनातन संस्कृति

भाई-बहन के नेह का पावन त्योहार

श्रावण मास की पूर्णिमा (19 अगस्त) अत्यंत शुभ व पवित्र मानी गई है। इसी दिन रक्षाबंधन का पवित्र त्योहार मनाया जाता है। इसी दिन यज्ञोपवीत के पूजन तथा उपनयन संस्कार का भी विधान है। यह भगवान शिव के प्रिय मास श्रावण का अंतिम दिन होता है, अतः इस दिन शिवपूजा व जलाभिषेक का विधान है। कुछ स्थानों पर कजरी पूर्णिमा मनाई जाती है, जिसमें महिलाएं पहले से उगाए गए जौ के मृत्तिका पात्रों को सिर पर रखकर कजरी गीत गाती हुई किसी जलाशय में विसर्जित करने जाती हैं।

भाई-बहन के निश्छल संबंधों वाले त्योहार रक्षाबंधन को सावनी या सलूनो भी कहते हैं। बहनें अपने भाई की कलाई पर राखी या रक्षासूत्र बांधती हैं और भाई अपनी बहन को रक्षा का वचन देता है और उसे उपहार भेंट करता है। रक्षाबंधन नेह का पर्व है। बहनें भगवान से प्रार्थना करती हैं कि उनका भाई स्वस्थ और दीर्घायु हो। मान्यता है कि सतयुग में मां लक्ष्मी ने राजा बलि को रक्षासूत्र बांधकर इस परंपरा का शुभारंभ किया था। दान पुण्य के लिए प्रसिद्ध राजा बलि ने एक यज्ञ का आयोजन किया था। बलि की परीक्षा लेने के लिए भगवान विष्णु वामन का रूप लेकर गए और दानवीर राजा बलि से तीन पग भूमि मांग ली। बलि ने हां कह दिया तो वामनावतार ने दो पग में ही धरती और आकाश नाप लिया। राजा बलि समझ गए कि भगवान उनकी परीक्षा ले रहे हैं। तीसरा पग रखने के लिए उन्होंने अपना मस्तक आगे कर दिया। भगवान प्रसन्न हुए और राजा बलि ने उनसे पाताल लोक में उनके साथ रहने का वरदान मांग लिया। जब देवी लक्ष्मी को पता चला तो वह राजा बलि के पास पहुंचीं और उन्हें राखी बांधकर भाई बना लिया और उपहार में अपने पति भगवान विष्णु को मांग लिया।

विवेक भटनागर

अगले मंगलवार को पढ़ें स्वामी मैथिलीशरण का चिंतन

सप्ताह के व्रत त्योहार

15 अगस्त, गुरुवार : स्वतंत्रता दिवस
17 अगस्त, शनिवार : प्रदोषव्रत
19 अगस्त, सोमवार : स्नानदानव्रतादि की श्रावणी पूर्णिमा। रक्षाबंधन

जीवन दर्शन

मोरारी बापू
प्रसिद्ध कथावाचक

मन की स्वाधीनता

स्वाधीन मन संशय और नकारात्मक विचारों से मुक्त होता है। जिस मन में सत्य, प्रेम, करुणा है, उसमें स्वाधीनता के गुण स्वतः आ जाते हैं। वह मन किसी के अधीन नहीं रहता। स्वाधीनता दिवस पर विशेष...

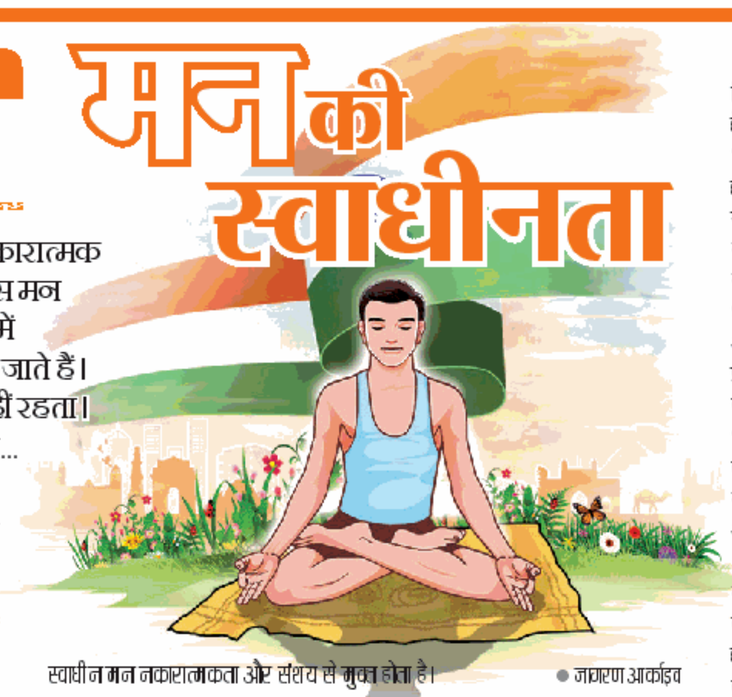

स्वाधीन मन नकारात्मकता और संशय से मुक्त होता है। ● जागरण आर्काइव

गोस्वामी तुलसीदास ने श्रीरामचरितमानस के बालकांड में लिखा है- पराधीन सपनेहुं सुख नाहीं अर्थात पराधीन व्यक्ति कभी सुख का अनुभव नहीं कर सकता है। पराधीनता अभिशाप है। जब पराधीन पशु-पक्षी भी प्रसन्न नहीं रह सकते तो पराधीन मानव मन कैसे प्रसन्न रह सकता है? व्यक्ति की प्रसन्नता के लिए सबसे आवश्यक है मन की स्वाधीनता। स्वाधीन मन संशय और नकारात्मक विचारों से मुक्त होता है। जिस मन में सत्य, प्रेम, करुणा है, उसमें स्वतः स्वाधीनता के गुण आ जाते हैं। वह मन किसी के अधीन नहीं रहता। मन में नकारात्मक भाव हैं, तो सकारात्मक भाव भी हैं। हमें नकारात्मकता और अस्वीकार नहीं, अपितु स्वीकारोक्ति का मंत्र ग्रहण करना है। मन स्वीकार करना सीख जाता है तो जीवन उत्सव बन जाता है। हमारा मन सकारात्मक चिंतन वाली राह का राही बने। हनुमानजी सकारात्मकता के पर्याय हैं। हमारा मन सकारात्मकता की ओर बढ़े, ऐसे विचारों को अपनाएं तो हनुमानजी पास आने लगेंगे। गुरु नानक देव का पद है, 'ठाकुर, तुम शरणाई आया। उतर गयो मेरे मन को संसा। जब ते दर्शन पाया।' गुरु नानक देव कहते हैं कि हे ठाकुर, मैं तेरी शरण में आया और जैसे ही मैं आपकी शरण में आया, मेरे मन का संदेह, अंधेरा या दुविधा आपके दर्शन से तुरंत समाप्त हो गए। आपकी शरण में मन के सभी ऊहापोह दूर हो गए।

वर्षा ऋतु के समय में तालाब में कीचड़ में बहुत मेंढक उछल-कूद करते हैं। उसी तालाब में जब कोई भैंस उतरती है, तो सब मेंढक कूद-कूदकर भाग जाते हैं। दुख हमारे मन के छोटे-बड़े मेंढक हैं, जो आवाज और उछल-कूद करते रहते हैं। हम प्रयास करके भी उन्हें बाहर नहीं निकाल सकते। परम तत्व की शरण से मन के संशय स्वयं मिट जाते हैं। हम इस परमतत्व की शरण में जाएं, उसके दर्शन करके मन के संशयों से मुक्त हो जाएं।

आजकल लोग इतने निराश और दुखी क्यों हैं? ये जीवन में प्रसन्न रहने के पल हैं। जो व्यक्ति सब काम कर रात्रि में मन में संतोष भाव के साथ सोए और सुबह जागते समय जिसका मन उमंग-उल्लास से सराबोर हो, वही आध्यात्मिक है। यह मन को नकारात्मक विचारों, भावों और ऐसे ही अनुभवों के भंवर से निकालते हुए सकारात्मकता में परिवर्तित करने की विद्या है। इसके लिए प्रतिदिन अपने मन के निरीक्षण की आदत बनाइए। हमें खुद देखना चाहिए कि क्या हम संतोष के साथ सोते हैं? मन के नकारात्मक विचार बहुत उलझन पैदा करते हैं। एक वाक्य मंत्र की भांति याद रख लीजिए कि सोइए मन में संतोष के साथ, जागिए मन में उल्लास के संग। समझ लीजिए, सुखी, प्रसन्न, आनंदित रहना या न रहना भी अपने ही हाथ में है।

'मानस' के सातों सोपान हमें विश्वास से विश्राम की यात्रा कराते हैं और हमारे मन के संदेह, मोह व भ्रम मिटाते हैं। जन्म और मृत्यु हमारे हाथ में नहीं, लेकिन मन हमारे हाथ में है। इस जीवन को हम नकारात्मक सोच से नष्ट करने के बजाय सकारात्मक सोच से समृद्ध करें। हम धैर्य रखें, व्यापक भाव से सत्संग करें और सत्संगरूपी औषधि से मन में प्रसन्नतारूपी परमात्मा का प्रकटीकरण करें। मन को हमेशा अच्छे संकल्प से भरपूर रखें। मन ही जीवन में आनंद की प्रतीति कराता है। इसलिए मन को सदैव निर्मल बनाए रखें, तभी जीवन में आनंद की अनुभूति होगी।

श्रीकृष्ण ने भी जीवन रस में मन को स्वीकार किया है। मन को उछलकूद करने दो, जब वह थक जाएगा तो खुद ही शांत हो जाएगा। मन से वितर्क न करो, क्योंकि मन ही देवता, मन ही ईश्वर है। जिस प्रकार हम दर्पण को देखकर चेहरे का आकलन करते हैं, उसी प्रकार मन को निहारें। मन रूपी दर्पण को स्वच्छ करें, कल्याण होगा। कृष्ण ने भी कहा है कि मन, तू मेरा सखा है। मार-काट से क्या मिलेगा। युद्ध ने कोई परिणाम दिया है जगत को? मन से सत्संग करो। अहल्या ने मन से सत्संग किया था। विभीषण ने मंत्र से सत्संग किया। शबरी ने महात्मा (महर्षि मतंग) का सत्संग किया, जिससे उन्हें अद्भुत गति मिली। राम का संग मिला। मन मलिन हो तो किसी से भी सत्संग करें। मैं मानस से सत्संग करता हूं। आप मन से सत्संग करें।

लेख विस्तार से पढ़ने के लिए स्कैन करें।

प्रस्तुति : राज कौशिक

मंथन मीमांसा

आचार्य नारायण दास
श्रीमद्भागवत मर्मज्ञ

निर्मल मन का प्रतीक हैं कामधेनु

देव व दानवों के बीच हुए समुद्र मंथन से निःसृत 14 रत्नों में जो दूसरा रत्न निकला था, वह थीं कामधेनु। इस श्रृंखला में पढ़ें कामधेनु का आध्यात्मिक पक्ष...

समुद्र-मंथन के दूसरे क्रम में गोमाता कामधेनु निकलीं, जिन्हें ब्रह्मवादी ऋषि-मुनियों ने लिया। जिससे लोक कल्याण के निमित्त किए जाने वाले यज्ञ हेतु गोघृतदुग्धादि सुलभ हो सके। कामधेनु मन की निर्मलता की प्रतीक हैं। जब मन से विषय-वासना रूपी विष निकल जाता है, तब आत्मानुभूति अर्थात भगवत्प्राप्ति की अनुभूति हो जाती है। श्रीरामचरितमानस में यह भगवान श्रीराम का साधक की सिद्धि के लिए, स्पष्ट रूप से घोष किया गया है :

निर्मल मन जन सो मोहिं पावा।
मोहि कपट छल छिद्र न भावा।।

जब तक मन निर्मल नहीं होगा, तब तक साधक की साधना की गति-मति को समुचित दिशा नहीं प्राप्त हो सकेगी। मन को नश्वर संसार के प्रति आकर्षित करने वाले तीन दोष प्रबल हैं, पहला-कपट, दूसरा छल और तीसरा है छिद्र। जब व्यक्ति अपने स्वार्थ की सिद्धि हेतु किसी को धोखा देकर उसकी भावना का दोहन करता है, तो यह कपट कहलाता है। जब वास्तविक रूप छिपाकर, छद्मरूप धारण कर भावना का दोहन कर स्वार्थ सिद्धि करता है तो उसे छल कहते हैं। ईर्ष्या के वशीभूत दूसरों के गुणों में दोषों का अनुसंधान करना ही छिद्र है।

गो का एक अर्थ इंद्रिय भी होता है। जब तक इंद्रियां वासना विमुख नहीं होतीं, तब तक मन की चंचलता नहीं मिटती है, क्योंकि इंद्रियों का स्वामी मन है। जब मन पवित्र और निर्मल हो जाता है, तब इंद्रियां भी अंतर्मुखी होकर साधक की साधना में सहायक हो जाती हैं। वासिष्ठ योग में स्पष्ट रूप से वर्णित है कि मनुष्य का मन ही उसके बंधन और मोक्ष का हेतु है। 'मन एव मनुयष्याणां कारणं बंधमोक्षयोः'। जिस चाभी से ताला बंद होता है, उसी से खुलता भी है। केवल विपरीत क्रियाएं करनी होती हैं। किसी को भी छल, कपट और छिद्र अच्छा नहीं लगता है, फिर भला भगवान को कैसे रुचिकर होगा?

समुद्र से कामधेनु गाय का निकलना अभिव्यंजित करता है कि गो के द्वारा ही चराचर सृष्टि सुरक्षित और संरक्षित होती है। गो को भारतीय संस्कृति में माता के तुल्य माना गया है, जिसके द्वारा निस्सरित समस्त पदार्थों से लोक मंगल होता है। गोमय अर्थात गाय के गोबर से पृथ्वी की उर्वरा शक्ति संवर्धित होती है। गाय के दुग्ध से निर्मित दधि, मक्खन, घृत आदि हृष्ट-पुष्ट व निरोगी रखने में उत्तम और औषधियुक्त द्रव्य हैं। गोमूत्र से अनेकानेक रोगों का शमन हो जाता है। शरीर और साधना को संपुट करने के साथ-साथ गोसंवर्धन और गोसंरक्षण परम आवश्यक है।

वर्ग पहेली-2720

बाएं से दाएं

1. भौंचक्का होना (5) ।6. भ्रष्ट बुद्धि (4,2) ।7. ताकत, शक्ति (2) ।8. संदेह (2) ।9. जो किसी भी काम का न हो (3) । 11. रुपया-पैसा, नगदी (3) ।13. बिताना, टुकड़े या अलग करना (3) ।15. ढीला कुर्ता, झूला (3) ।17. करने योग्य होना (3) । 19. स्थगित कर देना, खिसका देना (3) ।20. गड़ाकर लगी नजर (2) । 21. समय, मृत्यु (2) ।22. बुलावा भेजना (2,4) ।24. सुरसुरी उत्पन्न करना (5) ।

ऊपर से नीचे

2. रौनक, धूमधाम (3,3) ।3. मांझी, नाव खेने वाला (3) ।4. पत्ता (2) ।5. स्वीकार करना (2,3) ।8. नगर (3) ।9. लवण (3) । 10. कार्टूनिस्ट प्राण ने रचा यह अमर खलनायक (2) ।12. खींच कर बांधना, ठूंस कर भरना (3) । 14. बराबरी का होना (3,1,2) ।15. असत्य बात करना, गलत बयान देना (2,3) ।16. बौना, ठिगना (2) ।18. रंगमंच पर अभिनय करने योग्य रचना (3) ।20. लोहे पर चोट पड़ने से उत्पन्न आवाज (3) ।23. परिणाम (3) ।

© Bird Features & Writing Agency

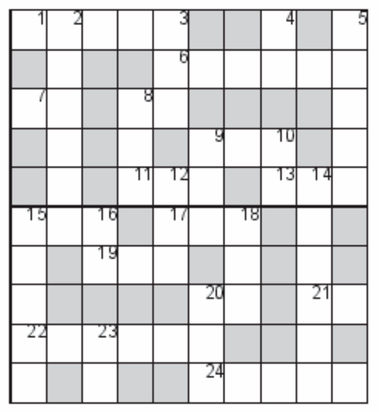

कल का हल

त[1]	र	ब	त[2]	र		स[3]			बा[4]
			रा			मा[5]	तृ		ब
	खा[6]		ना[7]	जा[8]	य	ज			र
मों[9]	द	क[10]		न			ब[11]	हा	ना
		स		दा[12]	न[13]	बी	र		मा
ना[14]		र[15]	ग	र	ग		ग		
म[16]	न्न	त			प		द[17]	म[18]	ड़ी
क			ति[19]	ल	ति	ल[20]		न	
मा		घा[21]	त			ल			
ना			ली		आ[22]	ना	व	श्य	क

जागरण सुडोकू-2720

		9		2		6		5
7			4		6			2
	5				9		1	
1			3			5		9
	4	7			8			
3				4		7		8
6				3			8	
	1	3			7			4
5			8		4			6

कल का हल

8	6	7	9	3	1	5	2	4
2	1	9	8	4	5	6	7	3
3	4	5	2	6	7	8	9	1
9	5	6	1	2	3	4	8	7
7	8	2	4	5	6	1	3	9
1	3	4	7	8	9	2	5	6
5	7	8	3	1	4	9	6	2
6	9	1	5	7	2	3	4	8
4	2	3	6	9	8	7	1	5

आज का भविष्यफल- 13 अगस्त, 2024 मंगलवार

के. ए. दुबे पद्मेश

आज की ग्रह स्थिति : श्रावण मास शुक्ल पक्ष अष्टमी का राशिफल।
आज का राहुकाल : अपराह्न 3 बजे से 4 बजकर 30 मिनट तक। आज का दिशाशूल : उत्तर
आज का पर्व एवं त्योहार : मंगलागौरी पूजन

कल 14 अगस्त, 2024 का पंचांग
कल का दिशाशूल : उत्तर
विक्रम संवत 2081 शके 1946
दक्षिणायण, उत्तरगोल, वर्षा ऋतु
श्रावण मास शुक्ल पक्ष की नवमी 10 घंटे 25 मिनट तक, तत्पश्चात दशमी, अनुराधा नक्षत्र 12 घंटे 13 मिनट तक, तत्पश्चात ज्येष्ठा नक्षत्र, ऐन्द्र योग 16 घंटे 6 मिनट तक तत्पश्चात वैधृति योग, वृश्चिक में चंद्रमा।

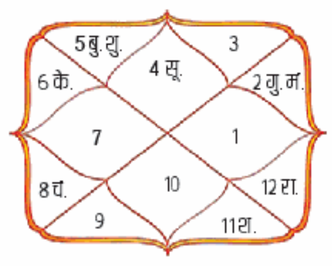

मेष : संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। बुद्धि से किया गया कार्य संपन्न होगा।
वृष : रिश्तों में निकटता आएगी। गृह उपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी।
मिथुन : भाई-बहन का सहयोग मिलेगा। महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी।
कर्क : सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। रिश्तों में निकटता आएगी।
सिंह : उपहार या सम्मान में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।
कन्या : रिश्तों में निकटता आएगी। पुरुषार्थ सार्थक होगा।
तुला : शासनसत्ता का सहयोग रहेगा। व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी।
वृश्चिक : बहुप्रतीक्षित कार्य संपन्न होने से आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।
धनु : जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। सामाजिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी।
मकर : जीवनसाथी का सहयोग रहेगा। प्रयास फलीभूत होगा।
कुंभ : रिश्तों में निकटता आएगी। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा।
मीन : जीविका में प्रयास सार्थक होगा, लेकिन स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

राष्ट्रीय फलक

राम मंदिर में स्थापित होने वाली देवी-देवताओं की प्रतिमाओं का निर्माण शुरू

प्रवीण तिवारी ● जागरण

▸ राजस्थान के जयपुर में चल रहा निर्माण, जनवरी तक हो जाएंगी पूर्ण

अयोध्या: राम मंदिर निर्माण के शेष कार्यों में इन दिनों तेजी आ गई है। इसी वर्ष दिसंबर तक कार्य पूर्ण किए जाने हैं। मंदिर परिसर में निर्मित हो रहे अन्य मंदिरों में प्रतिष्ठित किए जाने के लिए उनसे संबंधित देवी-देवताओं, रामादल के नायकों की प्रतिमाओं का निर्माण भी प्रारंभ हो गया है। ये प्रतिमाएं रामलला की प्रतिमा निर्मित करने के लिए चयनित हुए प्रख्यात मूर्तिकारों में शामिल रहे जयपुर के सत्य नारायण पांडेय के नेतृत्व में बन रही हैं। अगले वर्ष जनवरी तक इनमें से अधिकांश प्रतिमाएं पूर्ण किए जाने का लक्ष्य है। मंदिरों के पूर्ण होने के बाद इन सभी प्रतिमाओं की वैदिक विधान के मध्य प्राण-प्रतिष्ठा की जाएगी।

परिसर में सप्तर्षि का मंदिर बनना प्रारंभ हो चुका है। इसके अतिरिक्त भगवान गणेश, शिव, सूर्यदेव, हनुमानजी, दुर्गाजी व माता अन्नपूर्णा का मंदिर बनाया जा रहा है। शेषावतार का मंदिर भी निर्मित हो रहा है। इन मंदिरों से संबंधित विग्रह निर्मित होना शुरू हो चुका है। इनमें से अधिकांश प्रतिमाएं संगमरमर से बनाई जाएंगी। इसके लिए कई मूर्तिकार लगाए गए हैं। ट्रस्ट से जुड़ी समिति के अतिरिक्त कार्यदायी संस्था भी इस कार्य की निगरानी कर रही है। कुछ दिन पहले ही कमेटी के एक सदस्य ने राजस्थान का भ्रमण कर मूर्ति निर्माण के बारे में जानकारी हासिल की। कार्यदायी संस्था के एक इंजीनियर ने बताया कि मूर्तियों का निर्माण शुरू हो चुका है। इन्हें निर्धारित समयावधि में पूरी करने की कोशिश है।

प्रतीकात्मक।

> राजस्थान में प्रतिमाओं का निर्माण कराने का निर्णय हुआ है। सभी मंदिरों के लिए संबंधित देवी-देवताओं की प्रतिमाओं का निर्माण समय से पूर्ण कराने का लक्ष्य है।
> - डा. अनिल कुमार मिश्र, ट्रस्टी, श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट

श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह विवाद में तय नहीं हुए वाद बिंदु, मस्जिद पक्ष ने मांगा समय

जागरण संवाददाता, प्रयागराज

▸ हाई कोर्ट में मंदिर पक्ष ने किया विरोध, कहा- निकल चुका जवाब दाखिल करने का समय

▸ जामा मस्जिद आगरा के सर्वे की मांग वाली याचिका की भी सुनवाई हुई, मस्जिद को पक्षकार बनाए जाने पर आपत्ति

मथुरा स्थित श्रीकृष्ण जन्मभूमि और शाही ईदगाह विवाद को लेकर दाखिल सिविल वादों में वाद बिंदु सोमवार को तय नहीं हो सके। इलाहाबाद हाई कोर्ट में हुई सुनवाई के दौरान मस्जिद पक्ष ने लिखित कथन (जवाबी हलफनामा) दाखिल करने के लिए कोर्ट से समय मांगा। मंदिर पक्ष ने इसका विरोध किया, यह कहकर कि जवाब दाखिल करने का समय बीत चुका है। न्यायमूर्ति मयंक कुमार जैन की एकल पीठ ने मामले की सुनवाई की।

मंदिर पक्ष की तरफ से अधिवक्ता सत्यबीर सिंह ने कहा कि लिखित कथन अधिकतम 90 दिनों में दाखिल किया जाना चाहिए। मस्जिद पक्ष ने सीपीसी के आर्डर 7 रूल 11 का प्रार्थना पत्र दाखिल किया, लेकिन सिविल वादों पर लिखित कथन दाखिल नहीं किया। केवल केस की सुनवाई लटकाए रखने के लिए समय मांगा गया है। वाद संख्या 13 में वादी और अधिवक्ता महेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट में वाद की पोषणीयता मामले में फैसले के खिलाफ मस्जिद पक्ष द्वारा एसएलपी दाखिल की गई है, लेकिन वादों की सुनवाई पर कोई रोक नहीं लगाई गई है। ऐसे में वाद बिंदु तय किया जाए और न्यायालय की कार्यवाही को आगे बढ़ाई जाए। वाद संख्या सात में अधिवक्ता अजय प्रताप सिंह ने कहा कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआइ) ने रिपोर्ट दाखिल की थी, लेकिन इसे शामिल नहीं किया गया है। मस्जिद पक्ष की तरफ से वरिष्ठ अधिवक्ता तसनीम अहमदी ने पक्ष रखा। वाद संख्या चार में श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति निर्माण ट्रस्ट के अध्यक्ष आशुतोष पांडेय ने गवाहों की सूची व साक्ष्य हलफनामे में दाखिल किया। गवाहों की सूची में मुख्य रूप से जगद्गुरु रामभद्राचार्य, आचार्य धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री, प्रवीण भाई तोगड़िया, आचार्य महामंडलेश्वर कैलाशनंद गिरीजी महाराज, श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के स्थायी सदस्य परमानंद गिरी जी महाराज का नाम शामिल है।

इलाहाबाद हाई कोर्ट की फाइल फोटो

अधिवक्ता महेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि जामा मस्जिद आगरा के भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) से सर्वे की मांग वाली याचिका (वाद संख्या तीन) की भी सुनवाई हुई। इसमें उन्होंने शाही ईदगाह मस्जिद को पक्षकार बनाए जाने की आपत्ति की। शाही ईदगाह मस्जिद की तरफ से सीपीसी के आदेश 1 नियम 10 के तहत अर्जी दी गई है। (इसमें कोर्ट वाद के किसी भी चरण में किसी भी व्यक्ति संस्था को पक्षकार के रूप में जोड़ सकता है।) कोर्ट ने अभी कोई आदेश नहीं दिया है।

श्रद्धा का महासावन

सावन में करें शिव के ब्रह्मांडीय नृत्य का अनुभव

नृत्य के देवता के रूप में नटराज स्वरूप शिव अपने महत्वपूर्ण रूपों में से एक हैं। जब मैं स्विट्जरलैंड में सर्न (भौतिकी की प्रसिद्ध प्रयोगशाला) गया, तो वहां प्रवेश द्वार पर नटराज की एक मूर्ति थी। वहां के विज्ञानियों ने यह माना है कि मानव संस्कृति में इससे अधिक नजदीक कुछ नहीं है, जो सृष्टि के नृत्य को दर्शाता है, जिसने शाश्वत निश्चलता से स्वयं का सृजन किया है। आपने देखा होगा कि नटराज के चित्रण में उनके चारों ओर एक गोला या वृत्त है। गोला हमेशा ब्रह्मांड का प्रतीक होता है, क्योंकि जब कोई वस्तु गतिशील होती है, तो अस्तित्व में होने वाला सबसे स्वाभाविक रूप गोल होता है। ग्रह, चंद्रमा, सूर्य आदि सभी पिंड गोल हैं। नटराज एक ब्रह्मांडीय नर्तक हैं। शिव शब्द का शाब्दिक अर्थ है, 'वह जो नहीं है।' यह कुछ नहीं है, यह रिक्त स्थान है, लेकिन वह नृत्य कर रहा है। चूंकि वह नृत्य कर रहा है, इसीलिए सब कुछ हो रहा है। आप नृत्य को समझ नहीं सकते लेकिन आप नृत्य के सौंदर्य को अनुभव कर सकते हैं, या आप नृत्य बन सकते हैं। अगर आप नृत्य की सुंदरता को देखने के जरिये अनुभव करते हैं, तो हम कहते हैं कि आप साधक हैं। अगर आप नृत्य बन जाते हैं, तो आप दिव्य बन जाते हैं, आप योगी बन जाते हैं। सावन का महीना इस ब्रह्मांडीय नृत्य को अनुभव करने के लिए सर्वाधिक उपयुक्त है।

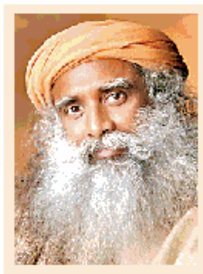

सद्गुरु,
ईशा फाउंडेशन के प्रणेता आध्यात्मिक गुरु

नंदी पर सवार भगवान उमा महेश। नईदुनिया

सज-धजकर राजाधिराज महाकाल ने किया उज्जैन भ्रमण

उज्जैन : राजाधिराज अवंतिकानाथ भगवान महाकाल ने श्रावण के चौथे सोमवार को भी विभिन्न स्वरूपों में नगर भ्रमण किया। चौथी सवारी में बाबा चांदी की पालकी पर चंद्रमौलेश्वर स्वरूप में विराजित थे। हाथी पर उनका मनमहेश स्वरूप था। गरुड़ पर वह शिव तांडव के तथा नंदी पर उमा-महेश के स्वरूप में थे। परंपरानुसार, श्रावण मास में प्रत्येक सोमवार को बाबा महाकाल इस सवारी पर अपने नगर का हालचाल जानने और भक्तों को दर्शन देने निकलते हैं। शिप्रा घाट पर बाबा का जलाभिषेक व पूजन किया गया। दो लाख से ज्यादा भक्त जयकारे लगाते हुए राजाधिराज की सवारी में सम्मिलित हुए। इससे पहले ज्योतिर्लिंग महाकालेश्वर मंदिर के सभा मंडप में मध्य प्रदेश सरकार की ओर से कई मंत्रियों व पूर्व मंत्रियों ने भगवान महाकाल के चंद्रमौलेश्वर स्वरूप का पूजन-अर्चन किया। -नईदुनिया

ब्रज के प्रमुख संत गुरुशरणानंद के आश्रम छोड़ जाने की अफवाह

जागरण संवाददाता, मथुरा: ब्रज के प्रमुख संत और महावन स्थित रमणरेती आश्रम के पीठाधीश्वर कार्ष्णि गुरुशरणानंद महाराज के आश्रम से रूठकर अचानक चले जाने की अफवाह फैल गई। इससे उनके अनुयायी चिंतित हो गए। देर शाम आश्रम प्रबंधन ने बताया कि वह चेन्नई में अनुष्ठान के लिए गए हैं। वह कब वापस आएंगे, अभी यह तिथि निश्चित नहीं है। सोमवार शाम अचानक अफवाह फैली कि गुरुशरणानंद दस अगस्त की दोपहर बाद एक चादर ओढ़कर पैदल ही आश्रम से निकल गए। आश्रम में कोई विवाद हुआ और उसके बाद महाराज जी बिना किसी को बताए आश्रम से निकल गए। इससे चर्चाओं को और बल मिला। सोमवार देर शाम आश्रम के संत कार्ष्णि गोविंदानंद महाराज ने बताया कि गुरुशरणानंद महाराज सावन व नवरात्रि में अनुष्ठान करने एकांत स्थान पर जाते हैं। इस बार महाराज जी अनुष्ठान के लिए चेन्नई में हैं। उनके साथ आश्रम के अन्य लोग भी हैं।

****

ताजमहल में नहीं कर सके अभिषेक, मंदिर में चढ़ाए कलश

जागरण संवाददाता, आगरा

ताजमहल को शिव मंदिर बताने वाली अखिल भारत हिंदू महासभा की कलश यात्रा सोमवार को पुलिस-प्रशासन ने रोक दी। महासभा के पदाधिकारी व कार्यकर्ता ताजमहल में अभिषेक करना चाहते थे, पर पुलिस-प्रशासन के आगे उनकी नहीं चली।

हिंदू महासभा की महिला सभा की जिलाध्यक्ष मीरा राठौर ने सावन के चौथे सोमवार को ताजमहल में अभिषेक करने की बात कही थी। सोमवार सुबह वह कलश लेकर निकलीं। उनके साथ अन्य कार्यकर्ता भी थे। कैलाश टाकीज इलाके में पुलिसकर्मियों ने उन्हें रोक लिया। बाद में प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए नजदीकी शिव मंदिर में कलश चढ़वा दिए। महासभा की मंडल अध्यक्ष मीना दिवाकर व युवा प्रदेश प्रभारी ब्रजेश भदौरिया ने कहा, गत सोमवार को मीरा राठौर को ताजमहल में भगवा लहराने व गंगाजल चढ़ाने पर सीआइएसएफ ने पकड़ा था। मीरा के पति बबलू राठौर से सिपुर्दगीनामा पर अंगूठा लगवाकर उसे माफीनामा बताते हुए इंटरनेट मीडिया में प्रसारित कर दिया गया। सिपुर्दगीनामा में मीरा की मानसिक स्थिति सही नहीं होने की बात बिना परीक्षण कराए लिख दी गई। एएसआइ के अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा, लेकिन उन्होंने अब तक माफी नहीं मांगी है।

अखिल भारत हिंदू महासभा की कलश यात्रा को सोमवार को पुलिस-प्रशासन ने कैलाश टाकीज पर रोक दिया। सौजन्य : महासभा

जन्मस्थान व प्राचीन केशवदेव मंदिर में एक ही दिन मनेगा श्री कृष्ण जन्मोत्सव

जागरण संवाददाता, मथुरा: प्राचीन केशवदेव मंदिर और उसके पास ही स्थित जन्मभूमि पर 10 वर्ष बाद एक ही दिन 26 अगस्त को श्रीकृष्ण जन्मोत्सव मनाया जाएगा। ऐसा अष्टमी व उदया तिथि एक ही दिन होने का कारण संभव हो रहा है। जन्मस्थान पर जन्मोत्सव उदय तिथि को मनाया जाता है, जबकि केशव देव मंदिर में जन्मोत्सव अष्टमी लगते ही।

इस बार अष्टमी और उदय तिथि 26 अगस्त को पड़ रही है। इस वर्ष अष्टमी 26 अगस्त को सुबह 3.39 बजे शुरू होकर रात 2.19 बजे तक रहेगी। इस कारण दोनों स्थानों पर एक ही दिन जन्मोत्सव मनाया जाएगा। ज्योतिषाचार्य अजय तैलंग ने बताया कि अष्टमी 26 अगस्त को सुबह 3.39 बजे शुरू हो रही है। प्राचीन केशवेदव मंदिर के मीडिया प्रभारी नारायण शर्मा का कहना है कि करीब दस वर्ष बाद जन्मस्थान और प्राचीन केशवदेव मंदिर में एक ही दिन जन्माष्टमी का आयोजन होगा।

जेमी में हुआ सबसे कम उम्र में हृदय और फेफड़े का प्रत्यारोपण

1985 में आज ही आयरलैंड का तीन वर्षीय जेमी गेविन दुनिया का सबसे कम उम्र का हृदय व फेफड़े का प्रत्यारोपण कराने वाला रोगी बना था। वह जन्मजात हृदय रोग से पीड़ित था जिससे उसके फेफड़े भी धीरे-धीरे क्षतिग्रस्त हो गए। ब्रिटिश सर्जन मैग्डी याकूब ने चार घंटे में यह आपरेशन किया था।

पहली बार सेटेलाइट के माध्यम से हुई टेलीफोन पर बातचीत

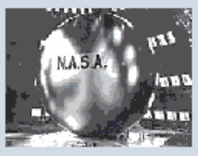

1960 में आज ही अमेरिका में पहली बार नासा के बैलून सेटेलाइट इको-1 के माध्यम से टेलीफोन पर बातचीत हुई थी। 30 मीटर के व्यास वाले इको-1 को पृथ्वी से 1,600 किमी की ऊंचाई पर कक्षा में स्थापित किया गया था। यह हर दो घंटे में पृथ्वी की परिक्रमा करता था।

चमकती आंखों से आज भी मंत्रमुग्ध कर देती हैं वैजयंती माला

अभिनेत्री वैजयंती माला का जन्म 1936 में आज ही चेन्नई में हुआ था। 13 साल की उम्र में तमिल फिल्म वाजकई से अभिनय की शुरुआत की। 1951 में फिल्म बहार से बालीवुड में पदार्पण किया। देवदास, साधना, गंगा जमुना, संगम और ज्वेल थीफ जैसी कई फिल्में कीं। उन पर फिल्माया गाना मुझे बुड्ढा मिल गया, होठों पे ऐसी बात व उड़े जब जब जुल्फें तेरी आज भी प्रसिद्ध हैं। राम मंदिर के उद्घाटन के बाद शुरू हुए राग सेवा कार्यक्रम में भरतनाट्यम की प्रस्तुति देकर भी वह चर्चा में रही थीं।

डेंगू का नया विकसित टीका 50 प्रतिशत तक प्रभावी

अध्ययन ▸ विश्व स्वास्थ्य संगठन ने क्यूडेंगा नामक टीके को मई में दी थी स्वीकृति, मामले में देखी गई उल्लेखनीय कमी

19 अध्ययनों में सुरक्षित भी पाया गया है टीका

नई दिल्ली, प्रेट्र : डेंगू की रोकथाम की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा मई में स्वीकृत डेंगू वैक्सीन क्यूडेंगा 19 अध्ययनों में स्थायी प्रभाव और अच्छे सुरक्षा प्रोफाइल मानकों के साथ डेंगू के मामलों को 50 प्रतिशत तक को कम करने में प्रभावी पाया गया है।

20 हजार से अधिक प्रतिभागियों वाले 'पहली व्यापक वैश्विक' समीक्षा में पाया गया कि दो डोज टीका लेने पर 90 प्रतिशत से अधिक वयस्कों और बच्चों में डेंगू पैदा करने वाले डीईएनवी वायरस के सभी चार वैरिएंट (सीरोटाइप) के खिलाफ इम्युनिटी पैदा हुई। विश्लेषण किए गए 19 अध्ययनों में से 13 में एशियाई और दक्षिण अमेरिकी स्थानों से डेटा शामिल किए गए, जहां यह बीमारी एक स्थानिक महामारी मानी जाती है।

वैक्सींस जर्नल में प्रकाशित इस अध्ययन की मुख्य लेखिका इटली के फेरारा विश्वविद्यालय की मारिया एलेना फ्लैको के मुताबिक, ''सुरक्षा, इम्युनिटी क्षमता और प्रभावकारिता के संदर्भ में परिणामों को देखते हुए टीके की दो डोज निस्संदेह डेंगू की रोकथाम के लिए एक महत्वपूर्ण उपाय हो सकता है। जापान स्थित टाकेडा फार्मास्युटिकल इंडस्ट्रीज लिमिटेड द्वारा विकसित, क्यूडेंगा वैक्सीन - जिसे टीएके-003 भी कहा जाता है - एक जीवित-क्षीण टीका है, जिसमें डीईएनवी वायरस के चार सीरोटाइप के कमजोर स्ट्रेन शामिल हैं।

अध्ययनकर्ताओं का बताया है कि टीएके-003 ने एक उत्कृष्ट सुरक्षा प्रोफाइल दिखाई है और चार डीईएनवी सीरोटाइप के खिलाफ दो डोज के बाद

डेंगू की रोकथाम में मिलेगी मदद। प्रतीकात्मक

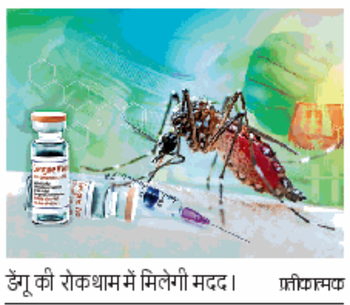

इम्युनोजेनेसिटी वयस्कों और बच्चों/किशोरों दोनों में 90 प्रतिशत से अधिक थी, जो बेसलाइन पर या तो सेरोनिगेटिव या सेरोपोसिटिव थे। सेरोपाजिटिव पूर्व डेंगू संक्रमण या डीईएनवी वायरस के संपर्क का संकेत देता है जबकि सेरोनिगेटिव इनमें से किसी का भी संकेत नहीं देता है। पाया गया कि टीके की एक डोज लेने वालों में से 70 प्रतिशत से अधिक वयस्कों और 90 प्रतिशत से अधिक बच्चों और किशोरों में वायरल संक्रमण के खिलाफ एंटीबाडी विकसित हुई। बता दें कि टाकेडा और बायोलाजिकल ई लिमिटेड, हैदराबाद ने फरवरी में क्यूडेंगा वैक्सीन के लिए एक रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की थी। इसे अभी तक भारत में उपयोग के लिए मंजूरी नहीं मिली है।

डेंगू का संक्रमण और लक्षण : डेंगू पैदा करने वाला डीईएनवी वायरस संक्रमित मादा एडीज एजिप्टी मच्छरों (वेक्टर) के काटने से मनुष्यों में फैलता है। डेंगू के लक्षणों में तेज बुखार, गंभीर सिरदर्द, मांसपेशियों और जोड़ों में दर्द और चकत्ते शामिल हो सकते हैं। गंभीर मामलों में यह बीमारी घातक हो सकती है। ट्रापिकल (उष्णकटिबंधीय) और सब-ट्रापिकल जलवायु वेक्टर-जनित रोग के संचरण के लिए अनुकूल मानी जाती है। दुनिया की लगभग आधी आबादी को डेंगू का खतरा है, जिसके मामले हाल के दशकों में बहुत तेजी से बढ़े हैं। डब्ल्यूएचओ के अनुसार, वर्ष 2000 में डेंगू के मामले पांच लाख से अधिक थे जो 2019 में बढ़कर 52 लाख हो गए। उल्लेखनीय है कि एशियाई देश प्रभावित वैश्विक आबादी का 70 प्रतिशत प्रतिनिधित्व करते हैं, जबकि मच्छर जनित बीमारी अब अफ्रीका, अमेरिका और पश्चिमी प्रशांत क्षेत्र के 100 से अधिक देशों में स्थानिक महामारी है।

जलवायु परिवर्तन के कारण दुनियाभर में तापमान और आर्द्रता बढ़ रही है। ऐसे में डीईएनवी वायरस ले जाने वाले मच्छरों का निवास स्थान का भी विस्तार हो रहा है, जिससे यूरोप और पूर्वी भूमध्यसागरीय देशों सहित अधिकतर देशों में डेंगू का प्रकोप बढ़ रहा है। डब्ल्यूएचओ के अनुसार, डेंगू की रोकथाम और नियंत्रण वर्तमान में वेक्टर-नियंत्रण उपायों पर निर्भर है और इस बीमारी का कोई विशिष्ट उपचार नहीं है।

'द स्टारी नाइट' पार्क...

बोस्निया-हर्जेगोविना के विसोको में बने एक विशाल अनूठे पार्क का ड्रोन से लिया गया विहंगम चित्र। यह एक ऐसा नेचर पार्क है, जो प्रख्यात डच पेंटर विंसेंट वान गाग की 1889 की प्रसिद्ध पेंटिंग 'द स्टारी नाइट' की थीम पर बना है। हरी-भरी पहाड़ियों तथा घास के मैदानों के मध्य बने इस पार्क में पेड़, विभिन्न रंगों में लैवेंडर की झाड़ियां, औषधीय एवं सुगंधित जड़ी-बूटियों के पौधे, झीलें तथा मार्ग आदि हैं। विसोको के उद्यमी हलीम जुकिक द्वारा बनवाया गया यह पार्क मध्य बोस्निया की सांस्कृतिक विरासत के प्रचार एवं कला कार्यक्रमों पर केंद्रित है। रायटर

इधर-उधर की

...तो इसलिए कोकेन पाजिटिव पाई गईं शार्क

शार्कों ने किया तस्करों द्वारा फेंके गए कोकेन का सेवन। इंटरनेट मीडिया

ब्रासीलिया, एजेंसी: अब तक इंसानों के ही कोकेन लेने की बात सुनी जाती रही है, लेकिन ब्राजील में शार्क भी कोकेन पाजिटिव पाई गई। समुद्री प्रदूषण के प्रभावों को जानने के लिए ब्राजील के ओसवाल्डो क्रूज फाउंडेशन ने 13 ब्राजीलियाई शार्पनोज शार्क पर अध्ययन किया। परीक्षण में सभी शार्क कोकेन पाजिटिव पाई गईं। विज्ञानियों का अनुमान है कि शार्क कोकेन के उन बंडलों को खाती होंगी जो ड्रग तस्करों द्वारा समुद्र में फेंक दिए जाते हैं। ब्राजील कोकेन के लिए दुनिया के सबसे बड़े बाजारों में से एक है।

कल रात एक-दूसरे को स्पर्श करते हुए नजर आएंगे मंगल और गुरु ग्रह

रमेश चंद्रा ● जागरण

नैनीताल : 14 अगस्त की रात खगोलविद समेत आसमानी घटनाओं में रुचि रखने वालों के लिए खास होने जा रही है। इस खगोलीय घटना में बृहस्पति (जुपिटर) व मंगल (मार्स) लगभग एक-दूसरे को स्पर्श करते दिखाई देंगे। तब इन दोनों के बीच आभासी दूरी 0.3 डिग्री रह जाएगी। इन्हें एक-दूसरे के इतना करीब देख पाने का अगला मौका 2033 में मिलेगा।

आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान के वरिष्ठ खगोल विज्ञानी डा. शशिभूषण पांडेय के अनुसार, बुधवार रात लगभग आठ बजे लाल ग्रह मंगल व बृहस्पति एक-दूसरे के बेहद करीब पहुंचेंगे। आभासी दूरी 0.3 डिग्री रह जाने की वजह से दोनों एक-दूसरे को स्पर्श करते प्रतीत होंगे, लेकिन वास्तव में इनके बीच की दूरी इस समय भी करोड़ों किलोमीटर होती है। ग्रहों के एक-दूसरे के करीब पहुंचने की घटना को कंजक्शन यानी आच्छादन कहा जाता है। ऐसी घटनाएं तब होती हैं, जब ग्रह अपनी आर्बिट में चक्कर लगाते हुए करीब आ जाते हैं। यह सामान्य खगोलीय घटना होती है, लेकिन विज्ञानी दृष्टिकोण से काल गणना के लिए महत्वपूर्ण मानी जाती है। ग्रहों की आर्बिट की गणना करने वाले विज्ञानियों को ऐसी घटनाओं का इंतजार रहता है। इस दौरान ग्रह की गति का सटीक अध्ययन का मौका मिलता है। वहीं एस्ट्रो फोटोग्राफर्स के लिए भी यह पल खास होते हैं।

▸ आकर्षक खगोलीय घटना विज्ञानियों के काल गणना में सहायक

प्रतीकात्मक

17 अगस्त को होगी आसमानी आतिशबाजी

14 अगस्त को मंगल और गुरु मिलन के बाद 17 अगस्त को एक और दिलचस्प खगोलीय घटना होने जा रही है। तब आसमान में सिग्निड उल्कावृष्टि होगी। इस उल्कावृष्टि यानी आसमानी आतिशबाजी को देखने के लिए चांद ढलने का इंतजार करना पड़ेगा। 18 अगस्त के सूर्योदय से पहले इस आतिशबाजी के दिखने की अधिक संभावना रहेगी।

विज्ञानी भाभा के दुर्लभ सामानों की होगी नीलामी

नई दिल्ली, प्रेट्र : भारत के प्रमुख विज्ञानी रहे होमी भाभा के दुर्लभ सामानों की मुंबई में नीलामी होगी। इसमें 14-कैरेट सोने की निब वाला शेफर पेन, एक कलाकृति और मोती के तीन विशिष्ट बटन का एक सेट शामिल है। 'नेशनल सेंटर फार परफार्मिंग आर्ट्स' (एनसीपीए) ने सोमवार को बताया कि भाभा के माता-पिता ने उन्हें ये वस्तुएं उपहार में दी थीं। नीलामी 'एन इवनिंग विद द माइस्ट्रो' जमशेद भाभा थिएटर में 17 अगस्त को आयोजित की जाएगी। कभी डा. होमी भाभा के पास रहे विशिष्ट शेफर पेन के लिए बोली 50 हजार रुपये से शुरू होगी। होमी भाभा द्वारा 1928 में बनाई गई प्राकृतिक दृश्य वाली पेंटिंग कला व विज्ञान के लिए उनके जुनून को दर्शाती है। इसके लिए बोली पांच लाख रुपये से शुरू होगी। उनके द्वारा कैम्ब्रिज में बनाई गई 'मिक्स्ड मीडिया न्यूड स्टडी' वाली कलाकृति की भी नीलामी की जाएगी। इसकी नीलामी के लिए बोली एक लाख रुपये से शुरू होगी।

बुजुर्गों में याददाश्त कमजोर होने के लिए जिम्मेदार एंजाइम का पता चला

अनुसंधान

उम्र बढ़ने के साथ ही हम चीजें भूलने लगते हैं। इसका कारण हमारी याददाश्त का कमजोर पड़ना है। अमेरिका में पेन्सिल्वेनिया स्टेट यूनिवर्सिटी की एक शोध टीम ने चूहों पर किए शोध में याददाश्त कमजोर होने से संबंधित एक एंजाइम का पता लगाया है। बताया कि इसका प्रमुख कारण एंजाइम हिस्टोन डीएसेटाइलेज-3 (एचडीएसी3) है। यह शोध फ्रंटियर्स इन मालिक्यूलर न्यूरोसाइंस जर्नल में प्रकाशित किया गया है। निष्कर्षों से पता चला है कि इस एंजाइम को अवरुद्ध किए जाने पर बुजुर्ग चूहे नई जानकारी को याद रखने और युवा चूहों के समान प्रदर्शन करने में सक्षम थे।

जीवविज्ञान के सहायक प्रोफेसर जेनाइन क्वापिस ने कहा कि शोध में इस पर ध्यान केंद्रित नहीं किया गया कि क्या किसी चीज को याद रखने और समय-समय पर उसे अपडेट करने के पीछे के तंत्र समान हैं। उन्होंने कहा कि यह उससे एक कदम आगे है। एचडीएसी3 को पहले भी स्मृति निर्माण और जीन अभिव्यक्ति को नकारात्मक रूप से प्रभावित करते हुए पाया गया है, लेकिन स्मृति के पुनर्संयोजन में इसकी भूमिका का पहले अध्ययन नहीं किया गया था।

अध्ययन में कहा गया कि मस्तिष्क की रीकंसोलिडेशन (पुनर्संयोजन) की प्रक्रिया उम्र के साथ कम प्रभावी हो जाती है। जब एचडीएसी3 को मेमोरी रीकंसोलिडेशन (पुनर्संयोजन) चरण के दौरान अवरुद्ध किया गया तो इसने स्मृति को अपडेट करने में उम्र से संबंधित विशिष्ट कमियों को रोक दिया। क्वापिस ने कहा कि यह अध्ययन आगे चलकर अल्जाइमर और डिमेंशिया के इलाज का मार्ग प्रशस्त कर सकता है। (आइएएनएस)

स्क्रीन शाट

सारा अली खान को नापसंद है स्टार किड्स शब्द

विविधतापूर्ण भूमिकाओं को प्राथमिकता दे रही हैं सारा। इंटरनेट मीडिया

सिनेमा जगत में वंशवाद और उसके कारण स्टार किड्स को मिलने वाले मौकों पर अक्सर चर्चा होती रहती है। कहा जाता है कि उन्हें आसानी से मौके मिल जाते हैं। अब अभिनेत्री सारा अली खान ने इस मामले पर खुलकर बोला है। सारा, अभिनेता सैफ अली खान और उनकी पूर्व पत्नी अमृता सिंह की बेटी हैं। वंशवाद से मिले फायदों पर सारा का कहना है कि इसका मुख्य फायदा है पहुंच। मैं रोहित (फिल्ममेकर रोहित शेट्टी) सर के आफिस में जा सकती हूं और उनसे कह सकती हूं कि सिंबा के लिए मुझे ध्यान में रखें। मुझे इस पहुंच के योग्य बनाने के लिए मेरे माता-पिता ने बहुत कठिन मेहनत की है, मैं इस विशेषाधिकार को नकारती नहीं हूं। भाई-भतीजावाद को लेकर बातचीत अब एकतरफा हो गई है। स्टार किड्स शब्द से भी मुझे नफरत है। अगर आप अच्छे नहीं हैं तो आपको दूसरी फिल्म नहीं मिलेगी। हालांकि सारा ने अपनी पहली फिल्म केदारनाथ प्रदर्शित होने से पहले ही दूसरी फिल्म सिंबा की शूटिंग पूरी कर ली थी। इस पर उन्होंने कहा कि मैं हैरान थी और मैं उस बोझ को ढो रही हूं। मैंने दो फिल्मों की शूटिंग पूरी कर ली थी, लेकिन मेरी पहली फिल्म किसी ने नहीं देखी थी। कई लोग इसे बिना कुछ किए अवसर पाने के रूप में देखेंगे। सारा आगामी दिनों में फिल्म स्काई फोर्स में अक्षय कुमार के साथ नजर आएंगी।

ट्रेन लेट हुई और अमित भारद्वाज ने पकड़ लिया अभिनय का रास्ता

कहा जाता है कि जब भाग्य का बुलावा होता है तो इंसान किसी भी सूरत में मंजिल तक पहुंच ही जाता है। एंड टीवी पर प्रसारित होने वाले धारावाहिक भीमा में मेवा की भूमिका निभा रहे अभिनेता अमित भारद्वाज के मामले में भी कुछ ऐसा ही हुआ। बतौर लीड भीमा अमित का पहला धारावाहिक है। स्कूल के दिनों से ही अभिनय के शौकीन अमित पहली बार मुंबई तीन अन्य दोस्तों के साथ अपने दोस्त के गृह प्रवेश के सिलसिले में आए थे। वहीं सभी ने तय किया अभिनय में स्वयं को आजमाने के लिए कुछ महीने बाद फिर मुंबई आएंगे। अमित के अनुसार, उन्हें तो स्वजन से मुंबई आने की अनुमति नहीं मिली, लेकिन वह अपने बाकी के दोस्तों को छोड़ने के लिए स्टेशन आ गए। उस समय ट्रेन आठ घंटे से ज्यादा लेट हो गई और उन्होंने अपने दोस्तों से कहा कि इसका मतलब यह है कि ऊपरवाला चाहते हैं कि मैं भी इस ट्रेन से मुंबई जाऊं। फिर क्या था, अमित ने टिकट निकाला और उसी ट्रेन पर बैठकर अपनी किस्मत आजमाने मुंबई आ गए। उसके बाद के अपने सफर पर अमित कहते हैं, 'यह सफर आसान तो नहीं रहा, लेकिन मां और छोटे भाई का सहयोग हमेशा मिलता रहा।'

धारावाहिक भीमा में मेवा की भूमिका निभा रहे हैं अमित। टीम स्वयं

हीरामंडी 2 में काम पाने के लिए कोशिश करना चाहते हैं धैर्य

जब किसी बड़े प्रोजेक्ट का पता चल जाए तो उसमें काम करने की इच्छा होना लाजमी है। अगर मौका मिले तो गहराइयां फिल्म के अभिनेता धैर्य करवा भी संजय लीला भंसाली के साथ काम करना चाहते हैं। संजय निर्देशित हीरामंडी का दूसरा सीजन बनने वाला है। ऐसे में धैर्य ने उसमें काम करने की इच्छा जताई है। वह कहते हैं कि कलाकार होने का नाते आप सब कुछ करना चाहते हैं। मुझे खुद को दायरों में नहीं बांधना है। लार्जर दैन लाइफ वाले रोल करने हैं। एस एस राजामौली, संजय लीला भंसाली सर की दुनिया का हिस्सा बनना चाहता हूं। मैं तो काम का भूखा हूं। हीरामंडी 2 की भी घोषणा हुई है, उसके लिए कोशिश कर सकता हूं। मैं तो काम करने के लिए तैयार बैठा हूं। संजय सर को मैसेज करने में कोई दिक्कत नहीं। हाल ही में धैर्य जी5 की वेब सीरीज ग्यारह ग्यारह में पिछली सदी के नौवें दशक के पुलिस अफसर के रोल में दिखे। जब उनसे पूछा गया कि नब्बे के दौर की कौन-सी बात उन्हें पसंद है? इस पर उन्होंने कहा कि मैं इंस्टाग्राम चलाने वाला इंसान नहीं हूं। इंस्टाग्राम न हो तो मैं खुश हो जाऊंगा। न चाहते हुए भी इंस्टाग्राम पर सक्रिय रहना होता है। अगर यह वक्त बच जाता तो हमारे सभी के साथ रिश्ते कितने समृद्ध होते।

दायरों में नहीं बंधना चाहते धैर्य। @dhairyakarwa (इंस्टाग्राम)

फरहान ने बताया, फिल्म बनाने में क्या हो सकता है खतरनाक

फिल्में बनाना एक कला है। ऐसे में उन जानकारों से जानना जरूरी है कि इस कला को संभाले रखने के लिए कौन-सी दो चीजें नहीं करनी चाहिए। दिल चाहता है, डान जैसी फिल्में बना चुके अभिनेता और फिल्मकार फरहान अख्तर कहते हैं कि मैं जानता हूं दर्शकों को क्या चाहिए या मैं बताऊंगा कि इनको क्या सोचना चाहिए, क्या करना चाहिए। ये दोनों बातें बहुत खतरनाक हो सकती हैं। कहानी सुनते वक्त मुझे क्या महसूस होता है, क्या मैं उस कहानी के बारे में आगे जानना चाहता हूं, क्या मैंने उससे कुछ सीखा, क्या मैं कुछ चीजों पर हंसा, रोया, अंत में एक संतुष्टि हुई, अगर यह सब हुआ तो दर्शक भी महसूस करेंगे। मेरा प्रोडक्शन हाउस जो दोस्ती वाली फिल्में बनाता है, चाहे दिल चाहता हो, फुकरे हो, जिंदगी ना मिलेगी दोबारा हो, उससे दर्शकों को एक उम्मीद होती है। उनकी उस उम्मीद को मैं समझता हूं। जब मैंने जी ले जरा फिल्म की घोषणा की थी तो मैंने लोगों में उतनी उत्सुकता अपनी पिछली फिल्मों के लिए कभी नहीं देखी थी। वह फिल्म भी बनेगी। आगे अपनी फिल्म डान 3 को लेकर फरहान ने कहा कि अगले साल उसकी शूटिंग शुरू करेंगे। फिल्म की कहानी ऐसी है कि हमें उसमें आज की पीढ़ी का एक्टर चाहिए था, इसलिए हमने रणवीर सिंह को फिल्म में लिया। वह बड़े बजट की एक्शन फिल्म है। आप दर्शकों को बेवकूफ नहीं बना सकते हैं। उस स्तर की फिल्म के लिए बड़ा बजट चाहिए, क्योंकि दर्शक विश्वभर का सिनेमा देख रहे हैं।

अगले साल डान 3 का निर्देशन करेंगे फरहान। @faroutakhtar (इंस्टाग्राम)

उम्र केंद्रित फिल्में करना चाहता हूं : शाह रुख

जब पिछले साल शाह रुख खान की पठान, जवान और डंकी फिल्में आईं, तब जाकर उनके प्रशंसकों को सुकून मिला था। जीरो फिल्म के पांच साल बाद शाह रुख पर्दे पर आए थे। उनके प्रशंसक पूछते रह गए कि उन्होंने आखिर इतना समय क्यों लिया? अब शाह रुख ने इसका जवाब दिया 77वें लोकार्नो फिल्म फेस्टिवल में। उन्होंने कहा, 'मैं बहुत सी फिल्में नहीं करना चाहता हूं। इंटरनेट मीडिया पर लोग मुझे कहते हैं कि फिल्म करो, काफी समय हो गया है। मैं ज्यादा समय इसलिए लेता हूं, क्योंकि मैं उनके साथ ज्यादा समय बिताता हूं, जो मुझे निर्देशित करने वाले हैं। मुझे उनके साथ काम करने में मजा आना चाहिए। यहां मजे से मतलब डांस से नहीं है, बल्कि एकदूसरे को जानने से है। जिस प्यार से आप सेट पर फिल्म बनाएंगे, वह स्क्रीन पर दिखेगा। कुछ खास तरह की फिल्में करना चाहता हूं, जो उम्र केंद्रित हों। छह-सात साल से मैं इसके बारे में सोच रहा था और एक दिन मैंने सुजाय (सुजाय घोष) से इसका जिक्र किया। उन्होंने कहा कि मेरे पास ऐसे ही विषय पर एक फिल्म है। ऐसे संयोग मेरे साथ पहले भी हुए हैं। कोविड के दौरान मेरे बाल बढ़ गए थे, कोई काटने वाला नहीं था। मैं वर्कआउट भी कर रहा था। एक दिन मैंने खुद को शीशे में देखा और कहा कि मुझे एक्शन फिल्म करनी है। उसी दौरान आदि (आदित्य चोपड़ा) मुझसे आकर मिले और कहा कि मेरे पास एक फिल्म है, जिसमें आपके बाल बड़े हैं और आपको कुछ आदमी मार रहे हैं, आप उठकर कहते हैं जिंदा है। उस एक शब्द को सुनकर मैंने पठान फिल्म साइन कर ली थी। फिल्म किंग को लेकर मैं अपना वजन कम कर रहा हूं।'

« किंग फिल्म के लिए वजन कम कर रहे हैं शाह रुख खान ● आइएएनएस

चार वर्ष लगे बंदिश बैंडिट्स के दूसरे सीजन में

फिल्म हो या वेब सीरीज, अच्छी कहानी के साथ अच्छा संगीत भी मिल जाए, तो उसमें चार चांद लग जाते हैं। साल 2020 में प्रदर्शित वेब सीरीज बंदिश बैंडिट्स भारतीय शास्त्रीय संगीत पर बना एक म्यूजिकल शो था। शो के पहले सीजन को प्रदर्शित हुए चार वर्ष से ज्यादा का समय हो गया, लेकिन अभी तक इसके दूसरे सीजन की प्रदर्शन तिथि की आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। हालांकि, प्रशंसकों के लिए अच्छी खबर यह है कि दूसरे सीजन लगभग तैयार हो चुका है। रित्विक भौमिक, श्रेया चौधरी, अतुल कुलकर्णी और नसीरुद्दीन शाह अभिनीत इस शो के अगले सीजन के बारे में निर्देशक आनंद तिवारी बताते हैं, 'बंदिश बैंडिट्स सीजन 2 वह बहुत जल्द ही लोगों के सामने आ जाएगी। यह शो बनाने में सबसे बड़ी चुनौती उसका संगीत है। उसका संगीत ऐसा नहीं जैसा किसी आम कमर्शियल मनोरंजन फिल्म का होता है। बंदिश बैंडिट्स का संगीत सिर्फ मनोरंजन के लिए नहीं बना है, वो काफी रिसर्च करके बना है। इसके संगीत में अलग-अलग घराने शामिल होते हैं, हमें अलग-अलग संगीत स्कूल से सुझाव लेना पड़ता है। इस मामले में हम बड़ी जिम्मेदारी से खेलते हैं। जिसमें समय लगता है और हमें समय को लेकर कोई दबाव भी नहीं था। हमें सीजन को आगे बढ़ाने का भी कोई दबाव नहीं था, बस अच्छा काम लोगों के सामने लाना है।' बंदिश बैंडिट्स के पहले सीजन ने अपने संगीत से खूब प्रशंसा पाई थी, अब देखना दिलचस्प होगा कि दूसरा सीजन लोगों की उम्मीदों पर कितना खरा उतरता है।

बंदिश बैंडिट्स वेब सीरीज के निर्देशक हैं आनंद ● @kashmera1 (इंस्टाग्राम)

अपने शब्दों को सोच-विचार कर बोलता हूं

अभिनेता अक्षय कुमार की आगामी फिल्म खेल खेल में का कांसेप्ट ऐसा है, जिसमें फिल्म के सभी मुख्य कलाकारों को अपने फोन का पासवर्ड खोलकर सामने रखना है। इसके बाद जो भी संदेश या काल आए उसे सार्वजनिक रूप से सभी पढ़ेंगे एवं सुनेंगे। इंडस्ट्री में अक्षय लोगों के सामने कितना सच बोल पाते हैं? इस पर वह कहते हैं, 'जुबान एक ऐसी चीज है, जो मार से ज्यादा घाव देती है। जुबान रिश्ते खराब कर सकती है, युद्ध करा सकती है। ऐसे में जो आप बोल रहे हैं, उसको लेकर सतर्क रहना चाहिए। लोग कहते हैं कि मैं डिप्लोमैटिक (कूटनीतिक) हूं। हां, मैं हूं, क्योंकि मैं अपने शब्दों को सोच-विचार कर बोलता हूं। किसी को तकलीफ नहीं पहुंचाना चाहता हूं। मेरी पत्नी ट्विंकल (खन्ना) को अगर फिल्म पसंद नहीं आएगी, तो वह निर्माता से बोल देंगी कि खराब फिल्म है। मैं उन्हें कहता हूं, ऐसा मत करो, भले ही मैं जानता हूं कि वह जो कह रही हैं वह सही है।' खेल खेल में मल्टीस्टारर फिल्म है। आज के कई कलाकार ऐसी फिल्में करने से बचते हैं। इस पर अक्षय कहते हैं, 'मेरे लिए जरूरी है कि फिल्म चले, न कि मैं उसमें ज्यादा दिखूं।'

एक रात की कहानी होगी अक्षय अभिनीत फिल्म खेल खेल में ● मिडडे आर्काइव

मामा के साथ पैचअप चाहता हूं : कृष्णा अभिषेक

कामेडी शो में एक साथ काम कर रहे हैं कृष्णा और कश्मीरा ● मिडडे आर्काइव

अभिनेता और कामेडियन कृष्णा अभिषेक और उनके मामा तथा अभिनेता गोविंदा के बीच रिश्तों में हुए अनबन को अब करीब आठ साल हो चुके हैं। अब कृष्णा ने एक बार फिर अपने मामा से पैचअप यानी कि रिश्ते फिर से सुधारने की अपील की है। मौका था कामेडी शो लाफ्टर शेफ अनलिमिटेड के सेट पर आयोजित प्रेस कान्फ्रेंस का। इसी दौरान कृष्णा और उनकी पत्नी कश्मीरा शाह से पूछा गया कि अगर उनके मामा गोविंदा उनके घर आए, तो वह रिश्ते सुधारने के लिए उन्हें क्या बनाकर खिलाएंगे? इस पर कृष्णा ने हंसते हुए कहा, 'अगर रिश्ते सुधारने हैं, तो वह गोविंदा को अपने या कश्मीरा के हाथ का बना कुछ भी नहीं खिलाएंगे (कहने का मतलब दोनों खाना बनाने के मामले में बहुत खराब है)।' इसके बाद कृष्णा ने कहा, 'मजाक अपनी जगह, लेकिन मैं एक बार फिर मामा के साथ पैचअप चाहता हूं।'

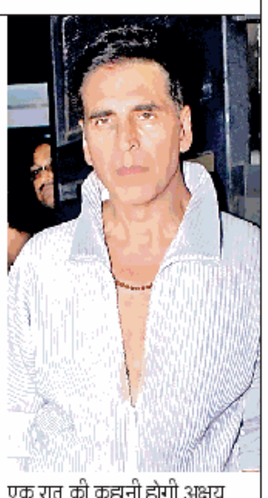

****